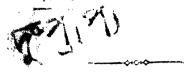
আলালের যরের ছলাল)



ক্রিবার বড় দায়জাত থাকার কিউপায়" "রামারঞ্জিকা" ক্রিবাটে" "গীতাত্ত্ব "ও ঘৎকিঞ্জিতের রচয়িতা

🚉 युक्त टिकडाँ मौठाकूत कर्छक वित्र ५० ।

CALCUTTA:

PROPRIETOR, NO. 16, SPITISH INDIAN STREET.

PREFACE.

আলালের ঘরের জুলাল। TER CHAND THACKOOR.

decide bind, is now submitted to the public with considerable bledge. It chiefly treats of the pernicious effects of allience. It chiefly treats of the pernicious effects of allies children to be improperly brought up, with remarks a existing system of education, on self-formation and us enture, and is illustrative of the condition of Hindu ey, remners, customs, &c. and partly of the state of gs in the Moffiessil. The work has been written in a applestyre, and to foreigners desirous of acquiring an idiomatic knowledge of the Bengali language and an acquaintance with Hindu domestic life, it will perhaps be found useful. The writer thinks it well to add that a large portion of this lale appeared originally it a monthly publication, which met with the approval of a number of friends, at whose request he has been induced to conclude and publish it in the present form.

जुशिक।।

আনানা পুস্তক অপেকা উপনাসাদি পাঠ করিতে প্রায় সকল লাকেরই হলে সভাবতঃ অন্তরাগ জিলিয়া থাকে এবং যে স্থলে ভিন্দেশীয় অপিকা শ লোক কোন পুস্কাদি পাঠ করিয়া সময় পেন করিতে রঙ নহে সে স্থলে উক্ত প্রকার পুস্তের অধিক শাক, এতদিবেচনার এই ক্ষুদ্র পুস্তক থানি রচিত হইল। তাংপর্যা কি পাঠ করিলেই প্রকাশ হইবে। এ প্রকার ক লেখনের প্রণালী এতদেশ মধ্যে বড় চলতে নাই,ইহাতে মোদামে অবশ্য সদোষ হইবার সন্তাবনা, পাঠকর্ম অনুপ্রাহ্ বিদ্যা ঐ দোষ কমঃ করিবেন। প্রস্তের নির্ঘণ দৈখিলেই কিন্তুলের আভাস ও অন্যান্য প্রকরণ জানা যাইবে। শৃত্ত-ক্রি মূল্য ও নগদ।

ADVERTISEMENT.

The following Worls by Ten Chano Tuackours shortly be published.

मम था उसा तफ मास जाक थाकास कि फेशास।

A collection of immonous and satirical Sketches and Tales, illustrative of the ill effects of Drinding and for those regarding Caste, with a few illustrations in one yell at 8 vo. Price per copy, 8 Anna, cash.

त्राभा ति दिन्दा।

Intending subscribers are requested to forward their names, addresses, and the number of repies to which they wish to subscribe, to Messrs. P. S. D'ROZARIO & Co. 8, Tank-Square, or to Baboo A. L. Mittra, at Mental Purrier & Co.'s Fairlie Place.

निर्घटि !

বাৰুরাম	বাবু ব	11 Km	-श्राहरत दिव	नत दाक	ল.,
अर्य क	ভ পার্	in English	1.4 a b - b - b - b - b - b - b - b - b - b		5
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		* 15% * F 17. * * * * * * * * * * * * * * * * * * *			
হাম বা	বুর বা ি				.
ग इल 🗀		, ৬ ডা পাসৰ	ৰ ও ভগা	त लीकार	খলা ,
श्रीत है	नगानी न	कि थि रह	বাজারের ভ	पर्नाष्ट्रि,	> 9
क रिकार इ	श्व छ ता	· 25 年 1	त विवद्या	किएक किए	क दि
图布均可	. गाँउन	रिलंद क्रमः	🤋 ও ধৃত	इडेगा श्री	सर्म
• আলিচুৰ	,				58
वाजुत्रं भ	यः तुत्र निव	हिंग अपन	प्रदेश शिद	थागातात	प टक
(의 : 이.	य। तुर्	मत मञ्द	ध्वः ठक्ठ	ার পরি	5 11,
বাবুলা	भत जी व	সহিত কং	<u> भाभाक्ष</u> न	া, কলিকা	<u>ত</u> ার
डा दिश्य	तथाजा	उ क, ली	া কলিব	গভার ব	र्ने नें ,
বাঞ্বার	ামের ব	টীতে বা	दृह्य है ।	शयन छ	शास
जा भी	किरमन्	হিত সাক	াং ও মতি	लिल भर्ड	FIR
কথোগ	क्थम,		6	• • • • • • •	२ ऽ
मिलि! द	ার মাতা	त जिल्हा,	लिंगनी प	য়ের কথে	191-
		বেডারাম	•		
কথোপ	।कथन ও	বরদা প্রসা	দ वावुत व	শরিচয়,	···· 30
কলিকাত	ात आमि	বৃত্তান, জ	निष्य अव	পিশ্লিয়ে	时刻,
श्रुलिम	বৰ্ম,	गिंजनारन र	। श्रु निर	স বিচার	उ
খালাস	া, বাবুরা	ম বাবুর	शूख लह	या देवनार	गि
श्यम्, र	अरफ्द उँव	शंग उ त	नोका जव	नमश्च इउ	. न्द
আশস্কা	,	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •		••••••	· 4

৮ উकिल विष्यंत मार्ट्यत् आकिम-रेत्रायांचीत् यां-	
जिएक कर्न्द्रात काना क्रांतनां, दाक्षाचामतात् । व्यास	
शमन । तिरामि वातुर्।भरवित भर्वान ए छा प्रभाग.	83
त्र मिख मिकास्मिका मा म अराहित महिलालत	
क्षामार मन्म इन्छा ७ व्यानक मिन्न वाष्ट्रेमा नायु	
- इस्मा उर्ग दनः जुण क्रमार् अर्ड राजाहात्.	
7.79	Ģ.
५० दिकार जिल्ला सकता. त्या त्या राष्ट्र आधा-	
मन, शान्तांभ नानत् भागातः मा अभाजतः विनादकत	
त्योषि अन्तर्भाष्ठ के मानार्थं करित्राकशादः भाग जन्	
जगाय (शक्यायाण,	C.
>> मिल्लाक्तित निर्दाण जेशकाक करित्र, अ आधार ५	74.7 23.3 3
ष्ट्रांत जाशां भक्तिरात नाम द्वान,	56
३२ तिछात्रांग वातुत्र निक्छे त्वली वातुत्र धारामः महिलाद्वात्र	* * * * * * * * * * * * * * * * * * *
जाजा दायलादलव छेडम एंटन इ.डा.च्या कार्यन	ı
व्यविधान योग्न धार्य-मान विधिन छ गो।, ॥	らか
५० वर्षा ध्रमान दावुर केशानश (म ७०० छ। इत रिचंड.	
ख अन्य निष्ठी धरा प्यानिकात यानां की। छैं दात	
निक्छ वाभनात्मद छिशाम्यः	
পিতার ভাবনা ও চকটাচার সহিত পরান্ধ।	
तामलाकात अन विचास गडान्द उ. डोश्त वर्	
जिनिते शीषा अ विद्यान	48
১৪ মতিলাল ও তাহার দলবলের এক জন কবিরাজ লইয়া	
ভাষাদা ফফিকরণ, রামলালের সহিত বরদাপ্রসাদ	*1.
वाद्व दिन जगान्त कत्तद कथा, ल्लिल इहेट	
গুমখুনির পরওয়ানা ও বর্না বারু প্রভৃতির তথায়	
998,	b >
১৫ इशिला गां कि १९ है का ছाति त वर्गन, वर्षावाय ताग-	
লাল ও বেণী বাবুর সহিত্যকাচার সাকাৎ,	
সাহেবের আগমন ও তজবিজ আর্য় এবং বর্দা-	ا الله الله الله الله الله الله الله ال
वार्त थालाम,	

वालादात हत्तत मलाला

े वातुताम वातुत गाँ हय—मिल्लालात वाक्षाणा, मरक्ष ७ शाहिब भिका।

दैवनायाणीत वार्ताम तातु रफ देव्यकि फिल्मा किन विभिन्न ए क्लिका विभागा जामाना जातन क्या करियो नियो छ क्रिन। कथा के कि करिएट अन्य इंड्या इंट्रिक हामि अर्ज मा किरिया राग में जटण एका नम् आहीन धार, फिलना—यावराम ्मारे अथा क्याद्व है । यर वस । जिस्क क स्था अप्रे— डार्ट के कि -मिरिशाम । किन्द्रिक वार्व भारत्र भ्यानिशास्त वर्षान्त के बहा किंग्लिस एकसा कर्म किंग्लिस मार्ग के मार्ग के मार्ग के मार्ग्य हित्दान। এरम्भ धन जानना न न ना प्रताह मान वार्ष, निमा ७० १८० अफ्क भोष अस्य सा वातुवाम वानुत यान्यां भूत्या यक मन्त्र किथा, एर्कारण श्राध्य क्रिये पुष्टे अक गुन्ति छ। भारत छ। भारत छ। स्मा अला-लका बाध बाईगडी जालक ७ जनगंना जेशया मण्या एपाटक चासुनां छ काराजा नमानां स्वतं अर्या जामर्य दिन। जनमान काल नाजिए जाकिमदन जीकार देवाल नि। (जाकात्। इहेंछ, यमन मिक्काइ ध्यानात मिक्कि कि था करल है छ। मिकिनाम भूतिशूर्व इस दिसन भरतन रममानि क्वेलिके ल्यांकिस आम्निनि इह, वाबुताम वाबुत छिट्ड यथन या उ डाङ्ड निकेष लाक छाए। नाई— विष, कि छ। है, नक लिये गाति मिरक विषया पुष्टिक नक मा कथा कहर एट्ड, दुक्तिगान बाङ्ग्रिश जिन्नदम् र्मारमाम क्रिङ जात्र अटलाट्यटला ल्लाट्यता अटक्वाद्यह

ाल उँ जीक विलिश। এই करण किए काल योशन कहिया। ।वितास वान लाममा कोई जान ए आशाम विणित विभिन्न निर्मात ए में देमा शांत कथा कि ता ए आशास विणित विभिन्न।

(स्त्रित मस शक्ति। त स्थ का ए स्व मा अभिन्ति । किए ल'र ल'र ला। बाबुतांस वाचु (क्यूल धन फेलार्ड) हिम्दर्भ कर्त्रमा । वि धक दत्र विश्व विस्व व जिल्ल -कि शकारत प्रभावन का लिएक का कि कि जिल्ला के शकारत आधिष लाक मकल कर्राह्म १८६ था गर्म गर्म कर्मात किया का छ रामाङ्ग इडेरन.... १६३ १७७ नियम भर्मा छिखा कतिर्जन। भिष्ठा अस श्राह्म अ १३ दर्स हिला यात्राम वार् तलताभ ताकारतत क्यांचा, बाक्या, का द्वाकार्य कार्तावयः क्रिया गाज विश्व याग च्यम कविया छ। भारत विया किया इटलन. किस कामा डाउ र लीन, जाति कारान कारन कारन कांत्रा हिला-निवास का दिए है किया का मा केरण देव माया मित श्रुष्ठ वाणित्य एकि सम्बद्ध । श्रुष्ट मिल्लाल वामा।वया खार्वाध आहत लाम्या स्वार्धि स्वार्धिन कर्त्रिक-क्षान विलिक भावा हो। अधिन- कर्न र एक नावा त्लाल याव। गथन होटकाव करता कितिए हैं अभित के अभित के तक कि के हिए अकल (लाक सिमिल के नागरक किलाएं दे व र या र यान जाता नामकी निका भावात । वक्त लाकाता । विष् । विभानार वाहेनात नाम अकति ।। गिनि व जित भवकान जिल्ला जिल्ला जिल्ला कर्राचितार जर्म छिल । अर्थे अर्थे अर्थे निकटि शिल प्रिलाल हो। प्राप्त हो है। जिस्सा क्षेत्र का अपने क्षेत्र के जिस्सा क्षेत्र का मश्राण्यः जाराना । जाराना जाराना जाराना कर्या नयः मर्जा अज्ञान कि लभाइया हैगाइय स्था व व्याह्या भाषाता भाषाता निम्धतं द्योग्राम् य क्रिता। छत्रमञ्जामा । त्र १।, त्र २।, त्र २।, त्र न ''लापि दि स्पाधिं देशान पिशा उन्टि

विशित भक्त क्या के छा छ भेड़े। यन विशेष करिए हैं। शिक्ष — ध छिं। छा ज्या हिए स्वर्ग प्रतिशाश कारी क्या है। इंग्लिश के के कि कि स्वर्ग कि स्वर्ग के कि स्वर्ग के

श्रारमत श्री शक्ष यह। जगवरी ठाजतमामा ७ कहत्क ताक क्रम जानिया किकाम क दिला (तभी वायु क किलि हैं (क?... क्रांगता आगति कर्गता किया किया वाहेट किलाग-.... भारलत न्यारिक के है अविकास—माहि यम काकारिक भरीको माहिर कतिर रहे। दिनी देश किरियान आहे एकशा (करन तल ? धक्छ। जादि कवादनादश श्रिशा छ--शामात एकछि समात्र। यथा कुछ्य भारण—लाहा । इत भाष कि छुड़े छ। गाई— क्तितल कज़क छला। हिक्ति। अग्रित किल्लिहिक करल छर्छि कताहेवात क्रमा कामात निकित भक्ति। क्रमाति क्रिक्ट अत्यापाई काफ काली केंग्रेट-- धगम (कृट्लिक किन किन ताथिलिहे याजिएक याच छ त्राया अहमाल कार्शालकथ्रा इडेएक्ट क्रम करइक ८६९ छ। अभार ए या जिल्लाल - " छक नत मञ्जूष्ट्रा" विद्या हे एक ति कति एउट् ज भिना। (विदी वायु विक लाम के वाम्राज्ञ (व नान-एश क - आवात प्रते धक्या परिय (ए. क गर्कि? भागकि विषय किविट शहिद्दान वै. हि मिंडिनोन (तनी नातुरक (भाश्या भार नाहित कतिया अयकार। कत्र किंशिः मक्षण्ड इडेल। (वर्गे यातु किंछामान वटलम रातु कालाय विद्यासिक स्थान या जिल्ला विद्यालय अस्था आयो। क ज न ए ज. हे (म थ अला भा

পরে বাটার ভিতর যাইয়া মতিলালা রাম চাকর ক তামাক আনিতে বলিলা। অমুরি অথবা ভেলসায় লানে লা—কড়া তামাকের উপর কড়া তামাক থাইতে লাগিল। রামুল তামাক যোগাইয়া উঠিতে পারে না— এই আনে—এই নাই। এইরূপ গৃহুন্ত তামাক দেওছাতে রাম অনা কোন কর্মাকরিতে পারিল না। বেণী বাবু রোয়াকে বসিয়া স্তক্ষা ছইছা রাইলেই ও এক বার লিভন কিরেয়া মিটই করিয়া উকি মারিয়া দেখিতে লাগিলেন।

आहारवत भगर छेलचित इंडलि (तिनी तात अखःश्रंत अखिलालाक लडेरा छल्म अस राक्षम अमाना क्रकांत्र फर्काप्र हरा। क्षित्र लग्न धारा शांत्र छाप क्या व्या जावन अवस्थान আপনি শয়ন করিতে গেলেন। মতিলাল শয়নাগারে গিয়া পান তামাক থাইয়া বিচেনার ভিতর চুকিল। কিছু কাল এ পাশ ও পাশ করিয়া ধড়মাড়িয়া উটিয়া একং বার পায়চারি করিতে লাপিল ও একং বার নীল্টাকুরের মহীসংবাদ অথবারীম বস্তুর বিরহ গাইতে নাগিল। লানেন লোটে বাটীর সকলের নিজা চটে পালাইল।

कर्षमध्य द्वाम ७ कामी छा। गिन्ह गिन्ह (भाषाम मिला महान कहिए मिला ए जिला महान कहिए भिला है। जिला महान कहिए भिला है। जिला महान कहिए जिला है। जिला महान कहिए जिला है। जिला महान किला है। जिला है।

(श्लाताम। अवस् नाशा ताम! এ गणाम हिण्काति भात लिखा २०१६ मा-- इ.८ नगाम नोक गुणा कि श्रिकारेयः

ताम। (भारमण किया जात्त भार में करण— धर्मन किन केर्नि वात्र जान भोना करहे जन এगाइ— ध्र

পর্দিন প্রভাতে বেণী বাবু নতিলালকে লইয়া বৌ-বাজারের বেটারাম বন্দোপাধ্যায়ের ধার্টিতে উপস্থিত হইলেন। বেটারাম বাবু কেনারাম বাবুর পুলি-বুনিয়াদি বড় মানুষ—সন্তানাদ কিছুই নাই—মাদানিদে লোক কিন্ত জ্যান্ধি গ্রাখাদা— অল্লং পিট্পিটে ও চিড়-দিড়ে। বেণী বাবুকে দেখিয়া স্বাভাবিক নাকি স্বরে জিজ্ঞানা ক্রিলেন ও সারে কও কি মনে করে?"

्रविशे वातु। गिङ्गाल गङ्गाणात वाणिष्ठ थाकिया कुल পिङ्दि—गिगितात्र कुणि शाहेल देवमावाणि गाहेदा। दावृताम वातृत कलिका छात्र आश्वात मङ आशीय आत्र गाहे बक्रमो बहे असूदाध कति छ आशियां।

বেচারাম। তার আটক কি—এও ঘর সেও ঘর। আমার ছেলে পলে নাই—কেবল ছই ভাগিনেয় আছে— নতিলাল সফ্লে থাকুক। বেচারাম বাবুর নাকি খরের কথা শুনিয়া মতিলাল থিলং করিয়া হাসিতে লাগিল। অসনি বেণী বাবু উর্ছু ই করত ঢোক টিপ্তে লাগিলেন ও মনে করিলেন এমন ছেলে সঙ্গে থাকিলে কোথাও সূথ নাই! বেচারাম বাবু মতিলালের হাসি শুনিয়া বলিলেন—বেণী ভারা! ছেলেটা কিছু বেদড়া দেখিতে পাই যে? বোধহয় বালককালাবিব বিশেষ নাই গাইয়া থাকিলে। বেণী বাবু অতি অনুসন্ধানী—পূর্বাকথা সকলি জানেন, আপনিও ভুনেছেন—কিন্তু নিজ গুনেকল ঢেকে ছুকে লইলেন—হাস্থ কথা বাজু করিলে মতিলাল মারা যায়—তাহার কলিকাতায় থাকাও হয়নাও কুলে পড়াও হয়না। বেণী বাবুর নিতান্ত বাসনা সেকছুলো পড়াও হয়না। কোন প্রকারে নানুষ হয়।

অনন্তর অন্যান্য প্রাণার প্রনেক তালোপ করিয়া বেচারাম বাবুর নিকট কইতে বিদায় হইয়া বেণী বাবু মতিলালকে সঙ্গে করিয়া শারবোরণ সাহেবের কলে আসিলেন। হিন্দু-কালেজ হওয়াতে শারবোরণ সাহেবের কলে কিঞ্চিং মেড়ো পড়িয়াছিল এজন্য সাহেব দিন রাত্রি উটিয়া পড়িয়া লাগি-য়াছিলেন—তাঁলার শারীর মোটা— দুরুতে রৌ ভরা—গালে সর্বাদা পান—বেভ হাতে—একহ বার ক্লাশেহ বেড়াইতেন ও একহ বার চৌকিতে বলিয়া গুড়গুড়ি টানিতেন। বেণী বাবু ভাঁগার কলে মতিলালকে ভর্তিকরিয়া দিয়া বালীতে প্রভাগনন করিলেন।

৪ কলিকাতার ইংরাজি শিকার নিবরণ, শিশু শিকার প্রকরণ, মতিলালোর ক্সঙ্গ ও ধৃত হইয়া^{র্} পুলিসে আক্রম

अथग गथन देरदाटकता किलिकाकात्र अधिका केविट । काइरमन, रम गगरम रमि देशार्थ वाबूता मुका मुका किलिकाका

किन्न किलिकां जात अक अन्य डेर्बाकी जागा का निहना। १६ ९ ता कि भिट्यत महिक कात्रवाद्यत कथावाकी. देशात वाहा इडेड। गानव अलान वहे, स छ छ प्रांतर किल (तिरत्रांश, डेलांत्रावादां हे करमर कि छूर डेर्सां छ कथा लिका इन्ट्रेंड जातम र्हेल। शरत स्श्रिम क्रिंड याशिन ्रहेल, आहेन जीमान्टित भाष्कां वेश्वांक्य एका नांड्य, डिटिल। जे रगय तागताम मिश्री उ टानिन-त्राम माम ज्यान केर्ता कि कथा मिथिया किएलन ए भूताम मिखीत निया तामनाताराम मिखी डेकिएनत किलानिशति कतिएका, ও धाराक कारकत प्रत्या किया प्रिया पिर्धन, छैकित न्धकारि का न जिसा, उथात छ। जिसियास्क ১৪। ১७ हिक्स कतिशा गारम भाष्ट्रा भिर्छ इडेड । शरत त्रागलाएन, नांशिंड, कुखारगाइन वसु थार्ड अरम्दिक के का भानेत-शिदि कितियाछित्वनः छित्वता जामम् छिम् शांक्रं, ७ कथात गारम युथे व किति है। निवाद अथेवा जिर्देश में भाषा, भा क्टिन कार्डिन याडिटि भार्ति, अक्टन जिस्टिक टिस दम्थिए जन उमानाम वा उद्देशिए जन। 🗡 ----

क्तित्व। अ जाताज्य शिष्ट्रम अल्डित प्रथानिथ भातवत्व मार्ट्य किष्कान शत युन करियाष्ट्रिम। धे युक्त जरमक मग्रास क्लित (इक्तिश शिष्ठ।

যদি ছেলেদিগৈর আন্তরিক ইচ্ছা থাকে, তবে তাহার। যে সকলে পড়ক মাপনত্পরিশ্রেমের জোরে কিছু না কিছু অবশাই শিখিতে পারে। সকল স্কুলেরই দোষ গুণ আছে, এবং এননং অনেক ভেলেও মাছে যে এ স্কুল তাল নয়, ও স্কুল ভাল নয়, বলিয়া, আজি এখানে—কালি ওখানে মুরেই ডেডায়—মনে করে, গোলমালে কাল কাটাইয়া দিতে পারি-লেই বাপ মাকে ক্টাকি দিলানা মতিলাল শরবোরণ সাহেবের স্কুলে ছুক্ত ক দিন পড়িয়া, কালুস সাহেবের স্কুলে ভর্তি হইল।

्नथा भए। শিथितात छार्थगा धक्ने, या गर श्रकांव अ मर

छति छ छेटन-रङ्गिदन छन। छन्मिद्द ७ (मः नियम कर्णा सानिएंड पार्टर, जांडा जांना कतिया (मथा डडेरन। क्रिया व्यक्तिशास कानभारत योगकांभरभत निका कहेल छोडाता मर्मा श्राकादत उप क्षा क्षा कि शहर वर्ष कि दि मक न कर्या छ। म क्षा विभाउट अभारत--किट्रिक अभिता किन्द्र ध्रमक किन्द्र भाग क्वेटल, याल गाउल गाउल गाउल । चिल्ला कि तिल या छाउ। वाल्ला रम भर्ति मादिनम, एक त्वां छ त्यांचे भार्य संदन। एक दबादक मर करिएले इनेटल, खाट्या पाट्यत मर इन्हा डिन्हि। वाल् भरम भूति याकिया एक स्वारक सम स्थाउ सामा कति इस, स छोड़ा स्वाय (कबरे -वाल खमर कर्षा राज इंडेग्रा बीजि खेशरमभ मिरन, एकरान भाकारक नियान जभिन कतिया केश्वाभ कर्षता याश्वा राश्वाभिका भरभ हरन जरहात भुष्टत जेन्द्रमा तड जातमावः कृत्त मा--वर्षमत (भर्थ। (भरिश भूटलिस भर अभाग आश्रामा आश्रामा। गाउर्व आधा निखा अहि महाना मृक्ति वाचा आवणाक। कानगीत गिरी पारका, सार्ध धनर म्याम्यान मिस्त गन (राभन नंत्रम क्य, ध्रमन किक्तुरको क्या मा। निक्रमा निक्ति किन्द्रम कर्ष कारन एए ध्यम् कर्य कहिला खाभारक मा कारन जर्मा ज्यान्त कतित्वन न', डाहा इहेट डे डिड्डि मध्य मध्य विकास ख्या। भिक्करकत कर्छना, या भियारक करकशका। वर्ष्ट्र श्रष्ट्रा-हेगा (कवल (७) हो भाषों ना कर्त्रन। यो है। शेष्ट्रत जाहा মুথস্থ করিলে সারণ শভির প্রি হয় বটে, কিন্তু ভাহাতে यमाशिर्क्तिय दणात उ कार्कित निमा को करेन, उत्व भा लिथाशकः (मथा किनल जिन्हे प्रधायात् कना। भिषा वफ् इंखेक वा क्रिकि इंडेक. जी जादक दमन कविया विवादिया पिटिं इहरतक, स्व लाइन्डनाटि डिश्त भग लाइन--दमक्र वृत्रान निकात स्थात, उ किनामान पात कात करेए भारत-किन उंहिन क दिल क्या मा।

देवमावाणित वाणिः शाकिशा मिन्द्रान किছ्मान स्रभी के स्मार्थ माहे। এक १० वह वाकादित थाकाट हिट्ड विश्वीक है के स्थान किहान वाका कि का का किहान किहान के स्थान किहान कि स्थान किहान के स्थान किहान किहान के स्थान किहान किहान के स्थान किहान किहान के स्थान के स्थान किहान के स्थान किहान के स्थान किहान के स्थान के स्थान के स्थान किहान के स्थान के स्था के स्थान क

দের নাম কলধ্র ও গদাধর, তাকারা জন্মাবণি পিতা

কেমন দেখেনাটা মাতার ও মাতুলের ভয়ে একং বার
পাঠশালায় গিয়া বনিত, কিছু সে নাম্মাত্র, কেবল পথে

ঘাটে—ছাতে য়াঠে—ছুইছেটি—ছটেছিটি,করিয়া পেড়াইত।
কেই দমন করিলে দমন শুনিত না—নাকে বলিত, তুম এমন
করোত আমরা বেলিয়ে যাব। একে চায় আছে, পায়—
ভাহারা দেখিল মতিলালাও ভাকাদেরই এক জায়। ছই
এক দিনের মধ্যেই হলাছলি গ্লাগালি ভাবহলী ৯ এক
জায়গায় বলে—এক জায়গায় থায়— এক জায়গায়।
পারশ্বর এ ওব কাথে হাত দেয় ও ঘরে ঘারে বাহিরে ভিতরে
হাত ধরাপরি ও গলা জড়াজড়ি করিয়া বেড়ায়। বেচারাম
বাবর প্রাক্ষী ভাহাদিগকে দেখিয়া একং বার বলিতেন
ভাগি এর। যেন এক মার পেটের ভিনটি ভাই।

कि मिल्र कि युवा कि नृष्ठा क्रवाश 5 हुल क्रिया, अथेवा धक श्रकात कथा लहेगा धाकिएड भारत ना। भगय मिन ताजित मध्यः जिस् कार्यं अग्रं कार्षे छ्यांत छ्यांत छ्यांत मिछिपिरगद थालि धनन नियम कहिएक इन्रेयक या जाशादा (थलां ७ क तिर्य - शङ्भागा ७ कतिरव। क्यां गा (थला) कता खगवां क्रमांगठ शहान्यां कता छाज ग्रह्। (थलाहुना कतितात विभिन्न जिल्लामी अहे. या महीत जीका इडेग्रा উঠিলে ভাগতে পড়াশ্না করিতে অধিক মন যায়। क्यांशक शङ्ग्यां कदित्व यस पूर्वत इध्यां श्रष्ट्—याश एथा यात्र जोशं मत्न जित्र थात्म-जान क्रिया अत्येथ करत ना। किन्न (थनाइड हिमांव आहि, धर् थनाय শासीतिक शतिखाग इश, (महे (यशांके खेशकातंक। खाम প्रामा প্রভৃতিতে কিছুম। ব কল নাই—ভাহাতে কেবল छ। समा याची वार्फ-(मेडे छ। सरमार्ड नाना फैर्भाड घरहै। (भाग क्यांशंड लड़ांखना करित्व लड़ांखना डाल इश्रमा, ভেমন ক্রমাগত খেলাতিও বুদ্ধি হোতকা হয় কেননা ्थनां व क्वल मतीत मदल इहेट थारक—मरगत किनुमां क " अन इश्न ना, किन्छ नन अकिं। ना अकिं। विषय लहिया

खनगा ने निम्क शांकित, धमन खन्या जो हो कि कूल त्थ वजे स्थारण गांकिता धारत खानक वालक धरेक त्थर, खन्य शाहर विमार्थ था दिन।

इलयत्, शमायत् ७ मिल्लाल (पाक्तात्र माएज्त गाम (निष्य--याञ् मत्न याय डाइ करह—का भारत कथा खरन गा-कार (त्वः व गोरम गा। इश काम-नग्न भाग - नग्न प्रि —गग्नाम्याम् — मग्नाम्याम्याम्याः अकति। महिम् भकता वारमः रे भाष्ट यात्र अवकान मार - भाषात्र अवकान माडे—। जित्र डिड्त या इतात कमा ठाकत डाक्टि का मिटन, वार्गात वटल--ग (वहां गः, जागता गान ना। नागी जानिया यरम, आसा मा है। में नाम (य स्थान भाग मा-नार्यिय, बदल---स्थङ् कर्तायकाणि। पात्र गटपार् यटल, या गांत्र, कि निकं कराहि बिर्थाण। करनर अपुष्त यह क्षणां मक्षेष्ठ ए। -- एगभाजरत--नद्राथरत (हो होता छ। छ। छ। इड्डा निवादाजि इक्टिशाल--देनठेकथानास काम भाउ। छाऱ--(क्रवल १६)२ भक-- इक्तित शत्या ७ डोगोक एत्र नाकात हत्ने, (धाराटि अक्तात इकेट नानिन। कात माधा मिक मिना याय--काइके वारशंत माधा ए यानां करता विठाताम वातु धकर गांत गंभ लाग--गांक हिंदल धर्मन णात वटन न- भ तर्।

সঙ্গ দে যের ন্যায় আরি ভয়ানক নই। বাপ না ও শিক্ষক সর্বাদা যত্র করিলেও সঞ্জ দে যে সব যায়, যে স্থলে ঐ রূপ যত্ন কিছু মাত্র নাই, সে ভলে সঞ্জ দে যে কত নন্দ হয়,

इतिन। এगन२ भिक्कि छाछिन, य मिटिलारिलत मञ केटलत गम कोमटलत दाता পण्छमा उन्हारिं भारतम। डोश्ता भिका कताहरात गांगा अवात धावा छोरग ---यादात क्रि शिक्षाता थाएँ, भिर्दे धाता अञ्चादत निका भिना একলে সরকারি ক্রেল যে এপ ভড়্ঙের রক্ম শিক্ষা হইয়া शांदक, कालाम गाज्यक ऋदल अस्म अभिका इरेज। धार्टीक क्रार्भित कर्डाक वालाकत क्रीं अयान एपतिक करें जा-साहित या श्रिदांत या श्रा गर्खार् यहिं साम-कारण व्चिट्ड पार्त कि गा. डोड्रब अनुमक्षान इडेड गा--वाभिक विद् ए धाः तक क्रिश् भए। क्टिल्ड् ऋ दिन व ेशोतन इहेर व अहे भूछ मरकात छिल— छ जाता मुथ्य नाल ्शक्ति हे हे हेन, -- बुबाक राजा वुबाक काना जातिमाक (वाभ इनेक ना अनर किर भिक्षा करावेदन छ अत कारन कर्षा नाभिएड पाबित्य खोगात अ नित्याना इंडेड नां, धन इ काला (म (ছ जि भ ए । होत् विमा) भिका कथा जित व छ । जात मा एडेटल इश मा।

মতিলাল যেনন বাপের পেট:—যেনন সহবত পাইয়াছিল—যেনন স্থানে বাস করিত— যেনন স্কুলে পড়িতে
লাগিল তেমনি তাহার বিদ্যাও ভারি হইল। এক প্রকার
শিক্ষক প্রায় কোন স্কুলে থাকে না, কেহনা প্রাণান্তিক
পরিশ্রম করিয়া মরে—কেহনা গোঁপে তা দিয়া উপর চাল
চালিয়া বেড়ায়। বউতলার বক্রেশ্রের বাবু কালুস
নাহেবের সোণার কাটি রূপার কাটি ছিলেন। তিনি
যাবতীয় বড়মানুঘের বাটীতে যাইতেন ও সকলকেই বলিতেন আপনার ছেলের আমি সর্মদা তদারক করিয়া থাকি—
মুশান্যের ছেলে না হবে কেন! সেতো ছেলে নয়া পরশ
গথর! স্কুলে উপর উপর ক্লান্সের ছেলেনিগকে পড়াইবার
দার ছিল, কিন্তু যাহা পড়াইতেন, তাহা নিজে বৃদ্ধিতে
পারিতেন কি না, সন্দেহ। এ কথা প্রকাশ হইলে পেটেল
ভপ্যান হইবে, এজন্য চেপে চুপে রাখিতেন। বালকবিগকে কেবল মথন পড়াইতেন—মানে জিজামা করিলে

विशिए के जिक्क कि ति पर्। फिल्किता य का छहका कि ति छ ভাগার किছু न। किছু काँछ। किछ कति किति छ । भव नकः ना थिटल गांचेत्रशिति हटल गा, कार्या भक् का छित्र। कन्न लिथि-(डम, ध्राया कर्या भारत काछिया कार्या किथिएडम—क्लिया किछानः करित्व बिल्डिन, ज्यानता वर्ष (बञापन, जानि याहा निलिय ভাচার উপর আবের কথা কওট ন্যথোর विष्याध्यास्य एड जिल्ला जिल्ला। वर्ष जानत कतिर्देश । अ জिकामा करिटलम जामादमर अमुक जाममात्र जाए। कल---अग्रक लाजा कर गुगक कर । या जिलाल अझ फिलार गर्या राकिश्त वातुत कि जिश भाज इंडेल। जाक कलि, काल कल्छि, आक प्रथानि, काल श्रक्तिमान्यानि जानिए, विकिथंत वातु गत्न कविष्ठिन मिलिलात ग्रेड (इतन-मिशरक इंग्जि छ्रांहा करा जान नग्न-वेशाता राष्ट्र इंदेशा दिहित्स धार्यात (पद्म (कड इडेट्व। ऋ त्वत एम) इटक कथा छड़ेशा थाँ हैं नाहि क्रिट्स जानात कि शतकाटन माकि मिदव?

শারদীয় পূজার সময় উপস্থিত—বাজারে ও স্থানে স্থানে আভিশয় গোল—ঐ গোলে মতিলালোর গোলে হরিবোল বাড়িতে লাগিল। স্কুলে থাকিতে গেলে এটফটানি ধরে—একবার এ দিগে দেখে—একবার ও দিগে দেখে—একবার বসে—একবার ডেক্স বাজায়,—এক লহমাও হির থাকে না। শনিবারে স্কুলে আসিয়া বজেশ্বে বাবুকে বলিয়া কহিয়া হাপস্কুল করিয়া বাটী যায়। পথে পানের থিশি থরিদ করিয়া তুই পাশে পায়রাওয়ালা ও ঘুড়িওয়ালার দোকান দেখিয়া যাইতেছে—সমান মুথ, কাহারও প্রতি দ্কুপাত নাই, ইতিন্ধ্য পুলিসের এক জন সারজন ও কয়েক জন প্রশান দেড়িয়া আসিয়া তাহার হাত ধরিত। সাক্রজন কহিল তোনারা নাম পর প্লিমনে গেরেফ্তারি ছ্য়া—তোনকো জ্বর জানে হোগা। মতিলাল হাত বার্ডা বাগড়ি করিতে আরম্ভ করিল। সারজন বলবান—
ক্রেরে হিড়া করিয়া টানিয়া লইয়া যাইতে লাগিলা। মাউ-

লাল ভানতে পড়িয়া গেল—সমস্ত শরীরে ছড় গিয়া পুলায় পরিপূর্ণ ছইল. তবুও একং বার ছিনিয়া পলাইতে চেনী; করিতে লাগিল, সারজনও মপোই ছই এক কিল ও খুসা মারিতে পালিল। অনুসেবে রাস্থায় পড়িয়া নাপকে স্মর্থ করিয়া কাঁদিতে লাগিল, একই বার ভালার মুনে ইন্দ্র ইন্দ্র কেন এনন কর্মা করিয়াছিলাম—কুলোকের সভী ইন্থা আমার স্পানাশ ইন্টল। রাস্থায় অনেক লোক জানিয়া গেল—এ ওকে কিজালা করে—বালারটা কি? ছাই প্রক জন বুড়ী বলাবলি করিতে লাগিল, আহা কার বাছাকে এমন করিয়া মারেগা— ভালেটির মুখ্ন যেন চাঁদের মত—ওর ক্থা জ্বে আনাদের গাণ বালে দির গ্রাহা মারেগা— তালেটির মুখ্ন যেন চাঁদের মত—ওর ক্থা জ্বে আনাদের গাণ বালে দির গৈ

৫ বাবুরামবাবুকে সংবাদ দেওনার্থ প্রেমনারায়ণকে প্রেরণ, বাবুরামেরে সভাবর্ণন ঠকটাটার পরিচয়, বাবু-রামেরস্ত্রীর সহিত কথাপকপন, কলিকাতার আগনন প্রভাত কালীন কলিকাতার দর্শন, বাবুরামের বাপানরামের বাসিতে গমন ভগয়ে আহািশিদেরে সহিত বাহাণ ও মতিশাল সংক্রান্ত কথোপ কপন।

[ं] भारत नागान शानाम ना भा महे—उभा महरमंड अद्यं तरे"—हेक्—हेक्—शहाम—शहाम, भिग्नाकान भारका-

शान अक> नात गीन कति एएए - ए एक ति नि एएए अभावात शक् हला जिल्ला निता निता निता का का का का के के मिला के निता कि कि कि धक्छे । भग कर्याएफ--- धक्छे निकि अफिए एट्डिं-- शक ब्रुटे। श्रम् क त्रा हिला धक्याना एक ए। गाड़िक शिष्ट किला स लिल। अहे छक्ष प्राथियमातायन मक महात्याहर जिल्ला — भाष्टियाना वाकारम स्माटल--- स्माफ, छुउ। व्यक्ता स्माम्बात वाना-- পশ্चित्र। एकत वण्या-- छेर्यभञ खर्यभञ् कतिया छ लिए। इ ---পটিশিট পটাপ্ট চাবন পড়ি,ভঙ্গে কিন্তু কোন ক্রমেই চাল विशक्ष मा। (श्रामनातायण हुनेता का कमर्थ प्रिया भ उगात इडेगार्ड्स- गांडित हिंदगांठ हिंदियांट लान उठांगांड। পর্বর পাড়ি এগিয়ে পেল ভাছাতে আরের। বিরক্ত হইলেন। अविषदा (ध्यमनाताग्रण्य (भाष एम्डा) चित्र—'अजिमान ছाडा लाक लाउगा जाग । श्राम मकरलंडे आंशनारक षाभाग वर् कारम। अक्ट्रेम् गारात क्रि इंग्लिंग क्रिश् टिटल तिश्रास करल केटि—(सक्) भ्रथि (श्रीक करिया विश्रा थात्क। (প्रामानांश्व नितंक इच्या आश्वम मत्मत् कथा व्याशना व्याशनि वित्रिटंड कोशिट्डान—हाक्ति करा यक्षाति — চोकरत क्कृत्त मुम्गि - - छ्कम क्रिक्ट भिष्टि इस् गिटि, हला, शनात कालाग्न हितकालहें। क्टल गद्बिक--जाभारक (थर७ (भग्न मार्डे— ७८५ (भग्न मार्डे — जामान मार्ग मार्ग मार्ग मार्ग — मर्सना काम भी भाषात कामर एत मछ ठाँछ। करिए— आभारक जाक कतिनात कना तालात क्षिपादमत ऐवे एय मि**ज ७ मर**धार व्याभनाता । व्यागात (পছনে হাততালি দিয়া হোই করিত। अभव महिया कोन चारला मान्य हिक्टिंड भारत? इंड्रांड मर्ज गांग्य भागल र्य! आमि (ग किलका छ। ছেডে পলाई नाई এই अभाव वाराष्ट्रीय-अभाव वेष खेक वल य कामाणि अ अवकाव शिव कथा है वकाय काटि । हिंदिति (यमन कर्षा (उमनि क्ला। এथन (क्लाल পচে मक्श-- अ व " (धन थोलान इग्र नः—किन्न এकथा (कवन कथात कथा, जानि निष्किहे थालारमत एषिएत गाईएएछि। मनिव अगति दर्भ." होता कि? बोन्यक (अर्हेत खोलांग्र अन क्तिएंड हग्र।

रैक्मावाणित वाव तांच वाव वाव इड्या वाम्यादकन क्र भा किशिएटक। अक्षार्भ छुई जक करा उद्योगा विभिन्न भारतीय एकं कदिए इस्मि-- आंक ना है थए इ जाए --काल (वर्गन, रथरक नाके-जन मिया छुक थ। हेरल मना भागारम एक क्या इस हिलानि कथा लहेश एं कत कह-कि कि विदिए कि न । अक भारण कर यक कान भाउत्रक दिल्ल ए ভাহার মধ্যে এক জন খেল ওয়াড মাথায় হাত দিয়া ভাবি-एएएड-एडिर्न नक्नाम केनायट-एटेमान किस्टिएड गाउ। भिष्ठ कतिया जाकिए एक। एक लाम्य गुरुतिया यात्रिया थाला लिथिटिए --- मधार्थ कर्जभात छाका उभागकन भक्त भेषा ए हैया आह्न, - अरगरकत रमना शांउन फिला फिला फिनाम इडेस्ट्र —रेत्रेक थाना लिएक थे हैं २ कहिर छ छ । मध्य जिल्ला कि इर विकारित महोग्य कार्"र कि वर्मत---क का व विव यर्मत---इंडेल जामता जिमिम मत्त्रांक क्रियांक, क्रिन होका म शांकारिक वर्ष क्रिय इंडेरक्टिन्यान्ता व्यानक क्रिके कर्तिमाश—जोगामित को ज कर्या गर (गल। यहते मही. करनता यथा (उन्न द्यांना, काउंद्यांना, शत्कमद्यांना जारू রাও কেঁদে ককিয়ে কভিতেতে—নহাশয় আমরা মারা গেলাম — आंगारित श्ंिंगांट्य लांग-- अगम क तिस्य जागता (कगम करत वीक्टिक श्रीहित केकिन का भागा कितिएक आभारमत পায়ের বাঁধন ছিড়িয়া গেল,—আমাদের দেকোন পাট मद वस इहेल, गांश ছেलाउ एकिया महिल। (म उग्नाम वात उंजा करिट्ट्य-ट्याता जाज या-एकः भारि-न्डेकि— এड चिक्न किन? डोश्त डेश्त य दिए कथा कहिएए धार्मन वाव वाग वाब क्रिक गथ घराहेगा जाहारक भागि भोगाक मिया वाश्ति कतिया मिटिए हो। वाक्रांसि रेषु गानुष यायुत्र (मूण एक लारकंद्र किंगिन धारत लग्-টা मिटि इड्टिन गाया जात जाड्रिम—गाद्भत जिल्त है।का रक किन्न छोल गाँउ ल गाँउ ल देव देव भाग लाइक न । जन ७ कनकमा रुग्न न।। शतिय प्रःशी महाकन बीहिटन।

কি মরিলো ভাছাতে কিছু এমে ঘায় না, কিন্তু এরপ বড় মানুষি নারিলে বাপ পিতানছের নাম বজায় থাকে। অন্য কাতক গুল কলে। বড়মানুষ আছে—ভাছাদের উপরে চাকন চিনন, ভিতরে খাড়ে। বাহিরে কোঁচার পদন ঘরে জাঁচার কাহিন, আয় দেখে বায় করিতে ছালেই মনে ধার — ভাছাতে বামানও ছয় না — বালুনিরিও চলে না, কেবল চেটক দেখাইন মহাজনের চকে পুলা দেয়— খানে টিশ্বা কি জিনিম পাইলে ছলাওির, লয়—বড় পেড়া-পোড় হলে এর নিয়ে ওকে দেয় অবশেষে সমন ওয়ারিণ বাহির ছইলে কিয়য় আশেয় বেলানি করিয়া গাচাক ছয়

वाव तांग वाव त फेक्टि क जिम्म गामा- वह श्र कार्व ---वाक्कः व्यक्ति है। का चारित कि एक क्वेटल नियम मांब क्या। भ्याक्तानित्राः भन्ति के कठके विस्तित् के तिर्वे विद्या विश्व ध्यमनात्रां स्व मज्यमात् चार्रितः जनस्क ककेरलन धवः क्रिका जात्र भकल भग्छा कारण वंल जा। दाव्याम वात स्थान्य एका इत्या पार्किलान-ताथ इत्ल यान वज लोकिया लोहारा गोगारा शिल्ला करनक काल शहर सुखित इत्रेश, जानिया (यानाजान विदाएक जाकार्यका। या-काजन जामित्र करना यण शहा जातक क्रिनित् नीलकत श्राप्त असीमा खारात रहिं । ताममा कतिखा काल करित्य-माको भाषाच्या भिटल-माद्यामा उष्णानला-निश्वक तम क्रिट्ड-शाँट इत योज लाईहा इक्रम क्रिट्ड-मात्रा दाकारमत (कारिशारि ए इश्रांक नग्न कतिराज नग्नरक रक्ष कतिर्ड एक्षित जुना जात जन का जान भाउगा जात। जारारक धामत कर्तिश गकरम ठेकठाठा विनश एकिए, जिनि अ ভাহাতে ,शिक्षा याचेट्टन এवर् गता क विटिन व्यामात अख-, कर्ष क्या इडेग्राइ—गार्कान देन मार्वित जागांत कता मार्थक—त्याप इस शिद्धत काटूह करम कप्रठातिक धार्मात कमत् जात् जात् व वा जिया हिंदिया । এই ভাবিয়া এक है। बनना लहें हा छे छ एडिए हिल्लन वाव तांग वाब त छ। क

াকি ইকোইনিতে তাড়াতাড়ি করিয়া আসিয়া নিজ নৈ

। কল সংবাদ শুনিলেন: কিছুকাল তাবিয়া বলিলেন—

ভর কি বারু? এমন কত শত মকদ্যা মুঁ ইড়াইয়া দিয়েছে

এবা কেনে ছার্? মোর কাছে পাকা> লোক আছে—

তেনাদের সাথে করে লিয়ে যাব—তেনাদের জবানবিদ্যতে

মকদ্যু জিত্ব—কিছু ডর কর না—কেল খুব ফজ্রে

এসবো, এজ্চল্লাম।

वाव्वाम वाव् माइम भाडेलान वर्षे उथानि ज्यवनाय व्यक्ति इड्ट माशिस्मा वाध्यात श्रीक व फ् जाम्या किर्ज्य. क्षी गाइ। गलिएडन (महे कथाई कथा—क्षी यपि वलिएडन এ अक्रम नम् प्रथ, उर्द छाएथ मिथिस्थ दिन्छिन छ। हेर्डा अ खनग्नां लाख जाभनर श्रद्धांक जानवाभ वर्षे किछ जाकाता दिएवहमा कति छ भारत रा द्वांत कथा रक्षान् वियरत उक्ज प्रशिष्ठ खन। एकि। स्नुक्य जानन नर्द्रास खख॰कत्रात महिङ जीवनारम किन्द्र द्वीत नकल क्या खनिर्ड (शक्त श्रुक्यक मार्फ) श्रांत्रा, वाजित किउत थाक। छ। एउ वायुवाग वायु की फेठ विलिक्त फेरिएजन-दम निकाल विभिट्टिन। कर्यक भाम रहेल शृष्टिनीत এक ही जनक्यात इडेश्राइ—कारल लाईशा आमित कतिराउडान—कुडे भिर्म प्रदे कन्या विभिन्न विद्याद्य, प्रविक्या ए व्यन्यान क्या एटा ट्राइ धगड मगद्य कर्डा नाजित मद्या निया चिया चार्त वांभदलम जवर विलितन-विशि आयात कथान वर् मन-यान করিয়াছিলান নতি সামুষ সুগ্র হইলে তাহাকে সকল विষয়ের ভার দিয়া আমর। কাশীতে গিয়া ৰাস করিব কিন্তু त्र आणाग्र द्वांचा निति नित्रांण कदित्वन।

গৃহিণী ৷ ওগো—কি—কি—শীঘ্র বল কথা শুনে যে ভাষার বুক ধড় ফড় কর্তে লাগ্ল—আমার মতি ভো ভাল আছে?

कुर्छ। हो—ज्ञान चाष्ट्र-स्थिनाम श्रीनित्रत लोक बाक् ज्ञार्क प्रति हिं हुए लहेग्र शिया कर्यम क्रिया छ। সৃহিণী। কি বল্লে?—মতিকে ইচুড়েয়া সইয়া গিয়া কয়েদ করিয়াছে? ওগো কেন কয়েদ করেছে? আহা বাছায় গায়ে কতই ছড় গিয়াছে, বুঝি আখার বাছা খোতেও পায়-নাই—শুনেও পায়নাই। ওগো কি হবে? আমার মতিকৈ এখনি আনিয়া দাও।

केने निया गृहिनी कैं। निर्म लिशिलन हुई कमा क्ष्य का का महिन्द्र नान अकात मासून। कित्र वात्र कितिल। शृहिनीत तानन मिथा। कालित लिखिं। कालित लिखिं। कालित लिखिं। कालित लिखिं। कालित

ক্রমেন্থ কথা বর্ত্তার ছলে কর্ত্তা অনুসন্ধান করিয়া জানিলেন মতিলাল মধ্যেন্থ বাড়ীতে আসিয়া মায়ের নিকট হইতে। লানা প্রকার ছল করিয়া টাকা লাইয়া যাইত। গৃহিণী একথা প্রকাশ করেন নাই—কি জানি কর্ত্তা রাগ করিতে পারেন—অথচ ছেলেটিও আছুরে—গোসা করিলে পাছে প্রমাদা ঘটে। ছেলে পুলের সংক্রান্ত সকল কথা প্রীলোকদিগের স্থামির নিকট বলা ভাল। রোগ লুকাইয়া রাখিলে ক্রান্ত্র ভাল হয় না। কর্ত্তা গৃহিণীর সহিত অনেক ক্ষণ পর্যান্ত্র পরামর্শ করিয়া পর দিন ক্রিলিনাতায় যে স্থানে যাইবেন ভথায় আপনার ক্রেক জন আত্রীয়কে উপস্থিত হইবার জন্য রাত্রতেই চিচি পাঠাইয়া দিলেন।

সুখের রাত্রি দেখিতেই যায়। যখন মন চিন্তার সাগরে জুবে থাকে তথন রাজি অভিশয় বড় বোধ হয়। মনে হয় রাজি পোহাইল কিন্তু পোহাইতে পোহাইতেও পোহায় নই। বাবুরাম বাবুর মনে নানা কথা—নানা ভাব—নানা কেণল —নানা উপায় উদয় ইইতে লাগিল। ঘরে আর স্থির ইইয়া থাকিতে পারিলেন না, প্রভাত না ইইতে ঠকচাচা প্রভৃতিকে লইয়া নোকায় উচিলেন। নৌকা দেখিতেই ভাঁটার জোরে বাগৰাজারের ঘটে আসিয়া ভিড়িল। রাজি প্রায় শেষ ইয়াতি—কলুরা ঘানি জুড়ে দিয়েছে—বল্দের। গরু লইয়া ছিলিয়াছে—পোবার গাধা থপাসই করিয়া যাইতেছে—মাজের ও তরকারির বাজরা ছই দেরিয়া আসিতেছে—বাজনা গাও-

ভেরা কোশা লইয়। স্নান করিতে চলিয়াছেন—মেয়েরা ছাটে সারিই ইইয়া পরস্পার মনের কথাবর্জা কহিতেছে। কেই বলিছে পাপ ঠাসরবার জ্বালায় প্রাণটা গেল—কেই বলে আমার শাশুড়া নাগি বড় বেকিটিকি—কেই বলে দিদি জানার আর বাঁচুতে সাধ নাই—বেছুড়ি আমাকে ছুপা দিয়া-থেতলায়—েনটা কিছুই বলে না; ছোঁডাকে গুণ করে ভেড়া বানিয়েছে—কেই বলে আহা এনন পোড়া জাও পেয়ে-ছিলাম দিবারাত্রি আমার বুকে বসে ভাভ রাঁথে, কেই বলে জামার কোলের ভেলেটির বয়স দশ বৎসর ইইল—কনে মরিকবে বাঁচি এইবেলা ভাব বিএটি দিয়ে নি।

এक পनला नृति उडेश शिशाएड—जाकार्य स्थानः रमच जारह—-तःका घाउँ (मंज कतिराज्य । वावताम वाव এक ছिलिम उमाक थाहेश! এक थाना छोछ। शोहि अथवी পाङ्कित एक। कतिएक नाशित्सन किन्न छ। जा बनिया छिष्ठिन-ला--व्यानक कांडा (वाध इहेल। तालाग्र व्यानक (छाँडा क्रक किना वावुतां य वावुत दक्य भक्य (मिथ्या क्रहर विनिन-- अरमा दानु वाँका मुखित छेशत नरम यादा? जाङ्ग हरेल जुभग्रमाग्र रुग् ? ভোর বাপের ভিটে নাশ করেছে— वित्रया रायन वार्त्ताम क्षिया गातिएक गार्यन अमनि मफ़ांग कांत्रशा পड़िशा (शत्लान। (क्रांफ़ा खला (क्रांन् कित्रां मृत्त थिक कांच जानि मिर्ज लागिन। वाव् ताम वाव् व्यक्षामुत्थ भीख এक थाना लका है तकन किता थिए डि ठेकठाठा क्राङ्क्त महेशा छितित्वन এवर थनर यानर मास वाहित भिगलत वाङ्गताम वादूत वाणित्व जानिया উপস্থিত হউলেন। বাঞ্জারাম বাব বৈঠকথানার উকিল বটলর সাহেবের মৃতস্থাদি—মাইন আদালত—মামলা त्रकक्षमाग्र. वष् धिषुवाक। मारम माहिना ৫० টाका किन् প্রাপ্তির সীমা নাই বাটীতে নিত্য কিয়া কাও হয়। তাঁহার रेक्फ्रक्र नाम वालीत (वशी वाव, वछ्वां जादतत (वजाताम वाव, विण्णांत वरक्षत वाव जानिया जालकः कतिया विषय जिया जिल्ला

বেচারাম। বালুরাম! ভাল গুদ দিয়া কাল সাপ পুষিয়া ছিলে। ভোমানে পুনঃই বলিয়া পণঠাই য়াছিলাম আমার কথা প্রাছ্ম কর নাই—ছেলে হতে,ই হকালও গোল—পরকালও গোল। মতি দেনার মদ খায়—জোয়া খোলে—ভথাদা আলার করে। কোয়া খেলিতেই ধরা পাড়িয়া চৌকিদারকে নির্ঘাত মারিয়াছো। হলা গদা ও আরই ছেঁছোরা ভাহার লক্ষে চিল। আমার ছেলেপুলে নাই। মনে করি:ছিলান হলা ও গদা এক গগুদ জল দিবে এখন সে গুড়ে বালি পড়িল। ছোঁড়াদের কণা আর কি

वित्राम। कि कोशांक मन कविष्ठोष्ठ जारा निम्ह्य क्या रफ किंगि—धकरण ङ्चित्त्रत कथा वस्ता!

বেচারাম। তোমার যা ইচ্ছা তাই কর—আনি জ্বালাতন ইয়াছি—রাত্রে ঠাসর ঘরের ভিতর যাইয়া বোভল হ্মদ
থায়—চরস গাঁজার পোয়াতে কড়িকাট কাল করিয়াছে—
কপা সোণার জিনিস চুরি করিয়া বিজি করিয়াছে আবার
বলে একদিন শালপ্রামকে পোড়াইয়া চুন করিয়া পানের
সঙ্গে থাইয়া ফেলিব। আনি আবার ভাত্রদের থালাসের
জনো টাকা দিব ৪, দুরহ!

ব্রেশ্রের। মতিলাল এত মাদ নতে—আমি সচক্ষে স্কুলে দেখিয়াজি ভাগার স্বভাগ বড় ভাল—সেতো ছেলে ুনয়, পরেস পথের, তবে এখনটা কেন হইল বলিতে পারি না।

ঠক চাচা। গৃই বলি এসব ফেল্ড বাতের দরকার 'কি? ভালে খেড়ের বাতে তে কি মোদের পাট ভর্বে? মকদমা-টার বুনিয়াদটা পেকডে শেজিয়া কেলায়াওক।

वां खाताय (भरतर वर्ष वांक्लाम—सरम करिएए हम वृशि हिंदा महे (भरक केहिन) कांत्रवाति लाक मा इंडेल क्रांत्रवार् द्वत कथा बूर्या मा। ठेक हां हो याहा विलिए हम खाँशे है কাজের কথা। গুই এক জন পাকা সাক্ষিকে ভাল তালিশ্ব ক্রিয়া রাখিতে ক্রানে—আমাদিগের বটলরে সাহেবকে উদিল পরিতে হ্রানে—তাতে যদি মকদ্দমা জিত না হয় তবে বড় আদালতে লইয়া যাব—বড় আদালতে কিছু না হয়— কৌনসেল পর্যান্ত যাব, —কৌনসেলে কিছু নাহয় তো বিলাভ পর্যান্ত করিতে হ্রাবে। একি ছেলের হাতে পিটে? কিছু আমাদিগের বটলরে সাহেব না থাকিলে কিছুই হ্রাবে না। সাহেব বড় ধার্মান্ত—তিনি অনেক মকদ্দমা আকাশে ফাঁদ পাতিয়া নিকাশ ক্রিয়াছেন আরু সাক্ষিদিগকে যেন পাথী। পড়াইয়া তইয়ার কারেন।

विकिश्वत नातु, जाभाम शिष्टिक निमा तुषित जानमाक । इया सकसमात उतित अनमाचे कितिए इइतिक। (ब उतिद माहिया इति। ও ছাতভালি খাওয় कि जान?

বাঞ্জারাম বারু। বটলর সাহেবের মত বুদ্ধিনান উদিল আর দেখিতে পাহ না। তাহার বুদ্ধির বলিহারি যাই। এসকল মকদমা তিনি তিন কথাতে উড়াইয়া দিবেন। একণে শীল্ল উঠ্ন—ভাঁহার বাটীতে চল্ন।

বেণী বাবু। গহাশয় আমাকে কনা করন। প্রাণ্ডিয়ে সব কর্মা পারি বিযোগ হইলেও অধর্ম করিব না। থাতিরে সব কর্মা পারি কিন্তু পরকালটি থোয়াইতে পারি না। বাস্থিক দোষ থাকিলে দোষ স্বীকার করা ভাল—সত্যের মাইর নাই—। বিপদে মিথা পথ আগ্রেয় করিলে বিপদ বাড়িয়া উঠে।

ঠক চাটা। হা—হা—হা—মকদান করা কেতাবি লোকের কাম নয়—তেনারা একটা ধাবকালেই পেলেয়ে যায়। এনার বাত মাফিক কাম কর্লে মোদের মেটির ভিতর জল্দি যেতে হবে—কেয়া খব!

वाञ्चाताम। • आभनात्ति मोक कति ए जान क्तान।
दिनी वातू वित्र श्रक्त-नी जि मास्त्र क्रभन्नां कर्मभान नम, जाँकात्र मस्त्र ज्या जिम्म ज्या कर्मना ज्या कर्मना ज्या कर्मना ज्या कर्मना ज्या कर्मना वित्र क्रम ।

বেচাবাম। বেণী ভাষা। তোনার যে নত আনার দেই
মত—ভাষার তিন কাল গিয়াছে— এক ভাল ঠেকেছে, আদি।
প্রোণ গেলেও অসম্ম করিব না আর কাহার জনো বা অসম্ম
কারব? ভোড়ারা আমার হাড় ভাজাই করিয়াছে—ভাদের
জনো আমি আবার থরচ করিন—ভাদের কন্য মিথা। সাক্ষি
দেওয়াইব? ভাহারা জেশে যায় ভো এক প্রকার আমি
বাঁচি। ভাদের জনো আমার থেন কি?—ভাদের মুথ
দেখিলো গা জুলেউটে—ভুঁৱই!!!

। ७ मण्लिक्ति माण्य छिछा, क्योनि घर्षत कर्णाशकणन, दिनी ७ (वहाताम वातुत मीजि निन्ध्य कर्णाशकणन छ यद्रमाध्यमाम वातुत भड़िन्म!

देवमावाणित वाणितः श्रम्णानत भूग क्वाण भाव । सूर्या क्षम न । इक्कुल्टर बीधत उद्योगिया, तामरभाभाव पृष्ठाभाव अकृष्ठ क्षभ वाद्यिक विभिन्न । किष्ठ कुलभी प्रमक्षित्र विल्वभूज वाद्यन — किष्ठ वयवभ्य किष्या भाववामा करतम — किष्ठ वत्या याम महन न र्या उत्य आमि वामून निम्न क्ष्य उत्य आमि वामून निम्न किष्ठ करहन यिन भन्न इय उत्य आमि देशक अवि । वाणित भक्त भावा भावा कर्या भावा अवि अवाच । वाणित भक्त भावा भावा कर्या भावा अवाच । वाणित भक्त भावा भावा भावा भावा भावा ।

গৃহিণী জানালার নিকটে গদিয়া কাতরে আপন ইফ দেবভাকে ডাকিভেছেন। কোলের ছেলেটি চুষী লইয়া চুষিভেছে—মধ্যেই হাত পা নাড়িয়া খেলা করিভেছে। শিশুটীর প্রতি একই নার দৃষ্টিপাত করিয়া গৃহিণী মনেই বলিভেছেন—আছু! তুনি আবার কেমন হবে বলিতে পারি না। ছেলে না হবার এক জালা—হবার শতেক জালা —যদি ছেলের একটু রোগ হলো, তো মার প্রাণ জমনি উভে পোলা। ছেলে কিলে ভাল হবে এজনী মা শরীর একেবারে ঢেলে দেয়—ডখন খাওয়া বল, শোয়া বল, সব ঘ্রে যায়— দিনকে দিন ফান হয় না, রাতকে রাত জ্ঞান হয় না, এজ ছংথের ছেক্তে বড হয়ে যদি সুসন্তান হয় ভবেই সব সার্থক, ভানা হলে মার জীয়তে মৃত্যু— দং দাবে কিছুই ভাল লাগে না—পাড়াপড় দির কাজে মুখ দেখাতে ইচ্ছা হয় না—বড মুখটি ছোট হয়ে যায়, ভারে মনে হয় য় পৃথিবি দৈনি দাক হও আমি ভোলুরৈ ভিতর সেলুই। মিতিকে যে করে মানুষ করেছি ত গুরুদেবই জানেন—এখন বছা উড়তে শিথে আমাকে ভাল মাকাই দিতেছেন। মিতির কুকম্মের কথা শুনে আমি ভাজাই হয়েছি—ছঃখেতেও খুণাতে মরে রয়েছি। কর্ত্তাকে সকল কথা বলি মা, সকল কথা শুনিলো ভিনি পাগল হতে পারেন। দূর হউক, আর ভাবিতে পারি না! আমি মেয়ে মানুষ, ভেবেই বাকি করিব।—মার্কিপালে আছে ভাই হ্যো।

मानी आमिशा (याकारक लागेशा श्रामा। शृहिनी आहिक कतिएं विभित्नम। मामित धर्मा छ छ । यथम छक विषय मध्र शांदक उथन भ विरय्जी क्रांट जुलिया जात এकि नियदय खाय याय ना। धने कात्रध श्रांकत कतिएक विभिन्ना अविक्क कतिएक शातिस्थान ना। धकर वात यञ्ज करतम জाश्य मन मि, किन्छ मन भा निएक योग ना। মতির কথা মনে উদয় হয়তে লাগিল—মে (एन প্রবর্ণ (आज़, कात भाषा निवादन करता कथन्न वाध कड़ेरड लांशिल ভাহার 'करराम छ्क्म হইয়াছে—ভাহাকে বাধিয়' क्टिल लहेबा यहिएएছ—जाशत शिका निक्रि में फिर्हिया আ'रहन,--प्रथ्यां चांफ हाँ कि विद्या विभिन्न के विकास कथन वा छान इहेट्ड शूल निक्छ जामिया विम्डिड या आयारक कया कत—आयि या कतियाछ जा कतियाछि। आत आगि कथन (ভाষার गरन (नमना मिय ना, आवात একং বার বোধ হইতেছে যে মতির ঘোর বিপদ উপস্কিন — ভাহাকে জমোর মত দেশস্তির যাইতে হইবেক। গুহিণীর ठिक जाकिया (शत्म आश्राम्य आश्राम विमाउ माश्रियम - अ मित्वत (वना-आर्थि कि अर्थ (मिथि टिहि? मा-এ टिंग यक्ष तथ्र कि थ्यान पिथनामः क काम वामात

यमि। आंडा (कन धमन करफा! धार्ड निया हा कत कल

घुडे कमा भाषामा ७ श्रामा ছाउँ उपदा विगया भाषा भुकारेट हिल्लम।

भाषाणी। अत श्रीमा एन धना जान कता धनिया पिना, छोत एन धना या तफ एक थक हाराह?—ना इतह वा किन? गांठ कामा छोत धने एक भाषा हान भाषा स्वत खने कि धने कि धने

প্রমদা। দিদি। আমি কি সাধ করে ভাবি? মন বুবো না কি করি? ছেলেবেলা বাপ একজন কুদীনের ছেলেকে ধরে এনে আমার বিবাহ দিয়েছিলেন—একথা বার হয়ে। শুনেছি। প্রতি কত শত স্থানে বিয়ে করেছেন, আর ভাঁহার যেরুপ সরিত্র ভাতে ভাঁহার মুখ দেখ্তে ইচ্ছা হয় না। অমন স্থানী না থাকা ভাল।

(याकान)। इनित! धामन कथ! वनितिम्दन—स्रोमी मन्न , इंडिक इन्द्र इंडिक, ब्रिट्स माञ्चर्यत धम् । थोका छाल।

প্রমান। তবে শুন্বে। আর বংসর যথন আমি পালা

বার ভুগতেছিল্প— দিবার জি বিহানায় পড়ে থাকভুম—

উটিয়া দাঁড়াইবার শক্তি ছিলনা, সে মময় স্থামী আসিয়া

উপন্থিত হলেন। সামী কেমন, ফান হওয়া অবধি
দেখি নাই, মেয়ে মানুষের স্থামির ন্যায় ধন নাই। মনে

করিলাম ঘুই দণ্ড কাছে বনে কথা কহিলে রোগের যক্ত্রণা
কম হবে। নিদি বল্লে প্রভায় যাবে না—তিনি আমার
কাছে দাঁড়াইশ্বাই অমনি বল্লেন যোল বংসর হইল

ভালাকে বিবাহ করে গিয়াছি— তুমি আমার এক স্থা—

তামার নরকারে তোমার নিকটে আসিতৈছি—শীন্ত যাব—

তোমার হাতের গহনা খুলিয়া দাও। আমি বল্লান সাকে

ভালার হাতের গহনা খুলিয়া দাও। আমি বল্লান সাকে

ভিজালা করি—হা যা বিল্বেন তাই কর্বো। এই কথা

শুনিবা মাত্রে আমার হাতের বালা গাছট। জোর কবে থলে নিলেন আমি একটু হাত বাগড়াবাগড়ি করেছিল। আমাকে একটা লাগি মারেয়া চলিয়া গোলেন—ভাতে আমা অজনে হয়ে, পড়েছিল, ভার পর মা আমিয়া আমাকে অনেকক্ষণ বাভাস কলাতে আমার চেত্রা হয়।

মোকদা। প্রমদা! তোর দ্বংখর দ্বা শুনিয়া আমার চক্ষে জল আইসে, দেখ তোর তবু এইত আছে আমার তাওনাই।

প্রমদা। দিদি সালির এই রক্ম। ভাগ্যে কিছুদিন
মামার বাড়া ছিলাম ভাই একটু লেখা এড়া ও ছমুরি কর্মা
শিথিয়াছি। সমস্ত দিন কর্মা কাজ ও মদ্যেই লেখা পড়া ও
ছমুরি কর্মা করিয়া মনের তুঃখ ডেকে বেড়াই। এক্লা বসে
যদি একটা ভাবি ভো দনট হামনি দ্বলে উঠে।

মোফদা। কি কর্বের আর জন্ম কত পাশ করা গিয়াছিল তাই আমাদের এত ভোগে হতেছে। থাটা খাটনি কর্লে শর্রেটা ভাল পালে মনও ভাল থাকে। চুপ করিয়া বলে থাকিলে ছার্ডাননা বল, ছুমতি বল, রোগ বল, সকলি আসিয়া পরে। আমাকে একথা মামাবলে দেন আমি এই করে বিপবা হও্যার যন্ত্রণাকে অনেক খাট করেছি, আর সর্বাদা ভাবি যে সকলই পরমেশ্রের হাত, তাঁর প্রতি মন থাকাই আসল কর্মা। বোন্! ভাবতে গেলে ভাবনার সমুদ্রে পড়তে হয়। তার কুল কিনারা নাই। ভেবে কি কর্বির দশ্টা থর্ম কর্মা কর্মানার তাদের ছেলেপুলে, হলে লালন পালন করিস্ভারাই আমাদের ছেলেপুলে।

প্রমদা। দিদি, যা বল্ভেছ্ তা সত্য বঁটে কিন্তু বঙ্ ভাইটি তো একেগারে অধঃপাতে গিয়াছে। কেবল কুকথা কুকর্ম ও কুলোক লইয়া আছে। তার যেমন সভাব ডেন্নি বাপ মার প্রতি ভজ্জি—তেমনি আমাদের প্রতিও স্লেছ। বাংনর স্নেহ্ ভায়ের প্রতি মৃত্টা হয় ভায়ের স্নেহ ভার শত অংশের এক অংশও হয় না। বোন ভাইং করে সারা হন কিন্তু ভাই সকানা মনে করেন বোন বিদায়। হলেই বাঁচি। আমরা বড় বোন—মতি, যদি কথন২ কাছে এসে মু একটা ভাল কথা বলে ভাতেও মনটা সাণ্ডা হয় কিন্তু ভার যেমন ব্যবহার তা ভো জানা

(माध्यमा। मकल छोटे এक्रम करत ना। এनन छोटे अ खोटि (य वर्ष वानक मात में किए किएन) छोटे वाकि वाकि किए (मर्यत में किए किएन) वर्णि अमन छाटे खाटि ए छोटेक (यमन किएन) विनिक्त (छमन किएन) छूम ख वोन्न महा कथा नार्छ। ना किएन छुन्ति वाध करत नो छ वोन्न खायम मिछल खोन गरन मोहाय। करत।

প্রম্মা। তা বটে কিন্তু আমাদিগের যেমন পোড়া কপাল তেমনি ভাই পেয়েছি৷ হায় পৃথিবীতে কোন প্রকার সূথ হল ন

माना आनिया निल्ल मा ठोकूनन् काम्टब्न छहे कथा श्वीनवा माटब छूहे तारम जाणाजां कि किया नेटि नामिट्य शिलन

চাঁদনীর রাত্রি। গঙ্গার উপর চংল্রের আভা পড়িয়াছে

নদ্দ বায়ু বহিতেছে—বোন ফুলের সোগলা নিশ্রিত

ইয়া একং বার যেন আমাদ করিতেছে—ডেও গুলা
নেচেই উঠিতেছে। নিকটবর্ত্তি ঝোপের পাখী সকল নানা
রবে ডাকিতেছে। বালির বেণী বাবু দেওনাগাজির
ঘাটে বান্যা এদিক ওদিক দেখিতেই কেদারা রাগিণীতে

"নি কেহো" খেয়াল গাইতেছেন। গানেতে মগ্র

ইয়াছেন, মগোই ভালও দিতেছেন। ইতিমধ্যে পেছন
দিক্ থেকে "ঘ্রণী ভাগাই ও সি কেহো" বলিয়া একটা
শক্ত ইতে লাগিল। বেণী বাবু ফিরিয়া দেখেন যে

ট্রোজারের বেচারাম বাবু আসিয়া উপস্থিত অসনি
আত্তে ব্যুত্তে উঠিয়া সন্মান পুর্বাক তাঁহাকে নিকটে আনিয়া
বসাইলেন।

বেচারাম। বেণী ভায়া। তুগি আজ বারুরামকে

শুব ওয়াজিব কথা বলিয়াছ। তোমাদের প্রামে নিমন্ত্রণে
আসিয়াছিলাম—ভোমার উপর আমি বড় তুই চইয়াছি
এজনা ইচ্ছা হইল ভোমার সঙ্গে একবার দেখা করে যাই।

(वर्गे वातु। (बठावाम मामः। आमता निष्क कुःथि शानी लाक, मेज्दिकदब এटन मिनभाउ कवि। या भन छाटन फालित जागता भषा कंगात छ्छा रुग (मक् मव खालि गहि। वष् भाष्ट्रय कृष्टेश ए जालाशी अरनक आएइ वर्षे किन्छ তाश्मिरशत निकेठ एकलंडक। अथवा मारत शरफ किशा िक अध्याक्र तिरे कथनर योहे, भाष करत वर् योहेना, स्थेत (भारत ७ भारत राष्ट्रिक कराना करिन व फ्यान्य व फ्यान्य किह धार्जित करत का। यत्। (भरत कमा वस्ति—" आक वस् भन्नि— ्क्यन कां कक्ष जोन इएक—यदं ७क किनिन जानां क ाने। यमि अक्रवात कारत कथा किञ्चन **उ**त्व वारश्रव महक्र वर्ड (शनाम। এकरि होकांत्र ये गाम ७७ माम विमात्र अ भारे धर्षात् अ नार्रे। आत उफ्गान् यत ध्यामारमाम कता अ बफ माग्र! कथाई बारक "वड़त भितीं छ ना लित बाध, कर्षक होए कि कर्षक ठीक" किन्दु लाटक बूर्या मा---টাকার এমন कुष्टक या লোকে লাখিও খাট্ছে এবং নিকটে िया (य जांच्हा ७ कत्र्छ। तम गार्। उ छेक, व फ्गाम्न एयत मर् थाक्रत भवकोल वाथा जात। जाक्रकव (य नाभावि इहेशा ছिल তাতে পরকালটি নিয়ে বিলক্ষণ টানাটানি।

বেচারাম। বাবুরামের রক্ষ সক্ষ দেখিয়া বোধ হয় যে তাহার গতিক ভাল নয়। আহা! কি মক্তি পাইয়াছেন! এক বেটা নেড়ে তাহার নাম ঠকচাচা। সে বেটা জোয়া- চোরের পাদশা। তার হাড়ে ভেল্কি হয়। বাঞ্জারাম উকিলের বাটার লোক! তিনি বর্ণচোরা আঁব—ভিজে বেরালের মত আল্ডেং সলিয়া কলিয়া লওয়ান্। তাহার ছাত্তে যিনি পড়েন তাহার দ্যা একেবারে রক্ষা হয়, আরু বিক্রেশ্বর মাইরগিরি করেন—নীতি শিখান অবচ

छाल छिठ ने ए जलरनत | भरत्यान। मृत्र! घाडा इडेक. ८०१भात क्षेत्रकान कि २०वाकी भष्गि इडेग्राट्ड?

ত্রণী বারু। আমার এখন কি পর্যাজ্ঞান আছে! এরপ আনাকে বলা কেবল অনুগ্রাহ প্রাকাশ করা। হৎকিঞিছ মাহা হিডাছিত বোধ কইয়াছে তাহা বদরগাঞ্জের বরদা বারুর প্রসাদাং। মেই মহাশ্যের সহিত অনেক দিন সহবাস করিয়াছিলাম। তিনি দয়া করিয়া কিঞ্ছিৎ উপদেশ দিয়াইছেন।

বেচারাম। বরদা বাবু কে? ভাঁছার বৃত্তাত বিস্থারিত করিয়া বল দেখি। এমত কথা সকল শুন্তে বড় ইচ্ছা হয়।

दिनी वाव । वत्रमा वावूत वाजि वक्रफल्ल-भन्नात-এটেকাগমারি। পিভার বিয়োগ ভইলে কলিকাভায় पाइरमन-अन्न वर्यात क्रिंग आंटा विक छिल-जांक थान धमे (याज किलगा। वाला। वाला। अवधि अवगर्ध अमर्थ मर्मा तं वाकिट्न, अक्रमा द्वान शाहित्व द्वान वास হুউত না। একথানি সামান্য থোলার ঘরে বাস করিতেন---था पांत्र निक है या मर छू ही हो का भा केट उन का का कि कि वल जनमा, किल। कुठे धकछन भर्दार्कत मः अ व्यानान किल-ভদ্তিম কাহারও নিকট খাইতেন না, কাহার উপর কিছু ভার किट्न मा। कामकाभी श्रीयवात मक्षे ि किलग'— आश्रमात बाङात धाणनि करिएजन—धणनात त्रामां आणनि त्राधिरजन, त्राधिवात मगरम शफाला जाजाम कित्रिका जात कि প্রাতে। कि मधा एक कि ताद्य अक हिए शत्रामध्राक धान कात्र जन क्रांत ए पु अ गांनान ना सहि गाहि जिन, न फ मानु रसत ए हिल्ला हा পরিহাস ও বাজ করিত। তিনি শুনিয়াও শুনিতেন না ও अकल (क छ । जे भाग हे जानि मिचे वाकात बाता काछ, किति जिन । दिश्वाकि পिष्णि व्यास्क्रित मान गार्मणी इय्र--ভাহারা পৃথিবীকে শরা খান্ দেখে। বরদা বাবুর মনে अस्मिगा किनिक्यकारत गारमग्रा कतिए शाति न। जाहात श्राचाव आंड नाख । जिन्न ছिल, विना निश्चित्र। ऋन ज्ञात्र करिएन। ऋन जिन्न करिना मार्ट्य ऋ एए धकि

७० होकांत कर्य इन्न। लाकाटन आश्राम अ यो । ও খড়ার পুত্রকে বাসায় আহিয়া রাখিলেন এবং ভাঁচারা कि क्रांत्र छ। म श्वाकिर्तम छ। छ। ए॰ हे छ। छिम्य यञ्च क विर्ध स्मितित्वम। वात्राव निक्छे ज्ञासक गतिव प्रथी त्वाक जिल जार्शिक्तात मनामा जङ्ग कति। जन्म याभाव माधाकत्म मान कतिराजन उँ काङ्गाता गोफा इन्डाम जार्शान जिया (मिथिटिन এবং ঔষধাদি আনিয়া দিটেন। **ঐ সকল লে**। क्রে ছেলেরা অর্থ অভাবে স্কলে পড়িতে পারিত না এজন্য.প্রাতে जिनि जाशनि जोश्मित्य श्रेष्ट्रिंग। श्रेष् िक है मिन तां ज विश्वा भागा सामा करतन जाहार जिनि আরাম হন। বরদা বাবুর খড়ার প্রতি অসাধারণ ভত্তি छिल, डाँश्कि मारम्य भड स्त्थिएडम। अस्तिकत প्रमार्भ विषय भागान देवतांना मिथागाः। दक्ष ज्ञाना शतिनादत्त मध्या काश्रादा विद्यां किल्ला किश्रान क्यां किश्रा किश्रान পড়িলে জগং অসার ও পর্নেশ্রই সারাৎসার এই বেধি হয়। वत्रा वावृत मत्न के जान निबस्त आहि, जांशांत महिज जालाপ जयेवा डांशांत कथा हाता डांशा कानायाय किन्द्र डिनि একথা लहेग्रा অন্যের কাছে কখনই ভড়ং করেন না। তিনি **हिंदिक माञ्च नरश्न— क्रांक ७ हिंदित क्रमा क्रिंग** करत्न ना। महकर्षा यादा करत्न छोटा छाडि পোপन क्रिया थारकन। जारनक लारकत छे भकात करतन वर्षे किन्छ ' , राञ्त छे भकात करत्न किवल (महे वाक्तिहे कारन धाना लारक छित्र भारेल অভিশয় क्लिंड रूप्यन। जिनि नाना श्रकात विमा कार्यन किन्न जाहात श्रिकान किन्नाव गारे। लारक এक है गिथिय। शुंकि गाइ इत गठ कतर कतिया विषाय ७ मान करत जामि विष् वृति - जामि यमन लिथि-- এमन लिथिडि कर् शांद्र ना- आगात विमा ्यमन, अयम विकार वे श्राह्मा नाई—आमि याहा विविद मिरे कशाहि क्था। वत्रा वार्य जमा श्रकान वाकि, जँगरात निमा

করেম না এবং মতান্তবের কোন কথা শুনিলে কিছু মাত্র বিরক্তিও হয়েন না বরং আফ্লাদ পূর্বাক শুনিয়া আপন মতের দোষ গুণ পুনসার বিবেচন। করেন। ঐ মহাশয়ের নান। গুণ, সকল খুঁটিয়া বর্ণনা করা ভার, নোট এই বলা যাইতে পারে যে তাঁহার মত নমুও ধল্মভীত লোক কেহ কথন দেখে নাই—প্রাণ বিয়োগ হইলেও কখন অ্বর্ণে ভাঁহার মতি হয় না। এমত লোকের সহবাসে যত সহ উপদেশু পাওয়া যায় বহি পাড়িলে তত হয়না।

(ति ज्ञांता । এনত লোকের কথা শুনে কান জুড়ায়। রাত অনেক ইউল, পারাপারের পথ, বাটা যাই। কাল যেন পুলিসে একবার দেখা হয়।

৭ কলিকাতার আদি বৃত্তান্ত, জুসটিষ অব পিস নিয়োগ, পুলিস বর্ণন, মতিলালের পুলিসে বিচার ও থাল।স, বারুরাম বাবুর পুল্র লইয়া বৈদ্যবাটী গ্যন, ঝড়ের উথান ও নৌকা জলমগ্ন হওনের আশক্ষা।

সংসারের গতি অন্ত্রশানণ বুদ্ধির অগমা! কি কারণে কি ১য় তাহা স্থির কর। স্কটিন। কলিকাতার আদি বৃদ্ধান্ত স্মারণ করিলে সকলেরই আশ্চর্যা বোধ হইবে ও সেচ কলিকাতা যে এই কলিকাতা হইবে ইহা কাহারো সংপ্রেও বেল্প হয় নাই।

কোম্পানির কৃঠি প্রথমে ছগলিতে ছিল, তাঁহাদিগের গোমান্তা জাবে চারনক সাহেব সেখানকার ফৌজদারের সহিত বিবাদ করেন, তথন কোম্পানির এত জারি জুরি ভুল্লো না স্তরাং গোমান্তাকে হুড় থেয়ে পালিয়া, আসিতে হুইয়াছিল। জাব চারনকের বারাকপুরে এক বাটা ও বাজার ছিল এই কারতে বারাকপুরের নাম অন্যাবধি

ठानक विलग्ना था। बार्छ। कांच ठाउनक এककन ু সতীকে চিতার নিকট কটতে ধরিয়া আনিয়া বিবাহ করিয়া ছিলেন কিন্তু ঐ বিবাহ পরস্পারের সুখজনক হইয়াছিল কি ন। তাহা প্রকাশ হয় নাই। তিনি নৃতন কুটি করিবার জন্য উলুবেড়িয়ায় গ্রমণাগ্রন করিয়াছিলেন ও ভাষার ই**চ্ছা**ও क देशा कि क रय (भर्था (न कुटी क्य किस कारनकर कमां क भग्रास इहेग्रा क वाकि थाकिटा कित्रिया याग्र। जात हात्रक विकिथानां अक्षल भिया याजायाज क्रिक्टन, ज्याय এक्टा वृद्ध वृक्ष ছिल जो हात जलाय निमया मध्यार आताम कतिएन अ उमाक था देखन (महे आदन अदनक (मश्रीत्रां एक ए হুইত। ঐ পাছের ছার্মাতে ভাহার এমনি নায়। ইইল যে भिन्ने कार्रिक किंद्र क (গাবिन्प्रशत ও কলিকতো এই তিন আম একেবারে थांत्रम इहेश जावाम इहेट आ यु इहेल शर्त नांब्जा गिमिख गामा काजीय (लाक वामिया वम्हि कविल ए কলিকাতা ক্রমে২ শহর হইয়া গলজার হইতে লাগিল।

ইংরাজি ১৬৮৯ সালে কলিকাতা শহর হইতে আরম্ভর্ম।
ভাহার তিন বৎসর পরে জাব চারনকের মৃত্যু হইল,
ভৎকালে গড়ের মাট ও চৌরুঞ্জি জন্সল ছিল, একণে যে
ভানে প্রমিট আছি পূর্বে তথায় গড় ছিল ও যে স্থানকে
একণে ক্লাইবৃষ্টি বলিয়া ডাকে সেই স্থানে সকল সওদাগরি কর্মা হইত।

কলিকাতায় পূর্ষে অতিশয় মারীভয় ছিল এজনা যে২ ইংরাজেরা ভাষা হইতে পরিতাণ পাইত তাহারা প্রতিবৎসর নবমর মাসের ১৫ তারিখে একত হইয়া আপন্থ মঞ্জবার্তা বলাবলি ক্রিত।

ইংরাজা গের এক প্রধান গুণ এই যে, যে স্থানে বাস করে । তাহা তা পরিষ্কার রাখে। কলিকাতা কনেই সাহশুতর' ত পীড়াও ক্মেই কমিয়া গেল কিন্তু বাজালৈরা খুবিয়াও বুবেন না জ্বাবিধি লক্ষ্মীপতির

या जिला है। वार्य वार्य कार्य हिन्दि । वार्य कार्य कार्य कार्य

কলিকাভার নাল, আদালত ও কৌজদারি এই তিন' কর্মা নির্মাহের ভার এক জন নাহেবের উপর ছিল। তাহার অধীনে এক জন বাঙ্গালি কর্মকারী থাকিতেন, ঐ নাহেবকে জমিদার বলিয়া-ডাকিত। পরে অন্যান্য প্রকার আদালত ও ইংরাজ শিপের দৌরাল্য নিবারণ জন্য স্থারিম কোর্ট হাপিত হইল আর পুলিসের কর্মাষতন্ত্র ইইয়া স্থারমার কালতে লাগেল। ইংরাজি ২৭৯৮ সালে স্যার জান রিচার্ডসন প্রভৃতি ক্রস্টিন আর পিস মোকরর হইলেন তদনত্র ১৮০০ সালে বাকিয়র সাহেব প্রভৃতি ঐ কর্মোনিয়ক হন।

याँश्वा क्रिमिक वाच शिम र एम के शिवादित क्रम कर्म कर्म कर्म क्रिम क्रम क्रिम क्रिम

বাকিয়র সাহেবের মৃত্যু প্রাণ্ট চারি বংসর ইইয়াছে।
লোকে বলে ইংরাজের ঔরসে ও ব্রাক্ষেণীরগর্ত্তে তাঁহার জন্ম
হয়। তাঁহার প্রথম শিক্ষা এখানে হয় পরে বিলাতে যাইয়া
ভালরূপ শিক্ষা করেন। পুলিসের মেজিট্রেটী কর্ম প্রাপ্ত
হইলে তাঁহার দবদবায় কলিকাতা শহর কাঁপিয়া গিয়াছিল
—সকলেই থবছরি কাঁপিত। কিছুকাল পরে সন্ধান স্থলুক
করা ও ধরা পাকড়ার কর্ম ত্যাগ করিয়া তিনি কেবল বিচার
করিতেন। বিচারে স্থপারগ ছিলেন, তাহার কারণ এই
এদেশের ভাষা ও রীতি বাবহার ও ঘাঁং, ঘুঁং, সকল ভাল
ব্রিতেন—ফৌজদারি আইন তাঁহার কঠন্ত ছিল ও বছকাল
প্রথিনেকাটের ইনট্রপিটির থাকাতে মকজ্বনা বিত্রি করিতে
হয় তিথিবয়ে তাঁহার উত্যাজ্যান জন্মিয়াছিল
সময় জলের মত যালি—দেখিতেই সোম্ব, ত্লা—

निर्कात चिंदिल ए९ ए९ कतिया प्रभाषा नाकिल। मात्रकन मिशा हे मार्याशा नार्यन कां फिमात को किमात अ नाना अकात लाक श्रुलिम मित्रश्र्व रहेल। कामा ३ वा करम्मा वाफ़ी उग्नानि. ७ (वन्।। वांभग्ना भारतत फिर्त फल्फ--किथि। उ वा कटकनना लाक गावि थए। तरकत कानए स्व দাঁড়িয়া আছে—কৈপথাও বা কতকগুলা চোর অধোমুম্থে এক পার্থে বিসিয়া ভাবতে — কোথাও বা ছুই এক জন টয়েবাধা डे॰ ता कि उरा ना मत्या अ निथा ६— काथा अ वा किता मिता मोर्ड डेअट्र हे॰ अभर् करिया किरिट्डिड — किशि व वा माकि मक्ज প्रज्ञात क्र र कति एए एक काशा खा अनामात क्रानिरनता औरथेत कारकत्र गांध तिमदा क्रांकि--- (कांगा ७ वा फेकिल निर्धात मालाल पारिकेटमद्त्र काल किलिएक एक-काथां अ वा छेकि:लवा भाकिफिर शव कार्य मख किर ० एक—काथा । वा आजनाता हालानि यकका। हेक्छ---कार्य । या मातकान्-রা বুকের ছাতি ফ্লাইয়া মসহ করিয়া বেড়াজে—কোথাও वां मत्रमात्र (कत्रामिता वलाविल कत्र्ड-- ७ मार्डन्डा पांधा -- 3 मार्ट्य अपे-- এ मार्ट्य गत्रम- ७ गार्ट्य क्षां--काल्टकत अनकप्रगावित छक्रम जाल इस्नाहै। श्रीक्रिम গদ করিতেছে—माकाए यमालय—कात द्रापित कि ज्या मकलाई मणका।

বাবুরাম বাবু অপেন উকিল মন্ত্রি ও আড়ায় গণ
সহিত তাড়াতাড়ি আসিয়া উপস্থিত হইলেন। ঠক্চাচার।
মাথায় মেস্তাই পাগড়ি—গায়ে পিরাহান—পায়ে নামেরারা
জুতা—হাতে ফটিকের মালা—বুজর্গ ও নবীর নাম নিয়া
এক২,বার দাভিনেড়ে তসবি পড়িতেছেন কিন্তু সে কেবল
ভেক। ঠকচাচার মত চালাক লোক পাওয়া ভার।
পুলিসে আসিয়া চারি দিগে যেন লাটিমেয় নত খুরিতে
লাগিলেন এক বার এ দিগে যান—এক বার ও দিগে
যান—এই বার সাফিদিগের সাণ্ডেই ফুস্ই করেন—
এক২

াুরাম বাবুর হাত ধরিয়া টেনে লইয়া যান—

विश्वादांभ वाद्रक वृक्षांगः। श्रीवादमत याविष्य स्माक ठेक ठाठाटक (मिशिट लाशिल। व्यान कित वाभ शिवायह, bia छिंठ इंडेलिअ ভাষাদিগের সম্ভান সম্ভারা দুর্বল সভাগ হেতু বোধ করে যে ভাঁছারা অসাধারণ ও বিখ্যাত वांकि ছिलान এकना अरनात निकि णापन शहिएश मिट * इंडेल, একেবারেই বলিয়া বসে আগি তানুকের পূল--षाग्रकत नाजि। ठेकठाठात निकंछ या धानाश कतिरङ আসিতেছে ভাগতে অমনি বলিতেছেন—गुरे আবদর রহ্মান গুলমহামদের লেড্থা ও আমপক্ গোলাম-(श्राम्यात (श्राज्या) अकलन (प्राप्तिकाच्या महकात छलत कतिल—आरत जुनि कांक कथा कि कत छाड़े वल— (लाभात बाल लिटांगरहत गांग नार्ड लाड़ात हुई এक विहा मात्-श्वाका कारत भारत—किनका जो मश्त क कान् रव है जाता कि बर्ग निति कर्ष कति छ? এই कथा शुनिया ठेक ठी छ इ क्षा तक्तवर्ग कतिया विलिधन—कि वल्व ध श्रीलम, ब्रमता (क्रेंग) इत्न जिपत जेन्द्र (निक्द्र भट्ड (क्राइ ध्वजूम) कि विनिधा वावुतांच थावूत कांच धतिया मांफ्राहित्नन, उ अर्बकाव्रक लाक्ड (प्रथाहेद्धान य जामात् कंड छ्त्रमृह्-কত ইজ্জত।

ইতিমধ্যে প্লিসের সিঁজির নিকট একটা গোল উচিল।

এক খানা গাড়ি গড়ং করিয়া আসিয়া উপস্থিত হইল—

গাড়ির দার খুলিবামাত্র একজন জীন শীন প্রাচীন সাহেব
নামিলেন—সারজনেরা অমনি টুপি খুলিয়া কুরনিস করিতে
লাগিল ও সকলেই বলিয়া উচিল—বাকিয়ের সাহেব
আস্ছেন। সাহেব নেঞ্চের উপর বসিয়া কয়েকটা মারপিটের মকদ্বো ফয়সলো করিলেন পরে মতিলালের
মকদ্বা ডাক হইল। একদিগে কালে খাঁ ও কতে খাঁ
কুরাদি দাড়াইল আর একদিগে বৈদ্যবাদী বারুরাম
বারু বালীর বেণী বারু তিতলার বজেশ্বা বৌবাজারের বেচারাম বারু বাহির সমলা: রাম

वाव 'अ देव छेकथानात व छेलत मार्क्व मां ए । इतन । वाव्ताम वाव्त गाय जाएं।, गाथां थिए किमां शार्शां ? नार्क जिनक, जात উপরে এক হোমের ফোঁটা—ছুই হাত काफ कविशा काँरमार ভाবে সাহেবের প্রতি দেখিতে লাগি-(नग—ग्राम कर्तिष्ट्रिष्ट्रा एय हिष्मत कल (मिथ्राल एरिमा) हे সাহেংবের দয়। উদয় হইবে। মতিলাল হলধর গদাধর ও अन्याना जामानित भाष्ट्रतत मगाथ जाने उड़ेन। মতিলাল লজায় ঘাড় হেঁট করিয়া রহিল, ভাহার অনাহারে एक वनन (मधिशः वावुदांभ वावुद क्रमः विभीन क्षेट्रेड लाशिल, रेफता भिता এ किन्। त कित्र व आ भागिता কুস্থানে যাইয়া জুয়া থেলিত, তাহাদিগকে ধরাতে বড় मार्त्राणि कित्रिया छिनिया शलाय—मार्त्राशिएउत मार्ग भाषात काश्र थ लिया (नथाईल। विदेल त मार्टिव रेकतानित अ ফৈরাদির শাক্ষির উপর অনেক জেরা করিয়া মতিলালের गर्काख এ ছেহার কতক কাচিয়া ফেলিলেন। এমত কাচ্ন व्याक्षियां गर्थ कावन একে উकिली किक, ভাতে পূর্বে গড়া-. পেটা হইয়াছিল—টাকাতে কি না হইতে পারে? 'কড়িটেড बुड़ांत विद्य इय्रें शद्त विज्ञ मार्ट्व आश्वन माकिमकल कि जुलिएन। जुश्शता विलिल गात्रिएत फिल्म गाजिलाल देवमावाणीय वाणीएं ছिल किविष्ठ कियुत मार्ट्स्व थहिंग ७ वकर वात घर्ष एया या है एक लाशिल। ठेक हो हो मिथिलान গতिक वर्ष जांन नय्—शा পिছ ल गाइ कि भारत — गकमगा कतिएं शाल आग लाकित मिग्विमिक खान থাকে না—সত্যের সহিত ফারথতাথতি করিয়া আদালতে ज्करण रय-कि श्रकारत खग्नी रहेव द्वाराटिर किवल এकिना, थारक এই काরণে তিনি সমাথে আশিয়া সমং সাক্ষা দিলেন. अमूक निवः अमूक जावित्थ अमूक गाय जिल्ला मिलिक दिषावा वाणिद्व कार्मि भण्डे हिल्लम। सिक्करमेडे व्यानः न कतित्वन किन्द्र निक्कि । दश्नवात भानवात

পাত নয়—নানলায় বড় টস্ক, আপনার আগল কথা কোন রকনেই কমপোক্ত হইল না। জমনি বটলর সাহেব বড়েলা করিতে লাগিলেন। পরে মাজিন্টেট ক্ষণেক কাল ভাবিয়া ছকুম দিলেন মতিলাল থালাস ও অন্যান্য আদামির একং মাস 'ময়াদ এবং ত্রিশ্বং টাকা জরিমানা। ছকুম হইবাসাত্রে করিবোজেন শক্ত উঠিল ও বাবুরাম' বাবু চাংলান করিয়া বলিলেন খন্মাবতার! বিচার স্থল্ম হইল, আপনি শীঘ্ গ্রহ্বর কটুন।

श्रु निरमत केठारन मकरना ज्यामितन इस्निस्त । अ भाषायत <u>थ्यिननातारान मजगमात्रत्क (मंथरा जार्गत (थलात्नत</u> भाग छ। इत्त कार्यर भागेर जागेर जाशिल-" (প্रমনারায়ণ मजुमनात क्ला थाए, क्या काज नाई किছू वाफ़ा हटल ক্ষাও। হেন করি অহামনে তুনি হও হ্রুগান, সমুদ্রের शिरत शिया चक्टरम लाकाउ" (श्रामातायम बलिल-वटि त विदेशन्त्र।—तिष्ठाशात वालाई मृद्र— (७१त्रा । किला या फिल्म एवु उन्हामि क ति एक का स निहम । अहे वन् एवर जारा मिन एक कुल लहेश (भल। (यगी वांतु धर्माडीड लाक--धर्मात श्रीका अध्यान का (म थया एक रहेगा में पृत्रेगा आहम -- ठेकठोठी मोडिताड श्रीमटलर प्रमु कतिया विवासन-क्सिन (भा এখन किलाच वार्व कि वटलन बनात मनल उकान कत्रल (भारमञ्जूषका वका कहें । विश्वादांभ (ভড়ে आतिया **डान श्रांड निए निलालन—ध कि ছिलात श्रांड**त शिएं ? विकिश्त जल्ला—(म ত। ছেলে नग्न भरतम भाषत। (विठात्रांभ वाव विलिलिन में त्र अभन अधर्या कांत्र कां ना—मकलमा कि उथ छाहे ना— मैं तर !! এই विलिया (विगी बावत काउ धतिया हिक्दी (वितया (भटनन।

वावताम नात कालीच हि शुक्रा मिद्धा निकार छिटिलन। भाक्रालिता कार्टन छगत नर्यमा कतिम्रः थाएँ कृष्ठ कर्णा भेष्टिल यग्न अर्थन शुक्रत हहेगा छैट ताम বাবু ঠকচাচাকে সাক্ষাং ভীয়াদেব বোপ কবিলেন ও ভাছার গলায় হাত দিয়া মকদনা কিতের কথানার্ভায় মগ্ন হইলেন—কোথায় বা পান পানীর আহেব—কোথায় বা আহিক—কোথায় বা পান পানীর আহেব—কোথায় বা আহিক—কোথায় বা পান পানীর আহেব—কোথায় বা আহিক—কোথায় বা সজা? সবই ঘুরে গেল। একং বার বলাছচ্ছে বটলার সাহেব ও বাঞ্জারাম বাবুর ভুলা লোক নাই —একং বার বলাছচ্ছে বেচারাম ও বেণীর মত বোকা আর দেখাযায় না। মতিলাল এদিন ওদিন দেখছে—একং বার গলায়ে দিড়াচ্ছে—একং বার গলায়ে দিড়াচ্ছে—একং বার গলায়ে দিড়াচ্ছে—একং বার ছত্রির উপর বস্ছে—একং বার ছাইল ধরে বিক্র মার্লে। বাবুরাম বার মধ্যে বল্ভেছেন—মতিলাল পাবা ও কি? ধির হয়ে। বসো। কাশীজোড়ার শাস্ত্রে মালী ভামাক সাজ্ছে—বাবুর আক্লাদ দেখে ভাহারও মনে ফুর্ডি ইয়াছে—জিজ্ঞান কর্ছে—বাও নোশাই। এবাড় কি পুজাড় সময় বাক্লে বাওলাচ হবে। এটা কি ভুড়ার কড়? সাড়ার। কত কড় করেছে?

প্রায় একভাবে কিছুই যায়ন;— মেনন মনেতে রাগ চাপা।
থাকিলে একবার না একবার অনশ্যই প্রকাশ পায় তেমনি
বড় গ্রীষ্ম ও বাভাগ বন্ধ ইইলে প্রায় বাড় ইইয়াথাকেশ
স্থা অন্ত যাইতেছে—সন্ধায়র আগমন— দে থতেই পশ্চিমে
একটা কাল মেই উটিল— তুই এক লহনার মধ্যেই চারি
দিগে ঘুট মটে অন্ধানা হইয়া আসিল— ছ-ছ করিয়া বাড়
বহিতে লাগিল—কোলের মান্ত্য দেখা যায় না—সামালই
ডাক পড়ে গেল। মধ্যেই বিছাৎ চম্কিতে আরম্ভ ইইল
ও মুহুমুহুই বজের বাঞ্চন কড় মড় ইড় মড় শন্দে সকলের তাল
ইইতে লাগিল— বৃষ্টির বাইই তড়ত ডাতে কার সাধ্য বাহিরে
দাড়ায়। টেউ গুলা একই বার বৈগে উচ্চ ইইয়া উঠে
আবার নৌকার উপর ধপাসই বরিয়া পাড়। অল্লা ক্ষেপ্রের
মধ্যে ছুই তিন খানা নৌকা সারাগেল। ইহা দেখিয়া
আন্ত্র নাজিরা কিনারা। ভিড্তে চেন্টা করিল কিছ্
নাটো গ্রির অন্য দিগে গিয়া পড়িল। ঠকচাচার

यक्नि वक्ष-प्रिया श्रानिया छान मूना-- उथन এकर वात माना लडेश उनित शरफ्न-- थन आभनात गर्गान आलि उ मठाशिरतत नाम कहेर्ड लाशिरलन। वावुताम वावु खिलिया नाकल अहेटलम, छुक्कत्यांत भाको এইথানেই व्यावस हम। इसम्प्र क्रिट्ल काङ्गात् यनः स्टिश्व थाटक? ष्यामांत काष्ट्र हाजुतीत घाता छक्षण एका इक्ट भारत वर्ष्ठे किन्द्र काम कन्त्र इं मरागत जारगां हत थारक मा। भाभी रहेत शान राम जाशात गाम कि क्र कि विश्र क मर्का के जाउक — मर्नामा इ उग्र--- मर्नामा व्यय्थ – यरधार रम दामिएक श्रामिन त्म किवल (फाल्डांत श्रीम। वाबुतांम वाबु जादम काँपिएड लाग्गिलन उनिल्लन ठेकि ठोकि इइट्ट! प्रिथिड পাই अপ্যाত मृजा इहेल—युवि जानामिश्त्र शार्पत এই प्रखा कांग्रर किटलटक यालाम कांग्रग्न आजिनाम, हेक्टिक शृष्टिभीत निक्र निरम याङ्ग भातिकाम ना यां म मति छ। गुरिशे अधारक मित्रा याहे वन-वयन आगंत (वनी ছিল। ঠকচাচারও ভয় হইয়াছে কিন্তু তিনি পুরাণ পাপী मुत्थ व फु म फु — विक दलन छत (कन कत वर्ष) वा फुवि है है ल मूर्ड छ। गतक की दम करत मिडा मार्च नाय नाय म (क) नत्र एमत क्या अफ कार्यन वाफ्या छ हिल- (नोक: हैल यल वाशिल--- ठेक ठांठ। गरनः कट्ट्न "ठांछ। जालना वाँछ।"।

৮ উकिल विष्नुत भारहरवंत आकिम—देवपादाणित वाणिए कर्डात जना जावना, वाञ्चातामवावृत ज्थाम भगम अविष्या, वाञ्चामवावृत भरवाष अञ्चाममा

कं कर्या शहेल छ । जा निश्र एक ने।

কুকুর শুয়ে আছে, নাছেব একং বার সিন দিতেছেন—
একং বার নাকে ননা গুলে হাতের আঙ্গন চটকাতেছেন
—একং বার কেতাবের উপর নজর করিতেছেন—একং বার
ছই পা ফাঁক করিয়া দাঁড়াইতেছেন—একং বার ভাবিতেছেন
আনালতের কয়েক আফিসে খরচার দর্নন অনেক টাকা
দিতে হইবেক—টাকার জোটপাট কিছুই হয় নাই অথচ
ট্রম খোল্বার আগে টাকা দাখিল না করিলে কর্মা বল্ল
হয়—ইতিমধে৷ হোর্ড উকিলের সরকার আসিয়া তাঁহার
হাতে ছই খানা কাগজ দিল। কাগজ পাইবা মাজে
সাহেবের মুখ আফ্রানে চকচক করিতে লাগিল, অমনি
বলিতেছেন বেন্শারাম জল্দি হিয়া আও। বাঞ্জারাম
বাবু চৌকির উপর চাদর খানা ফেলিয়া কাণে একটা কলম
গুলিয়া শীষ্ উপ্তিত হইলেন।

বটলর। বেন্শারাম! হাম নড়া খোশ ছয়া বাব-রামকা উপর দা নালিশ ছয়া—এক ইজেক্টমেন্ট্ আর এক একটি, হামকো নটিম ও স্থানা হৌয়র্ড সাহেব আরি ভেজ দিয়া।

বাঞ্চারাম শুনিবা মাত্রে বগল বাজিয়ে উঠিলেন ও বলিলেন—সাহেব দেথ আমি কেমন মৃৎস্কৃদি—বাবুরামকে এখানে আনাতে একা দুধে কত ক্ষীর ছেনা ননী ইইবেক। এ ছুখানা কাগজ আমাকে শীঘ্র দাও আমি স্বয়ং বৈদ্যানাটীতে যাই—অন্য লোকের কর্ম্ম নয়। এক্ষণে অনেক দ্যবাজিও ধড়িবাজির আবশ্যক। একবার গাছের উপর উঠাতে পার্লেই টাকার বৃট্টি করিব, আর এখন আমাদের তপ্ত খোলা—বড় খাই—একটা ছোবল মেরে আলাল হিসাবে কিছু আন্তে হবে।

देवनाव जित वाजी उत्ताधन विषय क्रिया छ — नक्ष्य धार्थ -खड़र धार्थ विषय क्रिया वालिए उद्धे। सून्नावानि त्रानन-क्रिक भिड़े क्रिया ज्ञार स्वीत्रांत आलाम क्रिएए । न ज्ञारन सिल्ला लात क्रम सक्ष्य क्राइस है स्राह्म क्रम-

मिर्ग छ छो भार्र इडे ट्रिक्ट— এक मिर्ग मित्र प्रकात निविद्य शका म्खिक। हाना हहे। उद्या ग्राय काल शाम भी ला वा विश् कुलमी (म उद्या करें) इति। त्याका (भ्या भाषा स र्वा क मिया चारि-८३८७ ७ शतय्थात वलाविन कहिर्ड्ड आग्रामिर्गत रेमव बक्ता (१) नगम्डे अकाम इडेन-शिंटला (लत् थामाम इउश् भिद्र थाकक अकर्ष कर्न्ड । उ राज्य अस्म (जिल्ला) कना यभि भोकाय इंटिया थारकन भारता वार्ष अन्या भारता श्रीष्ट-श्राष्ट्र लाहात कि कू गाज रत्नह नाहे---या छ छेक, मर्मात्छ। धारकवादा (क्षल-ध्यम छ।। ए (एए ए। त की लंग इकेटव-एइ। हे मात् कि तक्य २५ य। উঠেন वला गाय न |-- त्नाथ २य छ। ना-मित आश्चित मका একেবারে উঠে গেল। ঐ ব্রাক্ষণদিগের मर्था धक जन जार्यर वर्षां नाशिरनन- ३८० (ज्ञात) ভাবছো क्न? जागामित थाछि किर हाएं। ना-जानता भारकेत करा छ-- गर्ड का है जाम् क का है - यि कर्छा त शक्य इहेग्रा थारक एरनर्डा धक्छ। क्रीकाल खान इहेरन-क्रिंत वर्यम इड्याट्ड--मानी টाका लद्य आपूर পुजूर क्रिक्त मण करन मूर्य काकी हुन मिर्व। आत এक कन बल्दान— अदर छारे। मित्रान किन घुट मूल किन र्दा, खामता क्रमन ठांडे य वस्थातात मक काछि। १८ए—निडा পाई, निजा थाहे--- এक वर्षां कि कि कि कादन कुका यादि?

বাবুরাম বাবুর প্রী অতি সাধা। সামির গমনাবধি
অম জল ত্যাগ করিয়া অন্তির হইয়াছিলেন। বাটীর জানালা
থেকে গজা দর্শন হইত—সারা রাত্রি জানালায় বসিয়া
আছেন। একং বার যখন প্রচণ্ড বায়ু বেগে বহে তিনি ওমনি
আভঙ্গে শুখাইয়া যান। একং বার তুফানের উপর দৃষ্টিপাত করেন কিন্তু দেখিবামাত্র সংকল্প উপস্থিত হয়। একং
বার বজাঘার্তের শব্দ ভানেন তাহাতে অস্থির হইয়া কাতরে
প্রমেশ্বকে ভাকেন। \ এই প্রকারে কিছু কাল গেল—
গুলার উপর নৌকার গম্বাগমন প্রায় বল্ধ। একং বার দূর
একংটা শব্দ শুনেন অমনি উঠিয়া দেখেন। একং বার দূর
হত্তে একটাং নিজ্মিড়ে আহিলা দেখতে পান্ ভাহাতে নোশ

करत्रन छ व्यारमाछ। कान त्नोकात्र जात्ना म्हरन—िक्रब का भरत्रे এक थान तोका एकिताएत ज्य जाराज गरन कदबन ध कोका वृत्यि भारहे जाभिया लाभित- गथन कोकः एडफ्र क्रिया (उएफ् न!—वर्तावत उटल याग्न उननारमात (वमना (मस्यक्रिश इनेश। स्नर्ध लार्श। द्रांजि छ। य (मध करेल----वाफ् नृष्ठिं करमर थाँ। महार्गेत अखित অবস্থার পর জির অবস্থ। অধিক শোভাকর হয়। काकारग नक्क अकाम इहेल—हरस्त जांचा अनात छेशत ्यम मृजा कविटन लाशिन ए श्रिती धगन निश्मम करेन रा गाइत भागणी निष्टल उ म्भरे तभ खना याता। धक्रेक्रिश मर्गात अत्माक्त्रके भाग गांगा जात्वत छेनग्र क्या। श्राञ्जो এकर बांत हाति मिर्ध मिशिर छा छ। छारे धर्म। इंगा अभगा अभि निलिट्डिंग-- जिनिस्त! जागि जानं को श्रादा गन्म कति गाहि—कोन भाभ अ कति गाहि— ०७ कारलत शत जाभारक कि देवधना गञ्जना एछान कतिराज करेला? यागात धरन कांक नाई—शरनाय कांक नाई -काक्षानिनी इहेशा थाकि मिल जान-तम प्रदेश प्रथा त्वाध इडेरन मा किन्छ এই जिका मिन्ड राम পতि পুरास्त मुथ फिथ्डिं मति ७ शाति। এই तथ जावनात श्रंभीत ननः अञ्चित्र वाक्ति इहेट लागिन। जिनि वर् वृक्षिमजी उ छाला भारत छिलन—आंशनि त्रापन क्रिटल लाएछ कनाता काउत इय अक्रांत्र देश्या ध्रिया हिल्ला। (भव द्रार्क वाणीरं अञाञि नश्वद वाक्षिरं नाशिन। ये वारमा শাধারণের মন আকৃষ্ট হয় সতা কিন্তু তাপিত মনে ঐ রূপ वामा छुः (थत भाषाना थिलिया एमर, এ कात्र वामा खान व गृहिनीत मत्नत जांभ रपन डेमोश इहेश डिंगि। इंडिमरधा এक्জन क्लिया देवमावाणित वाणिएक माझ त्वहर्छ वामिल जाएँ। त निक छे वासूनभान कर्नाट म विलिल सार्ष्त भगग वाँभदिव एवं ठ एवं व निक छ अकथाना लोका ए बुणुबू क्रेशिक्कि—विश्व रुग्न मित्राकाथाना फ्रिया शियाकि— िङ्हि अकजन याणे वाव-- शक्कान याननगान-अक्षी

हिल्लवाव ও আর> অনেক লোক ছিল। এই সংবাদ একেবারে যেন বজাঘাত তুলা হইল। বাটীর বাদ্যোদান বক্স হইল ও গরিবারেরা চীৎকার করিয়া কাঁদিয়া উচিল।

कागुत मक्ता भग्न अगग विद्धाताम विवृ उड़वड़ कत्रिया दिवारी वित्र वाजित देनठकथानाम छेलाछ्ड इडेग জिक्कामा क्रिलान—कर्ला (कार्याय: চोक्राय निक्रे मर्योप आश इ ७ ब्राट अक्वारत गार्थ व ३ कि विद्या विभिन्न अफ़ि-ला धार विलिश । — इ। यर, रफ़ ला कि है दिश ल ! जार क क्कन (थम नियाम करिया हाकतरक यम्दान एक जिन ভাষাক আন্তো। এক জন ভাষাক আনিয়া দিলে খাইতে था हेट जावि ए कि न चौतुर्तीय यो बुर्जी शिलन अकरन र्ভाष्ट्रात महस्र प्यामिख य यादे। नष् याना कतिया यात्रिया-ছিলাম কিন্তু আশা আসা মাত্র হইল—বাটীতে পূজা— श्रांखिंगा रेनरेनाटक—काथ्रथरक कि कतित किछ्डे खित कतिर्द्ध পाति गार्छ। দম সম দিয়া টাকাটা হাত করিতে পারিলে অনেক কর্মা আদিত-কতক সাহেবকে দিতাম— কতক আপনি লইতাস—তার পরে এর মুণ্ডু ওর ঘাড়ে দিয়া হর বর সর করিতাম। কে জানে যে আকাশ ভেঙ্গে একেবারে মাথার উপর পড়বে? বাঞ্জারাম বাবু চাকর-मिश्रक (मथारेश) लाक (मथारन) এक है के निर्ण्ड आर्थ ख कितिलान किन्छ (म कोन्ना (कनल छोकोत नक्रन। जाङ्गोरक (मधिया यसायनि जाकानिता निकटि व्यक्तिया तिनिता গলায়দড়ে জাত প্রায় বড় ধূর্ত—অন্ত পাওয়া ভার। কেহ২ वाबुतांभ वाबुत छन वर्गन कत्रंड लाशिय्लन—क्टर विन-लाग जामता পिত्हीन हहेलांम—क्हर लांक मस्त्र य विद्या का विद्या कि लिल अथन विलापित मगरा नरा या ७ ভার পরকাল ভাল হয় এমত চেন্টা করা, কর্তব্য—তিনি ভো कग लाक ছिलान ना? वांक्षांत्राक वांत्र वांत्र वांत्र वांत्र उद्देश वल्डिन अवशास वर्ष आध्र करतन में -िनि छान कारनन (४न भारतन कारकत कि? , भाभनि अग्नि

বুকভাঙ্গা হইয়া পড়িয়াছেন যে উঠে যেতে পা এণায় না
না শুনেন ভাতেই সাটে হেঁ হুঁ করেন—আপনি কি
করিবেন—কার দাপা খানেন—কিছুই মতলব বাহির করিতে
পারিভেছেন না। একং বার ভাবতেহেন ভদ্নির না
করিলে ছুই খান্য ভাল বিষয় যাইতে পারে একথা পরিবাবদিগকে জানালে এখনি টাকা বেরোয়—আবার একং
বার মনে করভেছেন এমত টাটকা শোকের সময় বল্লে
কথা ভেমে যাবে। এইরূপে সাত পাঁচ ভাবছেন, ইভিমপো
দরজায় একটা গোল উচিল—একজন চিকা ঢাকর আসিয়া
এক খানা চিঠি দিল—শিরনানা বাবুরাম বাবুর হাতের
লোখা কিন্তু সে ব্যক্তি সরেওয়ার কিছুই বলিতে পারিল না,
বাটার ভিতর চিঠি লইয়া যাওয়াতে গৃহিণী আত্তে ব্যক্তে

ঁণিল রাজে ঘোর বিগলে পড়িয়াছিলাম—নোকা আঁদিতে এগিয়ে পড়ে, মাজিরা কিছুই ঠাহর করিতে পারে নাই, এমনি বাড়ের জোর যে নৌকা একেবারে উল্টে যায়। নৌকা ডবিবার সময় একং বার বড় জাস হয় ও একং বার তোমাকে স্মরণ করি—তুমি যেন আমার কাছে দাঁড়াইয়া বলিতেছ—বিপদ কালে ভয় করিও না—কায় মন চিত্তে প্রমেশ্বরকে ডাক—হিনি দয়াময়, তোমাকে বিপদ্ থেকে অবশ্যই উদ্ধার করিবেন। আমিও সেই মত করিয়াছিলাম। যথন নৌকা থেকে জলে পড়িলাম তথন দেখিলাম একটা চড়ার উপর পড়িয়াছি—সেখানে হাঁটু জল। নৌকা তুফানের তোড়ে ছিল্ল ভিন্ন হইয়া গেল। সমস্ত রাজি চড়ার উপর থাকিয়া প্রাতঃকালে বাঁশবৈড়িয়াতে অ দিয়া উপত্তিত হইয়াছি। মতিমাল অনেক ক্ষণ জলে থাকাতে পাড়িত হইয়াছিল তাকুত করাতে আরাম শ্রুয়াছে, যোগ করি রাভ্তক বাটীতে পৌছিব"।

চিঠি পড়িবামাতে যেন অনলে জল পড়িল—গৃহিণী কিছুকলে ভাবিয়া-বলিলেন এ ছঃখিনীর কি এমন কপাল হবে? এই কলিতে২ বাবুরাম বাবু আপন পুত্র ও ঠকচাচা গভিত বাটীতে আসিয়া উপস্থিত হইলেন। চারিদিগে মহা
গোল পড়িয়া গেল। পরিবারের মন সন্তাপের মেয়ে
আচ্ছন ছিল একণে আফলাদের সূর্যা উদয় হইল। গৃহিণী
ছই কনার হাত ধরিয়া সানি ও পুজের মুখ দেখিয়া
অক্তপাত করিতে লাগিলেন, মনে করিয়াছিলেন মতিলালকে অস্থান করিবেন—একণে সে সব ভুলিয়া
গোলেন। ছুইটা কনা ভাতার হাত পরিয়া ও পিতারে চরণে
পড়িয়া কাঁদিতে লাগিল। ছোট পুজুটি পিতাকে দেখ্যা
যেন অমূল্য পন পাইল—এনেক কণ গলা জড়াইয়া থাকিল
—কোল থেকে নামিতে চায় না। অন্যান্য প্রীলোকেরা
দাঁড়াগোপান দিয়া মহলাচরণ করিতে লাগিল। বারুরাম
বার্ মায়াতে মুগ্ধ হওয়াতে অনেক কণ কথা কহিতে
পারিলেন না। মতিলাল মনেহ কহিতে লাগিল নৌকা
ডুবি ছওয়াতে বাঁচল্য—তা না হলে মায়ের কাছে মুখ
থেতেহ প্রাণ মাইত।

বাহির বাটাতে সন্তায়নি ব্রাক্ষণেরা কর্তাকে দেখিয়া আশীর্মাদ করণানস্তর বলিলেন ''নচ দৈবাৎ পরং বলং'' দৈব
নল অপেকা শ্রেষ্ঠ বল নাই—নহাশয় একে পুণাবান তাতে
যে দৈব করাগিয়াছে আপেনার কি নিপদ হইতে পারে?
যদাপি তা হইত ভবে অমরা অব্রাক্ষণ। এ কথায় ঠকচাচা
চিড্চিড্য়া উঠিয়া বলিলেন—যদি এনাদের কেরদানিতে,
সব আফদ দফা হল তবে কি মোর নেজনৎ ফেল্ভো, মৃই ভো
ভগবি পড়েছি? অমনি ব্রাক্ষণেরা নরম হইয়া সামঞ্জস্য
করিয়া বলভে লাগিলেন—ওহে যেনন শ্রীকৃষ্ণ অর্জুনের
সারখি ছিলেন ভেমনি ভুমি কর্ত্তা বাবুর সার্থি—ভোমার
বৃদ্ধি বলেভেই ভো সব হইয়াছে—ভুমি অবভার বিশেষ,
যেখানে ভূমি আছ—যেথানে আমরা আছি—সেখানে দায়
দক্ষা ছুটে পালায়। বাঞ্জারাম বাবু মণি হারা ক্রণী হইয়া
ছিলেন—বাবুরাম বাবুকে দেখাইবার জন্য পালে চক্ষে
একটং মায়া কালা কাদিভে লাগিলেন ভখন ভাহার দশ

ছাত ছাতি হইয়াছে—এবং দৃঢ় বিশ্বাস হইয়াছে যে চার কেলিলেই মাছ পড়িবে। তিনি ব্রাহ্মণদিগের কথা শুনিরা তেড়ে আসিয়া ডান হাত নেড়ে বল্তে লাগিলেন—একি ছেলের হাতে পিটে? যদি কর্তার আপদ হবে তবে আফি কলিকাতার কি ঘুন কাটি?

ন শিশু শিক্ষা—ও স্থানিকা না হওয়াতে মতিলালের ক্রমেন মন্দ্র হওন ও অনেক সঙ্গি পাইয়া বাবু হইয়া উঠন এবং ভদ্র কনারে প্রতি অভ্যাচার করণ।

ছেলে একবার বিগ্ড়ে উঠ্লে আর স্থাত হওয়া ভার।
শিশুকাল অবি মাহাতে মনে সন্তাব জন্মে এমত উপায়
করা কর্ত্বা, তাহা হইলে সেই সকল সন্তাব জন্মে প্রেক্
উঠ্তে পারে তথন কৃকর্মে মন না গিয়া সহকর্মের প্রতি ইছে।
প্রবল হয় কিন্তু বাল্যকালে কৃষক্ষ অথবা অমন্ত্রপদেশ পাইলে
বয়সের চঞ্চলতা হেতু সকলই উল্টে যাইবার সম্ভাবনা
অভএব যে প্র্যান্ত ছেলেবৃদ্ধি থাকিবে সে প্র্যান্ত নানা
প্রকার সহ অভ্যাস করান আবিশ্যক। বালক দিগের এই
রূপ শিক্ষা পচিশ বহুসর পর্যান্ত হইলে তাহাদিগের মন্দ পর্যে
যাইবার সম্ভাবনা থাকে না। তথন তাহাদিগের মন্দ প্রেক
প্রবিত্ত হয়।

এতদেশীয় শিশুদিগের এরপ শিক্ষা হওয়া বড় কঠিন প্রথমতঃ ভাল শিক্ষক নাই—দিতীয়তঃ ভাল বাহ নাই— এমতং বহি চাই যাহা পড়িলে মনে সদ্যাব ও স্থাবিবেচনা, জাময়া ক্রমেং দৃদ্তর হয় কিন্তু সাধারণের সংক্ষার এই যে কেবল কতক গুলিন শক্ষের অর্থ শিক্ষা হইলেই আসল শিক্ষা হইল। তৃতীয়তঃ কিং উপায় দ্বারা মনের মধ্যে সদ্ভাব জন্মে তাহার বেধি অতি অল্ল লোকের আছে। তত্বতিঃ শিশুদিগের যে প্রকার সহবাস হইয়া থাকে তাহাতে তাহাদিগের সন্তাব জন্মান ভার। হয় তো কাহারো বাপু জ্য়াটোর বা মদখোর, নয় তো কাহারো খড়া বা জেঠা ইন্দিয় দোষে আসক্ত—হয়তো কাহারো মাতা লেখা পড়া কিছুই না জানাতে আপন সন্তানাদির শিক্ষাতে কিছুমাত্র যত্ন করেন না, ও পরিবারের অন্যানা লোক এবং চাকর দাসীর দারা নানা প্রকার কৃশিক্ষা হয়, নয়তো পাড়াতে বা প্রিশাসাতে যে সকল বালকের সহিত সহবাস হয় তাহাদের ক্ষণ্সর্গ ও কৃক্র্ম শিক্ষা হইয়া একবারে স্ক্রনাশোৎপত্তি হয়। যে সলে উপরোক্ত একটি কারণ থাকে সে সলে শিশুদিগের সহপদেশের গুরুত্র ব্যাঘাত—সকল কারণ একত হইলে ভয়ন্ধর হইয়া উঠে—সে যেমন খড়ে আগুন লাগা—যে দিগ জলে উঠে সেই দিগেই যেন কেহ ঘৃত ঢালিয়া দেয় ও জল্প সময়ের মধ্যেই অগ্নি ছড়িয়া পড়িয়া যাহা পায় ভাছাই ভন্ম করিয়া ফেলে।

ज्यानक त्र विश्व इन्या हिल श्रुलियत वार्शित निष्य इउसाटि गिलिल स्यूट इहेया आधित। किन्ध य ছেलের मत्न किछ् माज मरभरकाव कत्या नाई उ मान वा जनमात्नव ं खरा नाई जोशत कोन मोखा उहे गतित मधा घृण इस ना। कमिं ଓ स्रमिं मन (एक উৎপन्न इन स्ट्रार मत्त्र महिन जाशामिरभव मञ्जा—गावीविक व्याचा ज्ञान हर्लेख मत्नत गणि किंत्राश वाल हरेट शादि? एथन भावकम मिक्लिक वाखाय हिर्हिया है। निया लहेगा গিয়াছিল তথ্ন তাহার একট ক্লেশ ও অপমান বোধ হইয়া किल वर्षे किन्द्र भ कानिक—विनिधादिए यो अया कि कार्या কিছুমাত্র ভাবনা বা ভয় বা অপমান বোধ হয় নাই। সে क्रमञ्जू वाद्धि अभव मित्रम शांन शाहेशा ও শেशांन कुक्दबत छाक छाकिया निकिष्य लाभिक पिशाक धमक खानाजन करिया-ছিল যে ভাহারা কাণে হাভ দিয়া রাম্ ডাক ছাড়িয়া वैसार्वास कित्रमिष्ट कर्यम र उम्रा जिल्ला এ ছोए। क्रांस कार्ष्ट थाका (चात्र यञ्जना। अतिमिवम भिक्तिए छित्र निक्र माए। है-

বার সময় বাপকে দেখাইবার জন্য শিশু পরামাণিকের ন্যায় একটুক্ অধে। বদন হইয়া ছিল কিন্তু মনে২ কিছুভেই দ্ক্পতি হয় নাই—জেলেই যাউক আর জিঞ্জিরেই যাউক কিছুভেই ভয় নাই।

य मकल वालकप्रत जर्म नाई—जन नाई—जन्म नाई— কেবল কুকম্মেতেই রভ—ভাহাদিগের রে:গ সামান্য রোগ নহে—সৈ রোগ মনের রোগ। তাহার উপর প্রকৃত ঔষধ পড়িলেই ক্রমেই উপশ্য হউতে পারে। কিন্তু ঐ বিষয়ে वाव्याम वाव्य किছ्म छ त्राध भाष छिल न।। ভাষার দৃঢ় मः कात ছिल गिंजिलाल रफ् जाल फिल्ल, जाहात निन्ता श्रीनाल अथगर तान करिया छिठिएछन—िक अन्याना लाक विलिटि ड्रांडिड मा, डिमि ए खिनिय खिनिटिन मा। अरत (मिथिया क्षिया जैक्स मरनत मर्था किथिए भरक्क कियाल किन्छ পाছে অনোর কাছে খাট গ্রাড গ্রাড গ্রাড গ্রাড শারে थाकिত्ञन काश्त निक्छे किछूडे राक्त क्रिएन ना, किरम বাটীর দরওয়ানকে চুপুচুপি বলিয়া দিলেন মতিলাল यम मत्रकात वाहित ना इट्रेंड পात्। उथन त्राश প্রবল হইয়া ছিল স্তরাং উপযুক্ত ঔষধ হয় নাই, কেবল व्याष्ट्रिक त्राथाएं व्यथवा नकत्विक कत्राय कि इक्टें भारत? — यन विश्रष्ड शास्त्र लाश्तं वाष्ड्र मिरले अथाय ना वद्रश তাহাতে ধূর্ত্তমি আরও বেড়ে উঠে।

মতিলাল প্রথম প্রাচীর টপ্কিয়া বাহিরে যাইতে লাগিল। হলধর, গদাধর, রামগোবিনদ, দোলগোবিনদ ও মানগোবিনদ খালাস হইয়া বৈদ্যবাটীতে আসিয়া আড্ডা গাড়িল ও পাড়ার কেবলরাম, বাঞ্ছারাম, ভজরুষ্ণ, হরেরুষ্ণ এবং অন্যান্য শ্রীদাম স্থবল কর্মিং জুটে গেল। এই সকল বালকের সহিত সহবাস হওয়াতে মতিলাল একেবারে ভয় ভাঙ্গা হইল — বাপকে পুসিদা করা ক্রমেং ঘুচিয়া গেল। যেং বালক বালাবিষা অবধি নির্দোষ খেলা অথবা সংখ্যানোদ করিতে না শিখে

ভাগারা ইতর আমোদেই রভ হয়। ইংরাজদিণের ছেলেরা পিতা মাতার উপদেশে শরীর ও মনকে ভাল রাখিবার জন্য নানা প্রকার নির্দোষ খেলা শিক্ষা করে, কেহবা তসবির আঁকে—কাহারো বা ফুলের উপর সক হয়—কেহবা সংগীত শিখে—কেহবা শীকার করিতে অথবা মদানা কস্ত করিতে রত হয়—যাহার র্যেমন ইচ্ছা সে সেই মত এইরপ নির্দোষ ক্রীড়া করে। এতদেশীয় বালকেরা যেমন দেখে তেমনি করে—তাহাদিগের সর্মদা এই ইচ্ছা যে ক্লরি জহরত ও মুক্তা প্রবাল পরিব—মোসাহেব ও বেশ্যা লইয়া বাগানে যাইব এবং খুব ধুমধামে বারুগিরি করিব। আঁক জমক ও ধূমধামে থাকা যুবা কালেরই ধর্মা, কিছু তাহাতে পূর্বে সাবধান না হইলে এই রূপ ইচ্ছা ক্রমেং বেড়ে উঠে ও নানা প্রকার দোষ উপস্থিত হয়—সেই সকল দোষে শরীর ও মন অবশেষে একেবারে অধঃপাতে যায়।

यिनिन क्यार याताया इडेया उक्तिन, धर्मन श्रुं इहेन य निर्दात हरक अमा मिया गामा खरूप उ अमर कर्या कतिराज लाशिल। अयंगिर मिशिषिरगत महिज वलाविल করিত বুড়া বেটা একবার চোক বুজ্লেই মনের সাদে কার্যানা করি। মতিলাল বাপ মার নিকট হইতে है।का छाईटलई ऐका निष्ठ इहेड—विलय इडेलाई डाहा-मिशक वक्त विजिত—जामि शलाय मिछ मिव खथवा विष भाइया महिव। वाभ मा ভয় পাইয়া মনে করিভেন কপালে খাহা আছে তাই হবে এখন ছেলেটি প্রাণে বাঁচিয়া थाकिटन आगरा वैक्टि—ও आगामिश्वत শিवत्राजित শनिजा —বেচে থাকুক, তবু এক গণ্ডষ জল পাব। মতিলাল भू स्थारम मर्साम् १३ वास-वाणि जिलाकं थारक मा। कथन वनভाकरन मङ—कथन याजात मर्ल जाकृषामिर्ड व्यात्रक — कथन श्री गांनित मन क किए एक — कथन मरकत मध्मत कविख्यामा मिश्यत महम (मख्तार कतिया (कॅठाइटक्ट् -क्षन वात्र अयाति श्रकात सन्। मिश्रामिष् क्रिएडह-

কথন থেমটার নাচ দেখিতে বসিয়া গিয়াছে—কথন অনর্থক নার পিট দাঙ্গা হাজানে উন্মন্ত আছে। নিকটে গিদ্ধি, চরস, গাঁজা, গুলি, মদ অনবরত চলিয়াছে—গুড়ুক পালাইই ডাক ছাডিভেছে। বাবুরা সকলেই মর্মদা কিট ফাট—মাথায় ঝাঁকড়া চুল—দাতে নিগি—সিপাই পেড়ে ঢাকাই খুতি পর!—বুটোদার একলাই ও গাজের নেরজাই গায়— নথায় জরির তাজ—হাতে আডারে ভূরভূরে রেসমের হাত রুমাল ও একই ছড়ি—পায়ে রূপার বগলসপ্রয়ালা ইংরাজি জ্তা। ভাত খাইবার অবকাশ নাই কিন্তু খাস্থার কচ্রি থাসা গোলা বর্ফি নিখুতি মনোহরা ও গোলাবি থিলি গিঙ্গাই চলিয়াছে।

व्यथमर क्मिन्त मगन ना इहेटल करमर तरफ छिटि। পরে একেবারে গশুবং হইয়া পড়ে— ভাল মন্দ কিছুই বোধ थारक ना, जात रामन जाकिम थाहेर जातम करिल ক্রমেহ মাত্রা অবশাই অধিক হইয়া ডঠে তেমনি কুকর্ণের রত श्रंदल कागांगा क्षत्रकत क्कर्य कतिवात शेष्ट्रा काशमा আপনি আসিয়া উপত্তিত হয়। মতিলাল ও তাহার সঞ্চ े वावुता (य जकल जारमार्फ तंज इंडेल क्रांग जांडा जिंडि भोगाना जारमाम त्याथ इहेट लागिल--- जाहार जात বিশেষ সম্ভোষ হয় না অভএব ভারি২ আমোদের উপায় मिथि जिर्गाशनाः मञ्जात शत वातृता मञ्चल वंशिया वाहित इंग— इय्राट्टा काहारता वाछीर्ड পड़िया लुठे उताक करतन —नग्राजा काङ्गात्ता कानारा आखन लागाङ्गा (प्रता—इग्राज) কোন বেশ্যার নাটীতে গিয়া পোর সরাবত করিয়া ভাগার क्ल थित्या छ। दनन वा मनाति পाए। न् वा का भए ७ शहना **एति कतिया जारिनन—नगर्**जा कान कलकानिनीत धर्मा नस् করিতে চেক্টা পান। গ্রামস্থ সকল লোক অত্যন্ত ব্যন্ত, वाक्त गर्कारया मर्यमा वला जीता द्वाय निপाउ र।

এই রূপে কিছুকাল যায়—ছই চারি দিনস চইল বাবুরাম্ বাবু কোন কর্মের ভানুরোধে কলিকাভায় গিয়াছেন। একদিন সন্ধার সময় বৈদ্যবাটার বাটার নিকট দিয়া

এकथाना जानाना माशानि याहरे किन। नवंदात्ना खे भाषाति मिथिना गाटक मिटि शिरम होत मिश् एविमा किलिन ও বেহারা দিগের উপর মারপিট আরম্ভ করিল তাহাতে. (वङ्गताता भान्कि किनिया धान जाय खरत. (भन्। यावूता পাল্কি খুলিয়া দেখিল একটি পর্ন স্করী কনা। ভাহার ভিতরে আছেন—মতিলাল তেডে গিয়া কন্যার হাত ধরিয়া পাল্কি থেকে টানিয়া বাহির করিয়া আনিল। কন্যাটী ভয়ে ঠক২ করিয়া কাঁপিতে লাগিলেন—চারি দিক শ্নাকার म्प्रिंग ए त्रामन कतिर्हर मरागर् প्रामध्वरक छारिका-প্রভ। এই অবলা অনাথাকে রক্ষা কর—আমার প্রাণ यांच्र (मञ्जान एम भर्ष नके ना इय़। मक्टन होनोहे।नि कরাতে कन्यां । ভ্নিতে পড়িয়া গেলেন—ভবুও ভাহারা हिँ छ छ। त्व वाष्ट्रीत छिछत छ हैश शिल। कनात कन्पन याजिलात्लात गाजात कर्न भागत इत्रगाउ जिनि जारल वारक वाणित वाहित्त जामित्वन अर्गन वाव्ता हातिषिता পলায়ন করিল। গুহিণীকে দেখিয়া কন্যা ভাহার পায়ে পড়িয়া কাতরে বলিলেন---ग'গো! আমার ধর্মা রক্ষা কর — जूनि वर् मार्थ्वो—माभ्ती औं ना इडे ज गार्थ्वी क्षीत विश्वम खारंग द्विराड शादत ना। गृहिनी कगारक উठाइया खांशन অঞ্জ দিয়া ভাঁহার চকের জল পুছিয়া দিতে লাগিলেন ও विलिन-भा किए। ना-छा नाई--छागाक आभि बुक्य উপর রাখিব, তুমি আমার পেটের সন্তান—যে স্ত্রী পভিত্রতান र्छ। इति धर्म প्रयम्भत त्रका कर्त्रम। এই विषया जिनि कनारिक অভয় দিয়া সান্তনা করণানন্তর আপনি সঙ্গে ক্রিয়া लहेमा डाँश्व शिङ् जालेत्य वाथिया जागित्लन।

বৈদ্যবাটীর বাজারের বর্ণা, বেচারাম বাবুর আগমন, বাবুরাম বাবুর সভায় মতিলালের বিবাহের খোট ও বিবাহ ক্রণার্থে মণিরামপুরে যাত্রা এবং তথায় গোল্যোগ।

শেওড়াপুলির নিস্তারিণীর আরতি ডেডাং ডেডাং कतिया इनेटिक। (विठाताम वाव ले प्रवीत जालग्र ্ণিয়া পদপ্রজে চলিয়াছেন। রাস্থার দোধারি দোকান— किंग्नियात्न विमिপ्त '3 (भी भालभात्तत आल खूशाकात विशाष्ट्र—कान थारन गुण् गुण्कि ও ठाल जान विक्य ३ डे ७ ७ ६ -- कोन थारन कल्लाम पानिमाइ कार्छ वित्रभा जाया तामायन পড়তেছেন—গরু ঘরিষা যায় অমনি िं जिन्ति (जन, जावात जाल कित्रि। जाकेटल ही एक। त क्रिया উঠেন " ওরাম আমর। বানর রাম আমর। বানর"— ्कान थारन एक स्वतं रगरम मार्छत जागा निया निर्केष अमीश द्राथिया " माছ নেবেগোই" विलिट्डिছ—कान थाति काशुरफ् यश्कन विवार शर्य वहेश (विष्वारभव व्यक्ति कविर्टिष्ठ । এই সকল দেখিতেং. বেচারাম বাবু যাইতেছেন। একাকী निष्ठां एक रिल नर्सन। य नव कथा जिल्लाभाषा इग्र मिड मकल कथाई मान উপস্থিত হয়। তৎকালে বেচারাম বাবু मना मर्कीर्जन लग्गा जारगान कतिर्जन। वम्बि ছाড़ाइग्रा निर्फान स्थान मिया याके एटर मन्ति हत भारी এक है। जुक जाकात यात्व इहेल। तांचि जन्नकांत्-शर्थ आग्र (लाक करनत् गमना गमन नाई—किवल हुई अक थाना गरुत गुष्डि किंक्यूर किंकात कतिया कि तिया गाइटिए ७ अटिनर धकरें। कुन्त (घडेर कतिराड्ड। ध्वांताम वांव जूकत स्रत रममात वकरम जाँकिए लाभिलान—जाँका वा वा वा वा वा वा वा वा পাশের ছুই এক জন পাড়াগেঁয়ে মেয়েমান্ত্ৰ শুনিবা মাতে

—আঁও মাঁও করিয়া উচিল—পদ্ধীপ্রামের দ্রীলোকদিগের আজমাকালাবধি এই সংস্কার আছে যে খোনা কথা কেবল ভতেতেই কহিয়া থাকে। ঐ গোলযোগ শুনিয়া বেচারাম বাবু কিঞ্ছিৎ অগ্রস্ত হইয়া দ্রুত গতি একেবারে বৈদ্যবাটীর বাটাতে আসিয়া উপস্তি হইলেন।

वावुताम वावु जाति मङ्गिम क्तिमा विमिया आहिन। वालित (वर्गी वातु, विष्ठलात विद्याश्वत वातु, वाहित-निमलात वक्षाताम वातू ७ अगामा अत्नक छेशांग्रज, शिवत निक्छ ठेक्छाछ। এक थान छिकित छेशद विश्व व्याष्ट्रम। अत्मक्षील वाक्षन পण्डिन माञ्चालाभ करिए." (इन। (कहर नाम भारस्त र्कं क्रिम् प्रतियाहिन--क्रिस् ভিথি ভত্ত্ব কেহবা মলগাস ভত্ত্বের কথা লইয়া ভর্ক করিভে বাস্ত আছেন—কেহ্ দশন সংগ্রের শ্লেক ব্যাখ্যা করিতেছেন— किर् वर्षे वर्षे अ बन्त लहेग्र। महा बन्न करिए इन। कायांथा। निवामी अक्डान एँ कियान फ्क्रन कड़ांत निकिष्ठ विशा छका টানিতে र दलिए एक न जाপित वर् वाकामान পুরুষ—আপনার তুউটি লড়বড়ে ও তুইটি পেঁচা মুড়ি— এ वफ्रत धकरें दिन तार उन्तर बाह्य किन्छ धकरि यान कत्रल मव ताका क्करनव गाठाः याहेर्ड भाव रव उ डाहांव वनीवंड व्यव—इंडियर्था विठाताम वासू व्यामशा उपछिड हरेटलन। जिनि वानिया माज मकटल इ उटि माज्य देशन व्याख्य जाखा रूडेकर वनिष्ड नाशिन। श्रुनिरमत व्याशात व्यविध (विठातां म वाव् ठिवा त्रिया त्रिया क्रिया किख मिकोहारत ও भिके कथांग्र (क ना ভোলে? धनर राजाजा मश्राणाय जोश्रात यन এक है नत्र ग्रेम এवर जिनि मश्रामा मंदन (वर्गी वावूत काष्ट्र (घँटम विमित्नन। वावूताम वात् चिल्लाम महाभारमञ्ज वनाछ। जाल इहेल मा— गिनिज क्रियत व्यामिया नञ्ज। मिलमांकिक ल्लांक लाई ल नाविक-क्षाफ़ रुत्र। वाव्याम वाव् कातक अञ्चलाध करिएला

বটে কিন্তু বেচারাম বাবু বেণী বাবুর লাচ ছাড়া ছইবেন না। কিয়ৎ কণ অন্যান্য কথা শার্ত্তার পর বেচারাম বাবু জিজ্ঞাসা করিলেন মতিলালের বিবাহের সম্বন্ধ কোথায় হইল ?

বাবুরাম বাবু। সঙ্গল জনেক আদিয়াছিল। গুপি-পাড়ার হরিদাস বাবু, নাকাসীপাড়ার শ্যামাচরণ বাবু, কাঁচড়াপাড়ার রামহরি বাবু, ও জন্যান্য জনেক হানের জনেক ব্যক্তি সন্থলের কথা উপত্তিত করিয়াছিল। দেশব ভাগে করিয়া একণে মণিরামপুরের মাধব বাবুর কন্যার সহিত বিবাহ ধার্য্য করা গিয়াছে। মাধব বাবু যোত্রাপন্ন লোক আর আ্লানিগের দশটাকা পাওয়া পোয়া হইতে পারিবে।

(विष्ठाताम वाव्। (वर्गी जाता! ज्ञानवाद। (ज्ञान

्वणी वात्। विष्ठाताम भामा! श्रुल थ्यल कथा न्या वर्ष माम्र—वाबात मञ्च नाम आत कर्म यथन धार्या स्वेगा छ उथन जाल्मान विक्कत?

বেচারাম বাবু। আরে ভোষাকে বল্ভেই হবে— আমি সব বিষয়ের কিগুড় ভত্ত জানিতে চাই।

বিশী বাবু। তবে শুনুন—মণিরাম পুরের মাধব বাবু দান্ধাবাজ লোক—ভত্র চালচুল নাই, কেবল গরুকেটে জুত দানি ধান্মিকতা আছে—বিবাহেতে জিনিসপত্র টাকা কাড় দিতে পারেন কিন্তু বিবাহ দিতে গেলে কেবল কি টাকা কৈড়ির উপর দৃষ্টি করা কর্ত্তব্য হয়? অগ্রে ভদ্রমর খোজা উচিত, তার পর ভাল মেয়ে খোজা কর্ত্ত্ব্য, তার পর পাওনা শোওনা হয় বড় ভাল—না হয়—নাই। কাচ্ডা-পাড়ার রামহরি বাবু অতি স্থান্থ্য—তিনি পরিশ্রম ধারা খাঁহা উপায় করেন তাহাতেই শানন্দ চিত্তে কাল ন।—তিথার অবস্থা বড় ভাল নয় বটে কিন্তু ভিনি আপন সন্তানাদির সতুপদেশে সকাদা যত্নশান ও পনিবারের কিপ্রকারে ভাল থাকিবে ও কিপ্রকারে ভালাদিগের স্থমতি হুছবে সকাদা কেবল এই চিন্তা করিয়া থাকেন। এমন লোকের সঙ্গে কুট্রিতা হুইলে ভো সর্বাঃশে স্থজনক হুইত।

বেচারাম বাবু৷ বাবুরাম! তুমি কাঙার বুদ্ধিতে এ
সম্বা করিয়াছ? টাকার লোভেই গেলে যে! তোমাকে
কি বল্ব?—এ আমাদিগের জেতের দোষ? বিবাহের
কথা উপস্থিত হইলে লোকে অমনি বলে বসে—কেমন গো
রূপর ঘড়৷ দেবে ভো?—মুক্তর মালা দেবে ভো? আমের
আমাগের বেটা ক্টুম ভজ কি অভজ ভা আগে দেখ—
মেয়ে ভাল কি মন্দ তার্ অযেষণ কর?—সে সব ছোট
কথা—কেবল দশটেকে, লাভ চইলেই সব চইল—দ্র—দ্র!

वाञ्चाताम वीत्। क्लउ চ। च—क्लउ চ। च—क्रिंज प्रकार किक्र प्र हाडे!—हे। कारक अर्कता द्वां अञ्चा क्रिंज मरगात किक्र प्र हल्दि?

বজেশ্ব বাব। তা বই কি— ধনের খাতির অনশা রাখতে হয়। নির্ধন লোকের সহিত আলাপে ফল কি ' সে আলাপে কি পেটি ভরে ?

ঠকচাচা। চৌকির উপর থেকে হুনজি খেয়ে পজিয় বল্দন—মোর উপর এতনা টিটি কারি দিয়া বাত হছে কেন?—মূই তো এ সাদি কর্তে বলি—একটা নামজাদা লোকের বেটা না আন্লে আদমির কাছে বহুত সরমের বাত, মূই রাতদিন ঠেওরেই দেখেছি যে মণিরামপুরের মাধব বাবু আছা আদমি—তেনার নামে বাগে গরুতে:

াল খায়—দালা হাস্থামের ওতে লেঠেল মেংলে লেঠেল নিল্বে—আদালতের বেলকুল আদমি—তেনার দল্তের বিচ—আপদ্পজ্লে হাজারো স্থবতে মদত মিল্বে। কাচড়ান পাড়ার রামহরি বাবু সেকস্ত আদ্মি—ঘেসাট ঘোসাট করে পাটেট টালে—তেনার সাতে খেসি কামে কি কায়দা?

বেচারাম বারু। বারুরাম! ভাল মন্ত্রী পাইয়াছ?
—এমন মন্ত্রির কথা শুন্লে ভোমাকে সশরীরে স্বর্গে যাইতে
ইইবে—আর কিবা ছেলেই পেয়েছ!—ভাহার আবার
বিয়ে? বেণী ভায়া ভোমার মত্কি?

বেণী বাবু। তামার মত এই—যে পিতা প্রথমে ছেলেকে ভালরপে শিকা দিবেন ও ছেলে মাছাতে সর্বর প্রকাবে সং হয় এমত চেন্টা সমাক্রপে পাইবেন—ছেলের যথন বিবাহ করিবার বয়স্ ছইবে তথন তিনি বিশেষরূপে সাহাস্য করিবেন। অসময়ে বিবাহ দিলে ছেলের নানা প্রকার হানি করা হয়।

धके मकल कथा श्वनिशा यावृताच वावू भएमिएश ऐशिश ठाए। छ। ए योजिश जिल्हा (भरलन) श्रांक्शी भाए। व खीटलाक फिर्जित मिछ्छ विनां है मर्क् ख कथाना है। के हिर्छ-छिलन। कड़ी निक ए शिशा नाष्ट्रित या जिल कथा खगावेश गठमा भावेश मिए। है लिम उ विभालिम एति कि यां जिल्ला तिता इं कि क्रिन अभिज था किरत ? गृहिं भी · উত্তর করিলেন—তুমি কেমন কথা বল—শক্তর মুথে চাই मिर्य (षर्वेत कारल मिलिला लित नर्यन खाल नर्यत इडेस — जात कि निवाह ना (मध्या जान (मथाय? धकथा लंडेयां ध्यम (नालगांन कित्रल लग्न वर्य गार्य— कि कत्र्हां । একজন ভালনা ভূষের কি জাত गাবে?—वंत লয়ে শীख । या छ। गृहिनीत উপদেশে कर्जात गणित हो अना प्रत इहेल —वाणित वाङ्द्र आभिया त्राभगाई छालिए छक्य पिटलम अयांग ঢোল রোপন চৌকি ও ইংরাজি বাজানা বাজিয়া উठिल ও বরকে ভক্তনামার উপর উঠাই যা বাব্রাম বাবু रेक्ठाठात कांच धर्वया व्याशन वक्ष वाक्षव करेंच्य मञ्ड म्हा लहेता हिल्ह जूल एक हिल्हान। ছाउँ छे पत ् ारक गृहिनी ছেলের সুখখানি দেখিতে লাগিলেন জন্যান্য क्षीलिक्षकता विलया उठिल-७ गणित गा! आहा वाहात कि क्रथरे (विदिश्रष्ट! व्यव्यः भवं रेग्नाव विक्र हिन्सार्ष्ट,

পেছনে রংযোসাল লইয়া কাহারো গা পোড়াইয়া দিভেছে, কাহারো ঘরের নিকটি পটকা চুঁড়িভেছে, কাহারো কছে তুর্বড়িতে আগুল দিতেছে। গ্রিব ছুংখী লোক সকল দেকসেক হইল কিন্তু কাহারো কিছু গলিতে সাহস হইল না।

किशहकान भारत गत मानिताम भारत शिक्ष छिन्तेन इनेन-वह दमथा इता खाद दमाभा ति दमाक एक छ छ छ । - स्वीरला-क्ति शतम्भत नवाव ल कत्र भाषिल — एक कि जित की आएक वरहें किन्द्र गांकांग्रे धकेंग्रे (नेकान कान कान क्षेत्र क्रिक वल्ड धाशिल वर्षि किल्ल किल्ल धकरें गांका इस्ल बाहर थुल्छा। निनाक छाति क्छा करन किन्द्र ताजि मण्डा ना वाक्टिंश याथव वाच्च पत्र अगाग ए अन्ति म कित्रा वर् याजितिरात आग्नाफान लग्ने जाने जाने जाने जाने अपि रेवर्गान-क्तित भरक भाकार इस्सार्ड छात्र अर्थ प्रनी भिन्नित्र उद् (शल-हिन रक्ति महर्भग जार्श हलान ऐनि नक्ति महर्भिय कार्श हलन--वालीत (वर्ग वातू व्याशशा व्यामिया विलित्लन जाभगाता व्रेडेकाम मध्या थिन इडेन এकक्षन এशिया পড়ন আর রাস্তায় দাঁড়াইয়া হিম খাইতে পারি না! এই क्रम भी मार्भा इउगाट भकता कना कर्डात वाषीत निकष्ट व्यानिया जिन्त आरवण करिएन नाशिएन उत्त याहेगा मजलिएन निमा जाउँ त्रव ए वांत एग्रांती एशाला. जातिमिर्ग पार्विशां माषाडेल--शामजाि ए गामा ध्यकात वात्वत कथा छेशिख्ड इडेटल लाशिल-ठेकठाठा माजादेश बका करिटल्टलन-खराक प्रांभग (प्रम किन्दु कल्त्य प्रकाश माग भाज--- (त्र ७-मिर्गत मर्था । कहें मछ। (क्छ अरम दलिस अ निष्फ (वहें। कि (त? (वरता (वर्षा এখানথেকে—हिन्दत कर्णा भाष्ट्रणभान (कन? ैं किठा ठात वात्र विश्व किश्व कि हो । जिनि मा जिनि पा ट्यांक त्राक्षारेया शालि मिटल लाशिस्त्र । • रल्थत श्रीमाध्य ও অন্যান্য নব বাবুরা একে চায় আরে পায়। তাহার। सिथिन य शकात भिर्म कतिया आमिर्डिष्ट् येष् करेंड श्रीक्ष्याच्याच्याच (कर् कत्राप्त (इंटि—(कर् त्मक दनवारा

— কেই বাড়েই টক্র লাগাইয়া দেয়— কেই ওর এর মাথার উপর ফেলিয়া দেয়, কল্যা কর্তার তর্ফের ছই জন লোক এই সকল গোলযোগ দেখিয়া ছই একটা সক্ত কথা বলাতে তাহাখাতি হইবার উপক্রম হইল— মতিলাল বিষদ দেখিয়া মনুহ ভাবে বুঝি আমার কণালে বিয়ে লাই—হয় তো হতা হাতে সার হইয়া বাটা ফিরিয়া যাইতে হবে।

১১ মতিলালের বিবাহ উপলক্ষে কবিতা ও আগড়-পাড়ার অখ্যাপকদিগের যাদানুবাদ।

আগড়পাড়ার অধ্যাপকেরা বৈকালে গাছের তলার বিছানা করিয়া বসিয়া আছেন। কেইই নদা লই তেছেন— দেইবা তমাক থাইতেছেন—কেইবা থকই করিয়া কামিতে-ছেন—কেইবা ছুই একটি খোস গল্প ও হাসি মদকরার কথা কহিতেছেন। তাঁহাদিগের মধ্যে এক জন জিজ্ঞাসা করিলেন—বিদ্যারত্ব কেমন আছেন? ব্রাহ্মণ পেটের জ্বালার মণিরামপুরে নিমন্ত্রণে গিয়া পা ভাজিয়া ব্যার্থাছে!— ভাহা কাল যেকরে লাটি ধরিয়া স্থান করিতে যাইতে ছিলেন ভাহাকে দেখিয়া আমার ছুঃখ হইল।

বিদ্যাভূষণ। বিদ্যারত্ন ভাল আছেন চূণ হলুদ ও সেকতাপ দেওয়াতে বেদনা অনেক কমিয়া গিয়াছে। মণিরামপুরের নিমন্ত্রণ উপলক্ষে কবিকঙ্কণ দাদা বে কবিতা রচনা করিয়াছেন তাহাতে রং আছে—বলি শুনুন। ভিমিকিং, তা থিয়ে থিয়ে বোলে নহবত বাজে। মাধব ভবন। দেবেক্রসদন। জিনি ভুবন বিরাজে। অদ্ভূত সূভা। আলোকের আভা। বাজের প্রভা মাজেং। চারিদিগে নানাফুল। ছড়াছড়ি ছইকুল। বাদ্যের কুলং (बार्ट्य गाना गाना। ताना काश काश क्रांश्व त्याना। এভক্তে বিয়ের শালা সাজে।

সামেয়ানা ফর ফর। তালি তাতে বছতর। জল পড়ে ঝর ঝর হাজে।

লেটিয়াল মজপুত। দরওয়ান রজপুত। নিনাদ অদুত গাজে।

লচিচিনি ননোহরা। ভাড়ারেতে খুব ভরা। আলপনার ডোরা ডোরা সাজে।

ভাটবন্দি কত্য। শ্লোক পড়ে শত্য। ছন্দনানা সত ভাজে। আগিড়পাড়া কবিবর। বিরচয়ে ওঁহিপর। ঝুপকরে, আলোবর সমাজে।

> हलधत भाषायत छेस्र थ्य करत। छ छ छ छ छ छ क दत छ त। भदत। ठेक हा हा इन कैं हा खटन वाटक कथा। হলধর গদাধর থাইতেছে মাণা। পড়াপড় পড়াপড় ফাড়িবার শব্দ। खभाखभ खभाखभ किल्ल करत कका। ठेगाठेम ठेगाठेन सार्छ सार्छ लारम। मिष्टेमिष्टे मिष्टेमिष्टे करत् मत्व जार्थ : गिंजिन्न (मर्थ क्रांन वरमर (मर्गल। সূতাসার কি আমার আছ্য়ে কপালে। वद्धायात विकाश्वत (थायामदिन भाका। চলেযান কিল খান খান গলা ধাকা। বাঞ্বান অবিরাম ফিকিরেতে টন্ক। ठछ (शर्म काठाफ़ (थर्म इड्टलन वस्र। दिहात्राम नवदाम (मृद्ध गान (हेदत । मृत मृत मृत दिल जिनिवादत। (वेशी वायू थान थायू नाह शिख् शका। इभ राभ छभ गाभ (वर्ष डेर्फ माजा। बाबुतांच धदत थांच थांचर करता। ठेकर ठेकर (कॅट्न मद्त छद्त ।

ठेकछ। छ। भारत बाहा वटल छ। छ। छ। छ। सुमलमान विदेशांन आह्य मुद्धि गुद्धि। याग्र गदत धीदत धीदत मूरथकाशफ भाषा भरत वल्ल এই तिहै। यक कुर्यत श्रीफ़ा। রেওভাট কুরে সাট ধরে ভাকে পড়ে। চড় চড় চড় দাড়ি ভার ছেঁড়ে। (मरकंदरभा ७८इ१७८६। वरक (छाव: ८७१४)। कान यांग्र कांग्र कांग्र मांक कत ताता। थ्वक्ति श्वधित भारक मां अ (कर्ष)। ভाना दुता (गञ्जाखा (कर्ज गृहे (गर्ज। ध्याकरिय को इकारम आम, यकमाति। হয়রান পেরেস ন বেইজ্জতে মরি। ना वृतिया ना ञ्किया हिन्द्वानत माटि। এসেছি বসিয়া আছি সেরক্ দোস্ভিতে। ध मानिएं ना थाकिएं वात वात नाना। **हाहि भा**त क्षा (यात मत्त करत करत याना। ना श्विया ना दाथिया दिनादिन कथा। জान योग्न माडि योग्न गाग्न योग्न माथा।

মহাথের ঝাপে লটিয়াল সাজিছে।
কড়মড় হড়মড় করে তারা আসিছে।
সপাসপ লপালপ বেত পিঠে পড়িছে।
গেলুম্রে মলুম্রে বলে সবে ডাকিছে।
রুর যাত্রী কন্যা যাত্রী কে কোখা ভাগিছে।
মার মার ধর ধর এই শব্দ হইছে।
বর লয়ে মাধব বাবু অন্তঃপুরে যাইছে।
সভা ভেঙ্গে ছার খার একেবার হইছে।
দাড়ি ছেঁড় দাড়ি ছেঁড় দাড়ি ছেঁড় দাড়ি ছেঁড়।

वाव्याम निय्नाम श्रुट्य हिल्ल। द्यमाला प्रमाला मय काथाय प्रश्नि।

का शफ़ हो अड़ हिंदि अदह श्राम। वर्जारम अवस्य अरङ् द्वा द्वा कामत कामत नाहि कि कू जारम। (इं। ६६ (गाइ । थान सूत्र शार्य। छ लिट्ड निलाइ वड़ अरथाम्य। পড়েছি ডবেছি আনি ঘোর ছঃখে। क्राटि ज्यादि भात हा जिकारि । मिठाई नाथाई नाकि मफ्कि छाएँ त्रिं । अम्ब क्रेंटिक (यात्। ब्राच्या निश्राम गर्धा इल (क्रांत्। वर्श् कड़ श्रुम् । विमिर्ग। পাবন শামন শোন আছে। বেগো कि कित्र अकाको ना लाक ना जन। निक्छ निक्छ इक्टब गत्। हिलाउ विलिट यन नाई लोगा विधा जा मक्त का कि विद्या कि व्दा नक्षानि गृहिनो भारत गृजा खटन। पुश्रथाट (थार्मिट ग्रितिन अर्थि। विवाह निर्माह इस कि ना इस। ठा। अर्ड काहिए कि ख्यान रमन । मध्या निर्वेषा (कन क्रिलाग। मार्गरा खार्षा जामि माजिया। आजिट जानि जिल्ला । ध्यनाथा छोशामा याहेग्रा एकिन। भार्याक पर्याक खारा जारक भरज श्वित प्रश्वित वृष्ठ ठेक (नर्षः। (कमरन्द्धथारन वात्वाम कर्ट। धकांना किता जागाक आहेता। একর্ম কিকর্ম সখার উচিত। विभाग जाशाम अकारण शिविज। ठेक करा सर्भिय हुल करा। माकानि ना कानि (उनीम्बर इक्षा

পেলিয়ে যাই লে সব বাত হবে।
नाँ চিলে জানেতে মহকাত রবে।
প্র ভাতে দোঁহেতে করিল গমন।
র চিয়ে ভোটকে জীকবি কঞ্চণ।

তর্কবাসীশ বাবুরাম বাবুর বড় গোঁড়া কবিতা শুনিবা নাত্রে জ্বলিয়া উঠে বলিলেন আ মরি! কিবা কবিতা —সাক্ষাং সরস্বতা মূর্ত্তিমান—কিয়া কালিদাস সরিয়া জন্ম গ্রহণ করিয়াছেন—কবিকঙ্কণের ভারি বিদ্যা—এমন ছেলে বঁটো ভার প্রারপ্ত চমৎকার! নেজের মাটি— গোগর বাটী—শিভলপাটি—নারকেল কাটি! ব্রাহ্মণ পণ্ডিত ইয়া বড়মানুষের সর্বাদা প্রশংসা করিবে—প্রানি করাতো ভদ্র কর্ম নয়—এই বলিয়া তিনি রাগ করিয়া সেম্বান হইতে উঠিয়া চলিয়া যান। সকলে ই,—হাঁ—দাড়ানগো—থামুন-গোবলিয়া তাঁহাকে জোর করিয়া বসাইলেন।

অন্য আর এক জন অধ্যাপক ও কথা চাপা দিয়া অন্যান্য কথা ফেলিয়া সলিয়ে কলিয়ে বাবুরাম ও মাধব বাবুর ভারিফ করিতে আরম্ভ করিলেন। বায়নে বৃদ্ধি প্রায় বড় মোটা—সকল সময়ে সব কথা ভলিয়া বৃথিতে পারে না— ন্যায় শাস্ত্রের ফেঁকড়ি পড়িয়া কেবল ন্যায় শাস্ত্রীয় বৃদ্ধি হয়—সাংসারিক বৃদ্ধির ঢালনা হয় না। তর্কবাগীশ অমনি গুলিয়া গিয়া উপাত্ত কথায় আমোদ করিতে লাগিলেন।

১২ বেচারাম বাবুর নিকট বেণী বাবুর গমন, মতি-লালের জাতা রামলালের উত্তম চরিত্র হওনের কারণ, বরদাগ্রাসাদ বাবুর প্রসঙ্গ—মন শোধনের উপায়।

(विविद्यातित (विधानाम विवि, देवेकथानाम विभिन्न) । विकटि प्रदे धक कन , लोक की र्जन अक गाँध-

কেছে। বাবু গোষ্ঠ দান নান মাপুর খণ্ডিতা উৎক্ঠিতা কলহান্তরিতা ক্রেন্স ফরমাইস করিতেছেন। কীর্ডনিয়ারা মনোহরসায়া রেনিটি ও নানা প্রকার স্থরে কার্ত্তন করিতেছে, সেসকল শুনিয়া কেহহ দশা পাইয়া একেবারে গড়াগড়ি দিতেডে। বেচারাম বাবু চিত্র প্রকলিকার নায়ে শুরু হইয়া বিষয়া রহিলাছেন এমত সময়ে বালীর বেণী বাবু বিয়া উপস্থিত হইলেন।

বেচারাম বাবু অমনি কার্ত্তন বন্ধ করাইয়া জিজাসা করিলেন গারে কও বেণীভায়া বেঁচে আছ কি? বাবুরাম নেকড়ার আগুন—ছেড়েও ছাড়েনা অথচ আগরা ভাষার, যে কর্মে যাই সেই কর্মে লওভও হইয়া আসিতে হয়। মণিরামপুরের ব্যাপারেতে ভাল আর্ক্তন পাইয়াছি— কথাই আছে যে হয় ঘরের শক্র সেই যায় বর্ষাত্রী।

রেচারাম। ভাল, বাবুরামের তো এই গতিক—
আপনি যেনন—মন্ত্রী নেমন—মন্তিরা যেমন——পুল্র যেমন——পুলু যেমন—
সকল কর্মা করেখানাও ভেনন। তাঁহার ছোট ছেলেটি
ভাল ইউভেছে এর কারণ কি? সে যে গোবর কুড়েপ্র ফুল!

বেণী বাব। আপনি এ কথা জিজাসা করিতে পারেন।

— ০ কণাট অসম্ভব বটে কিছ ইণার বিশেষ কারণ
আছে। পূর্দ্ধে আনি বরদাপ্রসাদ বিশ্বাস বাবুর পরিচয়
থিয়াছি তৃঃহা আপনার স্মরণ থাকিতে পারে। কিয়ৎকালাবধি ঐ মহাশয় বৈদ্যবাটীতে অবস্থিতি করিয়।
আছেন। আনি মনের মধ্যে বিকেটনা করিয়। দেখিলাস্
বাবুরাম বাবুর কনিষ্ঠ পুত্র রামলাম ফলাপি মৃতিলালের
মত হয় তবে বাবুরামের বংশ জ্রায় নির্কংশ হইবে কিছ

ঐ ছেলেটি ভাল হটতে পারে, তাহার উন্ন সুযোগ হট- , লাছে। এই সকল বিবেচনা করিয়া রামলালকে সঞ্চে করিয়া উক্ত বিশ্বাস বাবুর নিকট গিয়া ছিলান। ছেলেটির সেই পর্যান্ত বিশ্বাস বাবুর প্রতি ঐকাভিক ভক্তি হওয়াতে তাঁহার নিকটেই সকীল প্রিয়া আছে, আপন বাটাতে বড় থাসেনা, তাঁহাকে পিতার তুলা দেখে।

বেচারাম। পুলে ঐ বিশ্বাস বারুরই গুণ বর্ণনা করিয়া ছিলে বটে.—যাং। হড়ক. একাগারে এডগুণ কথন শুনিনাই, এফাণে ভাঁহার ভাল পদ হইয়াছে—মনে গ্রিম না জানায়া এত নম্ভা কি প্রকারে হইল?

(वर्गी वाव । भगिका जिल्लाना नामानि गम्म वि आधि क्य अकथन विभाग ना भाष्या कितन अम्भाषक वाषिड थारिक छ। कात्र नम को छ। या या छ। छ। छ। द--- त्य व। छ। छ। तमान भागत गाँच विवाद भारत मा ज्यार किया भारतत थित्र, কিবা পরের অধ্রিয়, ভাহা ভাহার কিছুমার বোধ হয় না, क्तिन जाभन सुर्थ मकेना मह थाकि—जाभनाक रेफ् (मरथ ও ভাগ্র আহীয় বর্গ প্রায় ভাগ্র সম্পদেরই খাতির করিয়। থাকে; এমত অবস্থায় মনের গণ্মি বড় ज्यातक इडेसा उट्ट— अग्ज एटल गग्डा ए प्रशा कथग्डे अधि क्रेटि शास मा। ७३ कास कि किना शंत वर्-यागरधत (छटलतः व्याग्र छाल इग्र गा। একে वाटनत विषय, ভাতে ভারি পদ স্থতরাৎ সকলের প্রতি ভুদ্ जाक्ता क्रिया (तज्या (ठाउँ ना याज्या—निभएन ना পড়িলে মন খির হয় না। মন্তুযোর নম্ভা অন্তেই আধশাক। गगजा गा थाकिल जाशगांत भाषित विष्ठांत ए भाषन कथनहे इय ना—नम् ना इहेल लाक श्राम वाष्ट्रिङ भादत ना!

বেচারাম। বরদা বাবু এত তাল কি প্রকারে হইলেন?
বেণী বাবু। বরদা বাবু নাল্যাবস্থা অবধি ক্লেশে
পড়িয়া ছিলেন। ক্লেশে পড়িয়া পরমেশ্বকে অনবরত
ধ্যান করিতেন—এই মত অনবরত ধ্যান করাতে তাঁহার ননে

मूछ मिरकात इहेर्राष्ठ या कर्मा श्रतमारतत थिय जोहाडे यता कर्ना, गर रामा जामात कथिय जाहा श्राम श्राम श्रीमात करो कर्ना गर्म। ये मरकात असुमारत जिल्ला हिमस्थारकन।

বেচার। স্থমেশ্রের প্রিয় অপ্রিয় কিশ্ন ভিনি কি

(वर्गी वात्। के विषय जान खाल करें वात करें जेशांव তা एक। खार्य में ३ मन ३ मर्यम क ति छ । या न दनत् मर्यम किनिन्छ खिद उचेशा धार्मन अ महान महान वृक्ति करा धानभान। खित्रहा हिटल भारत दाता मनरक ऐस्क लाएक एक एक किला कि विषय का निर्माण कर केर अ थाएक, के मान्ति (यनन क्षावल करेग़ा केट्री (क्वांन क्षाटक ঈশ্বরের অপ্রিয় কম্মে নির্ক্ত ইইয়া প্রিয় কমেতি রভ ইইতে थाटक। विजीयलः माधुलाटक योग लिथियाटएन जार् भाष्ठ अः र जालग कर्तरल के भाष्क क्रमणः अन्याम इरा। वत्मा वात् अभिनादक छात्र कतियात कता (कान अर्म कञ्चत करत्र मार्के। अनाविधि जिन मार्थान्य लाकत् नाम क्विन हो कि विद्या विद्या ना। क्षा उक्क कि के दिया नियु उ शत्रमध्दत्त छेशामन। कतिया थारकन- उरकालीन डाइ।त मारत य जाव जेमग्र ग्रंग जोशा जीशांत ग्रंगतांत जान हातां है शकामभाषा जाश्र गत गत जिन मार्भन कि नम उक्ति जाल कर्षा कतिशाष्ट्रम छ। । अस्ति । इसे इसे इसे एटले शाया --जिति जाभन छन कथनई डाउन कर्यन ना---कान जर्रन কিঞ্মাত্র দোষ দেখিলেই অভিশয় সন্তাপিত হন কিন্তু व्यक्तात छन व्यवर्ग जारमोन करत्न, भाष क्यानिरंज भातिरंज जांज्जात करन कि छु इश्य अकाम करतन। अजेक्रभ অভাসের দারা তাহার চিত্র নির্মল ও শান্ত হইয়াছে। '(य वां कि मनक এक्रभ मर्यक करत मि (य धरमां क वां किर्व ভাহ।তে আশ্বর্যা কি?

(विष्ठात्राम। (विष्ठो छात्रां! वत्रमा वीतृत कथा छनिशा कर्व क्ष्णारेक, এगड लाक्तित महिं धक्यात (प्रथा क्रिडिंड इक्ट्रेंब, पिवरम ভिल्म कि क्रिया। थ्राप्तम।

अत्रवी द्वार । विकि मिन्टम विश्वय कमा करिया थाएंकन

বটে কিন্তু অনাান্য লোকের মত নহে। অনেকেই বিষয় কর্পে প্রবৃত্ত হইয়া কেবল পদ ও অর্থের বিষয় ভাবেন, কিন্তু তেনি তাহা বড় ভাবেন না। তাঁহাব ভাল জানা আছে যে পদ ও অর্থ জলবিষের ন্যায়—দেখিতে ভাল—শুনিতে ভাল—কিন্তু মরিলে সঙ্গে যায় না বরং সাবধান পূর্বক না চলিলে, ঐ উভর দাবা কুমতি জন্মিয়া থাকে, ভাঁহার বিষয় কর্মা করিবার প্রধান ভাৎপর্যা এই যে ভদ্মার। আপন পর্মের চালনা ও পরীক্ষা করিবেন। বিষয় কর্মা করিতে গেলে লোভ, রাগ, হিণ্সা, অবিচার, ইত্যাদি প্রবল হইয়া উঠেও ঐসকল রিপুর দাপটে অনেকেই নারা যায়। তাহাতে যৈ সামলিয়া যায় সেই প্রকৃত ধার্ম্মিক। পর্ম্মা মুখে বলা সহক্ষ ক্রেক্ কর্ম্মের দারা না দেখাইলে মুখে বলা কেবল ভণ্ডামি। বর্দী বাবু সর্বানা বলিয়া থাকেন সংসার পাঠশালার প্রপা, বিষয় কর্মের দারা নলের সদভ্যাস হইলে ধর্মা মটি হয়।

বেচারাম। তবে কি বরদা বাবু অর্থকে অগ্রাহ্

বিণী বাব। নানা—মর্থকে হেয় বোধ করেন না— কিন্তু তাঁহার বিবেচনাতে ধর্মা অগ্রে—অর্থ তাহার পরে, অর্থাৎ রম্মকে বন্ধায় রাখিয়া অর্থ উপার্জন করিতে ইইবেক।

इंटनक।
दिवाताम्। वत्रमा वाव ताळ वाजिटक कि कदबन?

বেণী বাবু। সন্ধারে পর পরিবারের সহিত সদালাপ ও পড়া শুনা করিয়া থাকেন। তাঁহার সচ্চরিত্র দেখিয়া পরিবারের। সকলে তাঁহার মত হইতে চেন্টা করে, পরিবারের প্রতি তাঁহার এমত স্নেহ যে স্ত্রী মনে করেন এমনু স্বামী নেন জন্মেং পাই, সম্ভানের। তাঁহাকে একদণ্ড না দেখিলে ছটফট করে। বরদা বাবুর পুত্র গুলি যেমন ভাল, কন্যা গুলিও তেমনি ভাল। তানেকের বাটীতে ভেয়ে বোনে সর্বাদা কিচকচি কলহ করিয়া থাকে। বরদা বাবুর সম্ভানের। কেহ কাহাকেও উচ্চ কথা কহে না, কি লেখার সময়, কি পড়ার मगर, कि थ। वात मगर, मकल मगर। है जाहाता भत्रम्भत (सह भूक्षिक कथा वार्डा कहिया थ। कि—वाभ मा जील ना इहेल महान जील हुए मा।

(नहाताम तातु। आमि खनिशाहि तत्रातिष् भक्षा

বেণী বাব। একথা সত্য বটে—তিনি অন্যের. ক্লেশ বিপদ অথবা পি'ড়া শুনিলে নাটাতে হির হইয়া থাকিতে পারেন না। নিকটন্ত অনেক লোকের নানা প্রকারে উপকার করিয়া থাকেন কিন্তু ঐ কথা ঘুণাক্ষরে কাহাকেও বলেননা ও অন্যের উপকার করিলে আপনাকে উপকৃত বোধ করেন।

বেচারাম। বেণী ভায়া! এমন প্রকার লোক চক্ষে
দেখা দূরে থাকুক কোন কালে কখন কাণেও শুনি নাই
—এমত লোকের নিকটে বুড়া গাকিলেও ভাল হয়—ছেলে
ভো ভাল হবেই। আহা বাবুরামের ছোট ছেলেটি ভাল
ছইলেই বড় সুথজনক হইবে!

১৩ বরদা প্রসাদ বাবুর উপদেশ দেওন তাঁহার
বিজ্ঞতাও ধর্ম নিষ্ঠা এবং স্থানিকার প্রণালী। তাঁহার
নিকট রামলালের উপদেশ ওজ্জন্য রামমালের
পিভার ভাবনাও ঠকচাচার সহিত পরামর্থ। রামলালের গুণ বিষয়ে মনাস্তর ও তাঁহার বড় ভগিনীর
পীড়াও বিয়োগ।

ধ্রদাপ্রসাদ বাব্র বিদ্যাশিকা। বিষয়ে বিজাতীয় বিচক্ষণতা ছিল। তিনি মানব স্বভাব ভাল জানিতেল। মনের ক্ষিং শক্তি কিং ভাব এবং কিং প্রকারে ঐ সকল শক্তি ও ভাবের চালনা হইলে মন্ত্র্যা বুদ্ধিনান ও ধার্মিক হইতে

পারে ভরিষয়ে তাঁহার বিশেষ বিজ্ঞতা ছিল। শিক্ষকের कर्षाणि वर्ष भर्ष गर्य। जारगरक यह कि विष् कनरजाना दक्य শিথিয়া अना कथा कोड़ा ना डारित भिक्क इनेगा वरमन - এगन मकल (लारकत दातां जाल निका एहेर जात ना। शकुछ भिक्कक इन्डेट (शक्त मान्य श्रंड ७ छोन भक्तिक जालकाल कानिएज अग्र धवर भिका किश्रकात मिल्ल कार्या আপিতে পারে তাহা সুন্তির হইয়া দেখিতে হয় শুনিতে হয় ও শিথিতে হয়। এ সকল না করিয়া ভাড়াছত্মা রকমে শिका फिटल (करल शायदि किश गाग क्य-धक गड याद (कामील शिफ्टिल ड अक महे। माहि काहे। इय मा। वत्राधिमान वाव, वङ्गभी जिल्ला-अनक कालानिश निकात निसर्य गरमीरगानी थाकारण निकार एउटनत खनानी जान कानिएन, लिनि राश्वकार्त भिका कहा डेएन जार्थाड भात भिका इनेज। এक एव अत्काति रिका लएस एम श्रिकात मिका इस जाराइन मिकान जानस जाजियास कि इस गा कार्व गर्वत महिक उ ग्रावत छात मकरनत स्रुक्तत्र्राभ চोलन। इस ना। इतिहा (करल स्थाइ कहिएक भिष्य তাহাতে কেনল স্মারণ শক্তি জাগারিত হয়—বিবেচনা শক্তি व्योग निष्ठि थात्क, मदनत ভাবाদित চালনার তো कथाडे नाई। निकात अधान ज्रिश्यो এই य ছाর्जाम्या त्राङ्क व्यवसादि गत्नत भाष्क ও ভान नकल मगानदाश हानिड क्टेरिक। এक मिन्तित अधिक छोलागे ও अना मिन्ति अझ छालना कहा कर्नु रुग्न ना। (रामन भर्ती दिव मकल चाम्न क मजवु कदिएल भदीविधि गिरविध इस (जमिन मरगद मकल শক্তিকে সমান্রপে চালনা করিলে আসল বৃদ্ধি হয়। मन्त्रत महावामित्र ठालना मगानक्तर कता जावणाक। कि महारवत हालना कतिरलाई मकल महारवत हालनः হয় না। সভাের প্রতি শ্রনা জিমালেও দয়ার লেশ না थाकिट्ड পরে—দয়ার ভাগ অধিক থাকিয়া দেনা পাওনা नियाय के विकास ना थाका क्रममुत न हि—(प्रना भाउना विवस्य थाता थाकिया ও পিতা गांठा এवः को भूरक्षत

উপর অযত্ন ও নিম্নেই ইইবার সম্ভাবনা—পিতা মাতা দ্রী পুজের প্রতি ক্ষেই থাকিতে পারে অথচ দরলতা কিছুমাত, না থাকা অসম্ভা নহে ফলেও বরদাঞ্জাদ বাবু ভাল জানিতেন যে মনের ভাবাদির চালনার মূল পর্মেশরের প্রতি ভক্তি—ঐ ভক্তির যেমন বৃদ্ধি ইইবে তেমনি মনের সকল ভাবের চালনা ইইতে থাকিতে, তাহা না ইইলে ঐ কর্মাটি জলের উপরে আনুক্ কাটার প্রায় ইইয়া পড়ে।

রামলাল ভাগাফ্রনে বর্দা বাবুর শিষা হইনা ছিল।
রামলালের গনের সকল শক্তি ও ভাবের চালনা স্থানরক্রপে হইতে লাগিল। মনের ভাবের চালনা সং লোরেক
সহবাসে যেমন হয় তেমন শিক্ষদার। হয় না। যেমন কলমের
দারা জামগাছের ডাল আবিগাছের ডাল হয় তেমনি
সহবাসের দারা এক রক্ম মন জনা আর এক রক্ম হইনাপড়ে। সং মনের এমন মাহালা যে ভাহার ছায়া অধন
মনের উপর পাডিলে অধন ক্রপ ক্রেন্থ ছায়ার স্বর্নপ
হইয়া বসে।

বরদা বাবুর সহ বালে রামলালের মনের চাঁচ। প্রায় তাঁচার মনের মত হটয়া উচিল। রামলাল প্রতিঃকালে উচিয়া শরীরকে বলিষ্ঠ করিবার জনা ফর্দা জায়গায় জমণ ও বায়ু মেবন করেন—তাঁহার দৃঢ় সংস্কার হইল যে শরীরে জার না হইলে মনের জোর হয় না। তাহার পরেবাটিতে আর্নিয়া উপাসনা ও আতা বিচার করেন এবং যে সকল বহি পড়িলেও যে২ লোকের সহিত আলাপে করিলে বুদ্ধিও মনের সন্তাব বৃদ্ধি হয় কেবল সেই সকল বহি পড়েনও কেবল সেই সকল লোকের সহিত আলাপ করেন। সংশোকের নাম শুনিলেই তাঁহার নিকট গমনাগমন করেন—তাঁহার জাতি অথবা অবস্থার বিষয় কিছুমাত অস্প্রস্কান করেন না। রামলালের বোধ শোধ এমন পরিস্কার হইল যে যাহার সঙ্গে আলাপ করেন ভাইটে কেবল বি

তান্য লোক ফাল্ভো কথা কহিলে আপন বুদ্ধির জোরে
কূরণীর ন্যায়, সারহ কথা বাহির করিয়া লয়েন। তিনি
ননের মধ্যে সর্ব্রাই ভাবেন পরমেশবের প্রতি ভক্তি
নীতিজ্ঞান ও সদ্ধি যাহাতে বাড়ে ভাহাই করা কর্ত্তা।
এই মতে চলাভে তাঁহার শভাব চরিত্র ও কর্মা সকল উত্তরহ
প্রশংসনীয় হইতে লাগিলা

নততা কখনই ঢাকা থাকেনা। পাড়ার সকল লোকে বলাবলি করে—রামলাল দৈতা কুলের প্রফ্রাদ। তাহাদিগের বিপদ আপদে রামলাল আগে বুক দিয়া পড়ে।
কি পরিশ্রমদারা, কি অর্থ দারা, কি বুদ্ধির দারা, যাহার যাতে উপকার হয় তাহাই করে। কি প্রাচীন, কি যুবা, কি শিশু সকলেই রামলালের অমুগত ও আত্মীয় হইল—
রামলালের নিন্দা শুনিলে তাহাদিগের কর্ণে শেল সমলাগত—প্রশংসা শুনিলে মহাই আনন্দ হইত। পাড়ার প্রাচীন ট্রীলোকেরা প্রস্পর বুবলাললি করিতে লাগিল—
আমাদিগের এমনি একটি ছেলে হলে বাছাকে কাছ ছাড়া হতে দিতুম না—আহা! ওর মা কত পুণা করেছিল যে এমন ছেলে পেয়েছে। যুবতী দ্বীলোকেরা রামলালের ক্রপ গুল দেখিয়া শুনিয়া মনেই কহিত স্বামী হবে তো এমনি পুরুষ।

রামলালের সং শ্বভাব ও সং চরিত্র ক্রমেং ঘরে বাহিরে নানা প্রকারে প্রকাশ পাইতে লাগিল, ভাঁছার পরিবার মধ্যে কাহারও প্রতি কোন অংশে কর্ত্ব্যকর্ষের ক্রটি হইত না।

রানলালের পিতা তাঁহাকে দেখিয়া একং বার মনে
করিতেন ছোট পুত্রটি হিন্দুয়ারি বিষয়ে আল্গাং রকম—
তিলকদেবা করে না—কোশা কুশী লইয়া পূজা করে না—
হরিনামের মালাও জপে না, অথচ আপন মত অনুসারে
উপাস্যা করে ও তোন অধর্মে রত নহে—আমরা ঝুড়িং
মিথা কথা কই—ছেলেটি সত্য বই অন্য কথা জানে না—

वाश गांत প্রতি বিশেষ ভক্তিও আছে অধিকন্ত আমাদিগের खन द्वार्थ (कान खनाय कन्त्र कदिएक कथनरे योकात कर्त ना—यागात विश्वय आगार्य अतिक (काष्ट्र आह—मठा गिथा। छुई ठाई। ज्ञान नागिट फाल इर्कारम इंडार्भ किया कलाश रहेया थारक-- अगकल कि अकारत तकः इहेरव? মতিলাল गम न ए कि छ म ছেলেটির হিন্দুয়ানি আছে — (वाध इम्र (फार्य छात्। वर्ष यन् नम् नम्—वम्न काला जातिम इक्रेक गव भिरत यादि। त्रीमलीलित मांचा ७ जिनीता छ। इ। त छ । किनर आफ इहे । का शिलन। शांत काञ्चकारतत शत আलांक पर्णान यागन आस्नाप कत्या তেমনি ভাঁহাদিগের মনে আনন্দ হইল। মতিলালের অসদ্বাহারে তাহারা বিয়মাণ ছিলেন মনে কিছুমাত্র সূথ किलना—लोक शक्षनाम व्याधामुच रहेमा चाकित्वन এकत्व त्रामलात्त्र मक्राप्त मत्न सूथ उ मुथ উद्धल इहेल। फ्राम माभीता शूर्ख येजिलाला निक दिवन गानागानि ও गांत थारेया পालाकेर जाक हार्जिं — এक रि तामला लित মিউবাক্যে ও অনুগ্রহে তাহারা ভিজিয়া আপন্ কর্মে अधिक मत्नारगाशी इरेल। मिल्लाल रूलधत अश्रामाधत त्रायलात्नत् काछ कात्रथाना (मिथ्या প्रवण्भात वजाविन করিত ছোঁড়া পাগোল হলো—বোধ হয় মাধায় দোষ कित्रियाद्वा कर्काटक विलया अटक श्रामला भारति श्रामता याडेक-এक इन्डि ছোঁড়া, দিবারাত্রি ধর্মাই বলে-ছেলে मृत्थ न छो। ज्या जान नार्श ना। मानर्शानिक ताम-शाविन उ मालशाविन मधार वरल—मिववाव তুমি কপালে পুরুষ—রামলালের গতিক ভাল নয়— ওটা ধর্মাই করিয়াই শীন্ত্র নিকেশ হবে তার পর তুমিই मग्रङ किस्युष्ठ। लहेया भारयत छेभतं भा पिया निष्क मङ्गा भीत। आतं उठा यश्चित्रांट उत् किरल क्रज्जत्उत मज, इति। आमति! यमन छक्र তেमनि क्रियां—श्रिवीरात आत णिकक भारेटमन ना! धकछ। बाम्राटनत काट्ट एक्रगञ्ज

পাইয়া সকলের নিকটে ধর্মহ বলিয়া বেড়ান্। বড় বাড়াবাড়ি কর্লে ওকে আর ওর গুরুকে একেবারে বিসর্জন
দিব। আমর! টগ্রে ছোঁড়া বলে বেড়ায় দাদা কুসক
ছাড়েলে বড় স্থথের বিষয় হবে—আবার বলে দাদা
বরদা বাবুর নিকট গমনাগমন কবিলে ভাল হয়।
বরদা বাবু—বুদ্ধির ঢেঁকি! গুণবানেব জেঠা! থবরদার,
মতিবাবু, তুমি যেন দমে পড়ে সেটার কাছে যেও না।
অমরা আবার শিখ্ন কি? তার ইচ্ছা হয় তো সে আমাদের
কাছে এসে শিথে যাউক। আমরা এক্ষণে রংচাই—মজা
চাই—আয়েস চাই।

ठेकठाठा मर्मामा त्रांभलाटलत छगाम्याम खानम अ श्रीनया विभियार जादिन। ठेटकत जाँ ह ममग्र भारेटनरे वावुतारभत विषयात डेशत छुडे এक ছোবল भातिवन। ० थर्ग छ । जनक गामला (भाननाटल भिग्नाइ— ছোবল মারিবার সময় হয় শাই কিন্তু চারের উপর চার দিয়া ছিপ फिलात कञ्चत হয় गाँछ। तामलाल एग প্রকার হইয়া উঠিল তাহাতে যে মাছ্ পড়ে এমন বোধ হইল না— পেঁচ পড়িলেই সে পেঁচের ভিতর যাইতে বাপকে মানা করিবে। অতএব ঠকচাচা ভারি ব্যাঘাত উপস্থিত দেখিল এবং ভাবিল আশার চাঁদ বুঝি নৈরাশাের থেছে ডবে গেল जात अकाम वा ना शाग्न। जिन मता मत्या जतनक वित्वहना कतियां এक मिन वांबुताम वांबुतक विलितन-वांबुमारहव! ভোষার ছোট লেডখার ডোল নেগা করে মোর বড় গমি रक्त। भात गालम रुप्न अना मिउभाना रूप्रक्— (जना यात छे नत वड़ था क्षा, मण जामगित न कि मिर्ग वरण मुक् তোমাকে খারাব করলাম—এ ব্যত শুনে মের দেলে বড় চোট লেগেছে। वार्य मार्ट्य! এ वह्छ यूवा वाज-अक এস্মাফিক মোরে বল্লৈ—কেউ ভোমাকেও শক্ত বল্তে পाরে। লেড্গা ভাল হবে—নরম হবে—বেভমিজ ও विकारित होला, अलाख मिल्या भागारमय। जात य त्रवक

गवक कार्ड वाट्ड या कमिमाति थाटक এडगां भात এहकरन

নৌ ব্যক্তির ঘটে বড় বৃদ্ধি নাই সে পরের কথায় অহির ছইয়া পড়ে। যেমন কঁচা মাজির হাতে ভুফানে মৌকা পড়িলে টলমল করিতে থাকে—কুল কিনারা পেয়েও পায়না সেই মত ঐ ব্যক্তি চারিদিগে অন্ধকান দেখে ভাল-মন্দ কিছুই স্থির করিতে পারে না। একে বাবুরাম বাবুর মালা বৃদ্ধি নহে ভাতে ঠকচাচার কথা ক্রমজ্ঞান, এই জন্য ভেবাচেকা লেগে তিনি ভদ্রজংলার মত কেল২ করিয়া চাহিয়া রহিলেন ও ক্ষণেক কাল পরে জিজ্ঞানা করিলেন— উপায় কি? ঠকচাচা বলিলেন মোশার লেড্থা বুরা নহে বরদা বাবুই সব বদের ক্রড়—ওনাকে তফাত করিলে লেড্থা ভাল হবে—বাবুসাহেব! হেন্দুর লেড্কা হয়ে হেন্দুর মাফিক পাল পার্মণ করা মোনাদেব, আর স্থান্যাদারি করিতে গেলে ভালা বুরা স্থা চাই— ভ্নিয়া সালা নয়—মুই একা সাচা হয়ে কি কর্বো?

বাহার । বিষয় নিজেপ সংকার সেইমত কথা শুনিলে ঐ কথা।
বিদ্যানি ও বিষয় রক্ষা সংক্রান্ত
কথাতেই লক্ষা সিদ্ধ হইবে তাহা ঠকচাচা ভাল জানিতেন
ও ঐ কথাতেই কর্মা কেয়াল হইল। বাব্রাম বাব্
উক্ত পরামর্শ শুনিয়া তা বটেতোহ বলিয়া কহিলেন—যদি।
ভৌশার এই মত ভো শীত্র কর্মা নিকেষ কর—টাকা কড়ি
বাহা আবশাক হবে আমি তাহা দিব কিন্তু কল কৌশল
ভোমার।

तामलादलत मरकाछ पछि पर्यन এই क्रम इहेड माभिला नाना मूनित नाना मछ— क्रम विल इहिला अ अर्भ छाल— क्रम विल अर्भ छाल नट्य—क्रम विल अमे मूथा छनि ना थाकाटा अक कलनी हुट्य कर क्रोडी आवत शिखाहि—क्रम बिल इहिला नर्य विषय सन्वित, अमे क्रम किह्नाल यान—हेमनार वाद्याम বাবুর বড় কন্যার সাংঘাতিক পীড়া উপন্তিত চইল।
পিতা মাতা কন্যাকে ভারিই বৈদ্য আনাইয়া দেখাইতে
লাগিলেন। মতিলাল ভগিনীর নিকট একবারও দেখিতে
আইল না।—পরশপরায় বলিয়া বেড়াইতে লাগিল ভদ্দ
লোকের ঘরে বিধবা ইইয়া পাকা অপেকা শীঘ্র মরা তাল,
এবং ঐ সময়ে তাহার আমোদ আফলাদ বাড়িয়া উঠিল—
কিন্তু রামলাল আহার নিদ্রা ভ্যাগ করিয়া ভগিনীর সেবা
শুক্রায়া করিতে লাগিলেন ও ভগিনীর আরোগ্যের জন্য
অতিশয় চিন্তাহিত ও যত্রবান হইলেন। ভগিনী পীড়া
হইতে রক্ষা পাইলেন না— মৃত্যু কালীন ছোট ভ্রাতার
মন্তকে হাত দিয়া বলিলেন—রাম! যদি মরে আবার
মেয়ে জন্ম হয় তবে যেন ভোমার মত ভাই পাই—তুমি
আনার যা করেছ তাহা আমি মুখে বলিতে পারিনে—
ভোমার যেনন মন তেমনি পরমেশ্বর ভোনাকে স্থে
রাখিবেন। এই বলিতেই ভগিনী প্রাণ ভ্যাগ করিলেন।

১১৪ মতিলাল ও তাহার দলবল এক জন কবিরাজ লইয়া
তামাস। ফটি করণ, রামলালের সহিত বরদাপ্রসাদ
বাবুর দেশ ভুগণের ফলের কথা, হুগলি হইতে
ভুগখনির পরওয়ানা ও বরদা বাবু প্রভৃতির তথায়া
গ্রনা

বেলেলা ছোঁড়াদের আয়েশে আশ মেটে না, প্রতিদিন
ভাহাদের মূতন চাট্কাই রং চাই। বাহিরে কোন
রক্ষ আমোদের মূত্র না পাইলে ঘরে আসিয়া মাধ্যায় হাত
দিয়া বসে। যদি প্রচীন খুড়া জেঠা থাকে তবেই বাহ্যায়া,
কারণ কেসম্পর্ক ঠান্টা চলে অথবা জো সো করে ভাহাদিগের
জিঙ্গা যাত্রার ফিনিরও হইতে পারে, নতুবা বিষম্পন্ধট—
থকেবারের চারিদিকে সরিষাফুল দেখে।

भिक्तिल अधिशाहात मिला नाना वरमत तकी श्रेता खाराक श्रकात लीमा कतिए लाशिम किस कान लीमा रा (मय सीला इहेरत जाहा तला तफ़ किहिन। जाहानिरात व्यास्मान व्यस्मारमत ज्या मिन२ वृक्ति भाकेरज जाशिला धकर तकम आरमाम पृष्ट् এक मिन जान नार्श—जाशत পরেই বাসি হট্য়া পড়ে আবার অন্য কোন প্রকার রং, ना कहेटल ছটক্টানি উপত্তি ক্য়। এই রূপে वकर क्रमारक वकर है। मुख्यर आंत्यादमत क्षीयाता थूलिया मिटि इडेड, এজना এक मिन इलध्त (मालर्गावित्म्यः। পড়াইয়া ব্রজনাথ ক্বিরাজের বাটীতে গমন করিল। किर्तितारकत विगेटि छेषध श्रेष्ठा छत् ध्रम लिएम भिया छि— कोन थात्न तमामिका गाए। याङ एउए --- कोन थोल मधान नातारान टेज्टल बाल इडेट्ड्ड्—कान थान माना ज्या इहेट्ट्रा कविवास यहागग এक होट्ट छेष्ध्व ডिপে ও আর এক হাতে এক নোতল গুড়ুচ্যাদি তৈল লইয়া-वाहित यादे किलान, अगन मगाय रूलधत उपछित হইয়া বলিল, রায় মহাশয়! অনুগ্রহ করিয়া শীঘ্র আস্থন— বিকার হইয়াছে—বোধ হয় রোগির এখন তথন হইয়াও তবে তাহার আয়ু ও আপনার হাত্যশ— অনুসান হল गांच्यात्र अवध शांक्रम जाताम इहेल्ल इहेट्ड शार्त्र। यिष आश्रिन छाल क्रिटि शादिन यथार्याता भूतकात পাইবেন। এই কথা শুনিয়া কবিরাজ ভড়াভাড়ি করিয়া রোগির गिक्ট আসিয়া উপস্থিত হুইলেন। যত গুলিন' स्व ताबु निकटि ছिन ভाহার। বলিয়া উঠিল আস্তে आंखा इंडेकर करिवाक महां भाषा आंभां निशंक वैष्ठां डेन-मिलिशिविक कम प्राप्त किन भग्छ खंत विकास नाम 'পড়িয়া আছে—দাহ পিপাসা অভিশয়—রাজে নিদ্রা

नाई—क्वल इंग्रेक्ट क्रिंड्डिंड,—गर्भाग এक इंडिनिय ्रियाक थारेया जान कविया जान (मथुन। खननाथ ताय ध्यानीन, পড়া खना वफ़ नाई—आशन वावमाद्य धामाधता (গাচ-नामा या नलन ভाইভেই মত-সুভরাং ষয়ং भिन्न नर्द्रन, व्याप्रिक किए हिए कि इरे करिए पार्तन ना। वाग्र महाभाष्यव भवीत कीन, मख नाडे, कथा छाष्या शरफ, किन्तु मूरथत गरधा यरथि (गाँश--- गाँशि । शिक, निया ছ किन्द स्मर ध्ययुक्त कथनरे फिलिएनन न।। द्रांभित इराउ मिथा नियान जान कदिया एक इरेगा विमान। हिल्यत জिজां न कितिलन कविता क मर्भिय य एप कितियां थाकिटलन? कविवाक छंखत ना मिया वािशत अि मिश कति एक लाशित्लम, त्राशीख अकर वात एक लर् कतिया होय-এकर दात किस्ता वाहित करत-- अकर वात मस कछ मछ करत्र- এकर् वात्र स्थारमत होन प्रथाश-- अकर् वात्र कवित्रा-জের পোশ ধরিয়া টালে। রায় মহাশয় সরেহ বসেন, রোগী গড়িয়া২ গিয়া তাহার তেলের বোভল লইয়া টানাটানি ভারে: ছোড়ারা জিজাসা করিল রায় মহাশয় এ কি? তিনি বলিলেন এ পীড়াটি ভায়ানক—বোধ হয় खत विकात ଓ উল্ণ হইয়াছে। পূর্বে সংবাদ পাইলে আরাম क्रिंडि পात्रिजाम এक्रांग भिर्वत व्यम्भा। এই विवार्ड् রোগী তেলের বোতল টানিয়া লইয়া এক গণুষ তৈল मिथिया फिलिल। किरिताक मिथितन ए ছतु फित करल অমিত্তি হারাইতে হয় এ জন্য তাড়াতাড়ি বোডল लह्या ভाल করিয়া ছিপি ভাঁটিয়া দিয়া উঠিলেন। সকলে বলিল মহাশয় যান কোথায়? কবিরাজ কহিলেন উল্ল জনে বৃদ্ধি হইতেছে বোধ হয় একণে রোগিকে **अश्राम दाथा जात कर्ज्या नरह—गाहार जांहात भत्रकाल** ভাল হয় এমত চেঁফা, করা উচিত। রোগী এই কথা , শুনিয়া थएगिएया छेठिल-कवितास धरे पिथिया हो। कित्रा शिष्ठानं निष्मन—देवेषावाणित व्यवजादतता मकदल हे भण्डा र मिटिए बाहेटक माशिम-किन्नाम किन्न मृत बाहेग्रा हरू-

जिया के गा श्रेम निष्ण ने ए वितासन स्व वाव्य कि विद्यास्त भन्भाका निया यानिया चार्ड कित्या नहेता हतियानः भक्त कतिएउर शक्षा छैट्य यानिन। (जिल्ला) विक निकरि व्याभिया कहिल-कित्रांक भाषा व्याधारक शंक्षाय পाठाहेर्ड विशि पिया कि लि— धकरन (वाकात चारक वाका—धमा वारा এक र जियाक असर्जिन क्रिया हिजाय किला। ,थागत्थशां दि । तारकतं मरध्र यं उत्तर्तं, जानात निष्कृताल शुद्ध विल्ल- आत्र आभारक शक्षांत्र भागे। हेट्य ? या अ वावा चद्रित ছেলে ঘ.র যাও, কিন্তু ভেলের বেভিলটা নিয়ে যাও। वरे बिन्या (उत्मत त्याल्स सच्या भक्त द्रशत्या कवियां তেল याथिया सूপ वाभि करिया शक्षांय পড়িল। कविताख এই मकल (मिथा। एनिया रुख्यान रहेलान। এकर् भनाई एक भारित कई वाहि अई काविया भा वाकाई ए एक इंडिमर्था इल्थत माँ जात फिट्टर ही एकात कतिया बनिल अत्था करदबक मामा! वफ शिव वृद्धि इहेशाइ, शांभ हूरे त्रगातिका मिट्ड श्रव—शानिस्मा। वावायमि शानास जा मामीक शांटित लाग थ्लिए श्वा कविताल छेहरधत ডिপেটা ছড়িয়া ফেলিয়া বাপহ করিতেহ বাসায় প্রস্থান করিলেন।

কান্তণ মানে গাছ পালা গজিয়ে উঠে ও ফুলের সৌগন্ধা চারিদিগে ছড়িয়া পড়ে। বরদা বাবুর বাসাবাটা গঙ্গার থারে—গন্ধথ একথানি আটচালা ও চতুদ্পার্শ্বে বাগান। বরদা বাবু প্রতি দিন বৈকালে ঐ আটচালায় বসিয়া বায়ু সেবন করিতেন এবং নানা বিষয় ভাবিতেন ও আজীয় লোক উপস্থিত থাকিলে তাহাদিগের সহিত আলাপ করিতেন। রামলাল সর্বাদ্ধা নিকটে থাকিত, তাহার সহিত ব্রাদ্ধা-বাবুর মনের কথা ছইত। রামলাল এই প্রকারে অনেক উপদেশ পায়—ভুযোগ পাইলেই কিই উপায়ে প্রমার্থ আলা ও চিওশোধন ছইতে পারে তাহিবর গ্রহকে প্রাদ্ধানা ও চিওশোধন ছইতে পারে তাহিবর গ্রহকে প্রাদ্ধানা ও চিওশোধন ছইতে পারে তাহিবর গ্রহকে প্রাদ্ধানা বিষয়ে প্রস্কান

মহাশয়! আমার দেশ ভ্রমণ করিতে বড় ইচ্ছা মায়— বাটাতে থাকিয়া দাদার কুনপা ও ঠকচাচার কুমন্ত্রণা শুনিয়াহ তাজ হইয়াছি কিন্তু না বাপের ও ভ্রমিনীর শ্লেহ্ প্রযুক্ত বাড়ী ছেড়ে যাইতে পা বাধুবাধু করে—কি করিব কিছুই স্থির করিতে পারিনা।

बद्धा वांबु! (मण जगान कारनक केशकात। (मण ज्ञमन मा कतित्व ज्ञात्कत वर्षमिन् जाया मा, मामा ख्राकात रमण 'अ नोगा क्षकांत रनांक रमियर्डर मन मतांक र्य। जिन्नर खारगद लाकिभिर्गत कि श्रकाद दीं जि नी जि, किक्रण वायर्ति अ कि कादर्श एक्ट्रान्टिशत जान ध्यया भन अवञ् क्रेग्राह्म ভাষা याँग्रिया अनुमन्त्रान कवित्न अत्निक উপদেশ পাওয়া যায় আর নানা জাতীয় ব্যক্তির সহিত महत्राप इल्याट गत्नत (१४) जात एत् यशिया महाब বাড়িতে থাকে। ঘরে বসিয়া পড়া শুনা করিলে কেতাৰি .. वृद्धि इय--शङ्खनां उ उद्दि-मह्तां एकत् मह्वाम उ ठाइ--विষয় कर्षा छ। हो है—नानां धाकात त्रांकित महिछ धालाश ख ठाई। এই कर्यकिं कर्ण्यंत घात्र। युक्ति शतिकांत अवर महाव वृक्षिमोल इस किन्छ खनन कतिएक शिया विश् विस् ভাল क्रिया अञ्चलकान क्रिएं इहेर्य डाइ। অগ্ৰে জানা जावगाक, তाश ना जानिया जग्न कता बनापत नाय चरिशा (वर्णन गांछ। जांगि এगन कथा विल न। (य এक्रिश ভূমণ করাতে কিছুমাত্র উপকার নাই—আমার সে অভি-आग्र नटर, जमन कतिया किछ ना किछ উপকার ভাবশাই बार्छ किन्छ या वाङि जमन कारण किर बम्मनान किति छ इष छोशं ना कारन ७ मिडे मकल धानमनान कतिए ना भारत ভাহার ভনণের পরিশ্রম সর্বাংশে সফল হয় না। বাঙ্গালি-मिरिश्त गर्था जारनरक य रमण इहेर्ड छ रमरण शिश् वार्कन किन्छ छ गकल स्मा मर्जान जान कथा किन्छाना कविर्ल कश छन অञ्जल উত্তর করিতে পারে? ভদোষ্টি বড় जाशामिरशत नाष्ट्— এটি जाशामिरशत निकात माथ। म्याखना खरत्रमण ७ विरवहनां क्रिएक ना मिथिएम

अक्रवाद्य काकाम (शरक जांका वृष्कि शांउया यात्र मां। निष्-দিগকে এমত তর্নিয়ত দিতে হুটানে যে তাহারা প্রথমে নানা बछ्त कता किथाज भाग-मलल उमित्र (मिथाज्य अकरेपा), महिं जात अकिति जलनः कतित जर्शाः अविक शांक खत ला मांडे, धत्र शृथ अगम, खत लाख मांडे, धड़े ताल जुनता कहिल्ल पर्णन गाँक ए निर्वर्षना गाँक प्रायवे हालामा इच्टांड थाकित्व। किह्काल भारत धरेक्रम ज्याना कता एक्षिमां जाशिम भर्ष वाध इचेद्व उथन माना वर्ख कि कात्रदा भवन्भात जिल्ला इंजिल इंडिला कि दिव्याना कि विध्या शाहित्य, एक्त्रंत भारत क्लान्ट यह क्लान्ट क्लान्ट व्यामिट शास्त जारा वागायाम स्वायाम रहेरा। वह প্রকার উপদেশ দিতেই অনুসন্ধান করণের অভ্যাস ও विट्यान्ता मिक्तित हाला हा। किन्द्र अक्रम मिन्ना अप्या প্রায় হয় न। এজন্য आगमित्यत तुषि शास्त्रपत ও ভাসাস श्ह्या পড़ে—काम अश्राय छेशिष्ड श्ह्राल काम कथा। वा भार- ७ क्लांग रूथांछ। वा खभार, जारा भीय वाथ गमा र्य मा ও किक्रश जासूमकान कित्रण श्रास्त्र विविधा र्हरा जाल भीमार्म। र्हेट शादत ज्ञान जात्कत नुष्ति । जारमना छाउधव जारनदन त ज्यन रम निया ज्यन इस व कथा जलीक गटर किछ जागांत ए छोकां पिका इहेशाएइ जोशाएड त्यां प्रश्न ज्या जुगन करिएन जिल्ला विभाव व्यानक छिनकांत मर्गिद्व।

রামলাল। যদি বিদেশে যাই ভবে থেই স্থানে বসতি আছে সেইই স্থানে কিছুকাল অবস্থিতি করিতে ইইবে কিছু আমি কোনি কোনীয় ও কি প্রকার লোকের সৃহিত ভাষিক সহবাস করিব?

द्वमा वातु। ध कर्णा विख् महक नट्ट-शेखित्र। উত্তর দিতে হবে। সকল জাতিতেই ভাল মাদ লোক আছে ভাল লোক পাইলেই তাহার সহিত সহবাস ক্রিবে। ভাল লোকের লক্ষণ তুনি ভাল জান, পুনরাম ষলা মনাবশাক। ইংরাজদিগের নিকটে থাকিলে লোকে সাইয়া ইয়—তাহার মাহ্মকে পূজা করে—যে ইংরাজ অসাহ্নিক কল্ম করে সে ভল সমাজে বাইতে পারে না কিন্তু মাহ্মী ১ইলে যে সর্বাপ্রকারে পার্লিক হয় এমত নছে—সাহ্ম -মকলেয় বড় আবশাক বটে কিন্তু বা সাহ্ম প্রভালন হ্ইতে উংপদ্ধ হয় সেই মাহ্মই মাহ্ম-ভানাকে পূর্বে নলিয়াছি ও এখনও বলিতেটি সর্বাদা পর্যার্থ চন্ত্রা করিবে নতুরা যাহা দেখিলে—যাহা শুনিবে—লাহা শিখিবে ভাহাতেই অহ্জার বৃদ্ধি হইবে। আর মন্ত্রা যাহা দেখে ভাহাই করিতে ইচ্ছা হয় বিশেষতঃ বাজালিরা সাহ্রেদিপের সহ্রাণে অনেক ফালতো সাহেলানি শিখিয়া ভালিমানে ভরে মায় ও যে কিন্তু কর্ম করে ভালা অহঙ্কার হইতেই ফ্রিয়া থাকে—এ কথাটিও স্থান থাকিলো ক্ষতি নাই।

धर्कणकथावार्यः इतेरहराष्ट्र हे उगरणा बालारसत् लिला भिक्ष (भटक समद-एम्स निम्नामां छनर करिया आभिया नत्मा वातुरक चित्रिश। (कलिश—वत्रमी वाव ভाश्विशः व्यां ड मुक्ति পाछ कतिया किछात्या कतियान दर्शनदः त्यः । जार्गता एँ एत कतिल आंगतां शूलिम्त लाक--आंशनांत म'रम शाम "ागत गालिम इध्योहि— वाष्ट्रमारक छ्त्रलित गालिक भारहर्दत आमिलिए या हैया जवाव निर्छ हर्द ब जात आम्बा धर्यात्म (भाग एझाम कदिन। धरे कर्णा श्विनामादा नामलाल र्राष्ट्रा উচিল ও পরওয়ানা পজিয়া মিখ্যা নালিস জন্য उत्पाद के लिएक लाजिल! यत्रानित् का श्रांत का अतिशा वमाडिटलन এব॰ विलिटलन--गुरु इडेउ ना, विष्युष्टे। उलिएस (एथा या छक - शृथिती एउ नाना क्षकात छ ए भा उ घिषा था का वाभाग उपायित रहेता (कानगडि व्यक्ति रख्या कर्द्रता नरह—विश्रम् कार्य प्रकल इत्यां निवृक्तित कर्या, जात 'আগার উপর যে দেশে হইয়াছে তাহা আমি বেস মনে कानि य वामि कर्ति नाई—ज्द यागात जप्न कि: "किन्द व्यानावर्जत छ्कम व्यवमा गानिए इहेरव धङ्गारम्थारम भीय शालित श्रेष धकाल পেয়माता आभात वाति एलाम क्रिक उ प्रथक य जािम कोश्राक उ ल्का है य विभाहे। ध्विष्ठा भाष्ट्रेश (भग्नामातः ठातिमित्र उल्लोभ कतिल किन्छ

खनस्त वत्ना वांवू क्लिंग खानाव्या छ्राल याहेवात छित्रांश कतिरं नाशितन हे दिनस्य वालीत त्वी वांवू ' देनवाद खानिया छ्राहित हहे क्लिंग। छाँ हा कि छ ताम-लालाक मध्य किया वत्नावांवू छ्रालिं . भनन कतिराम । (विविवि छ त्रामलान कि किश्र विद्यायुक्त हहेशा शाकित्वन किन्द वृत्नावांवू भग्ना वन्न नाना । ध्वकांव क्रशांवां छाँ हो हो मिनरक द्वित क्रिंग लागितन।

> छ शिनित गांकिएपुँ काष्ट्रातित नर्गन, वत्रमानां तू तामनान ७ (वर्ग) वातूत भरिक ठेकछाछांत भाष्मार, गारहरात जागमन ७ जक्रविक चात्रस्र धवर वत्रमावातूत थानाम।

ছাগলির মেজিট্টের কাছারি বড় সরগরম—
আসামি কৈরাদি সাঞ্চি কয়েদি উকিল ও আমলা সকলেই
উপস্থিত আছে, সাহেব কখন আসিবে—সাহেব কখন
আসিবে, বলিয়া অনেকে টোই করিয়া কিরতেছে কিছু
সাহেবের দেখা নাই। বরদা বাব, বেণা বাবু ও রামলালকে লইয়া একটি গাছের নীচে কম্বল পাতিয়া বসিয়া
আছেন তাঁহার নিকট ছই এক জন আমলা ক্য়লা আসিয়া
ঠারে ঠোরে চুক্তির কথা কহিতেছে কিছু বরদা বাবু
ভাহাতে ঘাড় পাতেন না। তাঁহাকে ভয় দেখাইবার জন্য
ভাহারা বলিতেছে—সাহেবের ছকুন বড় কড়া—কর্ম কাজ
সকলই আমানিগের হাতের ভিতর—আমরা যা মনে করি
ভাহাই থারি—জবানবদিদ করান আমাদিগের কর্ম্ম
ক্রমের নারপেঁচে সকলই উলেট দিতে পারি কিছু ক্রিছু
চাই—ভিদ্বি করিতে হয় ভোএই সময় করা কর্ত্ব্য, এক্টা
ছকুম হইয়া গেলে আমাদিগের ভাল করা অসাধা হইনে প্রি

এই मकल कथा खनिया तामलात्लात এकर वात एव श्हेर उद्ध किछ वत्र मावाव जक्र जां क्रिय विल उद्ध न-व्याभनामित्यत याहा कर्त्य छ। हाई कतित्वन, आमि कथनरे ष्म नि ना, आमि लिट्निम-आगात किछ्डे छम्र नारे। व्यामलाता वित्र उन्हें इन्हें चार्यात्र स्वाता । प्रदेशक क्रम ऐकिल वर्तमा वावर्त निकटि जामिया विलक — (मिथिटिছि गर्गामा अंड उप्रेलाक-- ध्वमा कोन मार्य পড়িয়াছেন কিন্তু নকদানাটি বেন বেভরিরে যায় না--यদ माफित कोशाफ करिएंड छाएंड अथोन स्ट्रेंड कित्रो फिट मार्ति, किक्षिर राग्न कतित्व जे मकल सुर्योग इन्टे भारत। मार्ट्य धरनार कड़ेशार्ट, यांका कतिर्द्ध स्य धरे त्यना वत्मावात् उत्त कित्रलग—-आभगिरभन বিশুর অনুগ্রহ কিন্তু আমাকে বেড়ি পরিতে হয় ভাহাও: পরিব—তাহাতে আমার মনে ক্লেশ হইবে না—অপমান श्रदि वर्छ, भ जाभगान भीकात कंतिए श्रञ्ज चाहि— किछ व्यान कारम अविया अर्थ यादिव जा। केम! मङ्गमग्र य में मुर्गत मानुय—(बाध इस ताका युधिछित भातिश नियार्ग्या कर्ना अहे जान नाम क्रिया केवल स्था क्तिर्डिर डाक्ने ता ठिलिया (शल।

এই প্রকারে ছুইটা বাজিয়া গেল—সাহেবের দেখা নাই,
সকলেই তীর্থের কাকের ন্যায় চাহিয়া আছে। কেহ্ এক
জন আচার্য্য বাক্ষাংকে জিজাসা করিতেছে—সহে গণে বল
দেখি সাহেব আজ আসিবেন কি না? অসনি আচার্য্য
ধলিতেছেন একটা ফুলের নাম কর দেখি। কেহ্ বলে
জবা—আচার্য্য আঙ্গুলে গণিয়া বলিতেছেন—না আজ দি
গাহেব আসিবেন না—বাটীতে কর্ম আছে। আচার্য্যের
হথায় বিশ্বাস করিয়া সকলে দপ্তর বাঁধিতে উদ্যত হইল ল

বলিয়া উঠিল রুখন বাঁচলুনা। বাসায় গিয়া চদ্দপো
হওয়া যাউক। ঠকচাটা ভিজের ভিতর বসিয়া ছিল, লী
জন ভারেক লোক সঙ্গে –বগলে একটা কাগজের পোট্লার
-মুশ্র কাপড়,—চোক ছাট নিট্ করিতেছে—দাড়িটী।

युलिया পড়িয়াছে, चांड হেট করিয়া চলিয়া যাইতেছে धमठ नमग्र डाश्न छेनत त्रामलाद्यात महत निष्ण । त्रोमलाल अगिन वत्रमा ७ (यणी वांदूरक विलल--प्रथमर ठेकां । ध्यारम आमिशाः ছ--- त्याथ इश 'ए एड्रें यकप्रगात कष्-ना इत्न आयोक्त (प्रिशा युथ (कत्रांग्न (कन? वत्रमा वातु त्रथ जुलिशा प्रिशा छेखत कतिदलन-এकथाि खाः । नत्म लार्श—कामानिर्गत निर्क खार्फ्र ठास णाः। जादकत छेशत छोक शिक्ति या ए कितिया जातात महि । य कम्--- (वाथ इम्र ठेक्डा है भ्रत्भत जिंडत ज़्ड। (दः, वादुत मना हामा जनन-त्रमा हाता छातंक ष्यक्रभवान केद्रम। छूल कद्रिया ना शाकित्छ लाहियां ठेक्ठां छार यनिया ही दकांत कतिया जाकिर्क नाशियन भ श्रीष्ठ माल जांक (जा कांवरम्य शिक्ष—-रेकिप्रोष्ठी वर्गहा (थेरक काशक थ्रिश (मिथ्टिए—उए वाख--एति छान मा--चाएं उ लाल ना। दिनी तात् लाहात निकार भामिशा হাত ঠেলিয়া জিজাদা করিলেন—ব্যাপারটা কি? তুমি अथारम (कम? ठेकतांता कथाई कम मा काशक छटलें शास्ति (मिथिटिएन-এमिर्ग यननका उपछि --किन বেশীবাবুকেও টেলে দিতে হইবে। তাঁহার কথায় উত্তর ना मिता विलल-वाव! प्रतिशात वफ् भोज इहेशार छ- अङ ভোনরা कि স্থরতে যাবে? ভাল ভা যাহউক ভুমি এখানে क्ति? आदि के वांडर भारक वांतर शुरु कत किन? भारत বহুত কাম, থোড়াঘড়ি বাদ মুই তোমার সাতে বাত করব —आणि জেরা ফিরে এসি, এই বলিয়া ঠকচাচা ধাঁ করিয়া र्मात्रा शिया এक जन लाकित महा काल्ड कथाय वास्त्र रहेल।

তি ট বাজিয়া গেল—সকল লোকে ঘুরে কিরে তাজ হইল, নকঃললে কর্মের নিকাস নাই—আদালতে হেঁটেং লোকে প্রাণ বায়। কাছারি ভাঙ্গং হইয়াছে এমত লময়ে মাজিটিটের গাড়ির কিছে শক হইতে লাগিল, জিল্লি

भकरम छी दकांत कतिया छितिन—भारहन आभए हन २ धार्गार्यात युथ स्थारिया (जन-पूर्वे अक क्विन लोक डार्शाक निल्ल गर्भणायुद प्रारकांत्र शन्ना—आं ग्रीयां कहिल्लन आंक निक्थिए क्रक मामश्री थाইয়া जिलाम এই জন্য भननाम वाज्किम इहेग्राष्ट्र। आंगला कग्नलाता त्रर अात में ए हिल। मार्ट्य काष्ट्राति खरित्रं। कतिता मार्ट्यके मकरण किन भग्री ख घांड ८१ छ कतिया तालाम वाकाशेल। मार्ट्य मिम मिर्ड् (वरभाव छे भूत विमर्तान--- इक्षिवत्रमात छ। यावना चानिया पिन-- डिनि गएकत छे भत पुरे भा ज़िना। को किटन **खरेगा** পড়িয়া আশেবোলা টানিতেছেন ও লেবওর ওয়াটর নাখান श्वाच्यान वाधित करिया मुथ श्रीहर डर्फन। नाकित-मिश्रत लांक ভরিয়া গেল--জবানবন্দি নবিস হন হকরিয়া क्षवानवन्ति लिथिएएए किन्द्र योश्तंत केन्द्र जोश्तं क्षा — रमताखानात एकाणा भारम, थिएकिनात भागणि नाथाम, वानिर मिছिल लहेगा मार्ट्स्वत निक्छे शाग्रदात छ्रदर् "পডিতেছে— मार्ट्य थयदात कांग्रक मिथिएएছन ও আপনার मत्काति विधि अ लिथिए एक, अकर है। गिष्ट्रिल পড़ा हरल है। ''कक्कांना करतन—अरम्रज (कम्रा) व्यामा (सम्रा) । त्यत्राकांनारत् ्यमन हेण्हा (उमनि करिय़ा त्यांन ও मित्रांखामादित दिः রায় সাহেবেরও দেই রায়।

বরদা বাবু বেণী বাবু ও রামলালকে লইয়া এক পার্শ্বে দাঁড়াইয়া আছেন। যেরপ বিচার হইতেছে ভারন দেখিয়া ভাঁহার জ্ঞান হত হইল। জবানবন্দি নবিসেঃ নিকট ভাঁহার মকদমার যেরপ জবানবন্দি হইয়াছে ভাহারে তাঁহার কিছুমাত মঙ্গল হইবার সম্ভাবনা নাই—সেরেইছা দার যে আহুকুলা করে ভাহাও অসম্ভব, একণে অনাথাছ দৈব স্থা। এই সকল মনোমধ্যে ভাবিভেছেন ইভিম্বে ভাহার মকদ্মা ডাক হইল। ঠকচাচা অন্তরে বিস্তৃত্ত ছিল অমনি বুক ফুলাইয়া সাক্ষি দিগকে সঙ্গে ক্রিটি সাহেবের সম্মুখে দাঁড়াইল। মিছিলের কাগজাত প্রত্তির সম্মুখি স্বান্ধি দাবার বিলিল—খোদায়াওনা গোম খুনি সম্মুখ

भार्ष छग्न-ठेकहाछ। अभनि (भारत होड़ा निया वर्षः वार्त थाछ कर्गी कतिया (पिथिट माशिल, मान कति उद्धा थान) ना भकषमात्र आन्धितित कि हुई क्रिकाम। एत्र ना --- ज्ञामिर्गत व्याय ছांगल विनादित व्यापात स्ट्रेय थारक, किन्छ छ्कून मिराज़ छात्र्य रेमवां वज्ञा वाजुत উপর সাহেবের দৃষ্টিপাত হওয়াতে তিনি সমান পূর্বাক गक्षभात भगछ मत्त्रप्रति भारह्य क है द्रां कि एक तुवा हिया पिटलन ও नलिटलन य नाजिक भाग थिन नाजान इहेग्राष्ट् जाहारक जानि कथनहे पिथिनाहे उपस्कानीन इक्ति (भग्नामात्रा जानात वाणि एझान करत एथन एरिता खे (लांकरक পांग्र नार्ड, रहहे मगदा आभात निक्रें (वर्ग) नाव '3 वामलाल जिल्लान यमाशि इङ्क्रिशव भाषा अनुश्र क्रिया क्राय ज्व ज्वाम याश क्रक्रात क्रिडि जारा क्यान रहेत। तत्ना विवित जम हिराताय ए मर् विविष्टनात कथा वार्जीय मारहर्वत ज्ञानुमकान करि क्टा इहेन-रेकि । महाखानाद्वत महि जानक সারা করিতেছে কিন্তু সেরাস্তাদার ভজকট দেখিয়া ाविट्डब्ह् भारक् होका छेश्रविशा मिट्ड इश, व्यडबर ार्ट्य निकटि ७ स छ। श कांत्र सा विना — छ खुन न क्रमा चायोत खत्मका करूत विश् गार्ट्य महोखा-तितंत कथाय পেছिया পড়िया मैं। जिया शास्त्र नथ यि जिल्ला ७ जिल्लिक धरे जनमात वर्गा नातु ाशन नकस्मात आमल कथा आत्छर এकिए कित्रा अन्वात व्याह्या मिलान, मार्ट्य छाटा खनिया मार्वरे हंगी वायुत ७ तामला लित माका लहेलन ७ जाहा-अब क्षवानवन्ति वंशिंश जल्लाकरण विथा अकांग र्या फिनमिन इड़ेल। छ्कूम ना इहेट उर ठेक ठाठा त्व क्रिया अक प्रोफ़ गातिल। वत्रका वांचू गाजिएके छे या ः तिनामकतियां जामानाउत वाहित्व जामित्यम्।

विश्वाति वत्थां अ इहेल शाव हो शांक हाँ हा कि शांक विश्वा अ विश्व का शिल, हिल मानव कथा। का न न निया अ नेक क्या कि रहत प्रकृष भून कि हमा हहेशा (विशे गांतून अ वामला लित का ह प्रकृष चारक स्थान है। कि सम

১৬ ঠকচাটার বাটাতে ঠকটাটীর নিকট পরিচয় দান ও ভাষাদিগের কথোপকখন, ভ্যাগের বাবুরাম বাবুর ভাষ ও ভাষার মহিত বিষয় রক্ষার পরাম্য।

ঠকচাচার বাড়াট সহরের প্রাক্তাবে জিল—হুই शास्त्रं शाना श्रक्तिने, मगाय धनकि शिर्यत धाराना। वांगित ভिতरत थान्ति रामना, छेठान्न श्रीम मूर्न निवातान छित्रिश (विष्विच) श्रीच । श्रीच । स्ट्रिंट न्या शिकात वांगारसम दलाक के खारन शिलर कतिसं छ। किन्न महेवात छाना ठेक छोठी वह ताली इहे दहन कथन नत्न-कथन गर्म-कथन इतिष्ठन-कथन मूथ जिति कदिएका -कथन धर्म (पथाई८उन-रूथन यन जानाई८७न। क अंको क लिय इहे एक शामक ए थाना थ है है। विवित्त निक्रि বসিয়া বিদরির শুড্গুড়িতে ভড়র করিয়া ভাষাক টানি-ट्रिन। रमरे नगर्य ट्रांक्राप्त खी शुक्रव्यत नकन छुःथ ख्राथत कथा इइंड। ठेक ठाँठी পांड़ात म्बर्स रङ् गाना ছिलान। — जाशामिरशत मरकात ছिन य जिनि মন্ত্রন গুণকরণ বশীকরণ নারণ উচ্চাটন তুক তাক কাছ जिल्हा अनान। अकात देवन विना जाल कारननः अहे कातन गांगा तकम द्वीरलाक जामिया मर्समारे क्य काम करिंछ। ध्यमन दम्या उज्यमि दमयी—ठेक ठाठा ७ ठेक ठाठी प्रकल्म त्राक्टक रिक— यामी वृक्तित कारत द्वाकशांत करत —शे विमात वला छेशार्कन करता य खोलांक खत्रश्

लिशक्ति। करत जांश्य धकत्र खगत हम, जाहाम निकृष्ट न्नाभित्र गिर्जन। गान भू एग्रा जार, बहे जत्मा ठेक हाहारक मधार ष्ट्रे धक वात ग्यामणे। थाहे ए इंड । ठेक ठांठी बाफार डेशत विभिन्न किल्लामा कतिर टक्न- फुमि इत রোজ এখানে ওখানে ফিরে বেড়াও—ভাতে মোর আর लिएको व लाव कि क्यम ! जुनि एवं घड़ी वन म इंटिं वछ्ड काम, धडमा वाट्ड कि गाए। इ (भए हैं । यात्र ! भारत (पल वर्ष छोग्न (य छवि छव छिएन प्रभावन छोन्न) রেভির বিচে ফিরি, ভাকেন রোপেয়া কড়ি কিছুই দেখি মা, कुरिंग (निश्रोगांत गठ (कह—कुलकाल क्वांत क्वा बरगहे दर! ठेल ठाँठी कि थिए वित्क इनेगा विशासन च्यांग (य क्लांटमम क्रिंत छ। कि वस्त, (मात्र क्रिंग) क्रिंक्त -- (कडन) किन्म-(कडन) (शठ--(कडन) (भाग छ। क्रावर्गनिटड बला याश नां, सिकांत प्रत्य धलार इश जानित (किवास याग्र। आधारत मिकात हर्गा धगरण धरे क्या वार्ती इरेटल्ट हेलिन था धककना वानि काशिशा विनन वानुसाम वांतुत वाणि कहेरन अक जन त्माक जा किए जाभियादा । ठेक ठांठा अग्रनि खोत शादन ८०७ अशिल--- ८५५७ भारक याय इत घड़ी छाटक---भात नाड ना इटल कान काम करत न।--गृहे अ अस्त्रात का ज गात्रानः।

বারুরাম বারু বৈঠকখানায় বনিয়া আছেন। নিকটে বাহির সিমলের বাঞ্জারাম বারু বালীর বেণী বারু ও বৌবাজারের বেচারাম বারু বনিয়া গল্প করিতেছেন। ঠক চাচা গিয়া পালের গোদা হইয়া বসিলেন।

নাবুরাম। ঠক চাচা তুমি এলে ভাল হল—লেটাতে! কোন রকমে মিট্চে না—মকদামা করেই কেবল পালবে, জোলাফে জড়িয়ে পড়ছি—একণে বিষয় আশায় রক্ষ্ট করবার উপায় কি?

ঠক চাচা! মরদের কামই দরবার করা—মকন্দামা জিত হলে আফদ দফা হবে! তুমি একটতে ডর কর কেন? বেচারাম। আ মরি' কি মন্ত্রাই দিতেছে? ভোষা হতেই বাবুরামের সফলাশ হবে তার্নী কিছু মাত্র সন্দেহ নাই—কেমন বেণী ভাগা কি বল?

तिनी दातु। आनाम मह थानक हैथाना विषय विकय करिया (मना शित्रक्षाध करा अ वाय अधिक नो इस अमन वन्तवन्छ करा आवशाक आवि मकलामा बूद्या शिक्षात कर्ता कर्द्या किन्छ आमानिश्यत (क्षेत्रल वीश्वर्या) द्वानन करा— ठेक होहा या बल्दन (महे कथा।

বেচারান। ঠক চাচা? তুনি বরাবর ধারত্ব প্রকাশ করিয়াছ। নে)কা জুবির সময়ে তোমার কৃদরৎ দেখা গিয়াছে। বিবাহের সময় তোমার জনেটে আমাদিপের এত কলাভোগ, বরদা বাবুর উপর নিপা লালিশ করিয়াও বড় বাহাছেরি করিয়াছ আর বাবুরালের বেং কর্মেছাত দিয়াছ সেইং কর্মা বিলক্ষ্যই প্রজাভ মার বাবুরালের বংক ক্রমাছে। তোমার খুরে দণ্ডবং। তোমার হংক্রাভ সকল কথা স্বরণ করিয়া বাব উপাত্তত হয়—তোমারে আর বলিব? দূরহা! বেণীভারা উঠ এখানে আর বলিতে ইছ্যা করেনা।

১৭ নাপিত ও নাথেনীর কণোপকখন, বারুরাম বারুর বিভীয় নিবাহ করণের বিচার ও পরে গমন।

लक इहेर उछ। त्वर छला बारम शार्म गाँउ कि विद्या छाकि एए छ। मान्। नि भगतिया याँ भ थ लिया छ। नाक थाकेट्टर्ছ — वामनात्रे करना भारकत भगनाभगन आध वस्र — — क्वल गार्डाश होस्कांत कतिया गाइट्डर याहेट्ड ও দাসো काँदम छात लहेग:— ''श्रूरशा विमया मिरिव मथ्ता" भारम मन्द्र इन्हा हिल्हार्छ। देवमावाणित वाकादित श्राष्ट्रिय क्राक धत माशिष्ठ याम क्रिड। ए इं-फिरण्त गर्धा धक जन वृध्वित जाना जानन माध्यार ज विमिग्ना आंद्या अकर वांत्र आकारणत जिल्ला जिल्ला छ একং বার শুন্থ করিতেছে, ভাহার স্ত্রী কোলের ছেলেটি कानिया विलल-- घतकभात कर्य किछ् था भारेक-- करण! एहालि है। कि बार वांत्र कारक कर न अमिर्ग वांत्र माला इस्न ও দিলে घर निकन इसनि, ভার পর রাদা বাড়। আছে— आंगि এक हा । भारत्य ये अव कर्त करत करत आंत कान मिला याव?—आभात कि छाउँ श्वछाउँ भा? नाभिड षामनि थत छ। हेफ़ वशनभागा क्रिया छिया चिनन-ज्थन इंटल क्लिक कड़नांत मगग्र नग्न-काल दांतूत्रांम वावुत विरा, आभारक এककृषि यटि इत। माश्रविनी हमित्रा डिविया रिलिल-७मा व्यामि क्लिकांव? नुष् टाका वार्यात व कत्ता वारा! धमन शिक्ष- धमन সভীলক্ষী—তার গলায় আবার একটা সভিন গেডে দেবে— गत्न कात्र कि! उना शूर्य कांड भव कन्ट भारत! नाशिज जामानागुरज मुक्ष इहेग्राट्ड-- उमन कथा ना छनिग्रा ' এक छ। छि। का भाषाय मिया मार का तया हिलाया भाषा

সে দিবসটি ঘোর বাদলে গেল। পর দিবস প্রভাতে সূর্যা প্রকাশ ইইল—যেমন অল্পকার ঘরে অগ্নি ঢাকা থাকিয়া হঠাৎ প্রকাশ ইইলে অগুনের তেজ অধিক বোধ হয় তেমনি দিনকরের কিরণ প্রথম ছইতে লাগিল—গাছ পালা সকলই যেন পুনজীবন পাইল ও মাঠে বাগানে পশু পক্ষীর ধ্রনিতে প্রতিধুনি হইতে লাগিল। বৈদ্যবাদীর খাটে মেলা নৌকা ছিল। বারুরাম বারু, ঠকচাচা, বর্ফেশ্বর, বাঞ্চারামও পাক্ষিক লোকজন লইয়া নেকিয়া উচিয়া-ছেন এমত সময়ে বেণী বাঁৰু ও নেঁচারাম থাবু আগিয়া উপতিস্থ। ঠকচাচা তাহালিগকে দথেও দেখন না— কেবল চীৎকার করিতেছেন—লা সোল দেও। মাজিরা তকরার করিতেছে—আরে খণ্ডা অখন বাটা মরিনি গো— মোরা কি লগি টেলে গুন টেনে যাতি পার্বো? বাবুরাম বাবু উক্ত ছুই জন আহািয়কে পাইয়া বলিলেন—ভোমরা এলে হল ভাল এম সকলেই যাওয়া যাউক।

वाञ्चासमा दोव्याम! এ वृद्ध वद्याम त कत्र्र छ।

বাবরাম। বেচারাম দাদা আনি এনন বুড় কি? তোমার চেয়ে আমি অনেক ছোট, তবে যদি বল আনার চুল পেকেছে ও দাঁত পাড়েছ—তা অনেকের অল্ল বয়েলেও হইয়া থাকে। দেটা বড় থর্তবা নয়। আনাকে এদিগ ওদিগ সব দিগেই দেখিতে হয়। দেখ একটা ভেলে বঞ্জে গিয়াছে আর একটা ছেলে পাগল হয়েছে—একটি মেয়ে গত আর একটি প্রায় বিধনা। যদি এ পক্ষে হুই একটি সম্ভান হয় তো বংশটি রক্ষে হবে। আব বড় অস্পরোধে পড়িয়াছি—আমি বে না কর্লে কনের বাপের ভাত যায়—তাহাদিগের আর ঘর নাই।

বজেশ্ব। তালটেতোকর্ডাকি সকল না বিবেচনা করে একর্ণো প্রবর্ত ইইয়াছেন। উহার চেয়ে যুদ্ধি কে ধরে?

বাঞ্রারাম। আমরা কুলীন মান্ত্য—আমাদিগের প্রাণ দিয়ে কুল রক্ষা করিতে হয় আর যে স্থল অর্থের অন্তরোধ সেস্থলে তো কোন কথাই নাই।

বেচারাম। তোমার কলের মুখেও ছাই—মার তোমার অর্থের মুথেও ছাই—জন কতক লোক মিলে একটা ঘরকে উচ্ছন্ন দিলে। দুর্হ! কেমন বেণী ভায়া কি বল?

(वनी वात्। जानि कि वल्न? आनामितात किवल अत्रान दिन करा। यहन अविषयणि उ वर्ष प्रश्थ क्रेटिल है।

এক স্ত্রী সত্ত্বে অন্য স্ত্রীকে নিবাহ করা ঘোর পাপ। তে নাজি আপন ধর্ম বজায় রাখিতে চাহে দে এ কর্মা কখনই করিতে পারে না। ফনাপি ইহার উল্টা কোন শাস্ত্র থাকে সে শাস্ত্র মতে চলা কখনই কর্ত্রা নহে। সে শাস্ত্র হে হথার্থ শাস্ত্র নহে তাহাতে কোন সন্দেহ নাই, হলাপি এমন শাস্ত্র মতে চলা যায় তবে বিবাহের বক্তন আত্রণয় তুর্বল হইয়া পড়ে। স্ত্রীর মন পুরুষের প্রতি তাদৃশ থাকেনা ও পুরুষের মন স্ত্রীর প্রতিও চল বিচল হয়। এরপ ইৎপাত ঘটিলে সংসার স্থারা মতে চলিতে পারে না এজন্য শাস্ত্রে বিরি থাকিলেও নে বিধি অগ্রাহ্য। দে যাহা হউক। বাবুরাম বাবুর এমন গ্রী সত্ত্বে পুনরার বিবাহ করা বড় কুন্দ্রা— আমি একথার বাম্পও জানি না—এখন শুনিলাম।

ঠকচাচা। কেতাবি বারু সব বাতেতেই ঠোকর মারেন। মালুম হয় এনার তুসরা কোই কাম কাজ নাই। মোর ওমর বহুত হল—নুর বি পেকে গেল—মুই ছোকরাদের শাত হর ঘট্ তকরার কি কর্ন? কেতাবি বারু কি জানেন প্রাদিতে কেতনা রোপেয়া ঘর চুক্বে?

विश्वादाय। আরে আবাগের বেটা তৃত! কেবল টাকাই চিনেছিস আর কি অন্য কোন কথা নাই। তুই বড় পাপিপ্ত —তোকে আর কি বলবো—দূর্ব! বেণী ভায়া চল আমরায়ই।

ঠকচাচা। বাভচিজ পিচু হবে—মোরা আর সরুর করতে পারিনে। হাবলি যেতে হয় তো তোমরা জলদি যাও।

বেচারাম বেণীবাবুর হাত ধরিয়া উটিয়া বলিলেন এমন বিবাহে আমরা প্রাণ থাকিতেও যাব না কিন্তু যদি ধর্ম থাকে তবে তুই যেন আন্ত কিরে আসিম্নো তোব মন্ত্রণায় সর্বানাশ হবে—বাবুরামের কন্ধে ভাল ভোগ করছিম— আর ভোকে কি বল্ব i—দুরহ!!! ১৮ मिलिति नगवन एक, नृष् मिष्मातितं मिर्गिकार ए गामात श्रीप्रश्री वावुताम वावुत विशेष निराद्धित विवतन उ छिष्यस कविछा।

सुर्गा छाउ इवेट एडि — श्रीम्पम मिट्रा खाकाम नाना तरक (माजिए। खाल युर्म मिनाकरहात एखन व्यापः) (यन भृष्ठ् स्मिट्डिए, - याशु भन्तर व्विट्डा । धम् अभारस वाहित्व याचेत्व काकात् ना केष्ट्र। क्षत्र रेतमावाधीत भदत त्राष्ट्रिय कर्यक कन वान् एक्ट्य क्रिय भारत्र भारत ए लिश्रां १५ — किश् को भारत सार्फित फेशत शिक्ट उर्फ -- किश् कार्ति छ।त जिल्ला किट्डिक— (कर् कार्तिक (अलिश) क्लिया मिट्टर्ड—किर्त्त योकि। क्लिया मिट्टर्ड्— किन् कशित थामा सना किंछिय, छाटे छिट ए- किन्दा नया स्रात गान शांकिशा भिगाछि—(कर्ना क्नून एक एकि ८७८छ। রাস্থার নোধারি লোক পালাহ লাহিহ করিতেছে --- भकरल ने खरा कफ़ाफ़ ७ (कॅरहा---गरन करिटहा धाक वै। हिल प्रानक दिन वै। हिता। यमन ताफ़ हार्ति पिशा তোল্পাড় করিয়া ছ্২ শব্দে বেগে যয় নব বাবুদিগের मज़ल महे गड छलिशा छ। छ श्रेनश्रुक्यश (क? जात्र कः वैता भरे मकल शुनास्माक-- वैता मिनलाल इलधत शनाधत तांगरशाविन (मालरशांविन मानरशांतिन ও অन्याना विजीय नलताजा ७ युधिछित। क्लान्तिः १ है पृक्षां गारे—এकियात कुलात्विक-भठावां गाथा जाति—खगरत राम गिष्या शर्डम। मकरम जाभग गरमञ् ए जिल्ला एक - धमन ममदा शादम् तुष् मजुमात, माथाय शिक्षां कदेर करिया ऐफिटडर्ड, এक श्रांट भारि ए जात धक होटि (शाउँ प्रिटे (वसन लहेश) उक्तर क्तिश मण्डा थ छेशिष्डिङ इरेल, अग्नि नकत्ल डांश्रांक चित्रिया प्रकृतिया द्रः জ्ए िल। यज्यमात विष्ट् कारन थाएँ—जाश्ता

জিজাদা করিল—কারে কও তোগার স্ত্রী কেমন আছেন?
মাজুমদার উত্তর করিলেন—পুড়িয়া থেতে হবে—অমনি
তাহারাহাছাই ত্যে কিকই লিকই কিকই হাসির পর্নায়
ছেয়ে ফেলিল। মাজুমদার মোহাড়া কাটাইয়া চল্পট
করিতে চান কিন্তু ভাহাদের ছাড়ান নাই। নববাবুরা
তাহাকে ধরিয়া লইয়া গঙ্গার ঘটের নিকট বসাইল।
এক ছিলিন গুড়ুক খাওয়াইয়া বলিল—মজুমদার কর্তার
বের নাকালটা বিস্তারিত করিয়া বল দেখি—ভূমি কবি—
ভোমার মুখের কথা বড় নিক লাগে, না বললে ছেড়ে দিব না
এবং ভোমার স্ত্রাইয়াছে। মজুমদার দেখিল বিষন প্রনাম
অপঘাত মৃত্যু হইয়াছে। মজুমদার দেখিল বিষন প্রনাদ,
না বলিলে ছাড়ান নাই লাচারে লাচি ও বেগুন রাথয়া
কথা আরম্ভ করিল।

े प्रश्यंत कथा जात कि वल्त ! कर्लन्त महा शिया । जाल व्यात्कन शाहेशाहि। मचा। रूपर अवज मनत्य वलां गर्ज्त घाटि भिका लाभाला। कडक खालन खीलाक कल जानिए जानिशाष्ट्रिन कर्छाएक प्रिशा । जाराता धकरे धामिछ। छोनिया भिया जियर शाना करिएटर श्रान्भात वेलाविन कत्रं वाश्वा—या गति! कि एम्द्रात वतः यात कशास्त्र देनि शफ्रवन स्म अक्वाद्य अंक गिर्शाक्त कर्य ध्यां शाद् ताथ् (व। जाशां मिर्णित गर्थाः এक जन विलल प्रिथर्ड शास्त्र हो। भारत जान जान जामान रागन (পांडा कं भांज धगन दगन जांत कार्ता इश्र न!, इश्र वर्गरत्त भभग्न (व रुग्न किन्ध यामी किमन हत्क प्रथम न!--श्रानां ह जांत्र शकाम याउँ विरय, रायम जामी राष्ट्रावत जेशत— थुत्रथुर्त तुष् किन्छ छोका दशका रा कत्र खाजन ना। बफ् अधर्मा ना श्टल आंत्र भारत मास्ट्रस्त कूलीलित शत्त क्या र्य ना। यात धक जन विन्न उत्ना जन जिल ছয়ে থাকেতো ঢলে ঢল—খাটে এদে আর বাকচাত্রীতে काक नाई—त्यांत जुत्र यागी विक जारह जामांत

, महम ति इय जात ज्यान जानुक्ती इफिला। नुजीन ः हर्य २ (भरतेत कथा (भरते ताथा है लाखा । (गर्य श्रुकात लिलिक्यन मुरन जागांव किছ पुर्व ऐश्वित इडेन ए विम कालीन द्विनी वावत कथा यात्र -श्रेटि लाजिल। एव यन्ति शिष्ट छित्रिं। भ्रष्ट्यादिव जात्मक एक्ति। कता शिक्ष गम् अक्षान काश्राव भाषा । पान मा नव जिले ह्य कारा भक्तरक एलिया यामेटल इकेल। दानिएक इटिकैंड द्रिकां कतियां कनाकिन्धित व्यक्ति छेश छ अध्यक्ति। ंदक शिष्या जागामिरभव कर्जात (य तिश रहेशोड़िल छोर्। क चलाव । এक छ। ७ ८५ शक्त छ लात सभा भेटक है मा का ए 'इंटिन्व इक्टेंडन आत ठेवन्छ। उ वट्डिश्वर्त ननी जुक्तीत नाम (पथारेख। खनियां हिलांग (य मान मानशी अरमक मिर्व मालारम উঠিয়া দেখিলাম সে গুড়ে বালি अधियादि। जामा जर् इत्याद ठेक्ठाठी अपिक अपिक हिन-अम्दत्र द्यपान-आणि मुह्कर द्यि उधकर वांत ार्गित अथला माः हे इहँ एउम्रा जान। नत श्रीयां हात हत्र जिल, फिछि ये जिल्ला किया ग्रेश किया होति मिटन कानिया दत (पश्चिम्ना काक्ति निक्न निक्न कालि किन छ। असा छ। वि कस उथन कर्छा क हम्मा नारक मिर्ड इड्या छिल --- (गर्म खना चिनर कतिया दानिया ठे। छ। छ ए फिल-- कर्ड थ्याप छाउँ ठेकणांणार विनया छारकन-ठेकणांणा याजी? িভতর দৌড়ে যাইতে উদাত হন—অগনি কন্যাকর্তার लारकता जार्यक जाम्हा करत जान्गार तकरम रमथारम छेडम गधाम र्ग-वर्जन्यत ७ जर्क र एक मान्य भना कल পায়রা হন। এই সকল গোলবোগ দেখিয়া আহি वद्याजिमिशक छाड़िया कन्यायाजिभा भारत मिनिय शिल्य, जात भरत क काथांग्र शिल जाहा किছ् विवास न ति ना किन्छ ठेक ठा ठा कि ज जिल्ला कि तिया का निर्देश हिन

- -- कथारे आर्फ ल्लाएं পांश-शारिश गृहा। धकरन य कविं कविशाहि जोरो एन।
- उक्तां । अश्रामाश, अम्। कति शङ्गाश, वावतात्य (मन्
- वावताम अथा अভि, इहेग्राट जीमतथी, ठेकवाका आहि
- थनां भट्य अमा वाल, पर्याधियां नाहि छन्द, अर्थ किटम थाकिल
- मनो धरे अहमालन, भटकार्य नाहि मन, मन एश्ल करिएनन निर्धा
- मत्व चटन ছिছि, এवरायम निष्, निष्, नामा (कर्षे किन व्यक्ति
- कांकारा व गतिवात, भोटा श्रेटन सार्वात, अर्जन जातात
- कान कथा नाहि भारन, छित करत मरन मरन, छोति में छ मात्रिव विषय छ।
- विशे विविधान। जोज जिनिधान।
- वहातांच मना हता, ठेटक वटल टिंहों वहां, मूत मूत करत जिनियान।।
- ा अ अपन वलार शाएं, तामा महत পেতে গড়, ইঞ্চিতে ভঞ্চিতে করে ঠাউ।।
- ात्ताम इंडेकरे, (मर्थ वर्ष स्मक्रें) छन्न भारत्
- र्मन मन्त्राह्य कारम, भूथ मिर्थ जय जय जय जय जय कामा मार्व किन मित्र भाषा
- । छन्नि चन यादम, इन्ड मिया ठेक कादम, इन्छ मदन

পিছলেতে লওভও, গড়ায় गেন কুথাও, উৎসাহে ভাহ্নাদে गग ভরা।

शतिकन त्लांक कन, त्मरथ भगन छन्ने. काम उपन

द्यमन वत त्रों जिल, श्रांडक दिने भेला, मिन, उत्त कामा जामा

कार्थाय का क्ला भाषा, भाषा गाडा एम भाषा, कार्याय वा युक्टां हात ॥

ठेक करत ट्लिल भिति, मामाज नामाल जाति, गरम तांश भाग भारत भारत ।

खी कां। दित रह याग, त्र मृन् होर्ग धाय. नस प्राय श्राक

ছিছিছি, এই ঢোফা কি ঐ কেটেটির বর লো। পেটা লেও, ফোগ্রারাম, টিক আফ্লানে বুছ গো। চুল গুলি কিবা কাল, মুথখানি ভোগড়া ভাল, নাকেছে চসনা দিয়া, সাজলো ভুজুবুড় গো। মেয়েটি সোণার লভা, হায় কিহল বিধাতা, ক্লানের

कर्षा काटल, धिक धिक भिक दला।

বুড়বর জ্বজ্ব, থবগ্ব কাঁপিছে।
চক্ষুকট মটনট সটনট ক্রিছে।
নাহিকথা উদ্ধান্থা পেয়ে ব্রথা ডাকিছে।
ঠকচাচা একিটাচা মোবেবাচা বলিছে।
লক্ষ্যান ভানহান নানসান ধরিছে।
ভূমেপড়ি গড়াগড়ি গোঁপেদাড়ি ঢাকিছে।
নাথিকীল যেনশিল পিলপিল পড়িছে।
নাথকীল যেনশিল পিলপিল পড়িছে।
নামকার এব্যাপরে বাঁচাভার হইছে।
মজুমদার দেখেদার আত্মার ক্রিছে।
মার্মার ঘের্ঘার ধর্ধর বাড়িছে।

३৯ বেণীবাবুর পালয়ে বেচারাম বাবর গমন বাবুরাম বাবুর পীড়াও গদাঘালা, বরদাবাবুর সহিতক্থে প্রথমানন্তর ভাহার মৃত্যু

.थाउक्काटल (निष्या आक्रिया (निर्मे वित् आक्र योशाद्यत् आहिहालाम् वर्गमा आह्मन, अमिन अमिन (मिथटिक) न्याम् अभिक्ष अपि धनियां हिं।—" अवात साकि एनाव कल" -- পশ্চিম দিশে ভর্লভার মেরাপ ছিল ভাহার মধ্যে থেকে धकड़े। मभ इहेट अधिन—(त्रीजाशंर—बाकि जित्रे ञ्ल रहिं। (वर्गी वातु छन्कियां एकियां प्राथन स्य (दोवोक्षांद्रत (वहात्राम वांतू वक ज्ञ व्यक्तिक्किन, स्थवही इड्या डाइएक किखामा करिएन द्वित्यमाना । । शिर्धि कि दे दिहात्राम दोवं विनिद्यान हामत्थाना ाटन (म.उ. भोख काहम-नायुर्वारमत नष् नाप्ताम--धकदात (जथा आवमाक। (वर्गी वांतू ७ (वर्गातांम मोख विमाविधिक कामिया (मध्यम स्म वाव्यास्मत जाति ात विकात—मार शिशामा आंडाखिक—विष्ठानां इ इचिष्ठे र्नित्रहरून—ममारथ मना काछ। उ श्लांबारभन त्नकछ। क्छ ऐकि जिलात मूछ्यू छ इहेर उट्छ। आरमत यान जैय नाक होति मिर्श एउटिक शिष्यार्छ, श्रीष्ट्रांत कथा लहेग्रा जकत्व भाष कर्तिट्टिष्ट्। क्ट् बदल आभारमत भाक गोह थिको ाणी जीक क्षामां विषयां विषय विभवी व इरेड ार्य, धार्मामिरगंत शरक रेवरमाव किकिस्माई छान, का यहित। दक्ष्र यहन श्किमि गठ यफ छान, छाश्ता ब्राशिक था अग्रहेशा माहेशा धाराम कत्त ७ जाहारमत छेषथ कि मक्न भार्मिटार्कार में थिए नामि। किर् लिया वल या कर् अनव वार्ताय जाकरत यम मख्यत

क्टरिं खारांग करत— डार्क्स विकिथ्मा ना इरल विस्मत भ उम्रा श्रुकिंग। त्रांभी धकर यात कनाम (७२ वनि एक छ. विकागां तांग कित्राक निक्छ निम्मा क्रिक्टिका, क्षांक्र मिथ्र जे.-- मङ्ग्ङ कल (म्या जान नट्ड, विल्-পরের রুম ছেডিয়া একটিন দিতে হইবেক আমরা ভে ेश्रीत भक् गय (ग क्रागाय यन क्रम ए। त्वन ७७ मिय। ्ताशित निकरि धरे कुल शानारंशि रहेर ७६, लाखंत धत शारमत सामा गणिएक कतियां नियाएक कार्यामरगत गठ इहेट ए । । स्व ययाग्रम म्या अर्थ कार्नाधारि लक कतः (पडा इंडा पि देपत किहा कहा मंत्राध्य कंड्रेगा। (न्भी तात मां हिया अकल क्रिट उट्डन क्रिक्ट (क कार्रिक वदन उ कि कार्ति कथारे नः एक-नामा यूनित गाना गड, मकरलहरे जाधनात कथा ध्रकान, दिनि हुने এक यात जाशन वक्त्रा अकाश कडिए एएं किएलन-किंड ाभना छित्र इंडेटच ना इंडेटच धानवादित डीकात कथा दक्षा (काम) (काम तकरम था मा भाष्या (वहाताम वावुद्धः लहेशा नाहित नाहित आहेदलग हे हिम्द्र्या ठेक्डाहा शीषां जना ठेकि । यक के विश- गर्यामारे गरन के बिरक्र भव में। अ यूचि कम्दक दशन। जाश्रदक दम्यिया दवनी वाव जिन्हामा कविद्यान, ठेक ठिए । शाद्य कि वाणा इन्साइहरे जमिन (वठाताम निलग्ना डितिल्लन-जोग्ना जूनि कि निलाशद एत वर्गाला व स्था नाई- वे विषना उँश्व कुमञ्चनांत्र भाखि, आगि (लोकाग्र गारा वांनग्नाছिलान जारा कि जुलिया जिला? এই कथा श्रामिया ठेकिठाठा পেচकाটाইबाद (ए.उ) ' तिल। (पनी वाव ভাशत হাত ধরিয়া বলিলেন— । याश इंडेक, একণে কর্তার ব্যারামের জন্য কি ভিনির ्रेडिह्? वाणित छिटत তो छोति গোল। ठेकछाछ। यिन ताथात युक्ट्रब धार्कामिक हाकिमक युक्

शांटिकरत धीन—:जगानि वङ्ड छानाव अमाउग्रोहे मिस्स (नाथात्रक प्रकाकदत्र (थहाँ ए (थलान, क्लाकन के द्वारक-তেই বোখার আবার পেল্টে এসে, সেনাগাদ ব্রজনাথ-्रकवितांक प्रथाक, त्रगात त्राक ष्यग्रामा गाम्य इएक् —गृहेिय छाम नुता कुछ छिउदा छेठ:छ भातिन।। (वनी वाव विशासन-रेक्डिं त्राश करता ना— ध मशामि जामा-मिर्गित कोट्ड भाष्ट्रांग कर्त्रग डिल-जाल, यादा इदेग्राट्ड তাহার চার। নাই একণে এক জন বিচশণ ইংরাজ ডাজের नीख आंग आवगाम। এইরূপ कथानांडी इहेट्ड(इ हे जिया था तामलाल ए तत्र मिशा जिश-श्चि इहे लगा हाजि जागत्व (भवकित्वित् शति जाभ ए वाक्षजात कना तामलालित ग्य गान इहेग्राष्ट्र-शिडाक कि अकारत ভान ताथियन ए याताम किरियन धरे जाँचात अध्तक् हिछ। (वर्गी वात्रक मिथिया विकास महागग्न! धांत विभाग शिष्ताहि, वाणि उ वड़ शांन किन मरश्रामणं कादात निक्छे पाउन्नी यात्र न। वत्रमा दांव खाट उ देवकाटण चामिया एक सरयग किन्छ जिलिए याहाँ बदलन (म अनुमादत जामादक मकरल छलिए (मन ना — आश्रां आशियाहिन जान इड्याह् अक्ष प्यार्थ कर्त्या ভাষা করুন। বেচারাম বাবু বরদা বাবুর প্রতি কিপিংকাল নিরীকণ করিয়া অঞ্জাত করিতেং ভাষার হাত ধরিয়া বলিলেন—বরদা বাবু! ভোমার এত গুণ ना हरल मकरल (ভाষাকে किन श्रुका) कहिरव रे अहे ठेक ठांडा विविद्यांभटक गञ्जना निग्ना ভোমার नाम्य भाग्यनि नानिभा क्रांग्रं ७ वाव्याम घडिं अकारत त्यामात छे भन्न ने वा अकात कनम ७ विषय इहेग्राह किस ठेकिनो भीड़ि इ हरेला डॉहाटक जुमि खानित खेयथ किंदा ७ मिथ्रा खिन्द्रा व्यात्रीम कतियाह, धक्राप्त विविद्याम शीक्षित इ उपार्क मुद्रै भवाममं मिटल ७ एक लहेट कम्ब कविटल मा-

क्ष्यम काशांक अकछ। कछेताका करश् ख्रा खाशांमरभव नरभा একেশারে চটাটটি হয়ে শক্তা জ্ঞা, হাজার ঘাট नानानानि इड्रेल अगनजात याग्र ना किन्दु जुभि धात अभगानिङ उ गभक्ष इहेटल आभन अभगन उ अभकात महरक जुला या ७--- बालात कि जिल्ला मात का ज जाव वाजिद्दरक जांद्र जना कान जान उमग्र रग न:—व्दर्मा वाव ! जात्नक धर्मार् नाम वर्षे किया रागन कामात धर्मा ' এমন ' धर्मा আর কাহায়ে। (দ্যিতে পাই ন'-- মন্যা পামর ভোমার গুণের বিচার কি করবে কিছু गদি দিনরাত সভা इग्र उत्य अध्यत विष्ठात छेशात इहेरत। त्निष्ठात्रीय वाच् त कथा खनिया वत्रा वांच क्लिंड हिया यो ए इंड क्रिया ्याकिटलन भरत निगम भूतंक निल्लन—गणामम जामादक এত বলিবেন ন!—- जानि अञ्चल नाङ्गि—आगात ज्ञान वा कि जात जागत धर्म है वा कि? (वर्गो वात् विलिधन महाभरग्रता कांख इडेन, अमकन कथा शर्त इडेरनक अक्र व कर्डात भी फ़ात का कि विधि डोश वस्ता वतना वातू किहिलान व्यापना निर्धात मक इंडेस्स व्यानि कलिका छोत्र यश्या देवकाल नःगाम जाउन आगिएज भागित आगात विदय-हनांत्र खिलांथं तार्यत जत्राय थ का आत कर्या नरहा (প্রমনারায়ণ মজনদার নিকটে দাঁড়। ইয়া ছিলেন—ছিনি विकारमन छ। करत्वा नाष्ट्रीत विषय जाम वृत्या ना—जाहाता मानस्क ध्रत मारत, जात कवित्राक्रक এक्विपत विमाग्र कृता छेठिंछ नहर बहर धकरी। द्वांश एएकत प्रथक—धकरी। রোগ কবিরাজ দেখক। বেণী বাব বলিলেন সেবিবে-हम् भारत इकेटन धकारण यत्रमा नाय, जा जतक जानिएंड गाउँन। वत्रमा वाव सान आशात्रात्र मा कित्रिया किलिको जास गमन क्रिटलन, मक्द्रंभ विलिल (दलाउँ। ভানেक इक्स्पट् महाणग्न এक मुद्री (थएम गाँचन—जिन छेखत कतितान)—जा हें हैं न विलय सहरव, मैकन कर्या उध्म हहें उभारत। े वाव्याम वाव् विष्ठानाम পড়िया मिट किथा मिट কৈথা বলিয়া অনবরত জিজালা করিছেইন কিছু
মতিলালের ঢুলের টিকি দেখা ভাষা তিনি আপন দল বল
লইয়া বাগানে বনং ভাজনে মত আছেন, বাপের পীড়ার
সমাদ শুনেও শুনেন না। বেণী বাবু, এই বাবহার
দেখিয়া বাগানে ভাহার নিকট লোক পাঠাইলেন কিছু
মতিলাল নিছানিছি বলিয়া পাঠাইল যে আমার অভিশয়
নাখা ধবিয়াছে কিছুকাল পরে বাটাতে যাইব।

छुडेश्रद्धत प्रवेदात मगग्र वावतांम वावत भव विष्ण्य कालीन नाडी छिन्न जिन्न कहेग़ी शिला। किन्द्रांक कांड मिथिया यानम कर्नाटक सानास्त्र करा कर्ना-- केन धारीन व्याष्ट्रीन ও मহামানা, अवना याकाट कें कांन शतकान ভাগ হয় ভাষা করা উচিত। এই কথা শুনিবা মাতে পরিবার সকলে রোদন কবিতে লাগিল ও আতায় এবং श्राञ्चानिता नकटल ध्राधित क्रिया वाव्याम वाव्यक याणित मालारन कानिल। এयड मगरत दर्मा दाव उपक्रित मटक क्रिया छेश इंड इंडेटलन, डाइन्द्र नाडी रमध्या विवादणम তामता भाषावस्था आभारक छाक्रियकः —রোগিকে গঙ্গাতীরে পাঠাইবার অংগ্র ডাজরকে ভাকিলে ভাজর কি করিতে পারে? এই বলিয়া ভাজর शबन कतिलाम। टेरामाचा जिल्ल या र जीय जीय जाय वांतुरक चित्रिया একে> जिक्काम कतिरक नाशिम-महामध व्यामारक विकित्छ भारतम—व्यामि एक बन्न प्याभि? (वर्गी वाव विषटिन्न द्वाशिष्क धार्यनात्रा এउ क्रिय पिर्वन नर् — अक्रेश किखानाएड किक्न? च्याग्रीन डाकाबता च्याग्रन माभ करिया जानी रामि कुल करेया जानिया (मरक्त रा) काश्रीमध्यात देवन सिन्नाय किन्नाय कन स्टेन ना वाव्याय वाव्य साम वृद्धि मिथिया नकरण जीकारक देवगावाणित चाटणे कर्या राज, उथाय जातियां बजाजक मारम व सिक्ष य म (अवरम जे। स्वास किकिर रेड जेश) इंडेंग . टलाएकत जिल् कटमर किष्णिर कमित्रा दशन-जाक्नाण.

भिजात निकटि विनिया आहिन-वत्नाधनाम वात् वात्-ताम वार्त गणः थ शिया में ए डिटलम ७ कियर काल शहन वाट्यर् विलिल्स—महाग्य! এकर्प এकरात महास्त्र महिल भे भत्रां भत्र भत्रमंत्र थान कक्रम डाँ हात कृषा विना व्यागानिश्व गडि नाई! धई कथा श्रीन्या भारकह वाकुतागवांतु वतमाधानाम नांतूत थाछ छ है दिन लह्गा ठ हिंग अअला क करिंद का शिर्मिन। तामनान हरमन जल मुख्या मिरा छुटे धक कुनी छुद्ध मिटलान—कि किट युष्क रहेश वातुतान वातु गृष्यत बिलालन—छार् वत्रमाथामाम ! जानि धकान कानसम एम द्वामात वाका कशट कागात भात गत्र गाउँ—भागि लाकत कुमजनाम 'ভाরি কুকর্ম করিয়াছি সেই সকল ভামার একং বার भारत इय आहे आहि। त्यन आभागान क्लिया हिट्टे—आधि धांत गातकी--आंग कि कवाव मित? आत जुनि कि कांगारक क्या कदित्त । अहे विलग्ना तत्रहा হাত ধরিয়া বারুরাম বারু আপন एक गुमिङ कরিলেন। निकटि तभा राभारतता केशरहत नाम उक्तांशन कतिएक नाशिन उ वावूताम वावूत मजारन लाकाखत र्हेन।

२० मिलिशालित गुलि, वातुताम वातुत आक्ति भौते, वाङ्गाताम ও ठेकतातात अधाकता, आकि পণ্ডিতদের বাদাহ্যাদ ও গোলখোগ।

পিতার মৃত্যু হউলে মতিলাল বাটীতে গানিয়ান হইয়া বিলিল। সলি সকল এক লছমাও তাহার সল ছাড়া ময়। এখন চার পোবুক হইল—মনে করিতে লাগিল এত বিলেজ পর'ধ্যধান লেখার রক্ষে চলিবে। বাপের জনা মতিলাল জিল কিঞ্ছিৎ পোক উপস্থিত হইল—স্থিয়া রলিল কর

गत्रा जान (यम—वाश गा तहेश हित्रकान क घत करिया थारक अथन छ। ज्ञा नार्डाश्वर इनेटन। मूर्छत भाक नाम गाउ—्य वान्क शत्रम शर्मार्थ शिका गांकारक कथन खुश (मग्न मार्च, --मामा क्रिकार्त गञ्जाश मिन, ভाহात मरन शिक्त (भाक किक्रार्थ क शिर्व शिष्ट श ছায়ার নায় কাণেক ভারী, ভারাতে ভারণর পিতাকে কথন र्जी कुर्यक यात्व कता इय ना उ यादवार्थ कान कर्य कतिएक मन ७ हाग्र ना। 'मिटिला' लित वार पत भाक भीय एकि। शिष्या विषय जाभग्न कि जाएए कि ना लोड्। कानियात हेक्। श्रीयक इंडेल। अभिनियात वृक्ति चत भारत मिन्मक भिरोदारा अवस्य जोना निया जित कडेगा विमिन। मैसिमा मरनेत गर्था এই छए. পাছে गाएएत कि निभालात कि ভाইয়ের বা ভগিনীর হাতে কোন রকমে টাকাকভি भएक छाहा हहेटल म डेको धामनात गांभ सहेटन। मझिता मर्सा बदम बद्धवायु छोका वफ् छिङ—छोकाट्ड बाश्टकः विश्वाम माछ। (छाउँ वावू धत्मात छाला (वेट्स मछार विलास विकास याप्टे किन्न भाजान (भारत डीक्रांत छारू कोक्रांक রেয়াত করেন না—ওসকল ভাণামি আমরা অনেক, (मिश्राफि-- मिश्रा इंडिक, वन्मी वार्षी अवना कान **अम्कि स्मारम—ागध इस एए। कामीशाएँ मिन कडक** हिन, जा ना इरल क्डीं ग्रुकाल डांश्व এड পেশ कि প্রকারে হইল।

দুই এক দিবস পরেই মতিলাল আত্মীয় কটুমদিগের নিকট লোকতা রাখিতে ঘাইতে আরম্ভ করিলে। যে সকল লোক দলঘাঁটা, সালেক নধাস্থ করিতে সর্বাদা উদ্যত হয়, জিলাপির কেরে চলে, তাহারা ছুরিয়া ফিরিয়া নানা কথা বলে—সে সকল কথা আসমানে উড়েহ বেড়ায়, অনিতে ছোঁয়াই, ফরিয়া ছোঁয় না সূত্রাই উল্টে পাইটে লইলে ভাহার দুই রকম অর্থ ইউতে পারে। কেইই বলে করি লাফ্লে সান্য ছিলেন—এনন সকল ছেলে রেখে ডেকে বাজ্যা সভ পুলা না হইলে হয় না—ভিনি বেনন লোক জেনি

ভাহার আশ্রেণ্য মৃত্যুও হইয়াছে, ষাবু এত দিন তুলি পর্বতের আড়ালে ছিলে এখন বুঝে স্থা চল্তে হবে--मःभाविः चारकं भक्ति-किया कलाभ कारक-तांभ लिङामार्श्य माग वस्ताय ताथिए इनेएक, धारमञ्जास माग्र मको प्याष्ट्र। 'प्याशनात निगम तृत्य छोद्ध कतित्व, प्रम क्रमान कथा श्रुमिशा (मटि डिशियात व्याविमाक मार्छ। निरक्ष त्रागिष्ठ विश्व नियुक्तिंग, ध विषया कारकश करा नुना किन्छ निভाग्छ किन्छू न। करा अन्त ভोन्छ जान नरा। वाबु कानरका कर्डात छ है। পाना नागछ।—डाँडात नारम आका दोषा शरूर ३ कल थाता। ভाষাতে कि एक िलका विकास दकरम एक स्व न-भारत छात । क्राय ७ । क्राय " मुश्रिय क उत्राज्ञ करत । चिलाल धमकन कथात्र मात्रश्रीष्ठ किछ हे न निएड नार्त गा। आहोशहा आहोशहा भूकि मन्न व्यक्षाम करत किन्द्र याद्याटा अकड़े। युगयान व्यक्त याद्य अ जाहाता कड़ेन कविद्या (वड़ावेट भारत खाहाई खाहा-मिर्गत गागग ७११० ग्यारेक्टम जिल्लामा करिएन धै । क देशो (मद्र (मग्न क्र व्ह क्रिश क्रिश द साक्रम ना कदिला जान इग्र मा- (कर् नला এकते। मानमाध्य मा कतिरल मान थाक। जाद—कर याल এकটा मण्याची वत्रन न। क्रिल गांगाना धाक श्रान—क्रिन नटन क्रक श्रीनन अधार्यक निमञ्जन ও काम्रालि निर्मात ना करिएल महा जाश्यमः इंडरन। এडेक्सरण जाति গোলযোগ ছইডে लाशिल-:कवा विधि छाय?--कवा उर्क कविड बर्ल?--क्वा मिन्नास क्या -- मकल्य गाँद्य गार्न ना आश्रीम (गाएल--- मकरल हे यर अधान-- मकरल इं ब्यानमात क्या शांठ काइन।

তিন দিনের পরে, বেণী বাবু বেচারাম বাবু রাঞ্জারাম বাবু ও বক্রেশ্বর বাবু আসিয়া উপশ্বিত হইলেন। মতিলালের নিবট ঠকচাচা নণিহারা ফণির ন্যায় বসিয়া আহেন—হাতে মালা, ঠোঁট ছটা কাপাইয়াক ভবনি পুরিতেছেন, অন্যান্য অনেক কথা চইতেছে কিন্তু সে সব কথার ভাষার কিছুইটেই নন নাই—ইই চক্ষু দেওয়ালের উপর লক্ষ্য করিয়া ভেলহ করিয়া যুরাতেছেন—ভাগ বাগ কিছুই তির করিতে পারেন নাই। বেণী রারু শুভূতিকে দেখিয়া ধড়মড়িয়া উটিলা সেলান করিতে লাগিলেন। ঠকচাচার এত ন্যুভা কল্লই দেখা গাঁয় নাই। চোঁড়া হুইয়া পড়িলেই জাকে যায়। বেণী বারু ঠকচাচার হাত ধরিয়া বলিলেন—আবে কর কিং তুমি প্রাচিন মুরকি লোকটা—খামাদিলে দেখে এত কেন। বাঞ্জা-রাম বারু বলিলেন—অন্য কলা সাইক—এদিলে কিন অভি সংক্ষেপ—উদ্যোগ কিছুই হয় নাই—ক্ষুব্য কি, বলুন।

বেতারাম। বারুরামের বিষয় আশায় অনেক জোড়, —কভক বিষয় বিজি সিজি করিয়া দেনা পরিশোধ কর। কভব্য—দেনা করিয়া ধ্যধেনে আদ্ধ করা উচিত নহে।

विश्वान। (मिकिक्योः चारण ल्यादकत मूथ (शंकि **उत्रक इ**रव शण्डाद विश्वा चाणा तथा इहेरव। नाम मसुन **कि बारनत स**र्ज रचरम शायः

विठाताम। এ পর্নেষ্ क् পর गर्य এমন পরান্য कथनदे निव ना—कमन (वर्षी जाशा कि वल?

(वर्गी वावू। य धल जिना खानक, विषय जानस विकि कविया मिरलेख পरिलाभ इस कि ना मल्लह, म ख्ला भूनताय पिना कता এक धानात खलहत्व करा कातन मि पाना পरिलाध कि क्राल इहेर्द?

विश्वातीय। ও সকল ইংরাজী মত-বড় মানুর দিগের

ঢাল সুমরেই চলে—ভাছার। এক দিছে এক নির্দেশ, একটা

সং কর্মে নাগড়া দিয়ে, ভাজা মুলল চণ্ডী ছওয়া ভক্ত

লোকের কর্ত্বা নছ। আমার নিজের দান করিবার মঙ্গতি
লাই, অনা এক বাক্তি দশ জন ব্যক্ষণ পবিভবে দান করিতে
ভাজাত ছইতেছে ভাছাতে আমার খোঁচা দিবার, আৰ্শাক

কি চ আনা সকলেই নিকট অনুগত ব্যক্ষণ পথিত্ব জাক্ত

বিদায় বড় হউক বা না হউক তা হা দিলের নিজের বিদায়ে ভাল অমুরাগ হইল। যে কলটি নকলের চক্ষের উপর পড়িয়াছিল ও এড়াইবার নয় সেই কর্মাটি রব করিয়া হইয়া-ছিল কিন্তু আগু পাছুতে সমান বিবেচনা হয় নাই। এমন অধাক্ষতা করা কেবল চিতেন কেটে বাহ্বা লওয়া।

लाएकत शामकत्व निर्देशमा विश्वाताम अठेकठाठा यिं जिल्ला निका देश था मार्गिम क्रिक जाशिन। यहिलाल पूर्वल यज्ञात क्यु जाशामिश्वत गिरे कथान ভিক্তিয়া গেল, মনে করিল গে প্রিবিভিড ভাছাদিগের ভুলা व्यक्तिया आत नाकः मिलिलाति नान विक्ति कना जाराता এक निन विनन अकर छ। या निन कड़। या उध्य म्यों म कड़ी न शमिए वभा कड़ता, ভोटा ना इहेटल छ। हात शम किलाकारत वकाय थाकिर्द?-- धरे कथा एनिया मिलिल जाउास कास्लामिड करेल--(ज्ञान (यना ভাকার রামায়ণ ও মহা-जात्रज এक छेर लागा जिला धने करिया गरम इनेटन लालिन रयमन त्रांभक्तम् 'अ युधिछित भगात्वाक भूर्यक भिःश्रामतन অভিষিক্ত ই ইয় জিলেন সেই রূপে আমাকেও গ্রিভে উপবেশন कदिएक इकेरनक। वाञ्चादाम अ ठेवन्ठाठा (पश्चिम के প্রস্থাবে মতিলালের মুখ খানি আহলাদে চকচক করিছে लाशिल—डाङाता भत नित्राङ मिन खित कतिया आधिक युक्तनक आञ्चान शूर्मक गण्लिलिक जाङ्गत शिषात भित्र छेन्द्र दमाहेल। श्राप्त जिज्ञित इहेग्रारभन यिनान शिव आशु छडे त्यता कहे कथा हाटि वाकाद्य या छ गाउँ इकेट नानिन-धकसभ या अख्यान। बागुभ छनिया विनन-गमि आश्चिक (इ? विग त्य रफ मधा कथा! आत शिम वा कात? अ कि खशर्मिए ते शिम ना मित्रमान बालभूकुंटमत् गृनि?

' य लिक्ति छिउदा गांत थाक मा कार्य । निचन 'ग्रोहेलिও. ह्राल प्रांटल मां, किन्न योहाटक किन्नू भगार्थ माहे छाहात जन्मात डेगिक हहेटल योहनत जहात्त्र

भाष्र हैलगल कतिए थारक। मिल्लिएलत मत्नत गिल मिरेक्रिश रहे (७ लाशिक । तां ह फिन (थलां हुला (भाजनाल शाखना वाक्ना छ। जाजा शंभ खारगाम आयाम स्थापा (कंटा (ए) एडा (आ) इत्याय क्रियाय हिनाउ का तम्र इहेत, मिश्रित मर्थात मान नाहे—ताक्षर तक्तीरकत नाग विभि रहेट हे ना शल है है होत या भार्य। कि? - जा ह ए लि कारकत ञाजाव गाजे, जात गुएज़त गटनावे भीभाषात भाग शियर कतिया आहेत्यः এक मिन वर्षकश्व माहिष्ठंत পश्चाय जामिया गणिनात्मत् गन्याभान कथा जानक बिल किन्न विकार दित्र किन गणिलाल नालाकालाविध जान जानिए--- धरे करना ए कार्क धरे कवाव (मर्सा इरेन —মহাশয় আমার প্রতি যেরপ ভদারক করিয়াছিলেন जाशाल जागात अवकात्वत पका अक्कात थावेश पिशा-हिन-हिल्लियमा जायमारक भिड्ड थर्ड यांग कसूत कति नाहि—এथन आत राजना (कन (कन! ताक्रांत अधा-मर्थ भिष्ठ भिष्ठ कतिया अञ्चान कदिल। मिरिलाल जाभन ख्राथ मख-- नाञ्चाताम । उठका हा । धकर ना जामिर्डन शिकक खोर्मिरणत अध्य वर्ष प्रयो ख्या करेक न!— जीराता (माङ्गत नागात प्रातः मकन आमाग्र अग्राणिल कतिराज्य, मध्यार वायुक्त हाज जिल्ला दक्षण किन्न मिराजन। धात वारमत किंग्ह निर्कण श्रिकाण नाइ--- शतिवादतत्र प्रभा माला माहे— त कार्या भारक— क कार्या थाय-कि छ ह (थाक थवत नाहे—এইक्राश इ उग्नाट शतिवाति पिरात क्राण श्रेटि नानिन किछ मिलिनान वाव्यानां अमि । वर्शन य अनव कथा माजिए अ खान ना।

नाभी जीत, शिंछ भारकत व्यरभक्षा व्यात रज्ञान नाहे। वसाशि गर मसान शारक छटन मा भारकत किविन्द भमछ। इस्र। कुमसान इहेटन मिडे भारकानटन एक शुरू शास्त्र। अञ्चितिकत कुरावद्यात व्यात व

कतिएक ना, दिनि खानक विस्तृतन। कतिया धक विभ अভिनाद्यत निक्छे आत्रिया विनादन-नावा। आयात्र कशाल यांग छिल छोट्। इहेग्राएड अकल एय क निन यां हि (भ क निंग । दर्भ ट्रिमात क्रिया मा एग्ड इयु-- भाक शक्षमात्र ज्याचि काम शाहित्व शाहिमा, जामात ह्यां है ভাইটির বড় বনটির ও বিমাণের একট ভত্ত নিও—ভারা भव मिर्न व्यागरणित (थर्ड गाम न:-वावा! व्यामि निष्मत करना किए र लगा, धार्माक छात्र मिना। मिलिल এ कथा कुनिया हुई एक लाल करिया दिलल— কি ভূমি একশবার কেচ্ ফেচ্ করিয়া বকভেছ?--ভুমি कोनना था न ध्या या गता कर्त छोडे करिए भाति?--धागाद आवात कक्षा कि? এই विद्या मार्टाक ग्राम करिया এक एए गरिया (उलिया (किया) किया। जारमक क्रब পরে জননী উটিয়া অঞ্চর দিয়া চমের কল পুঁছিতেই निलिन-नाव! जाभिकथन श्रीन नाई त्य में द्वारन मारक भारत किन्दु व्यागात कथाल इन्डेटन छोट्। उ एकिन-भूषांभात यात कि इ कथा गाउँ कि वल ८ इ गाउँ वलि ए पुष्ट जान थाक। माछा शत निवम छाएन कन्। कि लहेस। कहिरकि अ किछ्ना विलियः वाजी व्हेट्ड धनन किंद्रियम।

রামলাল পিতরে নৃত্যুর পর ভুগির সঙ্গে সদ্ধার রাখিতে অনেক চৈনী করিয়াটিলেন কিছু নান। প্রকারে ভাপমানিত হন। মতিলাল সর্লান এই ভাবিত বিষয়ের অর্ফোক অংশ দিতে গেলে বড় নাভাগ করা হইবে না. কিছু বড়মান্ত্রি না করিলে বঁটো মিথ্যা, এজন্য থাহাতে ভাই ফাঁকিতে পড়ে ভাহাই করিতে হইবে। এই মতলব ন্তির করিয়া বাঞ্জারাম ও ঠকচাটার পরানর্থে মতিলাল স্রামলালকে বাটী চুকিতে বারণ করিয়া দিল। রামলাল ভজাসন প্রবেশ করণে নিবারিত হইয়া অনেক। বিবেচনা কর্ণান্তের মাতা বা ভগিনী অথবা কাহার সহিছে না সাঞ্চাৎ করিয়া দেশান্তর গমন করিলেন। ২২ বাঞ্জারাম ও ঠকচাচা মতিলালকে সোদাগরী কর্ম করিতে প্রামশ দেন, মতিলাল দিন দেখাই-বার জন্য তর্কসিদ্ধান্তের নিফট মান্ধােবিন্দকে পাঠান প্রদিব্দ রাহি হয়েন ও ধনামালার দহিত গঞাতে বকাবকি করেন।

मिलिनाल (मिथिनान योगी शहेरित मा (भीतान, जाहे (भटलन, छिनिनो भटलन। আश्रामन भाखि এछ मिलित शत निष्ठलेक इडेल-कार्कणकानि श्रास्त्रात् वच- এक छोक बामानिट कर्या कियान हैया है है न आत " श्रह दान धन अग्रह " কি? বাব্যানার জোগাড় কিরুগে চলে? খুচরা মহাজন (विरेट्पत है। नगारिक जात कहिए । शाता यात्र ना, छिएना-अयामात्रा ७ उत्तरमा वक्ष कर्त्रमार्थ-- धिनत्क माग्रम आग-याजा—वकता ভाषा कति । जार्ड—ध्यमिष्यानिरमत वायमा निटंड আছে— मट्नम पिउँ दिवंत कत्यादेम निटंड जारह—हत्र गांका ७ गमं जांगेंग इंटन—लात जांहें थानात भाष्याना उद्य नाडे। এই मज्य विखाय मिलिला हिस्डि आहिन धगड भगए। विश्विताम ७ ठेकहाहा आत्रिया छेशिष्टिक इहेल। छुई धक्छा कथांत शत्त छाहाता खिडां मा कि विल-विज्ञात ! कि ह विभन किन । जिल्ला यान (मिथ्टल रा जागता यान इहे— जामात रा वर्षन जाज जर्ममा श्रामि थिमि क्रिदिय। गाल्म ছ्रांड क्नि? ছि! जान करिया वरमः। यणिनाम करे भिने वारका जिल्ह्या व्यालन गटनत कथा गकल वाक कतिल। वाक्षातांच क्षेत्र किटलम जात कारमा धाउ जायमा किम न कार्कि ? जाक এक है। जाति गठल क तिया जाति मार्कि — क्रक कर्मदात मध्या (मना (हैना मक्स (माध विशा निशा निश

উপর পা দিয়া পুত্র পৌত্র ক্রমে খুব বড়মায় বি করিছে পারিবে। শাস্ত্রে বলে "বাণিজ্যে বণতে লকীঃ"—েলাদান গরিতেই লোকে ফেঁপে উঠে—আমার দেখতা কত বেটা টেপার্কোকা নড়েভোলা টয়েবাধা বালতিপোতা কারবা-রের ছেপায় আভিল হটয়। গেল—এসব দেখে কেবল চোক টাটার বইতে। না! আমরা কেবল একটি কর্মা লয়ে ঘাইঘর্ষণা করিতেছি—একি খাট ছঃখ! চণ্ডীচরণ খুটে কুড়ায় রামা চ ড় ঘোড়া?

মতিলাল। এ মতলব বড় ভাল—আমার অহরছ টাকার দরকার। সৌদাগরি কি বাজারে ফলেনা আফিলে জ্বো? না নেটাই মন্তার দোকানে কি কিনিতে মেলে? একজন সাহেবের মুৎস্থি না হইলে আমার কর্ম কাজ জমকাবে না।

বাঞ্গারাম। বডবারু! তুনি কেবল গণিয়ান ছইয়া থাকিবে, করাকর্মার ভার সব আমাদিগের উপর—আমা-দিগের বটলার সাহেবের একজন দোন্ত জান সাহেব স্প্রতি বিলাত হইতে আসিয়াছে তাগাকেই থাড়া করিয়া তাহারই মৃৎস্থান্ধ হইতে হগবে। সে লোকটা সৌদাগারি কর্মে খুন।

यिनान। ठेकठाठा—(नगं कः

ঠকচাচা। শেনা ভোষার ঠকচাচি—জ্যোর সেকত কি করব? তেনার স্বত জেলেখার নাফক আয় সালগ হয় ফেরেস্তার মাফিক বৃদ্ধ সমস্ত।

विश्वातामः अवशाध्यम् वाक्नां कोम नाटह्दरक पण निवा हाजात होका गत्रत्वार् करिएंड हर्रेश छाट्ड किह यांक (काथम नार्के। जानि छित कतिग्राहि या (का छन-श्रीदात जान कथाना दन्नक फिल्म के छे का शांख्या याहिए नारत्—तम्बि तन्नाभकः जागामित्रत् सार्व्यक् व्यामित्र व्यक्तिया किंव--थत्र रङ् र्ट्ट्र गा-- आस्तास टीकामहात भौतिकत भाषा कात छोक। भाषा एक भारत कामना क भनादक मिट्ड इडेरव। 'मिट्रविद्या श्राम श्राम भक्त- अकिंदा (थं। कि क कर्मा छछन कहिए कारत। मकल कर्मात्र खाधम थरेंग चार्श निर्मिश नरे कान्नी उनात कतिएं व्यागि व्यात वर् दिल्स कतिव ना, ठेकठाठाटक अहेश किलिका छोरा हिलिलाग—आगात गांगा वतार—गाथाम आधम बन्हि। यज्याय जूम जक मिक्कास मामात काठ-(भरक अकिए। काल भिन प्राथ भीख छ्राँ । विन्या याजा कतिया बदकरादित व्यागात (मानाशाकित मज्ञन वाणिटक खिडिया किलिका छात्र किल्लाम ज्यां किलि किलिए इहेर ब जान अन अरे देवगावाणित चाटण्ड ठाम मोमानदन्त भडम गांड काश्राक धन लहेशा कितिया काशिया मागागा याकाहें के कित्य ज्यान जावाल वृक्ष गुवि कुलकना। त्जामात व्यक्तांभग्रद्भन्न दक्षेत्र्क दक्षिका दिलामाटक धमार कतिएव। आहा। दमन मिन धन भीत्र उपग्र हत्। এই निवा याश्वा-त्रीय ठेकठाठाटक अर्था शयन कतित्वन।

(कें5२ क्रिया क्रांक्टिक्स-- थक२ क्रिया कामट्टिक्स--ঢाরিদিগে শিষা—সমুখে কয়েক থানা তালপাতার লেখা পুত্তক—हममा मांक मिशा এक २ नात श्रष्ट (मिश्र एट एन, এक २ यात छान्। किन्द्रक भाठ निहास मिट्टर्छन। विहासित अज्ञादन গোরুর জাবনা দেওয়া হয় নাই---গরু মধোহ হাব্যাহ कतिरहरू बाक्यी नाणित ভिত्त इक्टि जैश्कात कतिया विविद्व क्रिन-वुष् इहें (लहे वृक्ति स्क्रि) ल्या महर, देशि तो ह-(मथ्दिन गा। এই कथा भिट्यादा स्विग्ना भत्रभा त शा टिमा-টিপি করিয়া চাওয়াচায়ি করিতেছে। তর্কসিদ্ধান্ত বিরক্ত इहेग्रा द्वाकानीक थाम, इंतात कमा लाहि धतिया खुड्र कतिया উटिएएएम अमन मनदग मानदर्गाविनम धदत विमल-खदगा তर्किनिकास थुड़: जानता भव भोगानति कतिएक याव এक है। जान किन क्रिय कि । उक मिका छ मुथ विकर्ध-भिक्छ करिया खगरत छिटिलन—कह्लाछ। थाल—डिटेबि আর অমনি পেটু ডাকছ আর কি সময় পাওনি? সৌদগরি कराज गाव! जिति नारभन्न जित्ने नाम इन्के—जारमन व्याचात्र मिनदक्षन किरत ? वाला हे (वत्रात्न अक्टल हाँ नाइएक शक्रायान कत्रव—या वलारश या । य निन (जाता अथान व्यक् गानि (महे मिनहे छन।

মানগোবিন্দ মুগছে প্লা থাই লা আনিয়া বলিল যে কালই দিন ভাল, অমনি সাজ্রেং শক হই তে লাগিল ও. উদ্যোগ পর্টের ধুন বেধে গেল। কেচ সেতারার মেজরাপ হাতে দেয়—কেন্দ্র বাঁয়ার গাব আছে কি না ভাষা ধপধপ করিয়া পিটে দেখে—কেছ ভবলায় চাটি দিয়া পরক করে—কেছ টোলের কড়া টানে—কেহ বেয়ালায় রজন দিয়া উজিছে করে—কেছ বোচ্কা বুচ্কি বাঁধে—কেহ চরস পাঞ্জা মায় চুরি কাঠ লইয়া পোঁটলা করে—কেহ ছর্ত্তার গুলি চাটের সাইন্ত সন্তর্পণে রাখে—কেছ পাকামাপের ঘাট্ডি কম্ভি ভারিক করে। এই রূপে সারাদিন ও সারারাত্রি ছটকটানি

भक्कफ़ानि व्यान निरम्न वाम (एश (मान एस्त हिंदन मड्डा-

आरम एं हिका इ इक्क नान्। (क्रामाश्रति कति छ इसिएलमः ब अत रिन्न शक्षा ज्या योग रीय क्रांच अमाति सिकिति काथ कि ल धन्यान। खरनरकरे ताथ य ए। हिर्म खाइ के जि.. भर्षा भरद तहा गरा ह स्थित नापग्र हेशांग्रम् कत्र अपन् आदक भारिष्ठे व्याप्ता पश्च इंडेलिंग। खरमन तास्त्र शंखिल खा। अंक के र े हिल्ल द्यालयां स्ट्रिया भाषाट पृछित्राच कतिया क्ष करा । त क्ष्मिं क्षेत्र के के किया । जा कि भिन्न की न (भिधिशा नगान्तः 'शन्स् कत्तिशा स्पनिट्टर शक्षश्रिका योग। ए श्राह्म गाहि वर्षण कति । लाकाद्या ज्याकिक द्वेगा लाजिक्ट क्रिएंटर एकान करिएलम। मननानुक (मोकाय एकिंगा अकाल है एकात यहत धक मधमीयाम भति लग--- गोका उँ छै। व स्कारत मामा कित्रा माहिए कि कि व व त्या कि व ने खित गए — এ ছाए त छे शत गाय अ हा हैन भरत है। इन ए ए। इन ए एक गांक निरम व्याधन करत । किशिष्प्र याहिए स्वामालात महिए प्रयो छहेल --- धनांगाला २७ मथए-- उक्त ज कर्ल-यागिरिक (ए। श्रीफ्रा भाक कराका आवाद शकारक खकाक रकता नवनायुत्रा (तःश वल्लिस-इल लगः,-- एक क्लानिमान (य खामता गत (मोमःशति कत् ७ गाहिए। धन छेलत करिल चिम ट्यांता भोता शत इम ट्या भोता शति कर्ण नामाम मुक् भिन्न, मङ्ग्कः ।

হত মতিলালা দলবল সমেত শোণাগীজিতে আইসেন সেখান গ্রতি এক জন গুরুমহাশয়কে ভাড়ান; খাবু-য়ানা খাড়াবাড়ি হয়, পরে গৌদাগরি করিয়া দেবল ভয়ে প্রস্থান করেন।

मानाभाषित्रमत्रभाग कुनी तुनी वामा क्रियाहिन-

काति. मिश (इमला) (भाउला ও (बामाटक शतिशूर्व-काटम) कारकत अभागितकत नामां—याद्धे एक आधात आनिया मिटल्ड — शिक्ष हिर कतिराउटक — कान बारनरे एक फाँठो हुन भएक नारे--श्रक्ति इरेटल क्टब्ल (महाम क्क्ट्रब्र एक (मामा याके उनकेन कारन मक्षा कि किना जारा मामर। निकटि धक कन कर्नेन्द्रभग कडक कति क्रमण शकाय याथा (क्रम लहेगा शक्रा ३ उन-- १ इति मिर्शन (लथा शक्रा यक के डेक या म रहेक, त्राट्न मान जात्म जारम हार्शामर्गत खान देखिया बाडेड—याम कान छाला धकरात पाछ छुनिड अथरा (काठफ (यरक जक शांग का न्नाम बाईड एटन एडक्ना द ভাছার পিটে চট হ চাপড় পড়িত। নানৰ স্বভাৰ এই যে काम विषय कर्वेद थाकिया (भ कर्वेद्रिक नामाक्रांश क्षकाण हाई जारा ना रहेल आशन लीतरवत सायन रहा— এই सना धक्रमश्राम्य व्याण्य क्षेत्र वाक कर्त्राचीय श्रेष्टात व्याक् किर्दिएन--- भिर्म परियान भाषा किर्म किर्म किर्म किर्म खत्रक िथाम कतिएन ए लाक क्रफ् इहेरल जोहात मतमाति व्याप्त विराध द्वाराभ नृष्ठि इहेड अकाद्रन नामक निरात (स भय शार्श छक्र पछ इडेल जाङ्गत काक्यों कि? छक्र-गर्गियात् भाठेणालाजि आग्र यमालायात् नाग्र-भक्षपाहे ठिए १४ विष्ठित । शिलग्त गल्या ७ " अक्रमहालग्र २ जामात পড़ा हाजित" धहे मक हे इहे ज जात काहात नाक-थड-काहात का गामन!---किह हेटियाफ।--काहात होट-ছড়ि—काराटक अभिकटन निर्कान—कार्त अनिविधि, धकरे। मा धकरी श्रक्षांत प्रध व्यनवत् दके इहें छ ।

সোণাগাজির শুনর কেবল উত্ত গুড়নহাশয়ের দারাই রাখা হইয়াছিল। কিঞ্চিৎ প্রান্তভাগে দুই এক জন নায়ুল শাকিত—ভাহারা সমস্ত দিন ভিকা ফরিভ। সন্মার পর শাকিত—ভাহারা সমস্ত দিন ভিকা ফরিভ। সন্মার পর শাকিত আক্রান্ত হইয়া শুয়ে ২ মৃত্তরে গাম করিভ। সোণাগাজির এই রূপ অবস্থা ছিল। মতিলালের শুড়া গানাব্ধি লোণাগাজির কপাল ফিরিয়া গেল। একবারে 'ভাড়ার চিহি, ভবলার চাটি, লুফি পুরির খচাখচ," উলাদের

कड़िश्म ब्राफित इडेटि बाजित जार यहा विठिष्ट जोशास कटन अस्य का जन एउन का का भटम स छ छ छ छ ए । यहा व्यव व्यवस्थ शक्राशिक निटंड बाइड कहिल। कलिकांडोंत लाक एउना जात--अदमदक्टे वर्गदिश्वा जाः। जाश्मिरशत अयदम अक न्तर्भ गुर्कि स्थागांत शहत छ। त এक तकम मृद्धि अकाम हरा। ইহার স্থা টাক।—টাকার থাতিরেই অেরে ফের ফার হয়। मण्यात प्रतम चन्तरमपुष्टे धनत्क छान। धादन क्राण शकः। करता याति भारक खाम रा वात्यत्व এउ है। का खारक जरन कि अकारत ए भार अमुश्राद्ध भाग इहेर उन्हें राज्ये। काम गग वारका कत्र ७ एक्टना योश विभए ए ए मा करिए इस लाइ एउ कि हुशाब कि हि करत मा। এই कातरन मिलिय निक्छ नोगो तक्य (भाक आर्मिर्फ आत्यु क्तिन। किश्र 'केमात्र उभागाय ग्राथ एक ए तकस्य व्याभगात् कि क्याय खिक्षित्र याक कर्य- कहर कुक्षनश्तीर्गिरश्त नाम आड़ रही काछिया भन्नि आना बहुह करत--- आणल कथ 'कारमक विकार के कि कुक्तातिय क्रिकाम हरा—किहन। श्रुकंटमें भीय वक्षकायां मिश्य मक कितिहरू एकाम- अयमर व्याननारक निष्मायाम उ निर्देश ६ दिया । -- यामस महत्व खरकारम देव भाराभक्ष एवं जेगा वार्यम-भीर्यकारम क्रांश विश्वास खोकाम इहेलि स्वास इस छाइनित भगनाभारन ভारभर्गा (कन**ल** '' यहिकि किर काक्ष्म मूक्षा''!

চাকরেরা আর তামাক সাজিতে পারে না—পালাই২ ডাক্টা ছাড়িতেছে। দিবারাজি নৃত্য গীত বীদ্য সাসি খুসি বড়ু-ফটাই ভাঁড়াগোনকল ঠাটো বট্কেরা-ভাবের গালাগালি আমোদের ঠেং। ঠেলি চড়ুইভাভি বনভোজন নেসা একাদি-জমে চলিয়াছে। যেন , রাভারাভি সতিলাল হঠাৎবাবু হইয়া উচিয়াছেন

এই গোলে গুরুমহাশয়ের শুরুত্ব একেবারে লঘু ছইয়া
গোল—ভিনি পুলে বৃহৎ পালী ছিলেন একনে ছুর্নিট্রিন
ছইয়া পড়িলেন মধ্যেই ছেলেদের গোনাইবার একটুর
গোল ছইড—ভাহা গুনিয়া মতিলাল নলিলেন এ বেটা
এখানে কেন নেওই করে—গুরুমহাশরের যন্ত্রনা ছইছে
আমি বালককাটেই মৃত ইইয়াছি—খাবার গুরুমহাশয় নিকটে কেন?—ওটাকে ত্রায় শিমজন দাও। এই কথা
শুনিবামাতে নববার্রা ছুই এক নিনের মধ্যেই ইট পাটথেন
লের ছার। গুরুমহাশয়কে অন্তর্পান করাইলেন স্বভরাং
পাচশালা ভালিয়া গেল। বালকেরা দাঁচলুন বলিয়া ভাড়ি
পাত ভুলিয়া গুরুমহাশয়কে ভেংচ্টেই ও কলা দেখাইতেই
টোচার্নিছে ঘরে গেল।

প্রদিপে জান সাহেব গৌধ খুলিলেন—নান হৈল জান কোম্পানি। মতিলাল মুংস্কৃদি, বাঞ্যারাম, ও ঠকচাচা কর্মকরী। সাহেব টাকার খাভিরে মুংস্কৃদিকে ভোয়াজ করেন ও মুংস্কৃদি আপন স্পিনিগকে লইয়া ছুই প্রহর ভিনটা চারিটার সময় পান চিবুভেন রাঙ্গা চকে একন্ নার কুটি ঘাইরা দাঁজুড়ে বেড়াইয়া ঘরে আইনেন। সাহেবের এক প্রসার সঙ্গতি ছিলনা—বটলার সাহেবের অল্লাস ইইয়া গাকিতেন একণে চৌরুক্লিতে এক বাটা ভাড়া করিয়া নান। প্রকার আস্কাব ও তস্বির খরিদ করিয়া বালি সাজাইলেন ও ভালন্থ গাড়ি ঘোড়া ও কুকুর ধারে নিনিয়া অন্নিলেন এবং ঘোড়নোভের ঘোড়া ভৈয়ার করিয়া বালির বেলা খেলিতে লাগিলেন। কিছুদিন পরে সাহেবের

कैनिकाटांत व्याक भीनांगत व्याप्त जाति करत व्यर्थ केंग्राईक करत-- श्र काश्राह्मत खाष्ट्र खाष्ट्रा निर्मित करत व्यर्था क्रिया मिन्न काग्रा किया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

्र बाजनार्ट्द्र विष्ट्रभाज तौथरपाथ ছिलना, जिनिम विक्रिक कित्रिया लिथिक दिलके मनका इके दि एक जीवात मरकात-चित्रे विकाद कानन गटनन करे य शरतत ऋरका एनान कत्रिया जाजातांकि वज्ञान्य रहेत्। जिन करे जाविटजन य भाषां का करा--मणें। श्री माहिट कर का गी (क्षेत्रहें क्षिटिक कार्याहे मिकात का उग्ना याईटन। (यमन माद्य खुकाधिक टाराज मरस्कि-- जिनि भउमूर्य-ना द्धार्त क्या नवार ताथ लाय लाए ना वियम क्येर व्यादिक कविद्या भारतम श्रुक्तार स्वाहादक मिन्ना काम कर्म कतान (करम (१) यम कृद्र। योद्या महाकन प्रांतांन छ मब्रकाद्वित्री नर्रात है जाहांत्र निक्छे किनिम्भटकत नम्ना महिन्ना जानिक अभव माध्मव चार्डि वाष्ट्रि धवर वाङादित शनक ब्रिकिड। दिनि नियम कर्णित कथीत जनम भारत निमर्क माजिया (कत्तर, कतिया गिरिया शाकिरजन-मकत श्रास्त्रत छेखेत विश्व निर्मिक जानि कथा किंदिन नाटक निरंकत विद्रो अकाष्ट्रम करल धरे गांज विभाउन ए विक्शित्म बाद्ध उ केक्क्री होते निगरि या छ।

আকিসে ঘুট এক জন কেরানি ছিল, ভাছারা ইংরাকিতে
সকল হিসাব হাথিত। এক দিন মতিলালের ইচ্ছা ছইল
যে ইংরাজি ক্যাশ বহি বোঝা ভাল এজন্য কেরানির নিক্ট

হইতে বহি চাহিরা আনাইয়া একবার এদিক ওদিক দেখিয়া
বহিখান এক প্রশেষ্টা শাহিল হারটি কিছু সেঁওসেঁত —ক্যাশ বহিছ

মেখানে মাসাবিদি থাকাতে সর্বিতে আবার হল্মা গেল ও
ন্যবার্রা ভালা হইতে কাগ্রক ভার্মা লইমা সল্ভের
ন্যায় প্রকাইয়া প্রভিদিন কান চলকাহলে আরম্ম করিশেন
—অল্ল দিনের মধাটি প্রভিদন কান চলকাহলে আরম্ম করিশেন
—অল্ল দিনের মধাটি প্রভিদ্যা রাহল। অনাস্থান ক্যাশ বহির
আন্থেমন ছ ওয়াতে দুন্ট হইল যে ভালার হাটি থানা আছে,
জান্তি ও চন্ম প্রভিতার্থ প্রদত্ত ইয়াছে। জান সাহেব
হা ক্যাশ বহি জো ক্যাশ বহি বলিয়া বিলাপে করত মনের
থেদ মনেই রাখিলেন।

জান সাহেব বেপড়ক ও হুচকোরত জিনিস পত ধরিদ করিয়া বিলাতে ও অনানি দেশে পাঠাইতে আরম্ভ করিলেন — জিনিসের কি পড়তা ইটল ও কাটাতি কিরূপ ইটলে ভাষার কি লুমাত্র থোজ খবর করিতেন না। এই সুযোগ পাইয়া বাঞ্জারাম ও ঠকচাচা চিলের নায় ভোলল মারিতে লাগি-লেন তাহাতে ক্রমে তাহাদিগের পেট মোটা ইইল—অল্লে ত্যা নেটেনা—রাত দিন থাইই শব্দ ও আৰু হাতি শালার হাতি থাব, কাল খোড়াশালার ঘোড়া খাব, চুই জনে নির্জনে ব্যায়া কেবল এই মতল্লব করিতেন। ভাহারা ভাল জানিতেন যে তাহাদিগের এনন দিন আর ইইবে না—লাভের বসস্ত অন্ত ইয়া অলাভের হেমস্ত শিত্রই উদয় ইইবে অতএব নেথোরই সময় এই।

कृष्टे बक वरगाइत मधाने किनिम शावत निकीत वर्ष मन थाव वाहेल-मकल विनिम्ह्टिन क्षाक्रमान वहें भाज गारे! जान माट्य (मधिना व क्षाक्रमान क्षाय एक টাকা হটনে—এই সুংবাদে বুকদাবা পাইয়া ভাঁহার একৈবারে চল্টুঃ হির হইয়া গেল আর ভিনি নিজে নাসেই প্রায় এক হাজার টাকা করিয়া থরচ করিয়াছেন, ভদাভিরেকে বেছে ও মহাজ্ঞনের নিকট ও অনেক দেনা—আফিন কয়েব নাসাবধি ভলগড় ও ঢালস্থারে চলিভেছিল একণে খাহিরে সমুমের নৌকা একেবারে পুপুস করিয়া ভুনে গেল, প্রচার হইলা ঘে জান কোম্পানি ফেল হইলা। সাহেব বিভি লইয়া চন্দন-নগরে প্রস্থান করিলেন। ঐ সহর ফরাসিসদিগের অধীন—অদ্যাবধি দেনদার ও ফৌজদারি নানলার আসানিরা করেদের ভয়ে ঐ দ্বানে যাইয়া পলাইয়া থাকে।

এদির্গে শহাজন ও অন্যান্য পাওনাওয়ালার। আনিয়া
মতিলালকে ঘেরিয়া বনিল। মতিলাল চারিদিক্
শূন্য দেখিতে লাগিলেন—এক পয়সাও হাতে নাই—উঠনা
ওয়ালাদিকের নিকট হইতে উঠ্না লইয়া তাঁহার খাওয়া
দাওয়া চলিতে ছিল এফবে কি বলিবেন ও কি করিবেন
কিছুই ঠাওরাইয়া পান না. মধ্যেই ঘাড় উঁচ করিয়া
দেখেন বাঞ্জারাম বাবু ও ঠকচাচা আইলেন কি না, কিছ
দাদার ভরসায় বাঁয়ে ছুরি, ঐ ছুই অবভার তুলভামালের
অগ্রেই চম্পট করিয়াছেন। ভালাদিগের নাম উল্লেখ
হইলে পাওনাওয়ালারা বলিল যে তিটি পত্র মতিবাবুর
নামে ভালাদিগের সহিত আমাদিগের কোন এলাকা নাই.
ভাহারা কেবল কারপরদাক্ষ বইতো নয়।

এইরপ গোলঘোগ ছওয়াতে মতিলাল দলবল সহিত
ছল্প সেশে রাত্রি যোগে বৈদাবাচীতে পলাইয়া সেলেন।
সেখানকার যানতীয় লোক তাঁহার বিষয় কর্মের সাত্কার্
শুনিয়া খুব ছয়েছেই বলিয়া হাততালি দিতে লাগিল ও
বলিল—আজেও রাতদিন ছফে—যে ব্যক্তি এমত অসং—
যে আপনার মাকে ভাইকে ভগিনীকৈ বঞ্চনা করিয়াছে—
পাঁপ কর্মে কথনই বিরত ছয় নাই, ভাহার যদি এরপ না
হবে ছবে আর ধর্মাধর্ম কি?

कर्षकत्म (अभनातां श्र) अजुमनात शर्भन देवनाया जित चारि यांन कतिरङ्खि— एक मिक्तागुरक (प्रथिया व जन — मर्गानम राम्य निष्ट्र न—विष्टिलाता मर्जान यमाकेमा अग्राहि-भ्व ख्या जाराव ध्यात्न भानिया जानिया छ। निया (मथाहेटक कड़ा। इय ना! वाव्वाम काल ुरम कहाना-मन १ - त्राथिया शियादक्षन: एक मिक्षाय कहिरलन-हिं। एर्नित मा थाकाट शाभेषा कृष्णि किल-धार्यात कित्त (कार्) कार्। या शक्षा (कित् क्रांतर कार्तिक (ब आगता (रॅंटि एडिंडाम। यामाना अत्नक हाका यान क्ति एक िए जन-- नर्ना वृप्ति भारत अल्या भर्ना म श्रामिश्र ভাহাদিগের দাভেই লেগে গেল. ভাবিতে লাগিলেন যে आगामिरगत सान आफिक युत्रा आमार्गिक क्रिक्षाय अर्गन कतिएक इन्टेर्व। निकालि अभातितः चार्छत निक्क मिथा। विल्ल-क्टेरणा कामता खनियादिलाम रा मिट्यांच माड ञ्चक थन करेगा मामामा वासिएय छेटियम- धथन स्वक् रत्त्र यः एक क्रक थानः (क्रांकिए शिए पि पि पि पि भारे ना ्यागनात्। श्रेष विलिध ट्याग्रा वाय इवेडना—गणि वाय क्याल कर्मिनोत मुग्किटलन पत्कि प्रांकिष म्यान आखि इडेग्र'-एक -- नात् छाडि धमाणील -- छगवडीत तत् भूछ -- छिएक मुन्क अ काहाक युवाय (पथा नित्य यात उपात मुक् क्षाई जाकित्व जंबित्वहे मागागत नम लिन्दा

তি তার ভিতের কথা, ঠকচাচার জাল করণ জন্য গেরেপ্তারি, বরদাবারুর ছংখ, মতিলালের ভয়, বৈচারাম ও বাঞ্জারামের সহিত সাক্ষাৎ ও কথোগ কথন।

दां के जारने व मण्डर वांग्र व कि कि कि मकन एक तूर्य कि जिल्ला अ म शिकां जा ति विकार कि जारक। शिक मकन एक तूर्य कि जिल्ला क

-- घडे कित प्रमण गाणिए विशेषातू वत्रण बातूरक मह्मा कथावार्छ। कि इट इट इस । फिल्मिन कि विद्या करने समा करने पाकिश दिवित व शाक्षात ছোড়ারা হোই করিয়া আসিতে क्याशिल--- (गांक करें। अत्य छंडेटल "मृत्र" ए" (भानी-(मत्र वीकी (मञ्जा कित्रित माना" धहे (बाम बत्रब्र बानक काइसी कर्नदशाहर इडेटड काशिल। (त्नी बाबू ७ दन्ना वाब देशिया देश्यम ए वह्वाङाद्वत (वहात्राम नाबू व्यातिएउट्ड - मार्टन यह, क्रमाध्य हे क् फि: उट्टन। क्रून खना (घड़ेर क्रिंतिट : कि - क्रिंतिट क्रंतिट क्रिंतिट क्रंतिट क्रिंतिट क्रिं तुछ्वाङात विक्निनी विवक्त एडेग्रा मेवर कतिरउ: इन। निकरि जामिल रवनी अ वदमा वावू के विशा मन्द्रान ' श्रुक्ति छा छ। र्थना करिया। छ। १० तक वना देएलन । शहरकात क्रमन यकी किकामानखन (वर्गताम वातू वत्मः वातून नादा इन्ड विद्या विनिध्यान-जार्रेट्ट वालानियांच अट. क श्रकात **लाक (मधिलाग--का**रनरके कारनक छन काराइ नरहें किन् जाइर्मिनाक (मार्च छान जान विन-ति या हा छ के, नग छा, मत्नाकी, धर्मा विस्राय मारम अ अन मन्निय स्वाहित जामात रामम আছে এमन काश्राव अविष्ठ भारे गा। आमि निध्य नम्खार्य हिल यस्ति किन्तु मनग विष्णस्य खानात खाउक्षात मिथिएक आभाव कि क्षित है तत इश—यहक्षात खेनम इहेर कहे त्रांग **উপश्चि** इंग, वार्ग अञ्चात (तर्ष छेटो। आपि काश्रांक ए दिया छ कति ना— यथन याशा नत्न छन्न हम उथन তাহাই प्रत्य वृक्षि किन्द्र धामात निष्यंत्र দোবে তত সরলতা थारकना--- जामनि कान मन कर्या कांत्रल भिन्ने स्थान श्रीकात कतिरं देश्या इस मा उधन धरे भरन रुग ध कथा हि वाक कतिस्त बारगाव निकेष्ठ वाशनारक थाउँ इड्ट इहारव। थया निस्द्र ए। बात मानम याँ अझ--ग्राम जान कानि धामकर कर्या कर्खवा किछ जाशन मरकात धानमात्त मर्वामा हलाएक माहरमत अकाव दश: अना मयरका एक हिन्द भ्यापा ्रेष्क करिन-जानि लानि नटि (य मन्या (मर धातः कतिरम अन्द्राप्त कील बहे गुन्त कथा है (5 है) भा एशा कि है न दह है है

এটি কর্পেতে দেখান বড় চুছর। যদি কেল একটু কটু কথা বলে ভ্রেডালার প্রতি আর মন থাকে নী—ভাছাকে একে-বারে মন্দ মন্ত্রা বোধ লয়—ভোনার কেল অপকার করিলেও ভালার প্রতি ভোমার মন শুদ্ধ গাকে— এলাছ ভালার উপ-কার ভিন্ন অপকার করতে কখন ভোমার মন যায় না এবং যদি জানো ভোমার নিক্ষাকরে ভাছাতেও তুনি বির্দ্ধে

वर्तना वात्। ता याः दक क्रास्त क्रास्त क्रार्थन हिलाब ए वें कि! मिर्ट्र ! कि शिंब र ! कि वं लेटिया में मकल अब-अर्थ करा -- अभागाना चार्त्र ते नामर्थित क्रिया-- आगि। स ितं के ब्राट्स महार नाइक । व के र अवद्या नामक में नियाद र --- ये के (अं। रिकेस खाँच गर खिक तार स्थात स्थात क्षां मा खामाचा । ज्यामान निर्धात यम वृश्चि । वच चित्र । ७ जा क्योरित छहा- अभक्ष मुश्-भग कि भक्र ज हार है कि उटक स्था करिए क एपर मा कार शा अवश्वात शास्त्राक-काश्वाता केन्द्र अगुडा (मश्राहा-किस्ट अ श्रीमुख्य सभा अम्- । १८७२ । क्रिया अथनः निर्माटन श्रीप्रदेश, सम करेश थादक--- अ अकाश भगांचा करिक, मगांचात **उक्तिवास** करा आभाभित्यत गता अहे एक अवस्थात इख्या फेकिन मिनि म कि कई। जिलाने मन्द्र- जिलाने मा वितार निकास 9 ासमास, का गतः वाक व्याष्ट्र-काल गहि, जागारिशत वसकेवा कि, आंत तुकिना कि—जागामिश्यत सम कुम छ उ क्षक मर्खाः इंडेट्रिए "-त्य धह्यारित कावर कि धक्रिशानगुर्खा गान किंगिरल इशि (ध्य दिल्भा अ अवस्थितित थर्का व्या खारित, उथम जाना मया स एक छिन्द इश-उथन आश्रम विस्ता वुक्ति के स्वां। । । शामत ना का कात व्यक्षण कत्र अत्यक्ति विज्ञाल कति दे के कि गांच न - उथन भाजन भाजन कि था। विश्वा इयु न - ज्यंन अव्यानका कवितं छ अनात्क मक जावित्व केष्ण याष ना-- ज्यान वानावावा वाणकृत क्षेट्राव कर्णात अक्टि ब्रांत पा (वस जिन एक) इस मा- उथान किवन धार्मस िं उ (भाष्यरन अ भव्नांश्क मायरन मन तक रुष्क, किन्न जिल्ला)

छाति व्यक्ताम छित्र वय ना-धक्ता व्यक्ता व्यक्ता का निर्माण कर्ति व्यक्ति व्यक

বেচারাম। ভাই তে কথ ওল শুনে প্রণ ক্রাছ।
খামার সম্ভত ইতে। তেনার সহিত কথোদ কথন করি।

এইরপ কথাবার। ইই:: তে ইতিহাগা প্রেমনারায়ণ
মজুমদার ভাড়াহাড়ি নারিয়া আদিয়া সমাদ দিল
কলিকাভার পুলিসের লোকের। এক ক্লাক ভঙ্গান্তর
শামলার দকন উক্টাচাকে গেলেডার কর্যা হাইয়া
যাইতেছে। বেচারাম বাবু এই কণা দুলিয়া খ্বত্যেতেই
দ্বালয় হর্ষিত ইইয়া উটিলেন। বাবু ওক ইট্যা
ভাবিকে লাগিলেন।

्र देव होता य। जाताह य हा वहा -- जायन जामर को क

্বিরদা বারু। ছাল এই যে লোকটা আক্রমকাল অসহ কর্মানই সহকর্ম করিল না—একাণে যদি জি জার যায় ভাষাব পরিবার গুলা অসাহাতে মারা যাবে।

বেচারাম। ভাই হে! লোমার এত শুলু না হইলো লোকে তোমাকে কেন পুলা করে। তোমার প্রতি-হিংসা ও অপকার করিতে ঠকচাচা কক্সর করে নাই— অনবরত সিলা ও প্রানি করিত—তোমার উপর পুম খুনি, নালিস করিয়াছিল—ও জাল হপুম করিবার বিশেষ চেইটা পাইয়াছিল—তাহাভেও ডোমার মনে ডাহার প্রতি কিছুরাল রাপ অথবা হেম নাই, ও প্রতাপকার কাহলকে বলে জুমি জাননা—তুমি এই প্রকাপকার করিতে মে সেং বাজিঃ ও ভাহার পরিবার পীড়িত ইইলো ঔষধ নিয়া ও আনাগান করিয়া আরোগ্য করিতে, এক্ষণেও ডাহার পরিবারের ভারকা ভাবিভেছ—ভাই হে! তুমি জেতে কায়প্র বটে কিছু ইক্ষা वित्न वित्। महाभग जागातक क्रिंग स्थित माक्रिम्म विद्रा आगि कि ८०० छ जिल्लाम । आगि
आगिमकान अगरमात गरा मि- न्या मा दक्तम भूमार विद्यालाकान अगरमात गरा मि- न्या मा दक्तम भूमार

विभिन्न रिवर्नित् निर्देश भूर त्यद भारतक्रम (भारामा ल कारबांन उत्हारिक जिल्ला कर्न ने निषय, रिक्ट हिन विभिन्न, इन्हर्या वर्षा असे असे महत्र । ते वर्षे स्वार्थ कर्तिना -- किं पर्या अर्थ किंद्र किंद्र वर्ष किंद्र वर्ष 要性を10日 い できょう いかい かいき 一つある のこば 数(以)は 田野 -- महिंद नार ११ एतर करेल के ए १ ए १ एड का करेंगरि कतिर ए एक -- ने अन अभियान करता अभिकारक अक्रिका आंकृति अएए) फिट्ट्रि, मान्यस्ति त्र अपि, धार्मान आङ्गिक कितात एक लग्न किट्ड है। देन दिन देन देन देन अकतात याँ व त्त्र अङ्फिर्ण लिए एस-- ८ आत ङायिब लिए । वार्षक अप वार्षित (मए-मुद्दे (कल दाक्रित हर। भातकन वल्डि— তোম वछ्छ वज्ञा— क्वत वाड क्ट्या (डा এक शाक्ष्ण (मशा। जथन ठेक गठा भावक म्बर्ग निक्ष का क्षां करिया कार्क् व विगां करिए वाशिव। मात्रक्रम कान कथाय कान नः फिया ठेकठाठाटक लोकाय छेठाहैया (वला पूर्वे अञ्च हारियलीव मगरा श्रीकरम आमिया छिन्। इन कविन-श्रीलिश्त मार्ट्या डिप्तिया निया हि खुड्रार् ठेक हा हिट्ट दाजिए विश्व निर्देश के विर्व के विर्व

গুদিগে ঠকচাচার ছুর্গতি শুনিয়া মতিলালের ভেরা চেকা লেগে গেল। ভাহার এই আশক্ষা হইল এ বজায়াত, পাছে এপর্যান্ত পড়ে—যখন ঠক বাঁধা গেল ভখন আমিক বাঁধা পড়িব ভাহাতে সন্দেহ নাই— নোধ হয় এ ব্যাপার জান কোম্পানির ঘটিত, সে যাহা হউক, সাংধান হওঁয়া উচিত, এই দির করিয়া মতিলাল বাটার সদর দরওয়ালা শুব ক্ষে বন্ধা করিল। রামগোবিন্দ বলিল বড়বাই

विभाग । जाल अङ्ग्रहाराय (शररखान इक्सा छ—दिशान किल्ला त्याकल पति शाकित्या वाणी चत कारसम्बन्ध (चत्रक क्षेत्रं) जिल्लाहर दकत एव भागः गिडिलाह दिला रहामग्र युक्ती (क. प्रथमरा १९।ए। मनगाकि। ७ कि कि रेश्टम ना निक्र व्यापाः " व्याप्तरकत रिवर्धः (गा स्मः कतित्र। क्षाप्तिकेद ५ लार्गहरूक काम क्याट ग्रामा (त्त् जामात्म क्रमाम कर्ता वाहिट व्यास किंग्रेज कार-जनमा के लाख-मामा नाथाल-नामा व्यानका—माना केशसन थात अपिरत क क था कि उनेगारिक। . बा कथा रण्य कड़ेता मारबंडे भारत हिन्द कतिय था। क इंडर्ड मार्थिया । वाल (यान (यान क्षेत्र) वाल वाल क्षारकं मानिका। यिक्साल या १४३२ मिल - मुनकत्-याक्षा अधिका छिलाम एउटा गिरिन स्निर्देश विक किला दब्दक के कि मानिया कि चिन धर कर लगा मा चात कामिस्यास्य विषय विषय अभिया अभिन व उवार्य धरे विका अञ्चान क्षत्र, त्यांभ वय ठेकठाठात एकन नामि (महत्वाति जेशांकर-धार्थरनत किन्क (भव इस नाहे। यक्तिकां काम मा लाक उत्त थिए किय भागा भूक्षिनीए ष्ट्रियाध्यात्र नात्र स्माय्य करन योक। 'मिल्लार्गाविक बंशिस (खामता ए जे मिर्थ स जार किन? बार्श निषयों) खोलिए युवा, जन-धारिय क्रिक्डामा करि-" क्ष्यम एक लिक्षेत्रायायु कृषि क्षिण क्षेत्राक्षक ल्लाटक कालियाक्?? भाषामा विभिन्न- करफ मुडे खांच मार्ट्स्त्व हिए लिएस जरमहि -- किंगि कर रमा विभागा थी। कतिया जिल्ला किंगिया जिल्ला अपने व किया अपने अर्थ अर्थ अर्थ आव क्षेत्र अपने विषय क्रिया। जमान (अक्रा किक त्यरक क्रमधन ७ जमानक भेजरण जान कर्नेण पर्तिम, जब वाबुरमण अञ्चलक " (मारेपत्र कार्षण कर वासि करें दिश्व कर्ण कर वासि करें करिया करें करिया करें करिया कर करिया कर करिया कर करिया ' कि बुक्ति ल भारत अन जान्या अकाल हम क बहुक्ता भाषिक

—সনেক পুনার্থা জড হইল বটে, কিন্তু কাহার পেটে কালার অক্ষর নাই, চিটে প্ড ভারি বিপ্তি হইল। অনেক কণ পরে নিকট্ড দে দের নাটার এক জনকে ভাকেটির চিটির মর্ম এই জান হইল যে জান সাহেবের প্রেটি অনাহারির দিন হাইডেডে—ভাহার টাকার বড় দেকেলার। মান্যোনিক বলিল বেটা বছ বেহয়ো—ভাহার করে। এড টাকালভাবে পোন ভবু সিডেন নাই আবার কেনে মুখে টাকা চাল দেলিলোনিক বলিল বেটা কছ বেহয়ো—ভাহার কনে মুখে টাকা চাল দেলিলোনিক নান ল ইংরাজকে হাতে রাখা ভাল—ও দর পাত চাপা কলাল—লম্ম বিলেন যাটা মুটটা সাললে দেন মুটা ইয়া পড়ো মহিলাল বালন ভোল বলান করা আমাকে কাটিপেও লালন ভাল বলান করা আমাকে কাটিপেও লালন ভাল ভাল বলান করা আমাকে কাটিপেও লালন ভাল নাই—ক টালও মাহিলাল কোন করা আমাকে কাটিপেও লালন ভাল নাই—ক টালও মাহিলাল কাই।

धय दन दानों इके. १ (ति ति ति स नातु कात करेगा देवकादन क्रका श दिः के के हत्र भारत भ रम र रम करा भाषा मारी--ग्रां अस्य घटन पटने भनान कारनेत मुद्धें जह भाग भागिए । एखा स्था हिल्साहिन—मिन पिन थिएक विश्वादाय द्री इंकिडिया आमिट्डिङ — क्रिके कारन तम्हें। ८ क्रि क उपार्ट के नि लें कि ल के नि के कि स्मिक् था के मा कि विकास —वाक्षाताय (वहातात्यत जावकामा (मध्यमा माध्यके सिंडिंक में मार्थ हातुक किमियां मिल्लिंस- विहासि अमिन श्राष्ट्राक्षाक्ष व्याक्ष गाहित उत्कः वात काक भिन्ना करम रित्या ७ माथा वाञ्चित क तहः " ७८० वाञ्चाद्राम! ७८६ वाञ्चात्राम् न लगा हो स्कात करिएक वाश्विसमा बहे. ए काए कि है कि। है किए वर्ग वर्ष भेज व हरू छ। ततः, कविश्रा निकः छ । अभ। (विठावाम वाम विकारणम —विश्वादाय! कृषि कलात्म भुक्ष—त्थायांव कात्वव थिल दाबर्भन हिलात ये क कार्य हिल्ल करें। त्या श्रीमा श्रीम क्या क्षिमार्ड कर्टम—धमार्व ट्यानांत्र ठेक्डाडी यात्र-रगापर्य जादाराज काराज दकि। मु ए निर्ज नारद्र— स्वतन केनिन किन्दिक व्यथक्षणाटक (महन—मान्दिक स्थ हृदय—(महिष् একবারও ভাগলে নাই বাঞ্জারাম বিরক্ত ছইয়া মুখ খানা গোঁজ করিলেন পরে গোঁপ জোড়াটা ফর্ই করিয়া খোড়ার পিটের উপর আপনার গায়ের ছালা প্রকাশ করিভেই পড়ই করিয়া চলিয়া গেলেন।

२० मिलिलाटलात यट्नाइटत्त क्रिमानिट जनवन महिल अभगक्रिमाति कथा करण्य निवदन, गौलकदत्त महामा उ निहाद गोलकदत्त थालाम।

वीवुत्रीम वीवुत् मकल विषय यालका यालाइएत्त् खाल्य बाजि बाट्डित विषय हिल ; मणना वा वक्त वर्णत मगर्य के जान्द्रक करनक शिञ्च किंच शास्त्र— डोइन्त कमा (डोटन े जामा दिन भरत के मकल किमिश्रिल इहेग्रा गाउ-शास्त विकि एम ७ करम कमित अभ 5 शमत इडेग्र इल ए आग्न अक काठां व बांगांत वा পতि छ हिल मा, अकारमाक उ कि हू मिन চাসবাস করিয়া হরবির ফসলের দারা বিলক্ষণ যোত করিয়া-ছিল किছ ठेकि। जा भारा श्रामार्थ श्रामारक उभन भी क्रम इ ७-श्राटक क्षकाता निक्छ श्रेया পफ्लि—अदनक मार्थित कर्माद्वत अभि बाटकशंक्ड इ ७ शांट ७ डाका मिर १३ मनम ना शांकार ड कार्यता (करण कानारशाना कतिशा ७ नकत रमनामि पिया कैत्यर श्राम्य कतिल ख जात्मक गांजिमात्र कान उ ज्ञात्म. जीकाजाका इच्छा विनि मृत्ना जाभनर कमित मद जाप क्रम् छ छाना २ खिकार से मा प्राप्त करिया। अहे का तर ए छा छा-क्षित्र प्राप्त हारे अक वर्गत नृक्ति र अवादि ठेकि छ। जारिन काषा विश्रा का ज प्राहेश वाव्याम वाव्य निकं विकार्जन — " भार क्यन कार्यान किए एक है। धर्मात स्वाधिक - जा किरनेत यरधारे अत्वर क्षणा जग्न करम एएटल शक्न ख बीजधान महेबा अञ्चन कतिन छाहा मिर शत किम बिनि कता ्रीय रहेग-अक्टमत्रे मान अहे उन्न एहेट्ड मानिम चामत्री

श्रान्थन भतिखारम होन वान कतिव ह छ।का ह निका भाष कांत्रमा त्य अक पूँ माँ माल क्रय लाकारक के किमात यह या इमक्रम शाम कत्र्वन—उटम आमाभिरमः। এ अधिकादम थाकाम्म कि अध्याक्षन ? ভाলुक्त्र माध्यय वाश्रु वाहा विश्वम उ श्रका लाकक थाभाइटि भारतिम मा। अदनक स्वि। अद्ग-ंव ल. थाकिल-िरिक भारत निलि ए ७३। एरत थाकुक कम मञ्जूदत् ७ (केन लहेट ५ (किन) ७ निस व्याना ए थ्यू व्याना वादम था कानः प्रोन जात हरेसः नात्यम् मुक्ति। के कि विभागिति এজেলা निरंडन, कथिनात स्नाधिक भाष्ठ जिथिएक-- " भा-(कर्ड) मत्र थाकाना आमाग्र ना इकेटल एकानात क्रांट बाक्टब --- (डामइत (काम उक्कत सम, माइंटन गा मगग्र विरम्ह वियम वृत्तिया धमक मिटल कः स्त्रं कार्या । (म ऋ क छेटला छ ध्यात्मत व्यथान नट्ड (म ऋटल ध्यक कि कर्या व्याभएड भारत ? नार्यन याँ भिर्त भिष्या गग्रशक्ताभ आग्रान्थ तक स्महिन है ल शिक्ष- अभिर्म मञ्ज पूर्व जिन नर्मत वाकि পणार्ड जाहै-निक इडेल खुडतार विस्म तकार्थ शितिव लिथिया पिया वावुताम वावु (मना कतिया मतकाद्भित मालशकाति माचिन कांब्र उन

একণে মতিলাল দলবল সচিত মহলে আলিয়া অবশ্বিতি করিল। তাহার মানস এই যে তালুক পেকেকসে টাকা আলায় করিয়া দেননা টেন। পরিলোধ করিয়া সাবেক ঠাট বলায় রাখিনেক। বাবু জমিলারি কাগজ কখন দৃষ্টি করেন নাই, কাছাকে বলে চিঠ, কাহাকে বলে গোলোয়ারা, কাছাকে বলে জ্যাওয়ালিল বাকি কিছুই বোধ নাই। লায়েব বলে—হজুর! একবার লতা গুলান দেখুন—বাবু কাগজের লগে কোন, উপর দৃষ্টি না করিয়া কাছারি বাটীর ভুরুল এর দিগে ফেলহ ক্রিয়া দেখেন। নায়েব বলে—মহালয়! একণে পাঁজি আর্থাং খোলকস্তা প্রক্রা এত ও পাইকস্তা এত। বাবু বলের আনি ঝোলকস্তা পাইকস্তা গুলুতে চাই না—আমি সব একন ক্রেক্তা পাইকস্তা গুলুতে চাই না—আমি সব একন ক্রেক্তা বিশ্বা যাবতীয় প্রক্রা একেবারে খেয়ে আইল ও

बदा कविन वनका उत्पाद (वहा निगाह विवा এ कित्र भन्न कामिक्तिरंगर कथा व कि कि बन कि कर रहन का इला कि उ जिल्ला **७ महा**मा नम्दन कृषाहरमा स्थानार करें । उ उमार्था कि श्रकाता किकार आशिया अलागि किया 'त्रत्यान" ६ '' मा लामे कतिएक लाजिलः या दिलाल या ग्रायम माक ज्या बडेग्रा लिकर कतिया अभित १८६ । वाबुरक थिन ८५ विशेष अक्रिका भाषिषा है करिएल जातियुक्तिला। एक न न न स्थान जायात किंगित और के किया लिखात लिखाल ए मिराएक — किर नरल समुक ष्णागात (थाक ना कि जाक ता निया तम हिंत के दिया कि — किश बाल काश्रुक व्याचार वाजारन जक हा हिंगा किंगा के निन शार्ष्य --- (किश सहस्त अगुरकत क्रिम अ भाग धान था विग्राष्ट ---किए निर्म था निर्मा कि न नर्मत कर कि न किए यर निर्मा ्थामि খতের টাক 'অ'দা। কবিয়াকি, আমার গও ফে: ভ দেও, किह बटन जानि व तथा न कि किए किए कि कि कि कि कि मात्रोहेव—धामारक छिट भाक कवित्र छका इंडेक—किं बर्ण आभाव क्रित थातिक माथिल हुए माहे आणि जात (मनामि मिटल भारित ग!-- किङ् तटल आगात क्लांटलत किम हाल क तिर्भ कम क हेबार ह - आभात था कामा मुनमः रम अ छ। म। इस ट्रा अस्टान करत (पथ। या जिलान धमकन कथात विम्तु विमर्श म। वृतिशः हिक शुक्तिकात नाग्य विमश भे किरणम। मां अवावा प्राष्ट्र अकते। या मधः भक्त अहेगा वक्त कवं खिल्र गिमा कार्रा व वाति क्ट्र फिट्ड मानिल अयस्थार " छेट्छ याग्र भाषी जात भाषा गुनि" गान कि टि। नाटबर बद्धवादत कार्छ, अकाता म वाग्र हा ज निगा वित्रिया किला। ्र स्थादन मस्ति व हिक्स, स्थादन होकद्वत काविकृति वफ् एटल मा। मार्यय मिंडलालटक लामर्थ फिल्मा निस्मित अध्यर् अकाम करिएंड माणिल। चाः के यायता केलाबिक शक्ता, बाब उष्टांब विजय किएके व्यायन करिएक लाजिएन मा, मार्ष्य छ। हात्र हत्य भूमा भित्रा छ। भूम हेचे भिन्न क्रिट: अधिका जात अकाता उस्तिक एप वायूत गरिउ (क्या करा किरण चत्रा (त्रामन कत्र — मार्ययहे नर्वयद कर्छ।

यर निर्देश के स्वतंत्र कराम करिना विकित्तरिष् राखात्रों नील विनार के के का कार कारक भाना कि देश भार छ विभिन्न लाच, यात विभाग गोलतात्व सक्ति च गाँउ के जिल्ला अक्षात भाषन महर्गट्य भारत्य प्रकार अटलवाद्य तक, रस्र । अल्लामास् अभिराय भीत अति म करिया माम्दर में है कि महिद्यां म कर्ष न देंहे कि महिना है का रहमत्र न कि इस अ कर्डिस्स इ ्याय व अगाम का भि मार्च शहे याद पुरस् मार् का (श श्रक्तः अक्षात ने कित्रत्व प्राप्तत्व श्रुपा**ष्ट्रं भा**न ं नेशाद्य भ व्यातावात्स भ तित भरभा करेत ह छात्र भा विश्व े तकरत्त्र भीका मा देशीयात्र करोता कार्य निर्ण के हे अध्यक्षिय किना होते (काम ना काम रही भारतत न में इड्रेंड है।का नक न्डेग इडियाएक ककरन मनाईन जीत रेडबाव जा इस स्ट्र .. इं त क करें त छ भारत कि के कि जिल्हा द्वारण व **याहर** क ातिता अभव या मकल देश्ताङ करिय क्षेकां**क (मार्थ** "काला निमार के कि म नान। (माक किय के हैं। के माकामान ाज हत्य--करीत कामात वाषा ७ वहाल जावामा अग्र रच व्यादक उष्टामिर्गत ज्ञानात है जुन कड़ेरेड क्या। कहे करणर्व नीम टेन्सात कर्न में ज्यान मर्स अकारत मन्द्रिकार्य अतिमगर्य स्बुद्धान छ्य

মতিলালে সঞ্চিগণকে লইয়া হো হা করিছেইল—নাথেষ
নাকে চসনা দিয় দপ্তর থানিয়া লিখিভেছে ও চুলো বুলাইন
তেছে এমত সনয় কয়েক জন প্রজা দৌছে আসিয়া চীংকার
করিয়া বলিল—মোশাই গো! কুটেল কেঁটা মোদের সর্বর্মাশ
করলে—বেটা সরে জমিতে অপেনি এনে লোদের স্বনি
কমির উপর লাজল দিতেছে ও ছাল গোঁক নৰ ছিনিয়ে
নিয়েকে—মোশাই গো! বেট কি কুন্মি নই কুন্তুলা শাল্য
মোদের পাকা ধানে মই দিলে ! মাজেৰ অম্নি প্রভাষ্থি
পাক্ষিক জড় করিয়া ভাড়াভাড়ি আসিয়া দৈলে ছুটেল এক
লোজনর টুপি মাথায় মুখে চুয়াই হাতে কুলুক আড়া হুইয়া
ইতিহাকি কন্তেছে! নাকেৰ নিকটে মাইয়া বেঁণ্ডৰ ক্রিয়া
ইতিহাকি কন্তেছে! নাকেৰ নিকটে মাইয়া বেঁণ্ডৰ ক্রিয়া
ইতিহাকি কন্তিছে লোকক লাই চালাইছা বেঁণ্ডৰ ক্রিয়া
ইতি ক্রিনি ক্রি প্রকার লোক লাই চালাইছা ক্রেণ্ডৰ

কারে আপনি তেতে এনে গুলি চু ড়িবার উপক্রম করিলনারে গুলির থিয়া একটা রাং চিতের নেড়ার পার্শ্বে লাইল।
ক্ষেত্র করিল শার্মানি লাইল লাইল হইলে পর ক্রমিনারের
ক্ষেত্র ভেগে পেল ও ক্রেক কন ঘারেল এইল। কুঠেল্র
আপন বল প্রকাশ করিলা ডেংডেং করিয়া ক্রীতে চলে গেল
ও দাদখারি প্রকারা ব টাতে আসিয়া ' কি স্কানাশ কি স্কান্

লালকর সাহেব দ'লা করিয়া কুঠীতে যাইয়া বিলাতি পালি ফটাস করিয়া বাও দিয়া থাইয়, শিশ দিতেই "ভালা বভালা" থান করিতে লাগিলেন— কুকুরটা সম্পুথে দৌড়েই শ্বেলা ক্রিডেছে। তিনি মনে জানের ভাগাকে কাব করার বালা বালা ও ওঁছা দগের সহিত সহবাস করাতে পুলিসের ও আদালালৈ ও ওঁছা দগের সহিত সহবাস করাতে পুলিসের ও আদালালৈ ও ওঁছা দগের সহিত সহবাস করাতে পুলিসের ও আদালালৈ এই কিনার ইইতে পারিবেক না। কালা লোক খুন অথবা অনা প্রকার থকার থকা করিলে স্বালা হয়— গোরা লোক ঐ সকল দোল করিলে স্বালা হয়— গোরা লোক ঐ সকল দোল করিলে স্বালা বালা ভ ডাহাতে গাজি অথবা ইফরাদিরা বাল ক্রেলা ও কর্মানতি জন্য নাচার হইয়া অস্পাই হয়
স্বতরাং ব্যু আছালতে উক্ত বাভিদের মোকদামা বিচার
হুইলেও কেনে ধায়।

নীক্ষর মা স্ত্রেক্রিয়াছিলেন, তাতাই ঘটল। প্রের্থা প্রের্থা জারের কাছারি ঘিরিয়া থেলিল। দ্র্বিক্ত হওয় বড় আপদ—পবল ব্যক্তির নিকট কেছই এব্যক্ত ক্ষরেরালে মতিলাল এই ব্যাপার দেখিয়া ঘরের ভিতর আইয়া লার বছ করিল। নায়ের সমূরে আসিয়া মোট্যাট্ চুক্তি করিয়া জনেকের বাধন প্রের্থা প্রের্থা করিছে ছিল্লু উল্লুখাবত করিছে ছিল্লু উল্লুখাবত করিছে ছিল্লু উল্লুখাবত করিছে ছিল্লু উল্লুখাবত করিছে ছিল্লুখাবা পাইবা মালে, যেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া নারের যেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া নারের মেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া নারের মেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া নারের মেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া সালের মেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া সালের মেন আব্রের কল পড়িল। প্রের্থা করিয়া সালের সালের সালের প্রের্থা করিয়া ব্রুগারি সালির সালের প্রির্থা বির্থা সালির সা

नीमक्षेत्र ज्ञानि नामा व्यक्ति (कानादि ग्रांस इतेन क स्मिक्टिन मत्म एउ विमान इडेटड लाभिल स्थ नीमकृत देश्ताय, श्रीसियान—यन कर्ण कथनहे कृतिय ना-क्ष्यम काका लाक गावज्य इक्ष्य करता धरे अवकारण (णत्राष्ट्रामात अ (भगकःत ने नकदित निकेष्ट स्ट्रिक (क्षण्डामा सम महिए। डाहार विश्वकीय कामानविक हालिया मंगकीय क्या मकल পড़िट आवस कविल उ क्रमण है है हाला हैट छ रवर्षि है। माईरेड हार्गाशन। बड़े अंक्ष्मिक जीमकत वेस छा कतिक-- आगि ध खाटन आमिश्रा मार्थिकिट शत मामा श्रकात्र छेशकात्र कतिर्छि चामि ए। वामि ए। পড়ার ও ঔষধ পতের জন্য বিশেষ বায় করিভেছি—আৰ্বাস खायात जेशत धरे उर्भेड? योगालिता यक त्ररेमाम ख भंगायां । स्मिक्रिये এके मकल कथा खनिया विकिन कतिएक श्रामन। विकिश्नित्रभा अत व्यव्या सथ्याम के विश् एक है थाई एउट व्यामाल एक कार्ने एक न--- मक सामा (भण कहरण मारहर काशक भाज:क राष (प्रथिया (मरब्रामानरक कटकरारब्र विकारमान-" এ भारभामा जिन्नाम कर" अहे एक्टम भी नकदात्र मुक्छ। अरक्षादि क्लिया डिटिल, नाए। त्वन खाँड डिन कहै-मछ करिया (म्थिएक लोशिएलमे। नाएय कार्यायमध्न जिक्टंडर खुँ क नाक्टिंडर विलिख्य इनियमन-वाक्राक्रिक कांगमाति वाचा छोत्र इहेल-नीलकत्र (वर्षेषमञ्जाकारम भूक्क चांक इंडेग्रा (जल—शकांत्रा 'खरम 'क्राक्टिर कतिरखरक। राकिमता चला जित्र जरुरतार्थ जाशा भिट्यत वर्ग सहिता भट्छ चात्र नाहेटनव राक्रण शिंक ভाषाट नीमध्यमिष्टमम् लगाहे-यात्र शर्थ विद्यान्तवः नार्ट्यः। त्यादिकं स्टान नामिन्द्रम रमोबारणा अकात आन् स्मन-वित्र म्या अभिनाद्यक्त क्याम करत वर्षे किंद्र लोकारक छउटम वकाम, दश्रुष करते, श्रका व्यविषादत्रत् (वश्चन, स्वर्धः) नीवांकत्र स्वर्धः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः अका मक्क या दें।एक छाष्ट्राटक छाष्ट्रात का बाग या —शेटला होन (यहा (यहाई नव इस्न अला वीनकदात्र अकृष्ठ जुना इ ८ करू।

रेश किंदि। ते ति ति ति ति ति ति विश्व किंदि कि किंदि किंदि

महस्य मदम् उम् १९, जावनः श्रद्धन कविटल विस्तृत साम्रम् क्रम् मा। केकहा है (यनिशाद्य अविणय अधिव इत्यान, कक्षांत क्षरभत् किंगन शिवा । अ शाम ७ भाग कतिएक नामित्या । उद्योश श्रम यात्र त्मर्थम शक्ति के जात्म। विश्वित नक कार्यम् मन्द्रपात यह खिलाल विश्व कर्तन कर् मान मिन क्षान न करेला। अकर वात चढ्मिड्रा केरिया न-आहिकारक विकाम। करतन- ' छोटे। ब्रांक किछना ह्यालिय — कार्यक्र विवक्त कर्या वत्न, " आदि कार्यान भागात्मका (मा किन भनी। (भन्न ८०३ जाद क्यों ब्रह्म कारक क्रमांक रमक कर्टल राग ठेकठाठी हैं है। खिला क्षा अध्या के शत्र भाषा कि एक । कि हात्र महन्त्र महन्त्र महन्त्र भागामा जान जाना जेलाव केमरा क्या क्यानार जाता माध्यामि विवकामि। स्याप्ति ७ क्वित्वि मजम्य कित्-माग—खासाः कशियाः एव । वेष दाकवात रहेगा हम कार्य रक्षां कार्य के कि स्वार्थ कार्य मध्या कार का मिल्ला माना स्था का विश्वास करण कर्या वा विश्वास करण नाटक नामक्ताक कार्करक वाकिनामानाटकर नामाः लोक्टनः त्यामः स्टेड त्यन त्यम प्रतिद्व व्यानित्वत्तः। भाषात्र वागरकामक (बामानकाम वागारक । जन्मकात क्षित्रकाशः अल्डिकः वास्त्रभः भागः अतिरक्षन-जिनः विस्तिक कामवाम आवश रकाम आवमा वा काकृतिस करिया शक्योंक करा खान, निका ना पा पा करका मात्र ना हे— हा सादन महोत् क नम मह जान अंदिक। जिल्ला अंदिक। जान अंदिक जिल्ला । न्तरण भारहत। त्रा था वार्षित कर्षा त्यत्र हिन्दिक

मा। क्षेत्र छार्वन উপन्ति निश्न रहेट कि अकार्त-केषात्र भारेव? फेकिल कोन्युलि ना धिहिटल नग्-श्रमान ना रहेटन कामांत गाका २ हेट शांत ना—काल कोन् बादन इस ६ कि करत जो है। (कगन करिय़। क्रकाभ इहेर्द ? बहेक्का नाना क्षकात कथात एडालिशाए कतिएड२ छात रगर बगड अयदय . खाखि वण डः ठेक ठा ठात निक्षा इक्ल, जाक्राट जापन । भाग अरका ख अक्ष प्रिचिट २ गृत्मत प्यादत विकटक माजिएसब - ध्वाक्ता ? जुल क्ला ७ क्ल एन क्रिंड পায় না—শিয়ালদর বাড়ার ভলায়েব ভিতর আছে—বেস ष्यार्ष्य—थवत्रमात जुलि व न - जुनि कल प्रित्मिश्र । (পनिया गाउ--मूर्व थालाम कर्णा ভোমার সাত गোলाकोछ कत्रवा"। প্রভাত হইষাতে— সুযোর আভা বিলিমিল দিয়া ठेकठाठांत माভित छेशर शिंखाटि । (विनिशातरात खगा-भार ভाषार निकंछ माँ पाठेया के जरून कथा श्रीनया हिस्कास করিয়া বলিল—"বদ্জাত! আবতলক শেয়া হেয়—উঠ, टाम व्यापना यांच व्याप काट्ड किया" ठेक हां हा व्यान थडगडिया डिरिया हरक नारक अमास्टिड हाड नशास्टर एमिन धिष्ठि लागिलमा समामार्यंत श्रिक धकर वात विकेशिष्ठे क्रिया (प्रथम— এकर् वात एक मुक्ति कर्नम। क्रमामात चुक् है क तिशा विधान-- (छ। ग्रां ध्रमक। छ। सा क बद्ध वब्रें। हिंग व्यात (भेग्नानिमाद्यां उन्नायरम कन उन त्नकान-न्तरम (डिर्जि धत्रम व्यां अत्वी काष्ट्रित हिर्गाण के कथा श्वितामादक कमनी वृद्धत नाम ठकर कतिया कालिए लाशिएनन उ विलिद्धन—याना! (सति वाहेटका वछ्ड एकात एया ध्रम भववरम श्राम किए कार्यरम किएगुडे व कुः छ। " काला अ बाक लिए त्वाया कार्जि, चाव देखात दशात, देश विश्वा क्यामात हिल्या शाला।

व बिह्न प्रणि ७१७१ करिए। वाकिन, अमिन श्रीतित्र लाइक्का किन्द्रिति । अमिनाम अमिनिशक अनेश हाकिन करिन । व्यक्ति ना वाकिए ७२ वाक्षात्म वासू विकास

गरम्बः मद्रभा उप अ विश्व अदिन । अदिन क तिरम कि मिन्न अभिने क्रमा। केलहाओं (यनिनात्रात्र किन्य केन्द्र क्रेटलन, वक्षांभ क्षरभव खेलद श्रांता श्रांता व शांना उ भाग कांद्र छ भाभित्यम । উप्रिया अकर बाब स्मर्थम हाजि के जाएक्। आधित भक अवना नगरमात भन्न अनित्स त्याध करतन करू-बाह्र खिला आछ। छ इंछ। । १०६२ वात श्रुमित्रा किहा भ-आहिकारक विकाम। कट्डन-" जारे। ब्रांक किन्नो स्वामित्र — जारवा वित्रक क्षेत्रा वटल, '' जारव कामान भागातिहरू। (मा किन भानी। (भन्न दश्य आव दशों इंट्स कारक क्रमिक राम कराज रक्षण ठेकठाठी हें है। खिल्हा क्ष्यरभद्र डेशक् लाड़ाग्रीक (एन। 'छोट्। त यरम्बन्नाना क्या न्नवामा छाव-न्नामा छेलाम केमरा इष्टा क्रथटमार छाटन -- व्यामि वित्रकाणि। क्यावृति उ क्टिश्चि मञ्जाद क्या किश्-नाम-नामा क्षिक्षा त्य होकः क छ त्राक्षशात व्हेग्रा ह्न लामा दक्षां का के क्षाटला के कि माटल शाटकना, माटलत मटना करे मिलियम्भाक मन्त्र कित्रवर्ग कियान भन्ना लियात करण ब्राटक ज्याहे आहे. मान्याक व्यक्ति थान्ति। न्याद्याल व्याप्त स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप व्याप्ति व्याप्ति ह लानाइ दामरकामक (ब्रामायकम कानारक : जननाइ (करत्वामः इत्परक कान्त्र) भाना कत्रिरकन-जिन विवरक्त क अवाम का बन्धा टकार आवमा वा कार्यान क त्रा अवाम करा जात, जिल्ला भारत वा करना भारत जा है—- हा शादक करोत ७ यम प्रके काम संदर्भ। जिल्ला हिम्मा र जिल्ला म्द्र था दहन। या वा न लाहात क्यो किने हिन्द्राक

मा। कथनर छ। दिन छेश किछ तिश्रम रहेएछ कि धाकारतः कात भारेत? উक्तिल कोन्युल ना धतिरल नए—श्रमान ना रहेरल जानात मार्का ३ हेटल शात मा—काल दिशास्थारम इस ও कि करत जोहा कियन करिया क्रिकाम इहेर्य । अहेज्ञण नाना क्षकांत कथात एडालशाए कतिएडर छात इग्र धमछ अयद्य आखि वण : ठेकि हा होते निष्टा इकेल, जाक्र हि जार स कांक मरकाख अक्ष मिथिए २ शुःभत चारत विकर्ण लाशिया - अविद्वा ? जुलि मन्य ३ कन त्यन कि (प्रिच পায় না—শিয়ালদর বাড়ার ভলায়েব ভিতর আছে—নেস व्यादक- थवत्नात कुलि व - कुनि कलि कित्रिम्भद्र (পिलिया गाउ--- मुटे यालाम हता हिनाम मार्क माड स्मानाकोड कत्रवा"। প্রভাত হৃত্যাতে -- সুযোর আভা বিলিমিল দিয়া ठेक ठाठांत मा जित जेलत ल जियादक। विनिधातपत खना-भार एक्टिंड निक्छ ने ए दिया के मकल कथा क्रिया है इकाब करिया थिलल-" रम्बाउ! व्यावडलक (माया (क्य-डेठे, टाम जानना नांड जान् छ। ट्रंब किया" ठेक हाहा जननि धफ्गफ्या केरिया हाक नादक अमास्रिक्ट काक नमाद्व सगिव शिष्टि लाशिका। समामार्कत खिंडि एकर वात मिडे निहे कविया (मर्थन— এकर् वात छक मुभिष्ठ करत्न। कमामात जुक् है क तिशा विलिल-- (ङ । ग्रां ध्वयक। ছाना (ल क्यूर्क वय्रे। हिंग व्यात (भिशानिमार्का उन्न. ग्राम कन उन सम्बन ्नरम (डर्बि थव्रम छा अदकी जाटक्द रक्षाणि हैक्ठांठा कहे कथा श्रितामाद्य कमनी वृद्धत्र मात्र ठकर कावगः संक्रिट लाशिरनम उर्वासन—यादा! (मति वाकेटका वर्ष अधान छ्या अभवत्य श्वानिम छ। निरम छिप्ते व छ। ध्। ध छ। ल। ख बाल शिष्ठ् त्वाया। कार्खांक, — यांव टेडग्राव्य तथा ३, देहा विश्वा क्रमाभाव एकिया (शल)

व बिर्म मणी। जः जः कतिश व क्या, क्यानि शृहिश्य, लारक्ष्यक्रिकिति। अ भागान। क्या श्रीमिश्यक अभेदा हा क्यिन कतिम। व्यक्ति। ना ना क्यान्य विश्वार म नामु वर्षेन्य ভানিত্র কৈ জন্মা পুলিলে ফিরিয়া ঘ্রিয়া বেড়াইন্ডেছিলেন ভানিকে ভাবিভেছিলেন—ঠকচাচাকে এ যাতা রক্ষা করিছে ভালির দারা অনেক কর্ম পাওয়া যাইবে—লোকটা বিল্ ক্ষেত্র, লিখতে পাছতে, যেতে আসতে, কাজে কর্মা, সামলা মোকদ্বার, সভলব মস্লতে, বড় উপযুক্ত, কিন্তু আমার ক্ষেত্র প্রেলিটালা না পাইলে কিচুই ভবির ছইতে পারে আ। ধ্রের থেয়ে বনের মইম ভাড়াইতে পারি নির আর নাচতে বলেছি খোনটাই বা কেন? ঠকচাচাও ভো অনে-কের মাখা খেয়েছেন ভবে ওঁর মাগা খেতে দোষ কি? কিন্তু কাকের মাংল খাইতে গেলে বড় কৌলল চাই। বটলর সাহেব বাঞ্জারামকে অন্যন্তক দেখিয়া জিজ্ঞাসা করিল বেন্সা! ভোম্কিয়া ভাবতা? বাঞ্জারাম উত্তর করিলেন —রম সাহেব। ছান, রুপেয়া যে হারভ্যে ঘরনে ঢোকে ভাই ভাবতা! বটলর সাহেব একট্ অন্তরে গিয়া বলি-লেন—" আস্থা>—বছ্ত আস্স্ত্রা

ইকটাটাকৈ দেখিবামাত বাঞ্জারাম দেখিছে গিয়া তাহার হাত ধরিয়া চোক চুটা পাল্যে করিয়া বলিলেন—একিং ;
কাল কুশংবাদ শুনিয়া সমস্ত রাতিটা বিসয়া কটিটিয়াছি, এক
বারও চক্ষু বুলি নাই—ভোর হতে না হতে পূজা আছিক
আমনি কলভোলা রকনে সেরে মাহেবকে লইয়া আদিতেছি।
ভিন্ন কিং তিলের হাতের পিটে? পুরুষের দশ দশা,
আরি বড়া গাঁছেই ঝড় লাগে। কিছু এক কিন্তি টাকা না
হইলৈ ভদবিরাত কিছুই হইতে পারে না—সঙ্গে না থাকে ভো
ঠকচাচীয় চুল এক খানা ভারি রকন পহনা আনাইলে কর্মা
চলতে পায়ে। একলে তুনিতো বঁচ তার পরে মহনা টহনা
সন্ম হবে। বিপাদে পড়িলে ফুল্ডির হইয়া বিবেচনা বরা কড়
কচিন, ঠকচাচা ভংকলাং আপন পত্নীকে এক পত্র লিখিয়া
দিলেন ঐ পত্র কইয়া বান্তারাম বটলের সাহেবির কিভি
ক্রিপাত পুরুষ চোক টিশিয়া ইয়াক হাস্যা করিছে।
ক্রিপাত পুরুষ চোক টিশিয়া ইয়াক হাস্যা করিছে।
ক্রিপাত পুরুষ চোক টিশিয়া ইয়াক হাস্যা করিছে।

दिमावाणि य हैया ठेकछा छै त निक्छ इडेटड कि ज़ जाति त्रक्य शह्नां कानियां ज्यारम व्यथतः आफिःम (सथ्रिक् व्यादेश, मिथिও গঠন। খব সাৰ্ধান করিয়া আনিও, বিশ্বনা करा, यादि आदि आभिति.—(गम এके थान जाका। अस्कात क्रको इन्हेश विभिन्न-- मन्। भग । भारथत रूप', अमिन वस्रकाई कहेल ? काथात कलिका हो--काथात देवपावाजी--भाव ठेक ठाठी है ना दकाणाग ? जानगरक छासकारत एडला मातिगा (नण्डिट इस्त, এक गृहे। या उग्राप्त थाकुक धरान अक शांके कल माथाग्र भिन्ने गाहि—धाक कित्त (कगन कित्रा) वाम्रा भाति? वाक्षाताच जगनि दर्दा भारत छग्र উठिया यल स्ना,— (५। है (न'क এक का एडे मण्यत, धता जान करात (कड़ नरा, नाडि (वाँडे। ना रूटन कक रूस नरा। (लाटक उल्लाम करिया मिली गाँड एक. जुनि दैवनावाछी शिशं এक है। क्यों निक्य करिया चाम्र छ श्रास्त ना! भाक्य इक्टेटन नेगाताम कयं नृत्य— ट्रांत छाटक आञ्च भिन्न वल्लूम ७१८७३ (ङ्राम देश्ल मा? मदकात चंद्रशामृत्य मा ताम मा शक्षा किछ्डे मा निलिश (निष्णित नाम जिक्द उर ठिन्न उ आशना जार्थान निन्द नाशिन कुरिय ल्पारकत मागडे वा कि आत अश्वागडे वा कि? ल्पारित क्या मक्त के महिए ह्या किन्दु क्रिम निम करन र ता है। ठेक ठा ठा त यह स्थारित अप्रत्य । आभाव (माहा प्रिका कारत क ल्लारकत जनाव छूति भिनार्छन—यानक लिएक जिएक गाछि ठाछि कतिसार्छन— यदनक लादकत चित्रेश घ्रा छत्। है-शर्द्धन। वावा! जातक जित्तिता ग्रम् म (मिग्राह्मि वर्षे किन्दु उन्त कृष्टि गार्छ। तकगर्छ — नार्डान अर्डोन, मरस्क ियमा, ध्यारात कु ठ ठटला मा (मयारम । मटि छ। लामा । व्यक्तिया श्रुका आर्शिक (मान छूट्ग : १मन त्राकान एवं कि कि कि थार्छ। धनन हिन्द्यानित नर्य छ। हे—बाना (नाड़ा हात्रभकाष्कि उ वप्रात्र !

क्षणान ठेक हो । वाह्या । यह विशेष के हैं ए एक क्ष

ক্তুনি বৃদ্ধি হইতেছে। পঁচেটা ৰাজেহ এদন সময়ে কৈচাচাকৈ নাজিট্রের সম্মুখে লইয়া খাড়া করিয়া নিল। ঠকচাচা গিয়া সেথানে দেখেন যে শিয়ালদর পুষ্করিনী ছইতে জাল ফরিবার কল ও তথাকার ছই এক জন গাওয়া জানীত ছইয়াছে। মোক্দামা ভদারক হওনানন্তর মেজি-ট্রেট হুজুন দিলেন যে এ নানল। বড় আদালতে চালান হউক, আশানির জানিন লওয়া যাইতে পারাযায় না সুত্রাং ভাহাকে বড় জেলে কয়েদ থাকিতে ছইবে।

मिक्रिसिए देव क्रक्रम अवेवा गारक विश्वादाम (एए यातिसा इंकि गाफिया विलिक्षिन—जग्न कि? এकि ছেলের হাতের लिए । वर्षा कानार वाट्य (य त्यांकक्या वर्ष्यांनात्व श्टर-यागता अ जाइटडा छाई। ठेक्ठाठांत युथथानि 'जानमाग्न अटकनाद्र एकिशाद्यल । (अग्रामाना होड धनिया रफर करिया नीटा छै। निया जानिया जिटल एक्षांन करिया मिल। 5।5। उर्यम् कविया ठिलिया छ न-भूरथ वाका नाई-एक जुलिया (मध्यन ना, পाছে काহाরো महिछ (मथा इस — भाष्ट्र (कर् भित्रांभ करत्। भक्ता रहेग्राष्ट्र धमन मम्ब ठेकठाठा छी घरत शमार्भन क ित्यम। वष् छ जिल्ला याज्ञा (मनात छना अथवा (मन्द्रगान नकमना घणिक करम्र इस फाइन्सा अक्षिर्भ भारक ए याइन्स रकोक्षमाति मास्ना (इक् करग्रम इग्न काराजा काना मिर्च थाएक। ले नक्ष कामानित विठात इहेटल इत्रटा डाङ्गिर्गत थे द्यारन भिग्राम थाणिट इग्न नग्रटा इति वाणिट स्कि कृषि उ इप्न क्षथना ভाराधिरभन्न किथित वा काँनि रगा ठेक ठाठाटिक क्षिमाति क्षांक भाकिएक इहेन, जिनि जे छात्न अदिन क्तिरा याव छोत्र करग्राम व्यानिगा (यत्रिया विनन। टेक छा छो कछ गर्छ कतिया नक्षाक (प्रश्विष्ठ लाशिलान-अक्षान व्याकाणी । अधिष्ठ भागमा। क्यामित् वित्न, मुन्निवि! ---(मध कि? (ड्यांत्रेड (य प्रणा आंगाम्बर अक्रेड प्रणा, अयम काहेम भएल युरल थाका बाउँक। ठेकठाठा राज्यलम -हा बावा! हरे ता एक जाशरम शरफ हि-महे बाहे क

क्षे हैं ता, स्पांत क्षित्रण निश्व क्षित । छु है बक कान क्षां होने कर कि विद्या का देश कि ! का त्य कि है निथा का देश कर का क्षां है कि ! का त्य कि है निथा का देश कर का त्य कि ! का त्य कि है का निष्ठ का है का ति है का त

তি কেরে চারি দিগ বলা হটল—কএদিরা আহার করিয়া শুইবার উদ্যোগ করিছেছে ইতাবসবে ঠক চাচা এক প্রায়ত লিগে বিচার থুলিয়া মুখে ফেলিভে যান আমনি পেচন্দির থেকে বেটা ছাই নিশ কাল কমিদি গোঁপা চল ও জুফশাদা, ঢোক লাল, হাগা হাহা, শক্ষে বিকট হাস্য করত মিঠাইয়ের ঠোজাটি গট করিয়া কাজিয়া লইল এবং দেখাইয়াই টপাই করিয়া খাইয়া ফেলিল। মধ্যেই চর্বণ কালীন ঠক চাচার মুখের নিকট মুখ কানিরা হিন্থিই করিয়া হাসিতে লাগিল। ঠক চাচা একেবারে অবাক—আত্তেই নাছেরির উপার গিয়া সূত্ই করিয়া শুইয়া পাজিলেন, যেন কিলখেয়ে কিল চুরি, এই ভাবে থাকিলেন।

২৭ বাদার প্রজার বিবরণ, বাজ্লোর বৃত্তান্ত ও গ্রেপ্তারি,
গাজি চাপা লোকের প্রতি বরদা বারুর সভতা,
বজ্লাদালতের ফোলদারি নক্দানা করণের ধারা,
বাঞ্জারামের দৌজাদোজি, ঠকচাচা ও বাজ্লোর বিচরে ও সাম্বার হুদ্ন।

वामाटि धानकारी। यात्रश्च रहेगारिक, जाम्हि भार कश्चिक, इ.सप्टर्ट्-कार्ति विश क्षणमञ्ज्ञारभार दिश्के विश्वत हैद

विष्यं व्यापात् निस्तात नाई-- अभिटा महाकन अधिरा सन्दि भारत्य भारेक। गणि विकि जास दश दर दावामिराज पूरे ध्वना पूरे गठा थ। इति हिल्ड भारत नज्या गाइकी भाकता अ क्रमथारी छम। (एक्राट क्रवन रेग्म स्यान स्यान कार्डम। खाग्र व मार्डिसे छ त्या। वक्रामा थाना धानाग्राहम छ र शम स्य थए कि का जा खका (भाका के कि जा उका जिस्क सरक क्रमात्वत विलक्ष्ण या, यां उ इश्र कात्र धारमात्र भाउँ ए आहि, जमान्न ना कतिरह कहा धति छ। ता वा छ हा आ एक का खालन खाटित क्रिंग उपातक क्रिया वाशित पाउयाटि विमा ভাগুक थाङेट्डिছ्न, मगार्थ धक्रों काशङात मश्रत, निक्छि पूर्वे छाति छान श्रांत्रामकामा श्रका ७ जामालाउत लाक यित्रा कार्ष-- श्रक्तियत कार्यकात वार्यात कार्यात के তেছে ও কেহर সুভন দস্তাবেজ ভৈনার ও সাকী ভালিম कतियात देणाता कतिएएए— कहा होका एक व्यक्तिया मिटिए ७ जाभनर गरमव का मिल कना नाना क्रकात क्रिक कतिरहरू। विष्टु कि ए एग जनायनक--- ग्रिश उतिरा (मिथिडिडिन—धकर बात थालिन क्वान क काल्डा कत्राडिन कति। उट्टन " ७८७ के कड़त फगाए। गाएत फेशत फुला (म, के स्टब्स आछि। विक्रिय भूति (म," ७ ककर वास इम्बद्ध जाद्य क्रांत्रिन्द्र (क्रिय: ट्रिन। निक्टेश अक वाक्ति किकाम। क्रिल-मालि मार्क्व! ठेक्ठाठात किछ मन थरत छनिट्ड शाई—्कान (अँ५ नाई (डा? वाछ्ला कथा जिल्डि हान गा, माजि निष्ठ शाउउल खाँक विकास विलाटिका—मन्दान छे भन्न हरतक खा शम रशरत, जात जत कत्राम हमर्य (कन? जाता क्कजन बिलिट्टिष्ट—এटा कथाई जाटि किन्छ (म वाजिन नार्वहा, आभिन वृश्वित स्थादन रिशम शिक छक्त इक्टना स्म याहा, इडेक आशनांत उपत काम माग्र का अफ़िला आगर्। नाहि— এই (एक्नां जरानी शर्त जाशनि वह जामारेप व 'अर्थाश मण्डि आह नाई—आनारपत वस रकान वृद्धि कनन मकारे जानन। जाननि ना व्यक्तिल जानगरम् बचान

क्रेट यात्र छेटा रेट इकेट। छार्या आश्रीन आमारक करतक थाना करक वानित्य नियाधिकान छ। के किनान (विठाटक क्रम कविग्राष्ट्रि, व्यानात छेशव भिन्न ध्वर्षि किन्नु भोताका कत् गः—ाम जाम काल काल या जामनि जोगान भाषांत्र बार्छने। याछला बाञ्लारम शस्थि छ । जहर कतिया (ठाक अथ मिया भँ याँ निर्गं ७ कर ७ এक है गृहू २ हो भा करिसन। खन। এक कन र्वालन मक्श्मल किंग क्या नित्त सकेट (भरकं क्रिमात उ गेलकर्र कक्क करित्र क्रमा प्रकेष पाय कार्य - अथगडः भोन्ति मारश्रवत मडम लाहित आधा माउद्दा — विटीय ३ थ थिया न एउसः। आगि मिया कि आनिक व्यक्त, शामतित (भागाई निया (शाकुत्मत याँ। द्वा माग्र विषाय। পानित मादिव के फिट्ट वन महिट्ड वन ख्यां इति वल "उड़े (जाकरमद्र" मर्ममा बका कर्रम। मक्स প্रজा य गरनत महिल शिक्षियान व्य का नम् किन्द्र भा পাদরির মণ্ডলীতে যায় সে নানা উপকরে পায়। মাল मकलामा शापतित किरिट वर्ष कर्य लाला, वाङ्का बिल्डिन तम मह वर्डे— लिटकम आमिभित आभगात मिन स्याग्रामा वछ् व्या। जर्मान मकः व दिल्ल छ। वर्षेट्ड. छ। वर्ष्टे जागता এই कात्रां भागतित निक्ट याहे मा। अहे कुल (थान गड़ा इहेट उट्ड इंडिंगर्भा माद्रीशा अनकर्यक क्यामात ७ श्रीलिटमत मात्रकन छएगुए कतिशा चेपानिशा वाछ्टलात হाड थरिश वर्णन-: डाय ठेकठाठा का माड काल किया— : जानाति छेशत श्रात्रश्चाति (इस्। धरे कथा श्विका माद्य निष्य लाक मकरल उप शाहेग्रा गर्हर करिया अश्वान करिना विख्ना मार्त्वार्थः ও সারজনকে थन' ल्यां अधिक किन्न जाता शादक कार्का याग्र करे च्या ७ कथा व्यागतन वानिन ना, ज्ञात भाव ध्रिया महेशा हिनन। एक्ट्राज्यांनी भूदत कहे कथा लानगा लान कालग रहेन उ छार तात्क विवाद नाणिन हकः केत्र नाशित विकादम मुख्य या भीज रुखेक व्यवभारे रुदेश, याम त्यादक लाल क्रिया व्याप काणिइया यात्र उत्य मुखिक मिया हरीक

ज्यम कथाई इंडेट्स भारतमा। विख्ला पाए (इंडे करिसी किनियार्डिय— इतारकत मिटि (प्रथा क्ट्रेंस्ट्र्ड किन्द्र कोट्रेंस्क. (प्रथित प्रथम मा , प्रते अक वा कि राष्ट्रां क्थम मा क्थम खादा कर्ति अभक्र करेगा हिल जाकाता अहे अवकारम , कि किश् ए सं। भाष्टे का निकटि धानिया दिन ल- भोति मारह व" बिक बुद्धत छात्र ना कि? जाशनात कि कान छाति विश्व कर्ष इत्याहर ना वाम ना शका किछ्ने ना वित्यः व्हिला. बन्म द्यांनीत घाडे शांत कडेश मान्य अंगिया शिक्यम रम्थारन इडे এक छन (छेशव॰कीय माङ्कान डेंड्यरक (पिथा विलान-:केंग्रें छ (गात्स्थीत (गारा-आ) क छ ग्र-ध-क्रमा नमज्ञां ज ज्यामियिका माजा निजन। रहाज (वह छत्। एहे मकल कथा विख्लात गड़ात डेशत थाड़ात घा लाशिङ लाशिल। (चात्र ७३ फालमारन खलमानि ३ इहेगा छवानी शुद्ध लिक्टिला -- किथिए मृत लिक त्याप इहेल द्रायात ब्रिम्हित कडक छिनिन लाक में ड्राइस लान करिएडएड, निकटि व्याभिया मात्रजन वाकनारक करेया प्राप्त करेया किकामा कदिल वयोदन अन् भारत दलन ने भारत दलाक हिल्ला र्गात्मत ভिত्र य हिया मिथ्र এक जन ভ म्राक्षांक এक याच हि-ख वा किएक (कार्ष कित्रा विषय) आहिन— आपा डिड वा कित भक्षक मित्रा क्यि विद्या छ कथित ि गाँउ इ हे हुए , धे तरक छे छ ভদ্রেশ্যকের বস্ত্র ভাগিয়া যাইভেছে। সারজন জিজাস। कतिम जानि (कड धरनाकि कि शकाति कथम इहेन? छम्द्रांक विन्द्रलम आयात नाम व्युपार्थामानियांम । - ज्यामि ज्याति क्या क्या क्या क्यामिशिक्षिया रैनवार धरे लाक शाष्ट्रिकां भाष्यः आयं उठ रहेगाए करे खना जामि जा जिल्ला वित्रा जाहि—शीप हामका जातन राष्ट्रित एरमान नाष्ट्रिक कि— धक्यान नाहिक व्यानिए भारताहेश हिलाम किन्न (वह रिवार्श हिलाक किन मटि महेश भाइ: उ ठाटन ना कारन करे राक्ति क्या कार्यात म्राक्ष वाष्ट्र वाहे किছ वशकि नाक्ति केहिए केना

পালিক কিয়া তুলি পাইলে যত ভাড়া লাগে ভাহা আনি নিত্তে প্রস্তুত আছি। সভভার এমনি গুণ যে ইহাতে অধ্যের ও মন ভেজে। বরদা বাবুর এই ন্যবহার দেখিয়া বাজুলোর আশুর্মা ক্রিয়া আপন মনে ধিংকার হইতে লাগিল। সারজন বলিল বাবু—বাঞ্চালিরা হাড়িকে স্পর্শ করে না, বাঙ্গালি হইয়া ভেমারে এত দূর করা বড় সহজ কথা নহে বোধ হয় তুনি বড় অসাধারণ ব্যক্তি, এই বলিয়া আসানিকে পেয়াদার হাওয়ালে রাখিয়া সারজন আপনি আড়ার নিকট যাইয় ভয়নৈত্রভা প্রদর্শন প্রস্ক পালেক আনিয়া বরদা বাবুরা সহিত উত্তে হাডিকে হাঁদেগাভালে পাঠাইয়া, দিল।

शृद्यं वफ् आमामट कि किमाबि मकमाना वर्गत जिनर नाम व्यस्त इकेन अकर् किछू चनर कन्या शास्त्र। स्कोख-माति नकमान। निष्मिण्डि कद्रनाथ उथाय प्रते व्यकात खति मक-इत र्य अथगरः शास्त्र, गार्ता প्रालग हालानि ए जनगना लाक य देखांदेषेटमन्छे करत एक्स विषात योगा कि ना निरंबहना कविया व्याप्तासङ्ख्य कानान—विशेष्टः शिष्टिक्रांत्र, याङ्काता आक्षतित ित्यहमा अकुमारत विहात (योगा मक्सामा क्षां अधि विष्ठ विष्ठात कतिया आभागिषिभारक (मासि वो गिर्मास करत्न। अकर मिणान कार्यार क्योद्धमाति कामालक २८ क्रम श्राक्ष्य मक्द्र एग्, य मक्ष्म ल्या क्रम हुई लक्ष छोकात विषय व। बाराता भोनागति कथा करत छारातार अञ्चित्र इड्डि भारत। मिन्दन (भिन्दे कृति श्रांत्र श्रांत्र श्रांत्र भक्तत ह्य, जाशामिरशत गाम ए कियान कालीन आगानि वा टिक्सामि त्याकानमास्त व्याभिक्ति क्रिट्ड भारत व्यर्भार यादात প্রতি সন্দেহ ইয় ভাকা,ক না লইয়া ভানা আর এক सन्द निष्कु कराहेट भारत किन्द्र नात सन भिष्ठि सुन मानव कतिया विभित्त छात दमन रूप मा। भन्दमत अधिका मिर्दाम दिन खन सक वरमन, यथन ये होत्र शाला दिनि आक्षति मकत्रत इहेटल डाँहां मिशक हार्क कर्यार मिनकीय भाकसमात्र राजार मकन युवारेषा (मन। ठार्क मिटल शत खन) महे जन व्यवस्थारात्व भावा नग्र डीराता किरिया यान ए अधितिया

अक कामनात जिल्हा याहेना श्राटाक हेलाई है। या बहु से का क्यांश्रम विद्यहनाञ्चमादत चथार्थ वा अयथार्थ लिथिया श्रीकाहेया दमन ভাগার পর বিচার আরম্ভ ইয়।

ब्रह्मनी आग अवभान इग्र—मन्दर मनीत्न दहिएउट बरे ञ्चणी उल मनएम ठेक ठाठ। मुथ इँ। कर्तिमा (व ७३ नाक छ। किमा निया याहेट उक्त अनाना कर्या पतः छित्री छात्रक थाहेट उक् ख कहर से मक छनिया "मात्र (भाषायार्" विविद्य ह किक ठेकठां ठा कुछुकर्णत नाम निष्ठा या ३८७ ছেन—" नामा गर्जन खिनि श्रां भिरुद्र"। किन्नदकाल श्रांत (कलत्कक नार्क्य व्यामिया क्यानिरम्त यनिस्म ट्यान्स इ.७, छामा मकलारक आमिलिए वाहेर इहेरव।

अभित्य भागन श्रीलवामात्य मण श्रातीत अत्यन्ते वक् आभागत्वत वाताछ। लाटक शरिशूर्व इंडेल-- एकिल, कोन-खुलि, रेफवामि, जामागि, माको, উकिटलत मुरस्मि, छ्ति, मार्-खन खनामान, (भयामा---गाना श्रकात स्माक देशर कहिटल लाभिना वाञ्चाताम विद्यात भाष्ट्रविक लहेगा कितिए छन ও ধনি লোক দেখিলে ভাহাকে জাত্মন না জাত্ম আপনার ! वाशवाई कलाईवात खना हाउ ज्लिशः जानीसाम करिए-एक किन्न यिनि के हारक जान कारनन किनि के होते निके हारिट प्रतान गा—िनि এक लह्या क्या कियाहे এक हो नी अकिटी मिथा। वता छ करूदबार्थ डी हात हा एक हेट ड छ का त ह है-टिका (मध्रक) किन यानात गाफि व्यामिन—वाख शाह ध्र कुडे दिरा निमाडे, गाँख थाडा इहेगा मारक नकत्म वाताना (शरक मिथिट अपितन-गाफ़ित जिल्ह (शरक मकन कर प्रमित कहेगा जामामहज्ज मीरहकात घरत्त कार्रेशकात जिल्ल अधिका विद्धाताम इनर् कतिया नीटि व्याभिया टेकि छ। 'अ बांक्टलां व मिठ्ड माकार क्रिया विलालन—(जामना बीयांक न-उत्र (१९ ना- এकि ছে लित ए एटि? े बहे श्रीहर रहेगा माटक वांताखात मधायन चानि हरेन ्रीताक भक्त पूर्व निर्ध में। जावेल—कामाल एक ल्यां भ

क्षण्या क्रिट्ड माजिल-एटक्ट्रा वानिट्डर्ट्स विक्रि

गांव छोत्र (लांक निर्तोक्षण करिए उपन अभरत्र अभ्यक्षम পেরাদা ও চোপদারেরা বলরাম বর্শা আশার্সেটো ভলওয়ার ' अ यममाशात (द्रोपागग्र गिकाकू ७ मञ्जा हाए अ कित्रा वावित ছইল ভাহার পর সরিপ ও ডিপুটি সরিগ ছ ডি হাতে করিয়া (मथा मिल डोर्न्। त शर्त डिनक्रम कक्र माल क्रिक् शर्ता शर्नु त बनदम म् छूर् गाँड६ड त्रदक्षत छेश्य छेशिया द्वीनस्तिपत (मलांग कत् छ छ परवणम कतिरलग। कौन मुलिता धर्मान माँ ए:-हेया मणानभुक्षक অভিবাদন করিল—চৌকর নাড়ানাড ও লোকের বিজনি জিনি এবং ফ্সফ্সনি বৃদ্ধি ছইতে লাগিল-(श्याभारा गरपार् ६ छथर् कतिर उट्य-मात्करमत्। " किनर्" कतिराज्यक — लुख्त भ उनेम - उनेम' विलगा दममन थालिला। ज्यानुत् श्राक्षात् तर्गत् नाग एकि। इदेश एक्। गकत्त इहेन ए जाजाता आश्वनामिश्यद्ग कात्रमन अर्थार खांधान आहित नियुक्त करिल। धरात त्रस्मार्क्ट्वित भाना, जिले 'शाक्षित्व व्यक्ति व्यक्तिका कतिया विविद्यान-" मकल्याव उलिका मुख्छे वाथ उद्देश्य म क्लिक् श्रा कानक्या विकि एडेग्राइ कार्र के कार्टित्र भें। 5 हम्है। मकममा मिथिए । भावे— ভाषात मस्या ठक्ठाठा 'अ वाक्टलात श्राड ्य नालिम जरमन्त्रकीय समानविष्ठा अकाम शांकेटवर्छ (म छा छा । सिरानिमा ७ जान का भागित का छ छ छ । त क विद्या करमक वर्म स्विधि धेडे मह्द्र निक्य क विष्ट्र — ध भक-मना रिष्ठात (याशा किना डोर्श आर्गाक श्राश का ना डेट्रन-धीना। नाकमानात मखाद्यक (मिथ्या राष्ट्रां कर्नुना लाष्ट्रा कतित्व उदिवता आगति किछ् वनः व छ । । अडे ठाळ भार्तिश दाश्चित कामदात छिउत गमन कित्रिक्ष—नाक्षाताम नयंश्वाद विज्ञात मार्कत्व अधि (मधिर मार्गिका) मण (लागत मिनिएंत मध्या ठेकि । । वाख्टलात अबि के छाइति प्रायार्थ विनया आमाम एक ध्रितिक इकेल अम्बि क्ष्यात अर्व केक्टा व व क्या क्या करकत अण्य काठेतात जिउत था फा क त्रिया मिल अ भिष्ठ जिस्

ছ अस कालीन कार्टित छ छ दिल है । है व हो एका त करिया विवासन (याकाछन उत्तरक ठेक ठाठा । उताक्ला! (डायलाक्का डेल्ब कामदक्षणभागित को शह वा नादनदका नादनम छ्या—टिष्मणा ध काम कियाद हम डेया (महि ? स्वामामिया विलिल-काल वि कारक वरल धात कालानित काशक विकारक वरल भाता किए हे कानिना, त्नावा त्मद्रिक मांड धत्रवांत कान कानिन स्याता ठामवाम कति—:यादमत এ काम नग्र— अ काम সাঙেণ স্থভদের। ইন্টর্গিটর ভাক্ত হইয়া বলিল—ভোগ-लाक वष्ठ लगार वाज कर शहरू जामालांक এ काम किया है। (नहिं? जाभागिता विलिल मालित वाशमानाता उ कथम करत्वाहै। देखेविभिष्ठ अञ्च विवक्त देशे। (मक्ष अपनिष्या रिनल-श्रमाति राउटका करात (म3- १ काम. किया हैया (निधि? (निधिर এ काम कागत्माक किया (निध् --- श्रे उत्त जामागिता जनत्मा य भिना उत् श्रेम किछामा कतियात छार नर्ग छहे य छामानि गनि छानन माय कीकात कर्त्र छर्व छाष्ट्रात विष्ठात थात इय न:-- এक्यारत माकः इय। क्रमखत इन्हें ति भिष्ठत विविध्यम—एन—धरे वाद्या जामा वामि वध्येष्ठे कत्रक द्यान्याक का विठात कर्त्रणा—किनिका छे पत আগর ওজর রহে তথ আবি কহ-ওলকো উঠার করকে দোসরা व्याप्तियको अन्दका व्याद्याप्य वर्ष्ठेला कार्यात्र। व्यामामित्रा क कथात जाम मन्म किछ ना वृत्यम हल कत्रिमा थाकिन। कमिर्श विष्ठांत्र चात्रश्च र्वेगः टेक्त्रामित ए माक्तित कवानविमत बाता भत्कारत्व छत्य कोनमिन स्मारे क्रांभ छोन श्रयान कविन भरत कामामित्यत कोनस्ति जाभन उत्कनाको न। जुनिया (सर्वाः मात्र (পচি कर्षा ও আইনের িডওা করত পেটি জারকৈ खुलाईया मिटि (हचे। कतिर जा निक्रिंग) चारात वक् के (निष इंड्रेंग शत तुनल मार्ट्य गकस्या व्यापादवन्न व्यालमा उ काटलब्रमकन कवित्क युवाहिए। विलिटलन-:शिव क्रिक्रिक्टि। दर्ग भारेषा भवाभय कतिएउ कामतात जिउत भमन कतिला मिन्द्रा अकरण धेका ना इहेरल जालन क कि श्राप्त वाक कब्रिटक लाइ मा। अहे कावकारण वाक्षाताम कामागिरमत्र निकरे वाभिश्वा क्रां

बिट्ड लाशिएलन, र्डे ठातिहै। जाल गुन्न कथा ठएउट्ड के कि मध्या क तिरमत व्यागमन्तित शास शरफ्राभा के हिला व्याभिया व्याभग यात्र विभित्न कात्रमन में क्रिका थाए। हर्ति।--- योगान । धाकतात निख्या-- मकत्न र पाए वाछिगा कान (भारत इहिन--क्रिप्टिन क्रिक्निन मागलात अधान कथा-काबी क्वाक्याव्यक्ति किछ। मा कविल-क्विमश्रामायव ! उक्ठाठा अ वाङ्गा निर्मित नार्ष निर्मित रकात्रयम विनिध्न ने विने अर् करा के ने निम्न निम्न का का निम्न अरकता द्व अफ ्थरक छ। १ ऐटिएर शहर- वाद्धाराम जारण नारण आमिया र्नित्सम् आ (त उक्तम निक्ति। धिक किट्सित श्रांक निर्दे ? श्यमि निष्ठ है। यस अर्था भूगिति । दिन कर्ग आर्थन किसिन। ठेकठाठा माणिमा किया विकास त्यामा है । मार्मिस मिरत या आहि जारे भरत भावा जात जेका के ज भवतवार के ब्रह भारित मा। वांक्षांत्रांभ किलिए ठ उठ फेरिया श्रीकालमा मुज शिष्टि शांच नां। धरा कंड किंदिन? धां भव करणा (क्यम (क्रिंप कि भाषि जिल्लान यांग्र ?

প্রিমিণে রসল সাহেব বিচ উলেট পালেট দেখিয়া আসানি দের প্রতি দৃষ্টি করত এই হুকুন দিলেন—'ঠকচাচা ও বাছলা! তোনাদের দোষ বিলক্ষণ সপ্রমাণ চইল—যে সকল লোক এনন দোষ করে ভাছাদের গুরুতর দণ্ড চণ্ডয়া উচিত, এ কারণ ভোমরা পুলিপলমে গিয়া যাবজ্জীবন পাক"। এই হুকুম হইবা মাত্র আদালতের প্রহরিরা আমানিদের হাত ধবিয়া নাচে লইয়া গোল। বাঞ্জারাম পিচকাটিয়া এক পার্শ্বে দাঁড়াইয়া আছেন—কেহ্ তাঁহাকে বলিল—এ কি—আপনার মকদনাটা যে কেঁসে গেল্?—ভিনি উত্তর করিলেন—এতো জানাই ছিল—আর এমন সব গল্ভি মামলায় আনি হাত দি না—আমি এমত সকল নক্ষমা কথ্নই ক্যার করি না।

২৮ বেণী বাবু ও বেচারাম বাবুর নিকট বরদা-বাবুর সভত। ও কাভরতা প্রকাশ, এবং ঠক-চাচা ও বাছলের কথোপকথন।

देवमावां जित् वाजि कत्य व्यक्षकात्यमः इहेल--- तक्षवां दवक्षव कर्त अमन वा जिजानक नाई-पतिकत्नता प्रतिकाश प्रतिका-पिन हला लात रहेन, शाय्त्रत लादक विनट मानिन व लित वाध कडक्पन थाकि एउ पारत ? धर्मात मरभात इहेला आयुरत्त्र गायनि रहेड। এपिश মতिলाल निक्यमण-पलवल अ अखर्षान-ध्यथाम किछुके खना याग्र नः—(श्रमनाताग्रण यक्षममाद्वत वर् वाञ्जाम—दिशी वावृत नार्कत मा उग्राय विषया कुछि मिया " वावलात क्ताला काल्ला छलालि, मुक्तिक नाम (तथ्हा क्रश्नि माणानि" এই गान गाइ-তেছেন। षद्वद ভिভद दिगीवां व जानश्वा मध्य क्रिया श्रामित त्रांग जी बा। " চা गिल कृति हला।" এই খোল সূর্ব मुद्धना ७ गमक अकान श्रुक्तक गान कति उद्धन। अपरक (वहांदाम वार्व " ভद এमে अथ्या । भारताम आमि शक्ष-ডि" এই নর চন্দ্রী পদ ধরিয়া রাস্তায় যাবভীয় ছেঁছোগুলকে याँ छि । देश का ति उठ हिंग । देश का ता दिश कि तिया है। उड़ा नि मिटल्टा (वठातांस वावू बकर वात वित क रहेशा " मू तर" किरिट्ट्रिन। यदनाटन नाटम्त्रमी मिली चाक्रमन केंद्रम उरकाभीन महमम्बा मर्बीक खावरन मन्न हिर्जन-नारमत्मा अञ्चयात्री हहेबा मणूर्य खेलिंडिंड हहेरमल निह-महला किएवाक वा विलया मन्त्री उन्था लाप्य क्रकारलय करना अक्षा अव्यान नाह--शरत अकि कथा अना कहिता चंत्र षाः भन निर्दात्रन हा दिया (पन। (वहात्रीय वांबुत षात्रयत (वर्गोवाबु उक्तभ कहिएसन न।—जिनि समनि जानभूता त्राचित्रा जाकाजाड़ि डेरिया मन्यान পूर्यक डीहाटक वमाईकान। कियर कंग निचे मिचे जानान इहेटन नत्र (विठाताम वास्

বলিক্লেন—বেণী ভায়া! এত দিনের পর মুবলপর্ব হইল—
ঠকচাচা সাপন কর্ম দেবে অধংপাতে গেলেন—তোমার
মতিলালও আপন বৃদ্ধি দেবে রূপন ছইলেন। ভায়া!
ভুমি আমাকে সর্বাদ বলিতে ছেলের বাল্যকালাবধি মাজা
বৃদ্ধি ও ধর্মজ্ঞান জনা শিক্ষা না হইলে ঘোর নিপদ ঘটে
একথাটির উদাহরণ মতিলালেতেই পাওয় গেল। ছুংখের
কথা কি বলিব । এ সকলা দাধ বাবুরামের। ভাহার
কেবল নে ভারি বৃদ্ধি ভিল—বৃদ্ধিত চতুর কিন্ধ কাহনে
কাণা, দুবহ!।

বেণী বাবু। সার এ সকা কথা বলিয়া আক্ষেপ করিলে কি হবে? এ সিকান্ত অনেক দিন পূর্কেই করা ছিল—যথন মিতির শিকা বিষয়ে এত অননোযোগ ও অসং সল নিবান্ত্রের কোন উপায় হয়নাই তথনই রাম না হতে রামায়ণ হইয়াছিল। যাহাছ উক: বাঞ্জারামেরই পহাবার—বজেন্থ্রের কেবল আকুপাকু সার। মাইটির কর্মা করিয়া বজুমানুষের ছেলেদের থোসামোদ করিতে এখন আর কালাক্ষেও দেখা গেল না—ছেলেপুলেদের শিকা দেওয়া ভবৈষ্ট, কেবল রাভ দিন লবং, অথচ গালিরে দেখান আছে আমি বজ্ কর্মা করিতেছি—যা হউক। মতিলালৈর নিকট বাজ্যালির আশাবায়ু নিবৃত্তি, হয় নাই—ভিনি "জলদেং" বলিয়া গালিয়া আকাশ ফাট ভিয়াছেন কিন্তু লাভের মেখও ক্ষ্মা

প্রেমনারায়ণ মজ্মদার বলিল—নহাশয়দিগের আর কি ইথা নাই? কবিকক্ষণ গেল—বাল্যীক গেল—বাল্য গেল—বিষয় কর্মের ক্রা গেল—একা বাবুরামি হালামে পজে যে প্রাণ ওঠাগত হইল—মতে ছোড়া যেমন অসং জেমনি ভার মুর্গতি হইয়াছে, গে চুলোয় যাউক, ভাহার জন্য কিছু খেদ নাই।

क्ति जामाक माक्या क्रांषि (विनीवार्त काटक मिन्न विना क्रांक्र काला—मिक्या काला वार्त व्यक्ति क्रांक्र विनी वार्त

किरिया (फ. यदनम- वत्माधभाम वानु ছ कि छ। ट किन्या लाख कर्मा आमिटकी छन- समनि (तनीतातु ७ (तहाताम वार् डिगि। अ नार्थमा कतियः जोकाटक तमा ने लिन। भत्रम्भदिन कुमान किन्द्रामा इहेटन शत व्यवनावाय तिन्द्रामा अभिदेश (७)! या इत्रांत्र को इक्सार्शिया अस्त्र कि वास्त्र धकि बिर्दान कार्छ—दिमावाजिटि यागि वङ्कालावी याणि—कन्त्रव माधानिगादत दमयानकात दलाकि भटात छन्न ल ७म । आसात्र कर्खना-- आयात जानक धन नाई नर्दे किन्दु जानि रायन मान्स विस्व हम। कर्तिका शत्राभत छ। मार्क अरमक निया छन. छामि अधिक आणा कब्रिटल (कतल छोड़ाव स्पृतिहास्त्र উপর দোষারোপ কর। হয়—এ কর্মা মানবগণের উচিত नहा गिष्ठ श्रितिमिद्रम्त ७६ ल ७१, आगात कर्ड्यः किन्द्र आगात आन्त्रा ଓ प्रत्ने वन्दर हे कन्द्र आगः इहेर ह मगाक कारण निकार इस नाहै। धकार--

(विठावांग। ७ क्यम क्या! देवमावांगेव यावज्य प्रश्थि आणि लाकक जूमि नाना क्षकाद्व भाषाया क्रिया छ —िक थाना ज्ञात्रा—िक नाज्य—िक छार्थ—िक छेषाध—िक প্রকে-कि প্রাম্থে-कि প্রিশ্রে, কোন অংশে ক্রিট कत नार्छ। ভায়া! ভোমার গুণকীর্ভনে ভাহাদিগের खळालां इय-यागि अन्त छोल ङोनि-योगात निक्छे **डाँडाउ** किन ?

वत्मा वात्। आफ्ति ना डी ए । हे ना हे — गर्शामग्रक स्कूल विलिट्डिक, आभी इक्टेंड काक्षाद्वा माहागा गिम इहेगा थारक ভাষা এভ অল্ল যে সারণ করিলে মনের নপ্যে ধিককার ভূমে। म गाइडेक, जथन आगात नित्तन जह गिडिलालित उ ठेकिए। होत् भित्रगण्तता अभाजात गाता यात्र-लन्दि भारे ভাষ্টের উপবাদে দিন যাইতেছে একথা শুনিয়া বড় ছঃখ श्रुष्ट लेखना जामात निकित ए पूर्व में तिकि जारा जानियाहि जाभावा जामाव माम ना श्रकाण कविया कान कोणटम এই টাক। পঠाইয়া भिल्म याभि या जानाप्रित এই কথা শুনিয়া বেণী বাবু নিস্তক্ত হুইয়া থাকিলেন।
বেচারাম বাবু ফণেককাল পরে বরদাবাবুর দিকে
দৃষ্টি করিয়া ভক্তিভাবে নয়ন বারিতে পরিপূর্ণ হুওড়
ভাষার গলার্য হাড দিয়া বলিলেন—ভাই হে! ধর্ম যে কি
পদার্থ, তুমিই ভাতা চিনেছ—আমাদের বৃথা কাল গেল—ু
নেদেও প্রাণে লেখে যাহার চিত্ত শুদ্ধ মেই পর্যেশ্বরকে
দেখিতে পায়—ভোনার চিত্তের কথা কি বলিব? আদা পর্যান্ত
কথন এক বিন্তু নালিন্য দেখিলাম না! ভোমার যেমন
মন পরনেশ্বর ভোমাকে ভেমনি স্থ্যে রাখুন! ভবে।
রামলালের সংবাদ কিছু প্রিয়াছ?

বরদা বারু। কয়েক মাস কটল হরিছার হইতে এক পত্র পাইয়াছি—ভিনি ভাল আছেন—প্রভাগিমনের কথা কিছুই লেখেন নাই।

বেচারাম। রামলাল ছেলেটি বড় ভাল—ভাকে দেখলে চকু জুড়ায়—অবশ্য ভার ভাল হবে—ভোগার সংসর্গের গুলে শ্রেরগিয়াছে।

এখানে ঠকচাচা ও বাছলা জাহাজে চড়িয়া সাগর পার

হইয়া চলিয়াছে। ছাটতে নাণিক যোড়ের মত, এক জায়পায়
বসে—এক জায়গায়, খায়—এক জায়গায় শোয়, সক্ষদা
পরস্পরের ছংথের কথা বলাবলি করে। ঠকচাচা দীর্ঘ
নিশ্বাস ত্যাগ করিয়া বলে মোদের নসিব বড় বুরো—মোরা
একেবারে গোট হলুগ—ফিকির কিছু বেরোয় না, নোর
সেক্ত থেকে মতলব পেলিয়ে গেছে—নোকান বি গেল বিবির
সাতে বি মোলাকাত হলো না—গোর বড় ভর তেনা বি
পেল্টে লাদি করে।

विख्वा विज्ञ-मान् ! • अनव वार मन (याक उकार कत-श्रीमाति भूगाकिति—मित्रक खाना याना— कार किनिका निर्म् — जाना कि कर्निना, भात कि किन्निन किन्निन निर्म खारांनिक जान मिल, जावि भारति कि किकित निर्मे किन्नित किन् একপেশে হইয়া চলিয়াছে—তুফান ভয়ানক হইয়া উটিল।
ঠকচাচা ত্রানে কল্পিভ কলেবর হইয়া বলিভেছেন—
দোস্ত' মোর বড় ডর মাল্ম হচ্ছে—আন্দাজ হয় মৌত
নজদিগ। বাছল্য বলিল—মোদের মৌতের বাকি কি?—
মোরা মেম্দো হয়ে আছি—চল মোরা নীচু গিয়া আলামির
দেখাচা-পড়ি—মোর বেলকুল নোকজাবান আছে—যদি
দ্বি ভো পিরের নাম লিয়ে চেলাব।

২৯ বৈদ্যবাদীর বাদী দখল লওন—বাঞ্রারামের কুব্যব-, হার—পরিবার্দিগের ছঃখ ও বাদী হইতে বহিষ্ঠ হওন —বরদাবাবুর দ্যা।

वाञ्चाताम वावुत कथा किছू उहे निवाति इस ना— मर्का कविन माँ अ गातिबात कि कित प्राथम এवर कि क्रिश शाक-एक कतिल व्यापनात है के निक इड्डि पादत जाहाहै नर्सना মনের মধ্যে ভোলা পাড়া করেন। এইরূপ-কুরাতে তাঁহার भूख जुक्ति कथा अथव रहेगा उठिल। वातुवाम चिठि बागानात मकल उटल्डिभाटके प्रथ्टिं रुठार धक समाव उभाग बाहित इहेन। তিনি তাকিয়া ঠেশান দিয়া বসিয়া ভাবিতে২ ब्यानक क्यन भारत व्याभनात खेकत खेभत कताचां क क्रिया ष्यांभना ध्यभनि विवादणन- এই ভো দিব্য রোজগারের পথ मिथि जिल्लिन वार्या स्था किर्निवाकार्य काष्र्रण ७ क्यों-मन गाँठी वसक जाट्ड जारांस निग्नांम भ्या रहेगांक-एट्तम वानुरकं विनया जामालए अक्टा नालिम डेशिइड कतारे, जारो इहेटलरे किछू मित्नत छना क्रितृ इहेटड शाहित्व, এই विध्या छामत थाना काँदम मिटलन अवर शका सर्गन कार्रेया ज्यामि विलया क्या किया करित्र करित्र महिल्ल आध्रम कि गतीत পত्रम खेरे जिल जित जाति ए त्र श्रवी वृत् वा गिर्फ भिन्ना छे अञ्चल इंडेटन । बाद्य क्षाद्य क्रिया है का मन्द्र किछाना कतिरणन—कर्छ। दनाथा दत ? वाक्षात्रारमञ्

यत छनिया (इत्य विव् अमनि नामिया आंत्रिकन—(इत्य वार्य-मामाभित्म लाक-मकल कथाएउই -"राँ" विनया ্টিত্তর দেন। বাঞ্জারাম তাহার হাত ধরিয়া অভিশয় खाग्रं ভार्वं विलिद्धन---(5) धुती गर्गाग्य ! वाबुता भरक व्यानित वामात कथाय है कि। कर्क प्रत- जोशत न्नात ও বিষয় আশায় ছারখার হইয়া গেল—নান সমুমও তাহার मरक्र शिग्राष्ट्र—वफ् फ़िलिए। वानत—कार छ। भागम, ब्रुटिके निक्रांक्षण कर्गाष्ट्र, धकार्य (मना व्यानक--व्यन्त्रामा পারনা ওয়ালার। নালিস করিতে উদাত—পরে নালা উৎপাত বাধিতে পারে অতএন আপনাকে আর আফি চুপ করিয়া থাকিতে বলিতে পারি না—মাপনি **সারগেজি** काशक छनान पिछन—कामिङ् आयादपत आफिरम नामिमि माशिएम मिटल इहेरबक--आश्रीन किरल এक थाना अकाल्ड नाम। महि कदिया निर्वन। পাছে টাকা ভূবে এই ভয় এ ভাৰস্থায় मकल्लत्रे रहेग्रा थारक, रहत्य वाव्यन कल्डे नरहन, खुडतार विश्वादारमत উक्ट कथा डॉश्त मन এक्साद हो हा भए है लाश शिल, जमनि ''र्गा" विलग्ना काशक्षणक जारात स्ट्ल मगर्भन कति दलन। इनुमान रामन तावर्णत मृज्यान शाहिया वास्तादम लक्षा इवेट महादिदम वानियाहिन, वां श्वांत्रिय थे मकल कांशक्षणक हे के कवट इस नाम बना क्रिया मिट्रेक्न प्रसाय महर्ष् वाणि आमित्नम।

প্রায় সমংসর গত হয়—বৈদ্যবাদীর বাড়ীর সম্মানর পর্বয়ালা বন্ধ—ছাত দেয়াল ও প্রচার শেওলার মালিন ছইল—চারিদিগে অসম্বার্থন—কাটানটে ও শেয়ালকটিক ভরিয়া গেল। বাদীর ভিতরে মতিলালের বিমাত্ত প্রাথই ছইটি অবলামাত্র বাস করেন তাঁহারা আবশাক্ষাতে থিছ কি দিয়া বাহির হয়েন। অতি কটে তাঁহাদের দিয়া বাহির হয়েন। বিলু বারা বাহার মধ্যে পোনের দিয়া বাহারে যায়—বেণী বাবুর ঘারা যে টাকা পাইলাছিলেন ভাষা দেনা পরিশোধ ও কয়েক মাসের গর্চেই ক্রাইছা

शियाटक, अन्तर्भ धकरण यर भरतानान्ति क्रण भाकेटन्ट्रिन अनिक्रभाग्न स्क्री जाविटन्ड्रिन।

মতিলালের স্ত্রা ধলিতেছেন—ঠাক্ষণ! আমরা আরু
জালে কটই পাপ করেছিলাম বলিতে পারি' না—বিবাহ
ছইয়াছে বটে কিন্তু স্থামির মুখ কথন দেখিলাম না—স্থামী
এক বারও ফিরে দেখেন না—বেঁচে আছি কি মরেছি তাহাও
একবার জিজ্ঞাস। করেন না। স্থামী মন্দ হইলেও তাঁহার
নিন্দা করা স্ত্রালোকের কর্ত্রব্য নহে—আমি স্থামির নিন্দা
ক্রিন্দা—আমার কপাল পোড়া, তাঁহার দোঘ কি?
কেবল এই মাত্র বলি একণে যে ক্লেশ পাইতেছি স্থামী
কিন্দটে থাকিলে এ ক্লেশ ক্লেশ বোধ হইত না। মতিলালের
বিশাতা বলিলেন—না! আমাদের মত ছংখিনী আর নাই
—ছংখের কপা বল্ভেগেলে বুক কেটে যায়—দীন হানদের
দীননাথ বিনা আর গতি নাই।

लात्कत यावर भर्गा खर्थ थात्क जाकर भर्गा छ ठाकत मानी निकटि बादक, जे छूडे अवलात जेक्र न अवसा इहेटन मक्टनहें हिमिया शियाहिन, नगडा वणडिश धक्कन खाहीन मानी निकरि भाकिত-। मार्थान जिकानिका कतिया मिन्यां करिए। णाकुषो वोष्य बेक्नभ कथायांका इरेट्ड बग्ड मगस्य के मात्री थत्र करत कांभ्टिंश आर्तिया बिलल-अर्गा माठाकक्षता! कामाना पिया प्रथ – विद्धांताम वातू मात्रकन ७ (भग्नामा मट्य कतिया वाड़ी चिद्र (कदल इन-वामादक दिएटच बलाटन न त्मरप्रेटमत वाड़ी व्यटक वितिया व्यट वल्। जामि बंगलम (मानाई! जाहा काथाह गांदन?--अमिन कार्य नाम करत जामात छेशत दमस्क वन्दिनन— जाता कारन मा क बाकी वसक चार्ड--शवनी वशका कि जाशनात्र होक। भेक्राय छात्रिया (प्रस्त ? जान ठाय छा। करेरनना (स्क्रम जा अर्थि गलाणिन निया गांत्र करत निन । अहे कथा खिनता भौज जालजी (बोरस खरम ठेकर कतिया कें। शिरक नामिन कान। अभिद्य ममन मन मन प्रतिकाल। जानियांत भटक वाषी सन् न्न- रहेन, नाषाम जाकात्वा, वाक्षामा नामान

करिया " जार्फ निर्" छक्न मि: जाइन ए श्रं क निष्कु वस्र उ ছেন—কার সাধা দখল লওয়া বন্ধ করিতে পারে—একি ছেলের হাতের পিটে? কোটের ছক্ম, এখনি বাড়ী তেকে पथन लव--ज्ञानगञ्च छेका कर्क पिया कि (5।व? এ कि ष्ट्राशाः পরিবারের। এখনি বেরিয়ে যাউক। অনেক लाक कमा इन्द्रीहिल जानात्मत भाषा हुने এक वाकि ভাতান্ত বিরক্ত ভইয়। বলিল— এরে বাঞ্জারাম ! তোর বাড়া নরাধন আর নাই—ভোর নর্নায় এ ঘরটা গেল—চির कालांगे। (क ग्राहित करत अने मर्मात (थरक दाणर है।को लरग-क्रिम- এक एन भित्रवात अनारक आशात भाग वभावे ए वरमाछम—ভোর ম্থ দেখ্লে চাল্রায়ণ করিতে হয়—ভোর मद्रक ७ हैं। हे हर्व ना। विद्वित्य अभव कथाय कान मा দিয়া দরওয়াকা ভাজিয়া সারজন স্থিত বাড়ীর ভিতর छ ए म ए क दिया। अरवन क दिया असु १ भू दि भन्न कर्त्रन धगन मगरम या जिला लित निया छ। उ की घुरे करन जै প্রাচীনা দাসীর তুই হাত ধবিয়া হে পর্মেশ্বর! অবলা प्रश्यमी मात्री (मत तका) कत धारे विलिए उर ए क्या का भू हिस्सर थिए कि मिया वाहित इहेगा आजित्वन। ये जिल्ला त क्षी विलिट्लन मार्था! आगता कःलत कामिनी—किष्ट्ररे क्यानि ना—काथाग्र गहित? शिला नन्दण निम्नाद्वन—लाहे नार्छ—(वान नार्डे—किएंबड नार्डे—कांगाप्तर (क ब्रक्का कतिरव १ ए भर्**तम्बत! अथन आगामित धर्मा ଓ कीवन जागांत स्ट** चानाहाद मति (मल जाल, यन धर्ण नसे हम ना। अनस्त उट्टन, इंडिमर्था এकथान उलि मर्क वर्तमाक्षमान योज तिष् ग्रं क्रिया योगनमध्य भगात्थ व्यामिश्री विविद्यान रिशा (डायर) कांडर इहेड ना, जानाहक महान यक्ता थ— ভোমাদের নিকট আমার ভিক্ষা এই শে प्रशास के. डांनटक डेरिया धामात वाणिटक हल—:**डामाबि**रगत निरंत जामि यं उता पत श्रेष्ठ कित्रग्रि-ध्याधा ह मिन व्यवस्थित कर्त, शदत छेशाय कर्ताया देखा । व्यवस्थ

বাবুর এই কথা শুনিয়া মতিলালের স্ত্রী ও বিমাতা যেন সম্প্রে পড়িয়া কুল পাইলেন, কুভজ্ঞতায় মগ্র হইয়া মলিলেন,—বাবা! আমানিলেব ইচ্ছা হয় ডেমার পদত্রেল পাঁড়য়া থাকি— এদনয় এমত কথা কে বলে? বোধ হয় তুমি ভাবে জন্মে আমাদিলেব পিছা ভিলে। বরদা-বাবু ইাহাদিপকে দুয়াই সোহাতিতে উঠাইয়া অ পন গৃহ্ছে পাঠাইয়া দিলেন। অনোর সভিত দেখা হইলে ভাহারা পাছে একথা জিলাশা কলে এজনা গানি ঘুলি দিয়া আপনি শীপ্র বাটী আইলেন।

৩০ মতিলালের বারাণসী গদন ও সংস্কুলাতে চিত্ত শোধন, তাঙার সাল ও ভিলিটির ছঃখা, রামলাল ও বরদা বাব্র হিভ সাক্ষাং, পরে ভাষাদের মতিলালের স্থিত সাক্ষাং, পথে ভয় ও বৈদ্যবাটাতে প্রভ্যাগদন।

সম্পদেশ ও সংসক্ষে সুনতি জন্মে কাছার অল্ল বয়সে হয়—
কাছার অধিক বয়সে হটয়। পাকে। অণপ বয়সে সুমতি না
হইলে বড় প্রমাদ ঘটে—যেমন বনে অন্নি লাগিলে ছং
করিয়া দিগ্দাহ করে অথবা প্রবল বায়ু উঠিলে একবারে
বেপে প্রমন করে বৃক্ষ অটালিকাদি ছিয়াভিন্ন করিয়া
ফেলে সেইরুপ শৈশবাবস্থায় হুর্মতি ক্ষমিলে ক্রমশঃ রজের
ভেজে সভেক্ষ হওয়াতে ভ্রানক হইয়া উঠে। এ বিষয়ের
ভিনিং নিদর্শন সদাই দেখা যায়। কিছু কোনহ ব্যক্তি
কিন্নং কাল ছুর্মতি ও অসং কর্মে রুত্র পাকিয়া অধিক
বয়সে হঠাৎ ধার্ম্মিক হইয়া উঠে ইচার দেখিতে পাওয়া
যায়। এইরূপ প্রিবর্জনের মূল সভুপদেশ অবরা সংস্কা।
পরস্ক কাছারো দৈবাং, কাছারো বা কোদ ঘটনায়, কাছারো
যা একটি,কপাতেই কখনহ হঠাৎ চেতনা হইয়া থাকে—এরূপ
প্রিবর্জন গতি অসাধারণ।

- अजिलाल या भाइत इहेट जित्राम इहेमा आभिया मिन्

बिनाटक विकासन-जामाब क्यारल धन गाँठे जात धन अध्ययन करा व्या, अकरन छेउत श्रीकारी यक्षाल किছू नित्नत करा ज्ञा कराया जा जा जा जा एक रामाया एक व्यापाय जारे याद्व ह मिक्टनके लगा के वत्रा हैं -- अथ २१८० था कि ल का हिट्ट डिक्टिड इस म -- जरनरक आ भन् भाभनि आ भनि । यात्र किन्द्र क्रशी नार्ष इक्ट्राय अन्त्र भा अग्रा करना अन्ति सार्थित निकेष्ठे महर्ता पाकित उन्होत यायान सरमान अध्यान ंधन्त्य (प चार्य ग्रहा भवा :-- खिल प्रान्त् अधि ाक राभन्न कि क्रमाज व्याप्त किंतिक (यह क्रिक्स के)। ७(३) राज व्याप्त दमियाल (य जाक व किंब (या) बार - ए के मिर्श रमना, वाबुधाना कत्। प्रत पाकक भागावाणि ७०। ए छात, एथन गान कत्रिक हिन्दि भरक खन्य त्थाय कि कर्ने धकार्ष है. के अली (आग) मिलिलि के अकात ध्या कतिया (भिशासन किन्हें (काम उद्धत (भग्न मा। मनः (कड़ (छाक भिन्म) ए (छ। कर्त्यः नाना अकत ७ जनाना नर्ताट्टर कथा एक स्मा काशामिर्शित वावशाद मिल्लाल निव्यक्त १ शेश निव्यक्त-निश्रातके नम्म छित शाल्या यथ, धक पिरमद शत्र कार्म (जोगाभिगरक जिन्हाम—ग्रहा ५ इवः धकः १० (जायदा खाभन वाशन वाणि या 3 व्याम (नग जगत हिन्साम। मिन्रा विभिन्न बड़ बाबु! तःश कति । ना ना भनि सद् । या छ याजिन व्यामतः धा॰ भनर वतार विकेष्टिया भन्छार काहिया भिंडलाल जारायात कथात्र कात् कात् का निया भम्यद्व ्ष्ठितिसम् अवर सार्यन् अजिनि इतेशः । जिनाः भाषिया जिन भारमत পর বারাণদীতে উত্তিলেন। এই প্রশার ছার-वश्राम পडिया क्रमागड धकांकि हिन्दा कर एक डाइग् मरमम शिक्ति कहेट लाशिन वह याद्य निर्मित भौगात. थारि अ अमेशिका जश कहेगा यावाद डेशक्य क्रिक्ट क्रिक्ट माथाय विखीर् एक क्षेत्र आहे न ब्रक्त कीर्गातका मृग्रे इडेक--नम नमा शिव खर् । व खर्ष कितकाल ममान थाटक मः—फलकः काटल एक मक टल बहे अ विवर्तन । अ कर इ हे वा शादक--- मक अ व -सनिटा-- नकल रे समात। यानवलवं द्वाल स्वाता रिक्रांन

्लाक अगाम हा । य स्विक्त अस्मारत यान मार्मियो अन्यार (बाम थाय म नकः हे कल्तिभन्द। या जिल्लाल के मकम भाग कांत्रमा अविभिन्न तातात्रात्मा भारमत एक्पिश अभिक्षिक कत्रक देवकारम शक्र कि तुन्य शक्र निर्मात स्वराम में अस् । प्रारम्भ अम्पित्र अम्पित्र खाखात मात्र, धनर अर्थन धनित अ कर्यानि श्राप्त हिना करिएक सं, १८०० । एक कल हिना कर्नाट के विश्व निवाद बाम कड़ेट ने लग भाग न्यू कर है। का भाग मा भाग भाग किया के सामा कि ए केला राज हार्या है राजांच का जात के जाता के किया है है । बाह्य स बरण्यकत् ग्रांट कल्याः । जावात आभगत् व्यां । त्रिक्कात का निमा वार हो 'प्रकार दे अंड 'खे महाल के के कि ना निमा . **उथा** अ: भाग . १०० असामा ६३ कियामा कति। उस--- आभात পश्चित् के करण १६८० पारत--- वाभि रा कक्षा क तिश्र हि एका यात्रम कतिराध धार्यन छ जन्म भागानरन न नाम खिला। कर्ड अर्थ अन्तर्भाष क्रिया वार्कन---वार्धावानि क अधिरक्षय न्यामित का न मक्ता छ न न कि छ । खयन कतिया (नक्ति। किष्ट्रकाल क्षेत्र अकाल (क्षिप्र क्ट्रेटल टेमनार जन मिनम मिशिक्सन जन्जि आधीन श्रूजन एक उटम विभिन्नो मनः भर्दगान श्रुमक बाक्ने वात धकथानि श्रञ्ज (मिर्श्व क्रिस क राज र नात उक्क मिन करिय था। न कतिराज्या थे नाजित्क प्रिशिश्य कार्य (नाथ इस भ नक मनी--कारमद मानारम शक्त धवः समहमर्यम विकासन क्रियारक। जीकात मुथ मर्गन कतिया उरक्षनार जिन्त छेन्द्र इस। मजिलाल जाशांक (मश्वामाद्य निक्टि याहेस) मसीएक अनाम कतिया फाँफ हिया थाकि त्वान । नियदकान भारत के क्षिन अक्ष मिलिलात के जिले कि कि कि कि विकारलन—ग्वाः (जागात आकात প্रकारत द्वाध भग তুমি ভক্ত সন্তান--কিন্তু এমত সন্তাপিত হুট্য়াছ কেন? अर्डे मिछे कथाय छेरमाङ् भाडेगा, मिल्लील काकभाष्ट वाष्ट्रभृतिक वालन लशिह्य किया कहिटलन-महाबयः कालगादक छाडि विका स्माथि। कि—यामि छालगणने पात्र हरेगाम-नामादक किकिट मह्भदान विकेत। (भन्ने आही।

ामिटलान—मिश्वाक्ति जुनि क्याई—किथिर जाहात छ विश्राम कर भरत मकल क्या दार्खी है है दिया । (भ भियम बाडिया (११ -- १४३ छाउं म भूक्ष महिला हिल् अब्र कुछ (पर्विद्या कुन्ते इस्टालन) सानव अस्ति असे या अस-क्यारत व्यक्ति मः खाम न कि ब्रिटिन मन (थाना ये नि ३ द्रामा, क्यापम खालार्शके यानि अगर जुन्से करम ७१० १ के ला भार म्मारत् यदनत कथा माखर गाक रह जात एक कर जातना अकाम कविरन रातः वाल्यि वाल्या कल्ड । इष्टें व्यवस्थ कल्डिंडा क्षकान करिट्ड धार्यकाः ध राष्ट्रिन भूक्षय अधि बार्किक, या जिला तित् महाकार या पूर्ण रहेगा श्रामार जीवादिक स्वाक् क बिर्ड का जिए तम अमस्य भा तमा रिक विभाग छ। इति द्या अचिर द्राय किन उपि कामन या के के व्यन्त । "र्टन वार्य र व करना वाता। मकन धःचात लाग लाग परं तात्र मन गाउँ छ जं अ (साह ख (अभ क्षक)मा कृषक करायमध्यम केश्वन कर, क्रेड कथा हि मुख्यमः अर्थान कृत छ गम र्किंग क्षात्र भ्रात्र प्राच्याम कृत्र । विके देशरामार्कि रिक्षान मार्ग मार्गाल निक्रमा क्षेत्रके मार्गत कां के क्याद्य कि त्या याद्य उथन अगाम अर्थ अञ्चलान है। अभा आश्रीन के हैं न कि है अंदरमभदात दक्षमार्थ महमत वादा वाकात बादा न क कांत्र बादा मन, এक क्रम थाका आंड किति—भर्भारत त्रांश (वय लाज भाष्ट्र केलाजि दिल भक्त विकारीय वाचि कर्त कल्ला अकारा श प्रश्ने बाराब जावणाक। योजनान उंक उंशरमण अवन शुक्रक यरमञ्ज प्रश्च क्राडिमिन भारत्मश्रवं धान उ छेणामनाग्र वंड क्रावर विश्वा (मासान्मकारन ७ (मास व्याधान भरक इहेरलन। कि क्र कान धर् क्रेश कराइड छ। श्री महना महा सामित्र क्र अिं डिंडि डेम्ब इहेम । भाष भः मत्र यनिकामा माहाबा। धिनि मिंडिला टिल ते उपरमिक, जिन धार्त्मिक एड निवि, छ। हाज महवारम अिलालिय (य ध्यन मी हरेर हर) (कान् विकित्र!

পরনেশরের প্রতি ঐকাত্তি ভতি হওয়তে ধারতীয়, অক্তার প্রতি মতিলালের মনে জত্বং ভার জন্মিল-তথ্য পিতা মাডা ও পরিবারের প্রতি স্বেহ, পর মুখ্য

ब्यां हम अ প्रक्रिया योगमा छेख (द कि त अनल इडेट जा निमा मछ। ७ मत्म जोत विशर्ते ७ ५मन खनन। धानन इके महे विकालीय अञ्चल हकेल। ये जिलाल आशन यदनत जात छ श्रुक्तं कथ। भकामाचे के ल्या एं न श्रुक्ट यत निकट है विभिट्डन ए मरभार (थम कतिया किरिजन- खतो आमि कि जुत्वा, পিতা यां जा को कि किंगों उ अमाना भारकत श्रिक एक श्रकात नानश्र कतियाषि जाश्र निवास वास्ति । कान इस अमन (नाभ इस ना। के आहान भुक्य माखना कतिया विलिड्डिन-वाना । उमि श्रांशभरत ममलारभ त्र याक ---- भग्या माध्यके भागाङ नाकाङ उक्षाङ भाभ कतिया थाएक, পরিকাণের ভরসা কেবল সেই দরাময়ের দরা—যে বাজি ष्यापन पाप कना वस्क्तरान्त महिन महापि इस्या पादा रणाधनार्थ अक्ड क्रांश यज्ञील इश डाइन्ड कर्नाल यांत्र नाई। या जिलांक क मकन श्रदान अ अधावपन इन्द्रा जादन अवः नमरश्च बरलन ष्यामात या विया जा जिलानी खोडा क्री--- के कात्र क्षिशिष्ठ (अरक्षम ? केश्रीभरशत क्षम) यम फेक्कि विकेट केट कर्

শরতের আনির্ভাব—তিয়ামা অবসান—বৃদ্ধাবনের কিবা শোডা। চারি দিগে ভাল ভামাল শাল পিয়াল ববুল আদি নানাজাতি বৃক্ষ—ততুপরি সহজ্ঞ পাকী নানা রবে পান করিডেছে—বায়ু মন্দ্র বহিতেছে—যুদ্ধার তরক্ষ বেন রক্ষ ক্ষালে পুলিনের একাক্ষ হইতেছে—ব্রহ্মবালক ও ব্রক্ষরা-ক্ষিরা কুঞ্চেই পথেই বীণা বাক্ষাইয়া ভজন গাইতেছে। কিশাবসানে দেবালয় সকলে মঙ্গলারভির সময় সহজ্ঞইণ শন্ধ ঘণ্টার ধুনি হইতেছে। কেশী ঘাটে কচ্ছপ সকল কিলকিল করিভেছে—বৃক্ষাদির উপরে লক্ষ্ণ বানর উল্লেক্ষন প্রোক্ষেন করিভেছে—কখন লাঙ্গল জড়ায়—কখন প্রসারণ করে—কখন বিকট বদন প্রদেশন পূর্বাক বুপ করিয়া পড়িয়া গোকের খাদ্য সামগ্রী কাডিয়া লয়।

नाशावतमण्डर जीर्गयाज পরিক্রমণ করিতেছে—নামাশ্বান্

पর্লন করিয়া শ্রীকৃষ্ণের নানা লীলার কথা কহিতেছে। এছিগে
প্রথম রিষ—শৃতিকা উত্তপ্ত—পদব্রফে যাওয়া অভি ক্রিন্

ক্রমারণ অনেক বাজী স্থানেং বৃক্তকে বলিয়া বিশ্রাশ

कतिरङ्ख् मिलिलातित माला कमानि हो । धामन कतिएउ डिलान, चार्य भारियक इत्यों एउ धकरी निर्मन सारत विभिग्नो कनात् कि'एए मन्द्रक द्विशा भग्न कदिएलन। कना আপন অঞ্জ দিয়া আক্লান্ত মাভার ঘশা মুছিয়া বাভাস कतिएक लागिल। गांक किन्निर सिक्ष इक्केश विकासन श्रमा! याष्ट्रा एक एक है विश्वाम कर - आभि छेट विना कना उन्त कर्नन-गः। उन्तात साहि पत कन्मारक आभाव आधि शिक्षा हिल्ला है। जा महा भारत आधि दशमात कृष्टि भारत है। जे प्रभाव करनाव कर केश भारत है । का स्विधा भारत मकल वर्द्य वर्ष्टियन—मार्क : १९१५ मुथ (माथ्येहे (वैटक जाड़ि---क्याय्त कर लाल कर्डिक म, हा ना इरम जक प्रथ (कर १८५१ अपिकि अर १८५ मिन कार ६**१८७ (अप** मार्ड, ट्याटक जन गुरें। याव्यां हे ज्यान मर्काड नाई—धरे कामात तक प्रथा । ज प्रथा ताथतात कि प्राप्त भारक र थागात पुष्ट (कार्यात्र आटक--:नोप्टिं वा (कभन आंटि ? किन्हें तो त. शं करतं क्रहास ? सिंह आमारिक भारतिकिया-- (माद्वेदेकिया, किट्याटक कामानाव कर्व किया वर्ष -- किन! करत? धथन छात छात तार्मत काना आभात व्यान अर्जनाडे ४एकए करद कना मार्टाइ ए:कद कल युष्ठाडेश माखना कतिरङ लाजिल। कियर काल शर् मांखांत अकते ख्या इडेल। कना। माध्यक निविद्या स्वित करेगा र'मगा এक केन मार्काम जिट्ड आहे स्वित्र। कृष्टितात मनीदा नमा ও डीम विनिद्या कामणा उन्हासिक किन भारत गारद िया उन एए এकना दिनि विन क्षेत्र थाकिटलन। अ'्ल,करमन (मुङ ए महिमाः) छ। भहर्गा! (वाभ श्रम भुक्त अरलका हो। धनिमर्ग अरमक छहे। याजा निक्रा-वकाय यथ (मधिट्डिक्स एस ककि भिड्यमस सर्किमान जीकात निकटि जीमिया विकार एक न- 'मा! जुके जीत कै किम्ना—जुरे वक श्वावजी—अश्वक है वि कामाजित हु भ बिराद्रव कवित्राहिन—पुरे कातात जान वरे कदम मण कतिम नाहे—जात मीय जान हरन—खुई हुई भूख भारेगी स्थी हहिति"। प्रश्विमी याउं हमिन्सा विश्विम हम विश्वीसान क्तिया (मर्थन (कवल कन्या निकार अवस्थ आहे । अवस्थ कन्या कि क्या विकास कार्य अवस्थ आहे। अवस्थ कन्या कि क्या विकास कार्य क्या आहे । अस्ति कार्य कार्य क्या कार्य क्या अस्ति क्या अस्ति क्या अस्ति क्या अस्ति कार्य क्या अस्ति क्या अस्ति कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार कार्य का

ं मरिये निरंग मनिम। करशालकथेन इयु—मा तरजन, वाष्ट्रा! यन बख् उक्का इहेटल्ड, न'डी यान मसंप्रा इहे लाबटल्डि, कमा किछुने डेशांग्र ना (प्रिया विकल-ना! प्रामानितात महत्वत्र मत्था पृष्टे धक्यानि काश्य उ क्रम थानात् घति है जारक-- रेश विक्रय करिल कि श्रु श्रीत्रव है कि जिन श्वित छ । आमि ताथुनी अथना महभात कथा करिया किछ भक्ष कित् जाका ककेटलके जामार्मित शर्थ थत्रकत मर्खान इक्दा मा अ कथा एनिया मार्च नियान जान करिया . निस्क पाकिटलम, ठरकत कल जात त्रिंगः नातित्वन म। माजारक कालत (मिथ्रा कनाउ कालत इडेल। निकरिं अक छान जुकार भिनी शाकित्न , जिनि अर्रात्र **ाहा** मिरशत एखं महेटनम, रेमनार धे नमस्य जानियां , खाषावित्रक पृश्चित्र (प्रिया माख्ना कहनानमृत मकल यखास स्मिद्धान। जाश्रीमरात हः स्थ ज्ञीयं इत्रेश भिष्टे तुष्ट्रवाभिमी विकादन नगरी! कि दल् वामात शांउ क्रांड नाहे—जायांत हेळ्। इस मर्थय मिया जामादमन इश्य (माठन कति, এथन এकिं डिलाय वटलिंग ट्लामता जाइ करा अभिट अभाई এक वाद्यां नी वाव हार्कात ও ডেকারতের হারা কিছু বিষয় করিয়া ম্থ্রায় আসিয়া নাস করিলেছেন—তিনি বড় দয়াল ও দাতা, তোমরা তার कार्य भिन्ना अब थहर राश्चित अवगारे आर्टाता युश्चिमी षांडा '3 करा। खना कान छेशाय ना मिथाड श्रन्थाविड खेलाः हे व्यवस्था क्रिएंड वाथा इतिस्था व्यवस्था ब्रह्माता ब्रह्माता ब्रह्माती ब्रह्मात निक्छ इकेटल विताय इक्षा छुके मिटनत गर्था मध्यांस खेशिश्विक के के दिला । देश भारत शक भरता वरत तिकरहे साहिया सार्थन कडक श्रीनन चांचुत चान्न चग्ना इश्थी मतिसार्भी, व लक्ज विभिश्न (दाक्न कदिएउट्टा मांडा टार्रिक्ट द महम् क्ष कन आठीम खोटमान्दक विकाम निर्देश क्षान्ता दकन कालिट उद्देश के उद्देशक विनाम-मार्

क्रियान क्रक वांच आष्ट्रिन डीश्रांत खर्नत कथा कि विभिन्न जिन গরিব ছঃ খির বাড়াই ফিরিয়া ভাগীদের খাওয়া পর। भिया मर्का उन्न क्षांन कार्यत कार्यत दा।ताम रहेटल कार्यान ीत (माउटत • यमिया माता ताधि काणिया 'उस**ध भथा** दमन। निर्धि का गारमत मकरभन्न गुर्थ सुर्थ अ कुश्र्य कृष्धी.. तमरे दान्दी खन भटन कमा ७ लाटन कल क्राफ्टिन-्य भारत এमन नस्नान्क भटले थात्र कतिया-(छन हिनि थन)—जीश्त अन्नाङ यून ए**जान ६ हटन**— धनन (लाक राधारिक दाम कात्रम स्म शान श्रान श्रान । कामाभिरभत लाए। कलाम ए या नानु अथन ५ भाग क्केट किलिलिस-- धन श्रासारमार मणा कि क्रिक क्रिक क्रिक क्राविया कै। एडिं। यांचा ७ कमा धरे कथा खिनिया शत्रण्यत वलान न कत्रि । लाशियन---- त्य हरा आंगानियाव वामा निकास कड़ेल-कपाटन हु३थ था। ७, समारित निभि क घुडाइरव ? ङेख्न आधिन। क्षे डीहानिश्वत विषश्न ভাব (मिथ्राः निल्ल--आंगात अग्रांत इय (अंगतां छा ষ্কুরের মেয়ে---ক্রেশে পড়িয়াছ---যদি কিছু টাক। কড়ি চাহ उँटब এই दिला आंगांत महा थे वानत निक्छ गांदन हन, जिनि शतिव छुट्टि छ।छ। अत्नक छम्रालादकव माहाया त्मरे वृक्षात পশ্চাঞ্ ग्राह्या आश्वाता वाणित वाहित्स थाकित्वन, वृक्ष्ण छिउदा शिव।

শিবা অবসান—সূর্য অস্ত ইইতেছে—দিনকরের কিরণে বৃদ্ধাদির ও সরোবরের বর্গ স্থান ইইতেছে। যেথানে মাতা ও কন্যা দাঁড়াইয়া ছিলেন সেথানে এক থানি ছোট উদ্যান ছিল—স্থানেং মেরাপে নানা প্রকার লতা—চারিদিগে কেয়ারি ও মধ্যেং একং চবুতারা। ঐ নাগানের ভিতরে ছুই জন ভার ক্ষোভিল্ন। দৈবাং ঐ ছটা স্ত্রীলোকের প্রতি তাঁহাদিগের দৃষ্টি পাত হওয়াতে ভাহারা ব্যস্ত সমস্ত ইয়া বাগান হইভে মাহির ইয়া ভাঁহাদিগের নিকট আসিলেন—মাতা ও কন্যা ভাঁহাদিগকে দেখিয়া সন্ধুতিত হইয়া মাথার সাপড় টানিরা

क्षिक अकर अवरत में । जा जिस्सा के प्रेड कर करा (लाटकत मध्या गार्ति कम नम्म जिन कामला नाएक। विकारमञ—याभनाता जागामिकाल नसान यक्कभ त्वर्ध कड़ित्बम-- लख्डा कवित्वन ना-- आभागाता कि निविष्ठ ध्यार खाश्यम कर्त्या (क्रम, सामा भिरशन निक्ने विस्थित कर्त्रिय युज्न, यभि ज्यामर्मिरशत नता (कान कार्रशा रूहेर्ड, श्रीर व्याभन्न जिल्ला कि कि कि कि कि कि कि कि कि क्या माडा कनात गांत गांत गांत गांत विश्वा कि थि। जा शांत हो ग आश्रम अनुष्य भारकारण नास्त्र क तर्जन। छोष्ट्रात कथ ममाश्र इहेट । १०८७ थे छूटे कर उप्रकार श्रम्भार अथोवटलाकन क्षिया जाडा मिट्शत ग्रंथा योजात कन वश्रम তিনি একে বরে ময়েতে মঞ্জ হইয়। মা---মা---বলিয়া ভূমিছে পড়িয়া গেলেন অন্য আর এক জন আধিক বয়স্ক ব্যক্তি ष्ठश्यिमी मार्जात एतः। यागाम कतिया कतिया कर्तिकार विभिटन —मा ला। प्रधा कि? य ज्यारक कायात अकल्य धन-तम जायात द्वायात द्वायात नाम वत्नाक्षमाम विद्याम। याञा এই कथा श्विन. • ... मूर्थत काशक थूलिय विलिद्धान-वावा: ত्वि कि व नरक अञ्चलिनात कि धमन क्लाल श्वः तागलाल है छन भारेश मार्यत एतरन मन्द्रक निशा निष्ट्रक क्रेश त्रिक्त काननी शुराखद मराक क्वारिक दायिका कार्या कार्या कार्या कार्या ভাছার ম্থাবলোকন করিয়া আপন ভাপিত মনে সান্তনা वादि तिहम कदिएक लाशिलान उ छिशिनो जाशन च्या पिया ভাত त চকের **क**ल ও গাছের প্লা পুঁচাইয়া দিয়া निष्ठक रहेशा इशिक्तन। अनिर्ण के वृद्धी वाजीत महन्रा बाबुरक ना भाइषा उाफाउा फि वाभारन काभिया प्रत्य रह वाब् তাহার সমতিবাহে রিণী প্রচৌন স্ত্রীলোকের কোলে মস্তক भिन्न। जून भारत क इसा. जाटक्न- ७ म! এकि (११) । — ७८१% बाबुत कि वा।तांग रहेएए :— आणि कि कविताक (फंटर) बान्य? वृष्टी अहे विनश्च। हीएकात करिया हिन् विद्रपार्थियाप वाव विद्यान-स्ति र 3-वावृत भीषाः स्थ नारे, अरे त्य सरेकि औटलाक-वड़ा वावृत या क

क्तिने। वुद्धे कहिल-वाव्। पृश्चित्रत्त कि हो। विकाद क्षित् वाव् काल कर्म क्षित है। वाव् कालन क्ष्मिल के आति धंता कल भरभव के कालिने — आगात अरक धरम कि उ कालन मा दिन के जिल के काल क्ष्मिल कर्म काल कर्म काल काल क्ष्मिल — क्ष्मिल क्ष्मिल — क्ष्मिल क्ष्मिल — क्ष्मिल क्ष्मिल — क्ष्मिल क्ष्मिल कर्मिल क्षमिल — क्ष्मिल क्ष्मिल क्षमिल — क्ष्मिल क्षमिल क्षमिल क्षमिल — क्ष्मिल क्षमिल क्षमिल — क्ष्मिल क्षमिल क्

তথানে নকলে স্তান্তির ভাই বাসী ভাগমন করিলেন
ভগান পুত্রপুকে ও সপান্তাক দেখিল সাভার পরম সন্তোষ
ভাইল, পরে আগদার আন্ত পরিবারের কথা ভারগত হওয়া ব বলিলেন, বাবারাম চলাব সিনাই—আমার মতি কোথাছ?
ভার জন্য নান বড় ছাতির বাইছেছে। রামলাল পুরেই বাসীমারনের ইদায়াল করিন ছিলেন—লোকাদিঘাটে প্রস্তুই বিলা মাতার আজ্ঞানুসারে ভল্মাদন দেখাইয়া সকলকে লাইয়া বালা করিলেন—লালা কালিন মধ্রার হারতীয় লোক ভেলে পড়িল—সভস্থ চলু বালিত পরিপূর্ণ ইইল— সহস্থ কর ভাঁহার আলালের গুল কার্হিন ছইতে লাগিল— সহস্থ কর ভাঁহার আলালের গুল কার্হিন ছইতে লাগিল— মহস্থ কর ভাঁহার আলালের গুল কার্হিন ছইতে লাগিল— মহস্থ কর ভাঁহার আলালার গুল কার্হিন ছইতে লাগিল— মহস্থ কর ভাঁহার আলালার গুল কার্হিন হারতিল। যে বুড়ী বিরক্ত হ্লা গিয়াছিল সে জোড় হাত করিয়া রামলালের মাতার নিকট আসিয়া কাদিতে লাগিল, নোকা যে পর্যান্ত দুটি পাল অভিক্রমন্ন না করিল সে প্রতিন্ত সকলে যমুনার ভীরে যেন প্রাণ সূন্য দেহে দাড়াইয়া রহিল।

এ দিলে একটানা—দিকিলে পায়ুব সঞ্চার নাই—নেকা স্থোতের ক্ষোরে বেগে চলিয়া অল্প দিনের নধ্যেই বারাণসীতে আসিয়া উত্তীর্গ হইল। বাবাণসীর নধ্যে প্রাতংকালীন কিবা শোলা! কত্য দোবেদা চৌনদা রামাৎ নেমাৎ শৈব শাক্ত গাণপতা পর্মহংস ও ব্রহ্মচারী স্থোত্ত পাঠ করিতেছে— কত্য সাম্থেদী কঠ কোথ্যাদির মন্ত্র ও অগ্ন বায়ুর স্থক উল্লেখি রণ করিতেছেন—কত্য স্থানী মহারাফু বঙ্গ ও মগধস্থ মানা বর্ণ পত্তী বন্ত্র পরিধায়িনী নারীয়া স্নাত হইলা মন্দির প্রদিক্তির করিতেছে—কত্য দেবালয় ধূপ ধুনা পূল্প চ্ন্দানের সৌগ্রে

कार्दर्श मिल क्लेटिक — कल्ल एक एक एक वित्यक्षेत्र भक्त कत्न भाग ७ कक बाहा कत् उ एमा उ उद्देश ए जिया ए — कउ र त जिल्ल वमना जिम्मात्नी टेज्वनी जाउँ२ जामा कव उ टेज्वनाम एक टेख्नव जीविमी ज'रव खमन कर्निट्टाइ-कटर मन्नार्भ फिमामीन ও উर्काराष्ट्र कारी करें मरगुक उ एका विज्ञि व्यात् छ रहेश भतात ए देखियापि निश्र मण्ड आर्डन-कडरा यागी निकर विवस कारन समाधि कना विवस श्राक ও कम्रक क्रिएएएग—कं ७२ कलाग्रंड थाड़ि ए बाटाई नीना मुनन । दावाव ७ जानभूता लहेश क्षण धन त्यगल श्रवका छन्म भात्रवा (তরানা সার্গন চতুর্ ও নক্তলে সশ্সুল হইয়া थाए। तामलाल ও यनाना मकरल मिक्निकात घाउँ सानामि करिया कामी एक हारि मिन्स खर्बिक करिलान। दामलाल भाष्यत ए जिल्लांत निक्छ नर्मान थाकिएजन रियकारम वर्तमावावरक लहेगा है छ छ । जमन क निरंजन श्रक किन अर्थ। ऐन कितिएटर किथिएन मण्डार्थ श्रकि ग्रानात्रमः आमम, मिथारन এक अणीन ना निमान जाशीतथीत माज (मिथिटिक् ग-नमी (नगवछी-निवादि छत्र भटक ए जियादि --- आश्वाद निर्माणय क्रिक देवक निर्मा आकाश्वादक (यम क्लाफ लहेय। याहिष्ड । त्रामलाल के वाजित निकरें वाहेबाँमार्क जिनि शूर्य পরিচিত ভাবে জিজাসা করিলেন --- (कमन खुटकार्शनिष्ट भार्ट लायात कि ताध इडेल? वांभलाल जारात मुथावलाकन कत्वानखत প्रवाम कतिलान। त्मरे आहीन किष्मिर व्यक्षज्ञ श्रेग्ना विलिक्त--विश्वाः आभात जम रहेगार्छ--- भागात धक छन निषा जारह ভাষার মুখ ঠিক ভোমার মত. আমি ভাষাকেই বোধ করিয়া ट्यामाटक मध्यांधन कविषाष्ट्रिलाम। शद्र वामलांदा ও बुत्रवादाद डाँश्रात निक्छे विभिग्न, नाना क्षकात माञ्चीय जानाभ कतिएक का शिक्षन इंडायगर्त हिंद्यां युक्त धक वाक्ति ध्रायावमरन निम्दे जातिया विमिल्लन। वत्रमावाव जाहारक नितीकन कत्र र विनिद्धिन स्थित कि?—निकटि ये जिस्ति माना! द्वाय व्याम এই कथा अनिवागाट्य लामाकि इहेगा मुख्य

लित अंडि पृष्टिभांड कतिस्मिन, मिंडिलाल तामलाल-क्यावरमाकन भूजिक हमकिया छित्र। आ अजन करितान । दिवक कांश निरुक्त था किया—ए छ। हेट ए आ गारक कि कथा बिद्व"—मिंडिनील धरे कथे, उलिया अम्हलत ग्रमाय छ। ड एक् विया काला न महान नाति एक कि विक् कि तिस्सन। क्री मटनडे कियर कर जोन जात्र शांक क्रान्य करेंद्र भूषी निश्मरण इस म— जाई (ः श्रामार्थ छाज। खेजरस्त्रहें वे मगद्य निज्ञक्ष त्राप क्रकेंद्र . शद्य त्रुमा तातुत त्रव थला लहेगा मिंडलाल (क्षांफ् इ'एक बिलालम-श्रामार्थ आश्रानि या कि नश्च लाङ् आणि धन पिरनत वानिनाग-- ध नदाधगरक करा करान। ভাতার হতে ধরিয়া উক্ত প্রাচীন বাকির নিকট হইতে भिष्म लहेगा भिष् याथा जारा निःगत भत्रम्भातत यावजीय किया करा क नटकर व विकारकर क निरम्भ धवर आमान बात। जिलात्नित हिर्देत विभिन्न किथिया कारीम आख्नाम भाग कतिस्म। भावताद्वता सा आस्म हिस्सम ख्याय विभागतम गणिलां किथि । एवं एक यद विल्लाम —"करे मा काथाय?—ना! ভোনার সেই कुमछान वारात धल--एन थाएक। (वंटक थाएक-मत्त्र नाक्-वाभि य नावकात कतिहा कि जात शत य जामात क्रिकें प्रथ (प्रथांके अपन के क् कर्य गा—अव्यान जामात निम्मा धरे या धक्यांत जायांत छत्। प्रभाग करिया आन जान किति"। भाग धरे कथा छनिना माजि श्रम् हिन्छ छाड़ाः युक्त नग्रदन निकटि व्यानिया काल श्रुटक्र मुथानटनाक्रदन अम्मा धन आश्र क्रेटलन। गांजिलाल मांजारक मिथिया मार्किन का हात्र हत्वा गयक निया शिक्या थाकितान करण्या का भदित माज ज्ञां अतिया प्रेठाहेबा अन्यम अक्षेत्र विद्धा जोकार ाटचांत्र समा । भूष्ट्रिया पिट्ड साधितमा स्व विकास मिरि व्यात विषाण जिल्ली ७ को व्याद्धिय जीकापिटनात महिन कार करा अधिलाण जनमें उ विभागात अभ क्षित्रा जानव समिद्ध स्थिया स्था स्वत् स्वता

देशमान कुमामी-क्रमन मरश्चीत त्यांना जामि काम क्रमांकी स्थि। छोल्स विवाह कोलीन लग्नम्बद्धत् निक्षे श्राकाद्र माभयं करत. (य जिल्हाता यात्रकीवन भवस्भत (क्रा कतिरत, मश क्रिंग পজিলেও ছাড়াছাড়ি হটবে না— व्यमा शुक्रध्यत व्यक्ति मनन कथन इडेर्न न' धवर शुक्रध्यत्रर् व्यमा स्तीत व्यक्तिमन कर्मा शिया है ति मा-लेकिश मनदन व्यक्ति পাপ। এই শপথের বিগরীত কণা আমা হইতে অনেব श्रीपाटि जित्व क्षी कर्जुक जा न श्रीत जाक किन ना श्री । जारि व्यागात व्यान या छाडे ও छित्रिती छाडाइनिर्धित श्रीख यर भरतामान्डि निदाङ कतिगाछि—एपि य मा—यात वाष् পৃথিবীতে ভাষলা সম্ভ ভার ।।।। ভাষাকে ভাসীম কে मिश्राष्ठि— भूख उड़ेगा তোগারে প্রহার করিয়াছি? मा अकल भारभार कि खोश्रां भहता बाह्य । अभर व बागात कि मुखा इकेटल गरन रम जावानल खालिए७ छ । इके निक्छिन भाने, किन्द्र ताथ कर्नि गृज्य गृज्य इहेगाएड का ভাগার দৃত্তমরূপ রেংগের কিছু চিহ্ন দেখি না—যাহা (छ। गता मकत्म वामि भाउ-जानि धई भारम छक्त नि वाकिया कठीत खजारम शान जान कतित।

অনস্তর ব্রদা বাবু রামলাল ও তাহার মাতা মতিলালের গুরুকে আনাইয়া বিশুর বুঝাইয়া মতিলালেরে সঙ্গে করিয়া আনিলেন। মুস্পেরের নিকট রজনীযোগে নৌক্ চাপন হইলে টোয়াড়ের মত আকৃতি এক জন লোক খনিয়ার কাছে আসিয়া "আগুন আছে—আগুন আছে" বুলিয়া তা হইয়া দেখিতে লাগিল। তাহার রক্মসক্মদেখিয়া ব্রদা বাবু বিশিলেন—সকলে সতর্ক হও, তদনস্তর নৌকার ছাতের উপাউটিয়া দেখিলেন একটা ঝোপের তিত্রে প্রায় বিশালাল ও বর্দা করি জন অপ্রধারী লোক ঘাপিট মরিয়া বসিয়া আছে—ঐ ব্যক্তি সঙ্গেত হরিলে চড়াও হইবে। অমনি রামলাল ও বর্দা বাবু বাহির হইয়া বন্দুক লইয়া কাওয়াজ করিতে লাগিলের শন্তুকের আওয়াজে ডাকাইতের। বনের ভিতর প্রবেশ করিল বর্দা বাবু ও রামলালের মানস বে তদ্ভয়ার হাতে লাইয়া আইনিদিগের পশ্চাবহ গিয়া ছই এক জনকে শরিয়া আইনিট

নিকটিত দারোগার কিন্দা করিয়া দেন কিন্তু পরিবারেরা সকলে বিবাধ করিল। মতিবালা এই ন্যাপার দেখিয়া বলিল বাঝার বাল্যানতঃ অবধি কর্মা এক হৈরই কুশিক্ষা হইয়াজে কামার বাবুআনাতেই স্থানা ইইয়াজে। রামলাল ক্ষালং করিত ভালতে আনি পরিহাস করিতাম – কিন্তু কালিলাম যে বালককালাব্ধি মর্দান। ক্ষলং না বিলে সাহস হয় না। সংগ্রিভ আমার অভিশয় ভ্রম্মাছিল, ন্দালি রামলালা ও বর্দা বাবুল, পাকিতেন করি আনর সকলেই ক'ট, নাই ৬'ম।

হরষ্ঠনদু চৌধুরী বাবু পর দিবদ আফিয়া বলিলেন
রাম বাবু! আফি বু-স্কুত পারি নাই— বাপ্তারামের
পরামর্যে তোম্যদিগের ভক্রান্দ দখল করিয়া লইয়াছি
— লামি অতান্ত ছুংখিত হইয়াছি যে ভোম্যদিগের পরিলামি অতান্ত ছুংখিত হইয়াছি যে ভোম্যদিগের পরিলামি বাহির করিয়া, বাটা দখল লইয়াছি। ভোমার
লামারণ গুণ—একণে আমি বাটা অমনি ফিরিয়া
হৈছি—আপনার! স্কুন্দে সেখানে গিয়া বাস কর্ন।
রামলাল বলিলেন আপনার নিকট আনি বড় উপত্ত
হিলাম ম্বদাপি আপনার বাটা ফিরিয়া দিবরে মানস হয়
ভবে আপনার যাহা যথার্ম পাওনা আগতে এইণ করিলে
লামার বাধিত হইব। হেরম্ব বাবু এই অন্তানে সম্মত
হৈছের রামলাল তংক্রাহা বিলেম হইবেত টাকা দিয়া ছই
ক্রিয়ে নামে কণ্ডবালা লিখিয়া লইয়া পরিবারের সহিত্ত
ভুক্ ভালাবন গুলেন এবং উল্লি দৃট্টি কর্ত কৃতক্ষ চিল্লে

: अ. खत द्वामाटालात विवाध करेल एट्डे क रेख अन्द भाकीर मार्वित छ जाना ना मित्रवारत स्थानक छ भारत स्टा काम गाधन क विट्ड लग् गटलन। त्रामा र -अभूमा अभीम १६ वण्डे शिट्ड िमय कर्षा के श्राम कर्षिटल में श्विष्ठाश्चा नान् निया निया निया विकास कर्तिया अल्लो (देशकाम करता नानानमीटल में) क किरमन-(नर्गान्स किन किन किन किन किन है। किन के किन किन किन किन विरमारयान कडिएकः - - विश्वातान नर्ः क्रिक ७ (४१व) कार्यमः वकापात्व मंत्रा (य क्रम् - रहेकान्त्र (यामार्म) ता विश्वास भ दिया का। व निया ८ ए विर ज ना निरम्भ — के क्राहा छ वाख्ना भूनिभनात्म भिता क्रांन कराट अबह 'खेर्ड्राफिशटम न' क अत्यापि का हिंद इस बदर कि प्रांच कर् सर्भाष्ट्रामिति एक नार्वेश छ। व राज्या महा वर्षे — हेन कि (कान केलाय ना क्रिया ए ए एसानी के केसा किसिति क क्षिश्वादलाय म् अंग्रेग शास्त्र का निर्माल का क्लाध्य श्राधित ज जाहर वक्षाक्षक या जिला विश किन देश था। अन्ति। कार्य देश रायुत्र आद्ययन केन्द्रिट छ हरेखा-कांग ग्राट्टत देशमाल देखें है व्या हाता निक्ष का करित्सः -- (श्रानात्रात्र गज्यनात् जन्म । " यहार (बंद मानत नदी दर अरह जल वरे आत क जारन" यामग्रा छ एकार कतिया नत्य दिश जगन कतिए आर क्षितिषान--धामाद अमी खात्नक द्यात्म भानि शहन करित क्रिया अकत्व मुना भावि इउगार्ड देवमावाणिएक आहे. मानुबाक विराज अर्था रहाश कत्र (करम कनाहेकम रश्या लाक्ष्यक्ति (रम्भाः (भे ७ क्यार्गाका बाह्या हेका गात्रे खात्र क्रिंद्र कार्य खाना वर्गना कावर ज वाकि विश्व " आमाव क्यांकि क्यां" ,बार्ड शाहि एक भ"----

A TANK BOTARIO & CO. S. TANK BOTARIO & CO. S. TANK BOTARIO